सूर्योदय : 6:52
सूर्यास्त : 5:49
अधिकतम तापमान : 24
न्यूनतम : 14

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्याः
SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-19 अंक-226 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, गुरुवार, 05 फरवरी 2026
16 शाबान 1447 हिजरी

हिन्दी दैनिक
अवधनामा
www.avadhnama.com

प्रदेश में विधानसभा का बजट सत्र 9 से 20 फरवरी तक

■ 11 को पेश होगा राज्य का बजट

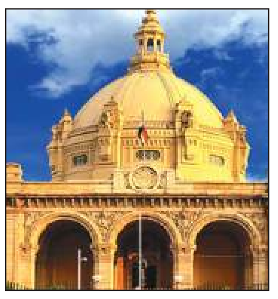

लखनऊ। विधानसभा का बजट सत्र आगामी 9 से 20 फरवरी तक चलेगा। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सत्र के प्रस्तावित कार्यक्रम को बुधवार को अनंतिम रूप से स्वीकृत कर दिया। अब कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में इस पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी। सत्र के दौरान 11 फरवरी को प्रदेश सरकार वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट दोनों सदनों में पेश करेगी।

कार्यक्रम के मुताबिक 9 फरवरी को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा अभिभाषण पढ़ा जाएगा, जिसमें दोनों सदनों के सदस्य मौजूद रहेंगे। साथ ही राज्य सरकार द्वारा कुछ अध्यादेश और विधेयक सदन के पटल पर रखे जाएंगे। वहीं 10 फरवरी को निधन के निर्देश पढ़े जाएंगे, जिसमें खासकर बरेली के फरीदपुर के भाजपा विधायक श्याम बिहारी लाल और सोनभद्र के दुद्धी से सपा विधायक विजय सिंह गोंड के बीते दिनों हुए निधन के बाद सदन द्वारा उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

इसके बाद सदन की कार्यवाही बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी जाएगी। अगले दिन वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना विधानसभा में बजट पेश करेंगे। तत्पश्चात राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा शुरू होगी, जो शुक्रवार तक जारी रहेगी। शनिवार और रविवार को अवकाश रहेगा। 16 फरवरी से 20 फरवरी तक बजट पर चर्चा होगी। अंतिम दिन सदन स्थगित होने से पहले उप्र विनियोग विधेयक को पारित कराया जाएगा।

लोकसभा में विपक्ष का हंगामा पीएम मोदी का भाषण टला

■ प्रधानमंत्री की सीट को घेरकर विपक्ष की महिला सांसदों ने किया प्रदर्शन

पीएम पर हमला करना था मकसद

एक टीवी चैनल की रिपोर्ट के अनुसार बीजेपी के मनोज तिवारी ने बाद में दावा किया कि महिला सांसदों का मकसद पीएम मोदी पर हमला करना था। उन्होंने कहा कि जो कुछ हुआ वह बहुत डरावना था। यह सिर्फ कांग्रेस की हताशा का लेवल दिखाता है। बीजेपी सांसद का कहना था कि महिला सांसदों को पहले से प्लान बनाकर प्रधानमंत्री की सीट के चारों ओर तैनात किया गया था। यह सिर्फ किरण रिजिजू की सूझबूझ की वजह से ही स्थिति को कंट्रोल में लाया जा सका।

नई दिल्ली। सदन में विपक्ष के हंगामे के बाद लोकसभा की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण भी टल गया है। प्रधानमंत्री को बुधवार शाम 5 बजे धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देना था।

इससे पहले सदन में जोरदार हंगामा देखने को मिला, जिसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सदन की कार्यवाही 12 बजे, फिर 2 बजे, और इसके बाद शाम पांच बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। वहीं, केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की तरफ से की गई टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी।

लोकसभा का बजट सत्र लगातार हंगामेदार बना हुआ है। सदन में बुधवार को भी हंगामे की वजह से लोकसभा की कार्यवाही को कई बार स्थगित करना पड़ा। हंगामे की वजह से राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब रद्द करना पड़ा। सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरणों से कोट करने की इजाजत नहीं दी गई। इसके बाद से ही विपक्षी सांसद सदन में हंगामा कर रहे हैं।

सदन की कई बार कार्यवाही रोकी गई। जैसे ही शाम 5 बजे सदन की कार्यवाही शुरू हुई विपक्ष का हंगामा शुरू हो गया। प्रधानमंत्री मोदी के बोलने की उम्मीद से कुछ ही देर पहले विपक्ष की तरफ से कुछ महिला सांसदों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। महिला सांसदों में वर्षा गायकवाड़ और ज्योतिमणि शामिल थीं। इन लोगों ने सत्ताधारी पार्टी की सीटों, जिसमें पीएम मोदी की सीट भी शामिल थी, की कुर्सियों को ब्लॉक कर दिया।

महिलाओं ने एक बड़ा बैनर पकड़ा हुआ था। बैनर पर लिखा था, जो सही है, वही करो। उनका विरोध मंगलवार को आठ विपक्षी सांसदों के निलंबन को लेकर था। स्पीकर की जगह ले चेयर पर रहीं संध्या राय ने फिर सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। महिला सांसदों ने कई मंत्रियों के कहने पर ही अपना विरोध खत्म किया।

भारत-यूएस के बीच महत्वपूर्ण खनिजों पर सहयोग की डील

■ भारत-अमेरिका विदेश मंत्रियों की अहम बैठक

नई दिल्ली। वाशिंगटन में मंगलवार की देर रात भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच हुई उच्च-स्तरीय बैठक हुई। इसमें द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े सभी आयामों पर चर्चा हुई है और संबंधों को नई गिति देने की सहमति बनी।

यह बैठक भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के बाद दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस बैठक में दुर्लभ खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) की खोज, खनन और प्रसंस्करण पर द्विपक्षीय सहयोग को औपचारिक रूप देने पर जोर दिया गया। दोनों पक्षों ने लोकतंत्रों के रूप में मिलकर नए आर्थिक अवसरों को खोलने और साझा ऊर्जा सुरक्षा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। जयशंकर बुधवार को देर रात क्रिटिकल मिनिरल्स पर आयोजित एक अन्य अंतरराष्ट्रीय बैठक में भी हिस्सा लेंगे।

यह बैठक अमेरिका के विदेश मंत्री की तरफ से बुलाई गई है। जयशंकर व रुबियो की बैठक में क्वाड (क्वाड्रिलेटरल सिक्योरिटी डायलाग - भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का संगठन) को प्रमुखता से उठाया गया। दोनों मंत्रियों ने क्वाड के माध्यम से द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग को विस्तार देने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में समृद्धि और स्थिरता दोनों देशों के साझा हितों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

तीन नाबालिग बहनों ने 9वीं मंजिल से कूदकर दी जान

ऑनलाइन गेमिंग की लत

■ तीनों टास्क बेस्ड कोरियन लवर गेम खेलती थीं

सुसाइड नोट में लिखा- सॉरी पापा, रोती हुई इमोजी बनाई

किशोरियों के कमरे से पुलिस को आठ पेज का एक सुसाइड नोट मिला है। इस सुसाइड नोट में उन्होंने मम्मी-पापा से सुसाइड करने के लिए माफी मांगी। सुसाइड नोट में लिखा- इस डायरी में जो कुछ भी लिखा है, वो सब पढ़ लो क्योंकि ये सब सच है। आई एम सॉरी, पापा। सुसाइड नोट में एक इमोजी भी बना है, जिसमें एक लड़की रोते हुए दिखाई गई है।

गाजियाबाद। गाजियाबाद के टीलामोड़ थानाक्षेत्र इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक ही परिवार की तीन नाबालिग बहनों ने 9वीं मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी। तीन बेटियों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों के कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक, मामला मंगलवार देर रात करीब दो बजे का है। किशोरियों के माता-पिता दूसरे कमरे में सो रहे थे। तीनों बहनों ने अपने कमरे की खिड़की से छलांग लगा दी। बताया जा रहा है कि ये तीनों बहनें पिछले कुछ महीनों से ऑनलाइन गेम खेलने की आदी हो चुकी थीं और कोरोना महामारी के बाद से इनका स्कूल भी रेगुलर नहीं था। तीनों बहनें पिछले कुछ माह से ऑनलाइन टास्क बेस्ड कोरियन लवर गेम खेल रही थीं। उनकी उम्र 16, 14 और 12 वर्ष थी। तीनों ने सामूहिक आत्महत्या क्यों की, इसका कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस का कहना है कि परिजनों से पूछताछ की जा रही है और मोबाइल फोन व डिजिटल गतिविधियों की जांच की जा रही है।

एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि किशोरियों के पिता ऑनलाइन ट्रेडिंग का करते हैं और तीन वर्ष से भारत सिटी सोसायटी में किराये पर रह रहे हैं, मूल रूप से दिल्ली निवासी हैं। तीनों शव पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवा दिए हैं। मोबाइल कब्जे में लेकर जांच की जा रही है।गाजियाबाद के डीसीपी निमिष पाटिल ने कहा, अभी तक की जांच में सामने आया है कि तीनों बच्चियों ने आत्महत्या की है।

अयोध्या धाम में बनेगी वैदेही आर्ट गैलरी

■ मुख्यमंत्री योगी ने दिए अत्याधुनिक संग्रहालय बनाने के निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री अयोध्या धाम में देवी सीता के जीवन और आदर्शों को समर्पित एक वैदेही आर्ट गैलरी की स्थापना का निर्देश दिया है। एक आधिकारिक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री ने आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की बैठक में कहा कि देवी सीता भारतीय संस्कृति, मर्यादा और नैतिक आदर्शों की अनुपम प्रेरणा हैं, और नई पीढ़ी को उनके उज्ज्वल चरित्र से गहराई से परिचित कराना समय की आवश्यकता है। प्रस्तावित आर्ट गैलरी की अवधारणा को रेखांकित करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि यह पारंपरिक कला संग्रहालय नहीं होना चाहिए, बल्कि अत्याधुनिक, गहन सांस्कृतिक स्थान होना चाहिए जो समकालीन तकनीक के माध्यम से सीता के जीवन, बलिदान, करुणा, गरिमा, धैर्य और आंतरिक शक्ति की आधुनिक पुनर्कथा प्रस्तुत करे।

उन्होंने निर्देश दिया कि गैलरी की कथात्मक सामग्री, डिज़ाइन, दृश्य भाषा, कला और तकनीक समेत सभी पहलू दैवीय विरासत के पुनरावलोकन की भावना को प्रतिबिंबित करें और उसे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा के स्रोत के रूप में प्रस्तुत किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैदेही आर्ट गैलरी की मूल भावना यही हो कि आगंतुक सीता माता के जीवन-संदेश को केवल देखें नहीं, बल्कि उसे अनुभव करें, समझें और आत्मसात करें। अयोध्या विकास प्राधिकरण के साथ संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के निकट वशिष्ठ भवन परिसर में विकसित की जा सकती। उन्होंने कहा कि इस गैलरी का विकास अयोध्या के वैश्विक सांस्कृतिक नगर के रूप में उभरने के प्रयासों का एक महत्वपूर्ण चरण होगा। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से निर्देश दिया कि मिथिला की संस्कृति, लोकपरंपरा और कला के विविध आयामों को गैलरी में प्रदर्शित किया जाए।

यूपी में राज्य पक्षी सारस की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी, गणना में 20,628 दर्ज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वन एवं वन्यजीव संरक्षण को लेकर सरकार के निरंतर प्रयास अब स्पष्ट रूप से नज़र आने लगे हैं। प्रदेश की हालिया शीतकालीन राज्यव्यापी गणना में राज्य पक्षी सारस की कुल संख्या 20,628 दर्ज की गई है, जो बीते वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाती है। बुधवार को प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) अनुराधा वेमुरी ने बताया कि वन विभाग द्वारा प्रतिवर्ष ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन दो चरणों में सारस गणना कराई जाती है। इस वर्ष शीतकालीन गणना प्रदेश के 68 वन प्रभागों में संपन्न हुई।

इसमें इटावा वन प्रभाग सबसे आगे रहा, जहां 3,304 सारस पाए गए। वहीं मैनपुरी में 2,899, औरैया में 1,283, शाहजहांपुर में 1,078, गोरखपुर में 950, कन्नौज में 826, कानपुर देहात में 777, हरदोई में 752, सिद्धार्थनगर में 736 और संतकबीर नगर में 701 सारस दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि, प्रदेश के 10 वन प्रभागों में सारसों की संख्या 500 से अधिक रही। इसके अलावा 29 वन प्रभागों में 100 से 500 के बीच और शेष 29 वन प्रभागों में 100 से कम सारस पाए गए।

सरकार कहती है किताब अभी छपी नहीं : राहुल गांधी

■ वही पुस्तक मैं पीएम मोदी को भेंट करूंगा

प्रियंका गांधी ने प्रकाशित पुस्तक की फोटो पोस्ट की

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी बाद में राहुल गांधी के हाथ में प्रकाशित पुस्तक की फोटो पोस्ट करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर कहा ये पूर्व सेनाध्यक्ष नरवणे जी की किताब है। सरकार कह रही है कि ये किताब है ही नहीं और आप इसे कोट नहीं कर सकते। इसमें नरवणे जी ने लिखा है कि लद्दाख में चीन की सेना हमारे क्षेत्र में घुस रही थी। सेनाध्यक्ष ने राजनाथ जी से पूछा कि क्या करना है। पहले कोई जवाब नहीं दिया। बार-बार फोन करने पर नरेंद्र मोदी जी ने मैसेज दिया कि जो उचित समझो वो करो।

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि जिस पुस्तक के उद्धरण बोलने से उन्हें यह कहते हुए संसद में रोका जा रहा है कि यह पुस्तक छपी ही नहीं है, तो आज यह पुस्तक उनके हाथ में है और इसे वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट करना चाहेंगे। राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में लोकसभा से निलंबित आठ कांग्रेस सांसदों के संसद भवन के मकर द्वार पर धरने पर बैठने के बाद बुधवार को पत्रकारों से कहा कि जिस पुस्तक में लिखे अंशों का वह लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान जिक्र करना चाहते हैं, सरकार की तरफ से कहा जा रहा है कि ये तथ्य अप्रमाणिक हैं और पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई है। उन्होंने पत्रकारों को पुस्तक की प्रति दिखाते हुए सवाल किया कि किस आधार पर सरकार के वरिष्ठ मंत्री कह रहे हैं कि पुस्तक छपी ही नहीं है।

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर भी इसे लेकर एक पोस्ट में कहा ÷आज अगर प्रधानमंत्री संसद में आते हैं, तो मैं उन्हें एक किताब भेंट करूंगा। यह किताब किसी विपक्षी नेता की नहीं है। यह किताब किसी विदेशी लेखक की नहीं है। यह किताब है देश के पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे की -और हैरानी की बात यह है कि यह किताब कैबिनेट मंत्रियों के हिसाब से मौजूद ही नहीं है।

राहुल गांधी ने कहा कि इस किताब में साफ़ लिखा है कि जब चीनी सेना हमारी सीमा में घुस आई थी, ऐसी नाज़ुक घड़ी में सेना प्रमुख को इंतजार करवाया। और जब निर्णय लेने का वक़्त आया, तो प्रधानमंत्री ने बस इतना कहा जो आपको उचित लगे, वो कीजिए। यानी देश की सुरक्षा के सबसे गंभीर संकट में, पीएम मोदी जी ने राजनीतिक ज़िम्मेदारी से हाथ खड़े कर लिए।

मायावती ने 7 फरवरी को बुलाई पूरे प्रदेश के पदाधिकारियों की बैठक

■ चुनाव के बाबत अहम दिशा-निर्देश भी देंगी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती आगामी 7 फरवरी को प्रदेश भर के पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगी, जिसमें विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बाबत संगठन के कार्यों की समीक्षा की जाएगी। बैठक में जोनल से लेकर विधानसभा स्तर के पदाधिकारियों को बुलाया गया है। इस दौरान बसपा सुप्रीमो चुनाव की तैयारियों के बाबत अहम दिशा-निर्देश भी देंगी।

बता दें कि बसपा सुप्रीमो ने बीते दिनों विधानसभा स्तर पर संगठन को मजबूत करने का निर्देश दिया था। जिसके बाद पार्टी द्वारा 1600 टीमों का गठन किया गया था, जो गांव-गांव जाकर बसपा समर्थकों को सक्रिय करने के साथ नए वोटर बनाने की मुहिम में जुटी थी। बैठक के दौरान इसकी रिपोर्ट ली जाएगी। साथ ही एसआईआर के कार्यों के बारे में भी सभी पदाधिकारियों को बताना होगा। इस दौरान यूजीसी के नये नियमों के बारे में भी बसपा सुप्रीमो पार्टी लाइन के बारे में बताएंगी।

विवाद राहुल गांधी के गद्दार तंज पर भाजपा का पलटवार

सिख नेताओं ने कहा- राहुल गांधी ने हमेशा अपमान किया

नई दिल्ली। संसद परिसर में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच हुई तीखी नोकझोंक अब राजनीतिक तूफान बन चुकी है। राहुल गांधी ने प्रदर्शन के दौरान बिट्टू को मेरे गद्दार दोस्त कहकर संबोधित किया और मजाकिया अंदाज में हाथ मिलाने की कोशिश की, साथ ही कहा कि वे वापस कांग्रेस में लौट आएंगे। बिट्टू ने हाथ मिलाने से इनकार कर दिया और पलटवार में राहुल को देश का दुश्मन करार दिया।

इस घटना के बाद बीजेपी ने अपनी सिख नेताओं की पूरी ताकत झोंक दी। पार्टी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राहुल गांधी पर सिख समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का गंभीर आरोप लगाया।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि गद्दार जैसे शब्द का इस्तेमाल बेहद गंभीर है, क्योंकि इसका मतलब देश के साथ विश्वासघात करने वाला होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल सिर्फ इसलिए नाराज हैं क्योंकि बिट्टू ने कांग्रेस छोड़कर बीजेपी जॉइन की। पुरी ने कहा, एक पगड़ी पहनने वाले शख्स के पार्टी छोड़ने पर उसे गद्दार कहना अस्वीकार्य है। संसद में और बाहर चर्चा शालीनता से होनी चाहिए। उन्होंने बिट्टू के परिवार के बलिदान का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे बयान सिख समुदाय के लिए अपमानजनक हैं।

दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने राहुल पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सिखों के प्रति नफरत रखते हैं। कभी उन्हें आतंकी बताते हैं, तो कभी देश बांटने वाला। सिरसा ने 1984 के दंगों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि गांधी परिवार ने सिखों के गले में टायर डालकर आग लगाने का काम किया और अखबारों में इश्तहार देकर उन्हें आतंकी बताया। उन्होंने कहा, असली गद्दार गांधी परिवार है, जो सिखों के खिलाफ जहर फैलाता रहा है।

पूर्व कांग्रेस नेता और बीजेपी के अरविंदर सिंह लवली ने कहा कि सिख समुदाय में राहुल के बयान से भारी आक्रोश है। उन्होंने पूछा, जिस व्यक्ति के दादा ने देश के लिए प्राण त्याग दिए, वो कैसे गद्दार हो गया? लवली ने आरोप लगाया कि राहुल पहले भी सिखों की भावनाओं को ठेस पहुंचाते रहे हैं और अब समुदाय उन्हें माफ नहीं करेगा। यह विवाद तब और गहरा गया जब बीजेपी ने इसे सिख समुदाय के खिलाफ कांग्रेस की पुरानी सोच से जोड़ दिया। बिट्टू, जो पहले कांग्रेस में थे और अब बीजेपी में केंद्रीय मंत्री हैं, के परिवार का इतिहास देशभक्ति से जुड़ा है। इस मामले ने राजनीतिक गलियारों में तीखी बहस छेड़ दी है, जहां बीजेपी सिख नेताओं को आगे करके राहुल गांधी को घेर रही है।

चुनाव आयुक्त के खिलाफ विपक्ष ने की महाभियोग लाने की तैयारी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट में सुधार को लेकर शुरू हुआ विवाद अब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर महाभियोग तक पहुंच गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सीईसी के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की मांग की थी। अब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत कई अन्य विपक्षी दल भी उनके समर्थन में आते दिख रहे हैं। कांग्रेस ने कहा है कि इस मुद्दे पर पूरा विपक्ष मिलकर फैसला लेगा।

कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने बुधवार को कहा कि विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने पर सामूहिक रूप से फैसला करेगा। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी की ओर से उठाया गया यह एक बहुत ही प्रासंगिक मुद्दा है। हम इस पर सकारात्मक रूप से विचार कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस ने इस बारे में कांग्रेस से संपर्क किया है।

ममता बनर्जी को देखने बड़ी संख्या में जमा हुए लोग

■ अपने वकीलों के साथ सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं थीं सीएम

सीएम ने पत्रकारों के सवाल का नहीं दिया जवाब

सीएम ममता बनर्जी के अदालत परिसर में प्रवेश करते ही, वहां मौजूद मीडियाकर्मियों ने खुशी-खुशी उनकी तस्वीरें खींचनी शुरू कर दीं और अपने मोबाइल फोन से वीडियो बनाने लगे। एलीवेटर पर कदम रखते समय, तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख बनर्जी ने मीडियाकर्मियों के इस सवाल का जवाब नहीं दिया कि क्या वह स्वयं दलीलें पेश करेंगी।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस सूर्यकांत के कक्ष में बुधवार को उस समय वकील और वादी उमड़ पड़े जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोर्ट की पीठ के सामने अपनी दलीलें रख रही थीं। दरअसल,सुप्रीम कोर्ट की पीठ सीएम ममता बनर्जी की ओर से पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा थी।

सफेद साड़ी और काले दुपट्टे में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सुबह करीब 10 बजे तृणमूल कांग्रेस के सांसद एवं सीनियर वकील कल्याण बनर्जी समेत अपने अन्य वकीलों के साथ सुप्रीम कोर्ट के प्रवेश द्वार पर पहुंचीं। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने शीर्ष अदालत के परिसर में प्रवेश करने के लिए सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री से प्रवेश पास के लिए आवेदन किया था और उन्हें यह पास मिल गया था। सुबह 10 बजे बनर्जी अपने वकीलों के साथ सीजीआई के कोर्ट में दाखिल हुईं और दर्शकों के लिए लगी एक कुर्सी पर बैठ गईं। चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली पीठ ने उनकी याचिका पर सुनवाई शुरू की, तो उन्हें वकीलों के लिए आरक्षित पहली पंक्ति में देखा गया। कुछ समय तक वकील श्याम दीवान ने उनकी ओर से पैरवी की और बाद में बनर्जी ने स्वयं दलीलें पेश करने के लिए पीठ से अनुमति मांगी, जिसे स्वीकार कर लिया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि शिक़ायत मिलने पर जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी

अवधनामा संवाददाता

- किसी भी स्तर पर मानकों की अनदेखी सीधे कार्रवाई को आमंत्रित करेगी
- कस्बों में बनने वाली सड़कों में नहीं चलेगा घटिया निर्माण

लखीमपुर-खीरी। अब शहर और कस्बों में बनने वाली सड़कों में घटिया निर्माण नहीं चलेगा। नगर निकायों द्वारा कराए जा रहे सड़क, नाली और नाला निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है। लगातार मिल रही जनशिकायतों और मीडिया रिपोर्ट्स को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने हर निर्माण कार्य पर सतत निगरानी व्यवस्था लागू कर दी है।डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के निर्देश पर नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों में कराए जाने वाले हॉट मिक्स प्लांट से डामरीकरण और सीसी सड़क निर्माण सहित सभी सिविल कार्यों की निगरानी के लिए एक-एक सहायक अभियंता नामित किया जाएगा ये अभियंता निर्माण कार्य की शुरुआत से लेकर अंतिम परत तक कार्यों का पर्यवेक्षण करेंगे विशेष रूप से हॉटमिक्स प्लांट से बिटुमिन/डामर, सीसी सड़कों के निर्माण में सामग्री तैयार होने के स्थल से लेकर कार्यस्थल पर सड़क डाले जाने तक पूरी प्रक्रिया सहायक अभियंता की पर्यवेक्षण में कराई जाएगी। किसी भी स्तर पर मानकों की अनदेखी सीधे कार्रवाई को आमंत्रित करेगी डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने दो टूक शब्दों में कहा है कि जनसामान्य के आवागमन को सुगम बनाने के लिए होने वाले कार्यों में गुणवत्ता सर्वोपरि है। लापरवाही, मनमानी या मिलीभगत सामने आने पर जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई तय है। डीएम ने अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग (निर्माण खण्ड-1, 3, प्रांतीय खंड) के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने क्षेत्र के सभी नगरीय निकायों के लिए नामित सहायक अभियंताओं की सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जाए, ताकि निगरानी व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू हो सके।

पांच किसानों से पांच लाख की फिरौती की मांग

गंगोह। जिला पंचायत सदस्य सहित पांच किसानों को गुमनाम धमकी भरी चिट्ठी भेज जिन्दा जलाकर जान से मारने की धमकी देकर पांच लाख फिरौती की मांग की गई है। गांव बुड्ढाखेड़ा निवासी जिपंस रामदास सैनी पुत्र आत्मा राम ने कोतवाली में दी गई तहरीर में कहा कि 3 फरवरी की सुबह जब वह उठकर अपने खेत पर गया, तो खेत पर बने कोठे के गेट पर लाल स्याही से लिखी गुमनाम चिट्ठियां पड़ी हुई मिली, जिनमें 13 फरवरी तक 5 लाख रुपये फिरौती की मांग की गई है। रामदास के अलावा खेत के पडौसियों रामनाथ, ऋषिपाल व राजेश शर्मा को भी फिरौती न देने और पुलिस को बताने पर परिवार को जिन्दा जलाकर जान से मारने और खेतो को जलाने की धमकी दी गई है। धमकियों से सदमें में आये पीडितों ने पुलिस से अपने जानमाल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार ने पीड़ितों को आश्वस्त किया कि पुलिस गहनता से जांच में जुट गई है।

मंदिर के वार्षिकोत्सव पर यज्ञ व भंडारे का किया आयोजन

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। सिद्धपीठ शिव बगलामुखी मंदिर के अष्टम 23 व वार्षिक उत्सव के उपलक्ष में यज्ञ में पूर्णाहुति देने के साथ-साथ भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर में आयोजित अनुष्ठान कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य पंडित शुभम कौशिक एवं आचार्य पंडित कुलदीप शर्मा ने यजमानों से देव पूजन, भागवत पूजन कर संपन्न कराया। भागवत कथा का रसपान कराते हुए आचार्य पंडित रोहित वशिष्ठ महाराज ने कहा कि श्रीमद् भागवत महापुराण भगवान श्रीकृष्ण का वांग्मय स्वरूप है। भगवान के धरा धाम से प्रस्थान करते समय उद्धव की प्रार्थना पर भगवान श्री कृष्ण एक रूप से गोलोक धाम में प्रस्थान कर गए और दूसरे रूप से श्रीमद् भागवत महापुराण में प्रविष्ट हो गए। कलयुग में भगवान श्री कृष्ण के दर्शनों की जिसे कामना हो, उसे श्रीमद् भागवत महापुराण में खोजना चाहिए। भक्तों को भागवत के माध्यम से ही भगवान की प्राप्ति होती है। श्रीमद् भागवत महापुराण की पूजा एवं आरती के साथ कथा का समापन हुआ। इस अवसर पर नगर के गणमान्य लोगों ने धर्म लाभ

काठगोदाम एक्सप्रेस को पीलीभीत, मैलानी होकरचलाये जाने के सम्बन्ध रेलवे बोर्ड को भेजा प्रस्ताव

लखीमपुर-खीरी (अवधनामा संवाददाता) काठगोदाम-लखनऊ के बीच चलने वाली 15042-44 काठगोदाम एक्सप्रेस को वाया बरेली, शाहजहांपुर के स्थान पर पीलीभीत, मैलानी होकर चलाया जायेगा। इस संबंध में रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव भेज दिया गया है। मंजूरी मिलने के बाद गाड़ी का संचालन नए रूट से शुरू कर दिया जाएगा पीलीभीत-मैलानी-लखीमपुर-सीतापुर रेल लाइन पर ट्रेनों की संख्या सीमित है। यह पूर्वोत्तर रेलवे के अधीन आने वाली रेल लाइन है। वर्तमान में काठगोदाम-लखनऊ एक्सप्रेस उत्तर रेलवे की लाइन से चलाई जा रही है। इस रेल लाइन पर पहले से ही ट्रेनों का काफी दबाव है काठगोदाम-लखनऊ एक्सप्रेस का संचालन मीटरगेज के दौरान पीलीभीत, मैलानी रूट से नैनीताल एक्सप्रेस के रूप में किया जाता था। ब्राडगेज लाइन पर गाड़ियों का संचालन शुरू होने के बाद भी अब तक इस ट्रेन का संचालन पुराने रूट पर शुरू नहीं हो सका है पीलीभीत, मैलानी, पूरनपुर, लखीमपुर आदि इलाकों के लोगों के साथ जनप्रतिनिधि भी इस गाड़ी का संचालन पुराने रूट से शुरू करने की मांग कर रहे थे।

तीन दिवसीय कुश्ती प्रतियोगिता के दूसरे दिन अखाड़े में पहलवानों ने जोरदार दांव-पेच दिखाए

लखीमपुर-खीरी (अवधनामा संवाददाता) रमियाबेहड़ में ढखेरवा चौराहे स्थित जय गुरुदेव मार्केट परिसर में चल रही तीन दिवसीय कुश्ती प्रतियोगिता के दूसरे दिन अखाड़े में रोमांच चरम पर रहा। पहलवानों ने जोरदार दांव-पेच दिखाए और दर्शकों को भरपूर रोमांच मिला। अंतिम कुश्ती के लिए अयोध्या के चर्चित पहलवान लाडी बाबा अखाड़े में उतरे, लेकिन उनके सामने मुकाबले के लिए कोई पहलवान तैयार नहीं हुआ, जिसके बाद प्रतियोगिता का समापन कर दिया गया प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व ब्लॉक प्रमुख ईसानगर राजीव अवस्थी ने फीता काटकर किया। दूसरे दिन कुल आठ कुश्तियां कराई गई। पहली कुश्ती में अयोध्या के बाबा नागेंद्र दास ने मध्यप्रदेश के बादल पहलवान को पराजित किया। बनारस के मनोज और जम्मू-कश्मीर के फैजल गनी के बीच मुकाबला बराबरी पर छूटा। इसके बाद फैजल गनी ने ग्वालियर के बादल पहलवान को चित किया। हरियाणा के मनोज ने पंजाब के करनैल सिंह को कड़े मुकाबले में हराया। नेपाल के राजू थापा ने राजस्थान के बिल्ला पहलवान को चित किया। वहीं चंबल के प्रदीप पहलवान ने हरियाणा के मनोज को शिकस्त दी।

महिला को सम्मोहित कर सोने के कुंडल उड़ाये

- नुमाइश कैंप में हुई बड़ी घटना रोड पर चलती महिला के उतरवाए कान के कुंडल

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। घर से बाहर सामान लेने आई महिला को दो युवको ने सम्मोहित करके उनके कानों के कुंडल उतरवा लिए। बेसुध महिला को होश आने पर उनको घटना घटित होने के बारे में पता चला। जिसके बाद थाना नगर कोतवाली चौकी नुमाइश कैंप में तहरीर देकर दो अज्ञात लोगों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की गई।

थाना नगर कोतवाली चौकी नुमाइश कैंप के अंतर्गत गढी मलूक गली नम्बर 01 की रहने वाली महिला रेखा पत्नी विजय कुमार ने शिकायती पत्र मे बताया कि वो दोपहर लगभग 2.30 बजे घर का सामान लेने नुमाईश कैम्प श्मशान घाट वाली रोड पर गई थी। वहां मुझे दो लड़के उसके पास आए और उससे पूछा की बैंक कहाँ पर है, हमे पैसे जमा करने है, फिर उसे पाँच सौ रुपए का नोट दिया और कहा कि देखना आंटी नकली तो नहीं। जैसे ही उसने नोट को दिखा, फिर उन्होंने उसे सम्मोहित करके उसके कानों के कुंडल उतरवा लिए और महिला को ई-रिक्शा में बैठा कर मौके से फरार हो गए। दोनों लड़के सीसीटीवी कैमरे में साफ देखे जा रहे हैं। पीड़िता परिवार ने थाना नगर कोतवाली की चौकी नुमाइश कैंप में तहरीर देकर दो अज्ञात युवको के विरुद्ध शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की।

अभी नहीं बनवाया लाइसेंस तो अगले वर्ष लगेगी दोगुणी पैनल्टी

अवधनामा संवाददाता

- नर्सिंग होम लाइसेंस के लिए 6-7 फरवरी को आईएमए भवन में लगेगा विशेष शिविर

सहारनपुर। नगर निगम द्वारा आईएमए भवन हकीकत नगर में एक विशेष शिविर लगाकर नर्सिंग होम व चिकित्सकों के वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के व्यवसायिक लाइसेंस बनाये जायेंगे। शिविर में लाइसेंस नवीनीकरण के अलावा नये लाइसेंस भी बनाये जायेंगे। नगरायुक्त के निर्देश पर शिविर के लिए पांच कर्मचारियों की एक विशेष टीम बनायी गयी है।

कर अधीक्षक (लाइसेंस) सुधीर शर्मा ने बताया कि आईएमए अध्यक्ष डॉ. प्रवीण शर्मा ने महापौर डॉ. अजय कुमार को एक पत्र भेजकर लाइसेंस बाईलाज हेतु एक कैंप लगाने का अनुरोध किया था। जिस पर महापौर डॉ. अजय कुमार एवं नगरायुक्त शिपू गिरि के निर्देशों के अनुपालन में नगर निगम द्वारा आईएमए भवन में 06 फरवरी और 07 फरवरी को दो दिवसीय लाइसेंस शिविर लगाया जायेगा। उन्होंने सभी नर्सिंग होम संचालक व चिकित्सा से सम्बंधित क्लीनिक चलाने वाले अन्य चिकित्सकों से अपने पुराने लाइसेंस शुल्क की रसीद भी साथ लाने का अनुरोध किया है। उन्होंने बताया कि जिन लोगों को नया रजिस्ट्रेशन कराना है उन्हें अपना आधार कार्ड, सीएमओ द्वारा जारी रजिस्टेऊशन की प्रति और पासपोर्ट साइज का फोटो भी साथ लाना होगा। कर अधीक्षक लाइसेंस सुधीर शर्मा ने अन्य व्यवसायियों, होटल, ढाबा, बेकरी, मेडिकल स्टोर, स्कूल-कॉलेज आदि संचालकों व अन्य खाद्य पदार्थों के दुकान स्वामियों से भी अपना लाइसेंस शुल्क जमा करने की अपील करते हुए चेतावनी दी है कि यदि इस वित्तीय वर्ष में लाइसेंस शुल्क जमा नहीं किया गया तो आगामी वित्तीय वर्ष में दोगुणी पेनल्टी के साथ जमा किया जायेगा। उन्होंने बताया कि अभी 58 शराब कारोबारियों द्वारा ही लाइसेंस बनवाया गया है, आठ शराब कारोबारियों ने अभी व्यवसायिक शुल्क जमा नहीं कराया गया है। उन्होंने बताया कि यदि उक्त शराब कारोबारियों ने दो दिन के भीतर शुल्क जमा नहीं कराया तो उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जायेगी।

गैंगस्टर एक्ट के अपराधियों की सम्पत्ति जब्त

सहारनपुर। थाना जनकपुरी पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में बड़ी कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों द्वारा अवैध रूप से अर्जित की गयी सम्पत्ति को जब्त किया है। पुलिस उपमहानिरीक्षक /वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आशीष तिवारी के निर्देशन में गैंगस्टर एक्ट के अपराधियों की सम्पत्ति जब्तीकरण का अभियान चलाया जा रहा है। जिसके क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी द्वितीय के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गैंगस्टर एक्ट के अन्तर्गत आज अभियुक्त आसिफ पुत्र आलमगीर निवासी ग्राम हबीबगढ थाना कोतवाली देहात व रहीस पुत्र नसीम निवासी अलावलपुर रोड छुटमलपुर थाना फतेहपुर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनके द्वारा अवैध रूप से अर्जित सम्पत्ति को जब्त किया है। थाना जनकपुरी प्रभारी विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि अभियुक्तों से दो बाईके जब्त की गयी है जिनका मूल्य 97,000 रूपये मात्र है। उन्होंने बताया कि सम्पत्ति को अभियुक्तों द्वारा आपराधिक गतिविधियों के माध्यम से अर्जित किया गया पाया गया, जिस पर सक्षम प्राधिकारी के आदेशानुसार गैंगस्टर एक्ट के अन्तर्गत विधिक कार्यवाही करते हुए जब्तीकरण किया गया। इस कार्यवाही से अपराधियों में स्पष्ट संदेश गया है कि अवैध गतिविधियों से अर्जित सम्पत्ति को किसी भी दशा में बख्शा नहीं जायेगा।

बुजुर्ग महिला ने अपने सगे भतीजे परलगाया धोखाधड़ी व जेवर चोरी करने का आरोप

लखीमपुर-खीरी (अवधनामा संवाददाता) धौरहरा कस्बे की बुजुर्ग महिला ने अपने सगे भतीजे पर पति के इलाज के बहाने धोखाधड़ी कर 10 बीघा भूमि की फर्जी वसीयत कराने और घर से सोने-चांदी के जेवर चोरी करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मोहल्ला हिदायत नगर निवासी रामश्री पत्नी सुर्जलाल का आरोप है कि उसका सगा भतीजा प्रताप, पति सुर्जलाल की बीमारी का फायदा उठाकर दवा दिलाने के बहाने 10 दिसंबर को उन्हें रजिस्ट्री कार्यालय ले गया और वहां 10 बीघा भूमि की वसीयत करा ली। इसके बाद 17 दिसंबर को पति की मृत्यु हो गई। रामश्री का कहना है कि पति के निधन के बाद जब वह अंतिम संस्कार की तैयारियों में व्यस्त थी, तभी आरोपी ने घर में घुसकर बख्शे में रखे सोने-चांदी के जेवर चोरी कर लिए। घटना की जानकारी होने पर पीड़िता ने कोतवाली के साथ ही उपजिलाधिकारी को भी प्रार्थना पत्र सौंपा।

कैंसर की बीमारी से आमजन को किया सचेत

सहारनपुर (अवधनामा संवाददाता) कैंसर विश्व दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में लोगो को कैंसर की बीमारी की बारे मे जानकारी दी गई। आई.जी.एफ के प्रोजेक्ट एग्जीक्यूटिव आशीष डोभाल ने जानकारी देते हुए बताया कि आई.जी.एफ और एम.ई.एल.पी.एल. अल्स्टॉम के सौजन्य से कैंसर विश्व दिवस के उपलक्ष्य में ग्राम टपरी कला में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों को रैली और तटस्थ संवाद के माध्यम से कैंसर जैसी भयंकर बीमारी के विषय में अवगत कराया गया। कार्यक्रम मे लोगों से स्वयं जागरूक बनने और अपने आसपास के लोगों को भी कैंसर के प्रति जागरूक करने की अपील की गई। इस अवसर पर डॉ. दिनेश योगी, फर्मासिस्ट सोनू धाकड़, आशीष डोभाल, सुनील कुमार, अशोक कुमार व आई.जी.एफ के स्टाफ समेत कई लोग मौजूद रहे।

एल्पाइन पब्लिक स्कूल में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

सहारनपुर (अवधनामा संवाददाता) एल्पाइन पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 200 विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जांच की गई। चिलकाना रोड स्थित स्कूल में आयोजित शिविर में वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अरुण अनेजा द्वारा बच्चों की सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई तथा उन्हें स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित आहार और स्वच्छता के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि नियमित स्वास्थ्य परीक्षण से अनेक बीमारियों से बचाव संभव है। दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. सदफ ने बच्चों को दांतों की सही देखभाल, नियमित ब्रश करने एवं मौखिक स्वच्छता बनाए रखने के उपाय बताए। इसके अतिरिक्त डॉ. मोहित के नेतृत्व में आईक्यू टीम द्वारा विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं की भी आंखों की जांच की गई, जिससे सभी को लाभ प्राप्त हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य शकील अहमद ने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

पुलिस ने वाहन चोर दबोचा, एक बाईक बरामद

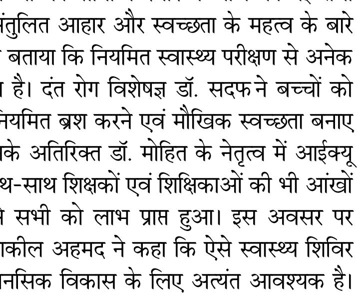

सहारनपुर (अवधनामा संवाददाता) थाना फ्तेहपुर पुलिस ने वाहन चोरी का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर के गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की बाईक बरामद कर उसका चालान काटकर जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार विगत् 19 जनवरी को वादी पंकज कुमार पुत्र महीपाल सिंह निवासी बेहडा कलां थाना फ्तेहपुर की तहरीर पर अज्ञात चोर के खिलाफ वादी की बाईक चोरी कर लेने के सम्बन्ध में थाना फ्तेहपुर पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। थाना फ्तेहपुर प्रभारी विनय शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि आज उनके व उप निरीक्षक शेषपाल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जांच के दौरान प्रकाश में आये आरोपी शंकर पुत्र मुन्ना निवासी इब्राहिमपुर थाना फ्तेहपुर को चोरी की बाईक के साथ देहरादून-छुटमलपुर रोड से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह नशे का आदि है और अपने नशे की लत को पूरा करने के लिये उसने कस्बा छुटमलपुर मे पंजाब हास्पिटल के सामने से बाईक चुरायी थी जिसे वह आज बेचने के लिए जा रहा था कि पुलिस ने पकड़ लिया।

अमित व सारांश ने कायस्थ पाठशाला क्लब को जिताया

प्रयागराज। अमित कुमार यादव की अचूक गेंदबाजी (2.2 - 0 - 14 - 5) के दम पर कायस्थ पाठशाला क्रिकेट क्लब ने चौधरी कप क्रिकेट सीरीज में नर्बदा प्रसाद क्रिकेट क्लब को पांच विकेट से हराकर प्रतियोगिता में पूर्ण अंक अर्जित किए हैं।

बुधवार को केपी कॉलेज मैदान पर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 28.2 ओवर में 133 रन (शास्वत यादव 38, आर्य रंजन श्रीवास्तव 27 रन, अमित कुमार यादव 5/14, विकास कुमार 1/09, सदभाव यादव 1/15) पर सिमट गई। जवाब में कायस्थ पाठशाला क्रिकेट क्लब की टीम ने 26.1 ओवर में पांच विकेट पर 134 रन (सारांश यादव 50 नाबाद, अभिनव अग्रवाल 24 रन, उज्जवल मिश्र 2/30, आयुष यादव 1/13, शिव यादव 1/17) पर बना लिए।

जात-पात ऊंच-नीच का भेदभाव एक सामाजिक कलंकः डॉ. सतीश

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। विश्व हिंदू महासंघ के मंडल प्रभारी डॉ.सतीश कुमार गौतम ने कहा कि जात-पात ऊंच-नीच का भेदभाव एक सामाजिक कलंक है, जो सदियों से किसी न किसी षड्यंत्र के तहत सनातन धर्म को तोड़ने का काम करता रहा है जबकि सनातन धर्म में सदैव मानवता ही सर्वोपरि रहा है।

मण्डल प्रभारी आज यहां हबीबगढ़ में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समस्त हिंदू समाज से एक जुट होने का आह्वान करते हुए संत शिरोमणि रविदास महाराज के आदर्शो को जीवन में अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में सदैव मानवता ही सर्वोपरि रहा है। वरना भगवान राम माता शबरी के झूठे बेर ना खाते और राजा हरिश्चंद्र शमशान में डोम का काम ना करते और देवों को देव महादेव की कोई जाति ही नहीं है। यह बहुत बड़ा संदेश हमें सनातन धर्म की ओर से मिलता है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम सभी मिलकर सदियों से फैलाए गए षडयंत्रों को तोड़ते हुए नया इतिहास लिखेंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कार्यवाहक राष्ट्रीय अध्यक्ष योगी तेजपाल, मुख्य वक्ता प्रदेश उपाध्यक्ष बृजेश प्रजापति, वशिष्ठ अतिथि मंडल प्रभारी डॉ.सतीश कुमार गौतम, वशिष्ठ अतिथि मातृ शक्ति प्रकोष्ठ की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती आशा शब्बरवाल, जिला अध्यक्ष ओमवीर प्रधान, महानगर उपाध्यक्ष अश्वनी सैनी, मातृ शक्ति प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष अनु शर्मा, महानगर अध्यक्ष पूनम चौधरी, जिला महामंत्री विशाखा शर्मा, मोनिका नरूला, राजकुमारी, प्राची शर्मा, सीमा शर्मा, जिला महामंत्री सतीश महाराज, प्रेमचंद प्रधान, महानगर प्रभारी दयाराम गुप्ता, सुधीर कुमार धर्माचार्य, जिला अध्यक्ष ओंकार नंद गिरी महाराज, रवि गुप्ता, मिंटू भगत, अनुज कुमार, मनीष सैनी, सोनू सैनी, मोनू सैनी, गौरव सैनी, सुरेंद्र, मा.प्रिंस गौरव कुमार आदि मौजूद रहे।

कार व बाइक के बीच टक्कर से एक की मौत दो गंभीर घायल

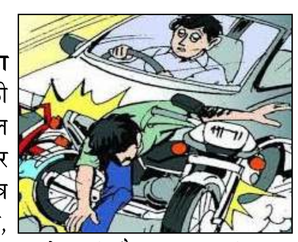

लखीमपुर-खीरी (अवधनामा संवाददाता) थाना मैलानी क्षेत्र की संसारपुर चौकी अंतर्गत नेशनल हाईवे 730, खुटार रोड पर संसारपुर और नौवाखेड़ा के बीच कार व बाइक के बीच टक्कर एक की मौत, महिला सहित दो गंभीर घायलचालक विवेक की मौत, दूसरा साथी राहुल व साथी महिला गंभीर, सभी निवासी ग्राम सिंहपुर निकटसहारू थाना खुटार शाहजहांपुर, कार सवार दुर्घटना के बाद कार छोड़कर फरार।

पुलिस ने दो वांछितों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

बदायूं (अवधनामा संवाददाता) थाना हजरतपुर पुलिस द्वारा एक मामले में वांछित चल रहे दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।पुलिस ने इनके कब्जे से लाठी डंडा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ बृजेश कुमार सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार को थाना हजरतपुर पुलिस द्वारा मु0अ0स0 09/26 धारा 191(2)/352/351(3)/115(2)/ 118 (1)/105 बीएनएस में वांछित अभियुक्तों राजेन्द्र पुत्र फकीरे तथा अशोक पुत्र शिवदयाल निवासी ग्राम ग्योती थाना हजरतपुर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को इनके कब्जे से लाठी डंडा बरामद हुआ है। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही करते हुए इन्हें जेल भेजा गया है।

ट्रैक्टर-ट्राली के नीचे दबकर व्यक्ति की मौत

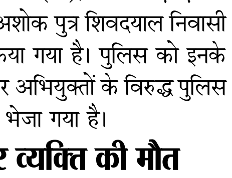

सहारनपुर (अवधनामा संवाददाता) थाना मिर्जापुर क्षेत्रान्तर्गत शाहपुर गाड़ा नदी में लकड़ियों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गयी, जिसके नीचे दबकर एक व्यक्ति की मौत हो गयी है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गयी है और मामले की जाँच पड़ताल मे जुट गयी ह। मिली जानकारी के अनुसार नौंगावा की ओर से आ रही लकड़ियों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर शाहपुर गाड़ा की नदी मे पलट गयी है, जिसके नीचे दबकर एक युवक की मौके पर ही मौत हो गयी है। राहगीरों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गयी। सूचना पाकर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गयी और शव को कब्जे से लेकर कार्रवाई मे जुट गयी। घटना से परिजनों मे कोहराम मच गया है। मृतक की पहचान मोनिश पुत्र नाजिम निवासी मदनपुरा थाना बिहारीगढ़ के तौर पर हुई है। थाना प्रभारी सूबे सिंह ने बताया की शव को कब्जे मे ले लिया गया है स और घटना के मामले की जाँच की जा रही है।

सीएम ग्रिडः नगरायुक्त ने दिए काम में तेजी लाने के निर्देश

सहारनपुर (अवधनामा संवाददाता) नगरायुक्त शिपू गिरि ने आज हकीकत नगर में सीएम ग्रिड के तहत कराये जा रहे सड़क निर्माण कार्य का नगर निगम अधिकारियों एवं स्मार्ट सिटी अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य में तेजी लाते हुए कार्य को आज ही पूरा करने के निर्देश दिए। कलक्ट्रेट तिराहे से दीवानी तिराहे तक सीएम ग्रिड के तहत कराये जा रहे सड़क निर्माण कार्य में आज 120 मीटर लंबाई तथा 07 मीटर चौड़ाई के सब बेस को फिनिश करते हुए डीबीएम का कार्य किया गया। गुणवत्ता नियंत्रण के लिए स्मार्ट सिटी की टीम लगायी गयी थी। एक अवर अभियंता प्'लांट साइट पर तथा जीएम स्मार्ट सिटी दिनेश सिंघल व प्रोजेक्ट मैनेजर जितेंद्र सिंह, निगम के अवर अभियंताओं के साथ मौके पर मौजूद रहे। नगरायुक्त शिपू गिरि ने मुख्य अभियंता सुरेश चंद के साथ उक्त कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि काम की गति बहुत धीमी है जिससे आने जाने वाले लोगों, क्षेत्र के व्यापारियों एवं टैऊफिक संचालन में काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने काम में तेजी लाने पर जोर देते हुए आज ही कार्य समाप्त करने के निर्देश दिए। इस दौरान क्षेत्रीय पार्षद अमित त्यागी व क्षेत्र के व्यापारी भी मौजूद रहे।

एंटी करप्शन के प्रतिनिधि मण्डल ने ट्रैफिक इंचार्ज से की भेंट

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि मण्डल ने ट्रैफिक इंचार्ज अमित तोमर से उनके कार्यालय में भेंट कर जनता की समस्याओं को लेकर विशेष रूप से चर्चा की। एसीएफआई संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव गाबा ने ट्रैफिक पुलिस द्वारा सड़क पर जनता के होने वाले चलानों, ई-रिक्शा से होने वाली समस्याओ, ट्रैफिक जाम की समस्या, व्यस्तम चोराहो पर ट्रैफिक पुलिस की अधिक तैनाती और विशेषकर स्कूलों के बाहर बच्चो द्वारा लगाने वाले वाहनो से संबंधित विषयों पर चर्चा की और महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। ट्रैफिक इंचार्ज अमित तोमर ने यह आश्वासन दिया कि संगठन द्वारा जो भी सुझाव दिए गए है उस पर जल्दी ही विचार करके निर्णय लिया जाएगा और संबंधित समस्या से जल्दी ही निराकरण किया जाएगा। संगठन के सभी पदाधिकारियों ने उनके उच्च विचार और मार्गदर्शन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफइंडिया संघटन की टीम ने भरोसा दिलाया की संगठन मिलकर भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई एवं अन्य मुद्दों पर और भी मजबूत कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर गगन गुलाटी, विपुल खुराना, अपूर्व वर्मा, गगनदीप सिंह आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मुठभेड़ में घायल बदमाश की इलाज के दौरान मौत

प्रयागराज (अवधनामा संवाददाता) करछना थाना क्षेत्र में बीती 27 जनवरी को पुलिस मुठभेड़ में घायल बदमाश पप्पू सोनकर की एसआरएन अस्पताल में मौत हो गई। जॉर्ज टाउन थाना क्षेत्र के सोहबतिया बाग निवासी पप्पू को घायल होने के बाद उपचार के लिए भर्ती कराया गया था। मुठभेड़ में चार बदमाश गिरफ्तार किए गए थे। मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। चर्चा है कि हृदयगति रुकने से उसकी मौत हुई है। करछना थाना क्षेत्र में लूट को अंजाम देने वाले चार बदमाशों से बुधवार रात पुलिस की मुठभेड़ हुई थी। जिसमें दो बदमाश पप्पू सोनकर और अरविंद सोनकर के पैर में गोली लगी थी। उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर कर एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया था। दो बदमाश उमेश व विवेक फरार हो गए थे। 27 जनवरी की रात मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर बदमाशों को दबोचने की कोशिश की। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में सोहबतियाबाग निवासी पप्पू सोनकर और अरविंद सोनकर के पैर में गोली लगी थी। पुलिस दोनों को गिरफ्तार कर एसआरएन ले आई। जबकि बारा थाना क्षेत्र निवासी उमेश कोल, सोहबतियाबाग झोपड़पट्टी निवासी विवेक सोनकर मौका पाकर फरार हो गए थे। पप्पू सोनकर के खिलाफ प्रयागराज के विभिन्न थानों में 22 से अधिक एफआईआर दर्ज हैं। प्रयागराज के अलग-अलग ग्रामीण इलाकों में लूट और छिनैती की वारदातों को अंजाम देता था।

एग्रीकल्चर प्रीमियर लीग (एपीएल) सीज़न-07 का भव्य एवं गरिमामय शुभारंभ

(उत्पल दादा) अवधनामा ब्यूरो

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज़, बीएचयू में आयोजित एग्रीकल्चर प्रीमियर लीग (एपीएल) सीज़न-सात का भव्य उद्घाटन आज बुधवार को विश्वविद्यालय के कृषि मैदान में अत्यंत गरिमामय,उत्साहपूर्ण एवं खेल भावना से ओत-प्रोत वातावरण में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षकगण,विद्यार्थी,शोधार्थी,पूर्व छात्र तथा बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे। इस प्रतिष्ठित खेल आयोजन का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर अजीत कुमार चतुर्वेदी द्वारा दी प्रजनन कर किया गया।कार्यक्रम की गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में श्रीमती नीलू मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को विशेष सम्मान प्रदान किया, जबकि इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज़, बीएचयू की निदेशक महोदया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन नहीं हैं, बल्कि वे छात्रों के चरित्र निर्माण, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, समय प्रबंधन और सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ खेलों में सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है और एग्रीकल्चर प्रीमियर लीग जैसे आयोजन इस दिशा में एक अनुकरणीय प्रयास हैं, जो छात्रों को तनावमुक्त वातावरण प्रदान करने के साथ-साथ उनमें सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। एग्रीकल्चर स्पोर्ट्स बोर्ड के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अभिषेक सिंह ने अपने विचार रखते हुए कहा कि खेल गतिविधियाँ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का अभिन्न अंग हैं और इस प्रकार के संगठित टूर्नामेंट छात्रों को अकादमिक जीवन की एकरसता से बाहर निकालकर ऊर्जा और उत्साह से भर देते हैं। डॉ.तरुन वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि खेल जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों जैसे अनुशासन, समय प्रबंधन, संघर्ष और निरंतर प्रयास को सिखाते हैं। प्रो. ए. के. नेमा ने कहा कि विश्वविद्यालयों में खेल संस्कृति का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं।आकाशदीप सिंह, नितिन, प्रशांत, सौरव, आदर्श, सुमित चौहान, आदर्श सिंह, कोमल, प्रिया, पिनाक्षी एवं रिशिका का विशेष योगदान रहा। इसके साथ ही प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के सभी विद्यार्थियों का उत्साहपूर्ण एवं सराहनीय सहयोग आयोजन की सफलता का मजबूत आधार बना।

मंच संचालन का दायित्व डॉ. नागेंद्र सिंह एवं ऋषु कुमार द्वारा अत्यंत सुव्यवस्थित, प्रभावशाली और गरिमामय ढंग से निभाया गया, जिसकी सभी उपस्थित अतिथियों द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

भाजपा विधायक बृजभूषण राजपूत का बड़ा बयान, बोले- जरूरत पड़ी तो मुख्यमंत्री को भी रोकेंगे

महोबा। जिले में सियासी माहौल उस वक्त गरमा गया, जब चरखारी से भाजपा विधायक बृजभूषण राजपूत ने खुलेआम सरकार और प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। 30 जनवरी को विधायक ने कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के काफिले को बीच सड़क पर रोककर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

विधायक का आरोप है कि उनके विधानसभा क्षेत्र के करीब 100 गांवों में गंभीर पेयजल संकट बना हुआ है। पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़कों की खुदाई तो कर दी गई, लेकिन महीनों बाद भी मरम्मत नहीं कराई गई। इससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बृजभूषण राजपूत का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासनिक अधिकारी जनता की समस्याओं को नजरअंदाज कर रहे हैं। इस विरोध प्रदर्शन में करीब 100 ग्राम प्रधान, 30 कारें और 20 बाइक शामिल रहीं। मौके पर मंत्री और विधायक के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली, विवाद यहीं नहीं थमा।

अकीदत के साथ मनाया गया शब-ए-बरात का त्योहार

> दरगाहों और मज़ारों पर देर रात तक पढ़ी गई फातिहा

अवधनामा संवाददाता

महोबा। जिले में शब-ए-बरात का त्योहार अकीदत के साथ मनाया गया। घर घर में हलवा बनाकर फतिहा दिलाई गई, इसके बाद लोगों ने एक दूसरों के घरों में जाकर हलवा खाया। शाम से मजारों और कब्रगाहों पर आने जाने का सिलसिला शुरु हुआ जो रात भर चलता रहा। लोगों ने कब्रगाहों पर रशनी और अगरबत्ती जलाकर फातिहा पढ़कर मरहूमों की मगफिरत के लिए दुआएं मांगी। मस्जिदों में लोगों ने इबादत और तिलाबत के साथ रात जागकर गुजारी और सहरी के बाद रोजा रखा। युवक और बच्चे भी शाम से ही मजारों की तरफ नारा ए तकबीर अल्लाहो अकबर की सदाएं बुलंद करते हुए निकले।

शब-ए-बरात त्योहार पर महिलाओं ने भी घरों पर जागकर शब-ए-कद्र मनाई। किसी किसी के घर में मीलाद शरीफ हुई, तो कहीं पर महिलाएं पूरी रात इबादत और तिलावत में मशगूल रहीं। पूरी रात शहर में खासी चलह पहल रही। मजार और कब्रगाह भी रात भर मोमबत्ती की रोशनी और अगरबत्ती की खुशबू से गुलजार रही। मजारों पर बिजली की आकर्षक सजावट और मोमबत्ती की रोशनी रात देखने को मिली। वहीं कई कब्रगाहों पर साफ सफाई के बाद ही बिजली की रोशनी कर दी गई और रात में मोमबत्तियां भी जलाई गई। लोग पूरी रात इधर से उधर मजारों और कब्रगाहों पर जाकर फातिहा पढ़ते रहे। पर्व की शाम से ही मजारों पर आने जाने वालो की भीड़ जमा हो गई।

शब-ए-बरात त्योहार के मौके पर रात में तीन बजे सहरी करके तमाम लोगों ने रोजा भी रखा। काजी ए शहर सैयद आफाक हुसैन ने मस्जिद में खिताब करते हुए कहा कि शबे बरात यानी गुनाहो से मगफिरत की रात है, इस रात को इंसान का पूरा हिसाब किताब किया जाता है। इसी रात को गिड़गिड़ा कर अल्लाह ताला से गुनाहों की बख्शिस की दुआएं मांगना चाहिए। मस्जिदों में चाय नाश्ते का भी इंतजाम किया गया, जिससे लोगों को इबादत और तिलावत के समय नींद न आए।

आने जाने वालों को रात भर मिलती है चाय : शब-ए-बारात यानी गुनाहो से तौबा करने की रात में तमाम लोगों ने जागने वालों के लिए चाय, पानी और खानपान का भी इंतजाम किया। मजारों और कब्रगाहों में आने जाने वालों के लिए कहीं चाय तैयार होती रही तो कहीं अंडे उबलते रहे।

नेशनल हाईवे पर दो कारे आमने सामने टकराई दो महिलाओं सहित चार लोग घायल

अवधनामा संवाददाता

महोबा। महोबकंठ थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर बुधवार की सुबह दो कारे आमने सामने टकरा गई, जिससे दो महिलाओं सहित चार लोग घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस और ग्रामीणों की मदद से सामुदायिक सवास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां पर घायलों का प्राथमिक उपचार करने के बाद डाक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

बताया जाता है कि कस्बा पनवाड़ी के मोहल्ला पाठकपुरा निवासी रोहित (36) पुत्र सुरेंद्र अपनी मां लक्ष्मी (58) के साथ मंगलवार की रात अल्टो कार से अपने रिश्तेदारों के यहां महोबकंठ एक कार्यक्रम में शामिल होने गए हुए थे। बुधवार की सुबह मां बेटे कार्यक्रम से वापस लौट रहे थे। वहीं दूसरी कार से अर्जुन सिंह (30), प्रिंस कुमार, संतोषी (66) झांसी जा रहे थे, तभी दोनो कारे तेईया गांव के समीप झांसी मिर्जापुर हाईवे पर आमने सामने भिड़ंत हो गई, जिससे कारों में सवार दो महिलाओं सहित चार लोग बुरी तरह से घायल हो गए साथ ही कारे भी क्षतिग्रस्त हो गई।

कारों की टक्कर होते ही आसपास खड़े ग्रामीणों मौके पर पहुंचे और कार में फंसे सभी लोगों को बाहर निकालकर सड़क किनारे लाया गया और डायल 112 पुलिस को फोन कर घटना की सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायल लक्ष्मी, संतोषी अर्जुन और सुरेंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां पर डाक्टरों ने घायलों का परीक्षण कर हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। मौके पर मौजूद परिजनों ने घायलों को एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

शिक्षा चौपाल में गूँजा बच्चों के सपनों और अभिभावकों के विश्वास का स्वर

अवधनामा ब्यूरो

वाराणसी। छात्र-छात्राओं को शिक्षा जगत में प्रोत्साहन देने के लिए कोटवा, विकास खंड चिरईगांव स्थित कंपोजिट विद्यालय मे आयोजित %शिक्षा चौपाल% आज समुदाय और शिक्षा के बीच एक मजबूत सेतु साबित हुई है। यह कहना था एकेडमिक रिसोर्स पर्सन (एआरपी) विज्ञान रश्मि त्रिपाठी का कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां सरस्वती के पहले चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना नृत्य के माध्यम से बहुत ही सुंदर थी। इसके साथ ही कंपोजिट विद्यालय कोटवा के छात्र छात्राओं ने अनेक मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी।कार्यक्रम का सबसे प्रेरणादायक क्षण वह था जब अभिभावकों के साथ सीधा और आत्मीय संवाद किया गया। जिसमें उन्होंने खुल कर भावनाएं व्यक्त की ।शुरुआत में अपने काम को छोड़कर आने के कारण चिंतित अभिभावकों का मन तब गदगद हो गया जब उन्होंने नन्हे बच्चों को आत्मविश्वास के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देते देखा। बच्चों के सपनों को सुनकर अभिभावक भावुक हो उठे और उन्होंने संकल्प लिया कि वे अब बच्चों को प्रतिदिन स्कूल भेजेंगे।

अभिभावकों और बच्चों की बातें सुनने के बाद, ए आर पी रश्मि त्रिपाठी ने पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा और विभागीय बिंदुओं पर अपनी बात रखी और साथ ही प्रेरणा दी कि किस प्रकार अभिभावक और अध्यापक मिलकर एक शानदार विद्यालय बना सकते है और बच्चों के सपने सच कर सकते हैं। इस अवसर पर शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु पुरस्कृत किए गए। जिसमें प्रमुख रूप से प्रवीण तिवारी,अनुराधा भार्गव, राजेंद्र प्रसाद, विनोद कुमार आदि उपस्थित रहे।

गाँधीपार्क बस स्टेशन जल्द ही ई-बस संचालन का प्रमुख केंद्र बनेगा

अवधनामा संवाददाता

> गाँधीपार्क बस स्टेशन पर चार्जिंग व मेन्टीनेंस कार्य अंतिम चरण में

अलीगढ़। शहर में पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। ई-बसों के चार्जिंग एवं मेन्टीनेंस के लिए गाँधीपार्क बस स्टेशन को चयनित किया गया है, जहाँ आवश्यक आधारभूत संरचना तेजी से विकसित की जा रही है।

गाँधीपार्क बस स्टेशन परिसर में चाहरदीवारी सहित अन्य सिविल कार्य प्रगति पर हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम सत्येंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि 1500 किलोवाट के विद्युत संयोजन के लिए 1 करोड़ 50 लाख 58 हजार 38 रुपये की धनराशि अधिशासी अभियंता, विद्युत नगरीय खण्ड-द्वितीय, लाल डिग्गी के पक्ष में जमा कराई जा चुकी है। विद्युत विभाग द्वारा संयोजन कार्य तीन माह में पूर्ण कराए जाने का आश्वासन भी दिया गया है, जिस पर कार्य गतिशील है। क्षेत्रीय प्रबंधक, उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम एस.के. वर्मा ने बताया कि जैसे ही विद्युत संयोजन और सिविल कार्य पूर्ण हो जाएंगे, वैसे ही गाँधीपार्क बस स्टेशन पर ई-बसों के चार्जिंग एवं मेन्टीनेंस से संबंधित सभी कार्य शुरू करा दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ई-बस सेवा के संचालन से न केवल प्रदूषण में कमी आएगी, बल्कि यात्रियों को सुरक्षित, सुलभ और आधुनिक परिवहन सुविधा भी उपलब्ध होगी। यह पहल सरकार की स्वच्छ ऊर्जा व जनहितैषी परिवहन नीति को मजबूती प्रदान करती है।

जर्जर पुल की मरम्मत न होने से गुस्साए ग्रामीणों ने की सड़क जाम

> दुलारा गांव मे दो घंटे तक आवागमन रहा बाधित

अवधनामा संवाददाता

महोबा। विकासखंड पनवाड़ी के दुलारा गांव के जर्जर पुल की मरम्मत कराए जाने को लेकर ग्रामीणों ने मुख्य सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया और जाम लगा दिया। दो घंटे तक जाम लगाए जाने से विकासखंड जैतपुर को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर जाम की स्थिति पैदा हो गई। सूचना मिलने पर थाना महोबकंठ प्रभारी, नायब तहसीलदार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जाम लगाए ग्रामीणों से बातचीत कर जल्द से जल्द पुल की मरम्मत कराए जान आश्वासन दिया, इसके बाद ग्रामीणों ने जाम खोला, जिसके बाद आवागमन शुरू हो सका।

दुलारा गांव के ग्रामीणों ने बुधवार को पुल की मरम्मत कराए जाने की मांग को लेकर मुख्य सड़क पर बैठकर जाम लगा दिया। पनवाड़ी जैतपुर ब्लाक को जोड़ने वाली सड़क पर जाम लगाए जाने से आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। हरि सिंह, अनिल कुमार रामआसरे, रघुनाथ आदि ग्रामीणों का अरोप है कि मुख्य सड़क का यह महत्वपूर्ण पुल पिछले सात माह से क्षतिग्रस्त है, जिसके संबन्ध में अधिकारियों को भी अवगत कराते हुए मरम्मत कराए जाने की मांग कई बार की जा चुकी है, बावजूद इसके आज तक इस पुल का मरम्मत कार्य नहीं कराया गया। ग्रामीणों ने बताया कि पुल के क्षतिग्रस्त होने के बावजूद प्रशासन ने इसकी मरम्मत के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है, जिससे विवश होकर विरोध प्रदर्शन कर जाम लगाए जाने का कदम उठाया।

ग्रामीणों ने बताया कि क्षतिग्रस्त पुल से बड़े वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित है, फिर भी रात के समय ट्रैक्टर और अन्य भारी वाहन यहां से गुजरते हैं। ग्रामीणों को आशंका है कि यदि पैदल चलने के लिए बचा हुआ संकरा रास्ता भी क्षतिग्रस्त हो गया, तो गांव का संपर्क पूरी तरह टूट जाएगा। जाम लगाए होने की सूचना मिलने पर थाना महोबकंठ के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सरोज मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि, ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे और जाम लगभग दो घंटे तक जारी रहा। स्थिति बिगड़ती देख नायब तहसीलदार मुकुल कुमार भी घटना स्थल पर पहुंचे गए और ग्राम प्रधान घासीराम के अलावा ग्रामीणों से बातचीत कर समस्या का जल्द से जल्द निस्तारण कराए जाने का आश्वासन दिया।

स्कूल का विकास कराने में प्रधानाध्यापक राज किशोर शुक्ल की भूमिका सराहनीय : नबाब सिंह

अवधनामा संवाददाता

फर्रुखाबाद। विकासखंड कायमगंज के प्राथमिक विद्यालय मदारपुर में स्कूल प्रबंधन समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ भाजपा नेता चीनी मिल संघ के प्रांतीय सदस्य, एस?एन?एम इंटर कालेज कायमगंज के सेवानिवृत्त प्रवक्ता एवं ग्राम पंचायत प्रतिनिधि नबाब सिंह वर्मा ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि प्रधानाध्यापक राजकिशोर शुक्ल की सराहनीय कार्यशैली को देखते हुए माननीय सांसद मुकेश राजपूत से शिक्षक पुरस्कार दिलाने की मांग की जायेगी। बैठक को सांसद प्रतिनिधि अशोक कुमार वर्मा ने उपस्थित अभिभावकों से वोटर लिस्ट का गहन निरीक्षण कर जिनके नाम वोटर लिस्ट में शामिल नहीं है वह तत्काल फार्म 6 भरकर जमा करें। उन्होंने कहा कि कल गांव में शिविर लगाकर वोट बनवाने का काम किया जायेगा। प्रधानाध्यापक राजकिशोर शुक्ल ने कहा कि इस माह नौ तारीख को निपुण टेस्ट होगा जिसमें सभी छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य है। प्रधानाध्यापक ने सभी का आभार जताते हुए मेवायुक्त हलवा और चाय का वितरण करा कर बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में प्रधानपति सूर्य कुमार वर्मा, हुकुम सिंह, जयवीर, श्याम सिंह, रामकुमार, भूपेंद्र, प्रीतम, नेहा, गौतम,मोना, नफीसा,फूलन देवी,शीतल, सत्यवती, आशा,उमा आदि उपस्थित रहे।

डॉ विजय भारतीय सिंह बने क्वींस कॉलेज के बोर्ड परीक्षा की प्रथम महिला प्रभारी नियुक्त

वाराणसी। जनपद में बोर्ड की परीक्षा के दृष्टिगत क्वींस कॉलेज के 235 वर्षों के इतिहास में पहली बार किसी महिला को परीक्षा प्रभारी के रूप में डॉक्टर विजय भारतीय सिंह, प्रवक्ता, भगोल को नियुक्त किया गया है। ध्यातव्य है कि नवनियुक बोर्ड परीक्षा प्रभारी डॉक्टर विजय भारतीय सिंह एक प्रतिभाशाली शिक्षिका हैं, जिन्हें हाल ही में राज्य बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी प्रतियोगिता में पूरे राज्य में प्रथम स्थान हासिल हुआ था। प्रधानाचार्य सुमीत कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि महिला सशक्तिकरण की ओर एक कदम बढ़ाते हुए इस बार क्वींस कॉलेज के इतिहास में पहली बार महिला शिक्षिका को यह जिम्मेदारी दी गई है। महिलाएं दुनिया में हर क्षेत्र में बेहतर कार्यकुशलता से अपनी नई पहचान बना रही हैं। प्रधानाचार्य और जिला विद्यालय निरीक्षक महोदय श्री भोलेंद्र प्रताप सिंह ने डॉक्टर विजय भारतीय सिंह को बधाई देते हुए परिषदीय परीक्षा 2025 को सकुशल सम्पन्न कराने की शुभकामनाएं दी।

बिना एचएसआरपी लगाये ओवरलोड खनन सामग्री ढोते हुये 2 ट्रक सीज किए गए सीज

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी के निर्देशन में आज दिनांक 04-02-2025 को एआरटीओ-प्रवर्तन सुभाष राजपूत द्वारा संजय प्रताप, खनन अधिकारी फर्रूखाबाद के साथ बघार क्षेत्र में खनन सामग्री ढोने वाले वाहनों के विरूद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान बिना एचएसआरपी लगाये खनन सामग्री ढोते हुये 2 ओवरलोड ट्रक पकड़े गये तथा इन पर परिवहन विभाग द्वारा रू0 74 हजार का जुर्माना लगाया गया तथा खनन विभाग द्वारा रू0 48 हजार जुर्माना लगाया गया। जाँच के दौरान पाया गया कि खनन विभाग के पोर्टल पर इनका पंजीकरण नहीं था इसलिये इन वाहनों की वी.टी.एस. के माध्यम से ऑनलाइन निगरानी सम्भव नहीं थी। आज की कार्यवाही में परिवहन विभाग द्वारा 2 ट्रक टैक्स बकाया में सीज भी किये गये तथा एक बिना परमिट ट्रक सीज किया गया। आज की कार्यवाही में परिवहन विभाग द्वारा 2.18 लाख तथा खनन विभाग द्वारा रू0 48 हजार जुर्माना लगाया गया।

6 फरवरी को इगलास में रोजगार मेला, 20 कंपनियाँ करेंगी चयन

अलीगढ़। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, मॉडल कैरियर सेंटर, राजकीय आईटीआई एवं धर्मसमाज महाविद्यालय अलीगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में 06 फरवरी को प्रातः 10.00 बजे से श्री विष्णुदत्त शर्मा इंटर कॉलेज, इगलास में रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेले में विजन इंडिया सर्विस (नोएडा), टाटा स्ट्राइव स्किल डेवलपमेंट सेंटर (अलीगढ़), पेटीएम (नोएडा), श्रीराम पिस्टन प्रा. लि. (भिवाड़ी), एसआईएस इंडिया लि. (दिल्ली) सहित कुल 20 प्रतिष्ठित कंपनियाँ प्रतिभाग करेंगी। मेले में मार्केटिंग, अकाउंटेंट, प्रोडक्शन एसोसिएट, कंप्यूटर ऑपरेटर, सेल्स, वेलनेस एडवाइजर, सुपरवाइजर, स्टोर इंचार्ज, पैकिंग इंचार्ज, टेलीकॉलर विभिन्न पदों पर चयन किया जाएगा। इन पदों के लिए हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक, आईटीआई, डिप्लोमा, बीटेक, बीबीए, एमबीए उत्तीर्ण अभ्यर्थी पात्र होंगे। इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए रोजगार संगम पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in एवं www.ncs.gov.in पर ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य है। केवल पोर्टल पर पंजीकृत अभ्यर्थी ही रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकेंगे। सेवायोजन अधिकारी ने कहा है कि अभ्यर्थी निर्धारित तिथि को अपने साथ पंजीयन कार्ड, सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति एवं मूल प्रति, फोटो पहचान पत्र, दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं बायोडाटा अवश्य लाएं। रिक्तियों का विस्तृत विवरण सेवायोजन पोर्टल पर उपलब्ध है।

बैरियावा बूथ संख्या 425 पर अभी तक नहीं भरा गया फॉर्म 6

सिद्धार्थनगर। ग्राम सभा सजना पाल टोला बैरियावा बूथ संख्या 425 पर अभी तक फॉर्म 6 नहीं भरा गया है। उक्त बातें पूर्व विधायक विजय पासवान ने कही। वह बुधवार को अपने कार्यकर्ताओं के साथ स्ढ्ढक्रको लेकर क्षेत्र का दौरा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि जब हम जब गांव में पहुंचे वहां के नौजवानों से बात किया तो उनका कहना है अभी तक फॉर्म हमको नहीं मिला है और कोई जानकारी नहीं है। पूर्व विधायक ने बताया कि जब हमने इस सम्बंध में एसडीएम से बात करने का प्रयास किया तो एसडीएम साहब का फोन नहीं उठा। उन्होंने कहा कि बीजेपी का मनसा साफ जाहिर है। जिस तरह क्षेत्र में फॉर्म न भेजवा कर क्क्ष्ठ को मताधिकार से वंचित कर रहे हैं। हमारे लोगों का नाम कटवाने के फिराक में है। इस तरह यह मनसा साफ-साफ दिख रहा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी लोग सतर्क हैं, इनका मनसा पूरा नहीं होने देंगे हम सभी नौजवान यह सब षड्यंत्र का विरोध करते हैं।

जिलाधिकारी ने किया सहायक संभागीय परिवहन कार्यालय का निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

फर्रूखाबाद। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी द्वारा सहायक संभागीय परिवहन कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यालय की कार्यप्रणाली, अभिलेखों के रख-रखाव, जनसुविधाओं तथा साफ-सफाई की स्थिति का गहनता से अवलोकन किया।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन से संबंधित कार्यों का निस्तारण समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। उन्होंने लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण, कार्यालय में आने वाले नागरिकों के साथ शालीन व्यवहार सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समय में सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने, कार्यालय के सामने के ढलान को सही कराने,अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण एवं डिजिटल सेवाओं के प्रभावी उपयोग हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनसेवा सर्वोपरि है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। इस अवसर पर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन व प्रशासन सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यालय में आम बजट को लेकर प्रेस वार्ता का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

महोबा। बुधवार को भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय महोबा में भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत आम बजट को लेकर एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा महोबा के जिला प्रभारी संजीव श्रंगऋषि जी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि संजीव श्रंगऋषि ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत यह बजट विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला बजट है। उन्होंने बताया कि इस बजट में महिलाओं, किसानों, युवाओं और गरीब वर्ग को विशेष प्राथमिकता दी गई है। प्रत्येक जिला मुख्यालय पर महिला हॉस्टल निर्माण, महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से नारियल, काजू जैसी नकदी फसलों को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं एवं सुविधाएं प्रदान की गई हैं। श्रंगऋषि जी ने यह भी बताया कि बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) और रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रत्येक जिला अस्पताल की क्षमता 50 प्रतिशत तक बढ़ाने का प्रावधान कर स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ किया गया है।

सदर विधायक राकेश गोस्वामी जी ने कहा कि यह बजट गरीब, मजदूर, किसान और युवाओं के हितों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने, कौशल विकास को बढ़ावा देने और नए रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए इस बजट में ठोस प्रावधान किए गए हैं। विधान परिषद सदस्य जितेंद्र सिंह सेंगर जी ने कहा कि बजट में स्वास्थ्य एवं सामाजिक कल्याण योजनाओं को मजबूती दी गई है, जिससे अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचेगा। जिला अध्यक्ष मोहनलाल कुशवाहा जी ने कहा कि यह बजट छोटे उद्योगों, स्टार्टअप्स और उद्यमियों के लिए बेहद लाभकारी है।

पुलिस अधीक्षक ने फरियादियों की समस्याओं के निस्तारण के दिए निर्देश

अवधनामा संवाददाता

महोबा। पुलिस अधीक्षक महोबा, प्रबल प्रताप सिंह द्वारा जनपदवासियों की समस्याओं के निस्तारण एवं त्वरित न्याय दिलाये जाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कार्यालय महोबा में बुधवार को जनसुनवाई आयोजित की गई।

जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक ने प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए प्रत्येक फरियादी को निष्पक्ष व गुणवत्तापूर्ण समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से किया जाए ताकि आमजन का पुलिस पर विश्वास और अधिक मजबूत हो। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत महिलाओं को सशक्त बनाने एवं उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान किये जाने के उद्देश्य से उपस्थित महिला फरियादियों से संवाद कर उनको जागरूक करते हुए महिलाओं को उनकी सुरक्षा, अधिकारों एवं शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई तथा उन्हें निडर होकर अपनी बात रखने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनपद महोबा पुलिस आमजन की सुरक्षा, न्याय एवं सेवा के लिए पूर्णतः समर्पित है।

अवधनामा

केंद्रीय बजट विकसित भारत की दिशा में सशक्त रोडमैप : डॉ. दयाशंकर मिश्र

- किसान, युवा, महिला और मध्यम वर्ग को समर्पित बजट, उत्तर प्रदेश को 4.18 लाख करोड़ की केंद्रीय सहायता

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। प्रदेश सरकार के आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु ने केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत-2047 और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने का सशक्त रोडमैप है।

डॉ. दयालु ने कहा कि बजट में किसान, युवा, महिला, उद्यमी और मध्यम वर्ग सभी को केंद्र में रखा गया है। आधारभूत संरचना पर किए गए निवेश को ऐतिहासिक बताते हुए उन्होंने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर बजट को 2 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये किया गया है, जिससे देश में विकास को नई गति मिलेगी।

उन्होंने बताया कि बजट में सात नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, नए वाटरवेज तथा वाराणसी में शिप-रिपेयर केंद्र की स्थापना जैसे प्रावधान किए गए हैं, जिनसे उत्तर प्रदेश को विशेष लाभ मिलेगा।

राज्य मंत्री ने कहा कि पर्यटन, मैन्युफैक्चरिंग, एमएसएमई, आयुष, स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि क्षेत्र के लिए किए गए प्रावधान रोजगार सृजन के साथ-साथ आर्थिक विकास को मजबूती देंगे। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश को 4.18 लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता मिलने से प्रदेश के विकास कार्यों को नई रफ्तार मिलेगी। इस अवसर पर भाजपा के कई जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मिठौरा क्षेत्र पंचायत बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा

मिठौरा (महराजगंज)। विकास खंड मिठौरा की क्षेत्र पंचायत की बैठक शुक्रवार को ब्लॉक प्रमुख उर्मिला गुप्ता एवं प्रमुख प्रतिनिधि रामहरख गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मनरेगा सहित विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रस्तावों पर सर्वसम्मति से मुहर लगाई गई।बैठक में खंड विकास अधिकारी राहुल कुमार ने किसानों से पराली न जलाने की अपील करते हुए फार्मर रजिस्ट्री कराने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि फरवरी एवं मार्च माह में सभी ग्राम पंचायतों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। सहायक विकास अधिकारी (कृषि) आशीष कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री कुसुम योजना, किसान गोल्डन कार्ड तथा गेहूं खरीद से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। बैठक के मुख्य अतिथि सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने मिठौरा ब्लॉक में उद्योग मद से 1.40 करोड़ रुपये, मानव दिवस मद में 654.348 लाख रुपये, मनरेगा के तहत 27.48 करोड़ रुपये तथा राज्य वित्त व 15वें वित्त आयोग/क्षेत्र पंचायत/ग्राम पंचायत अंतर्गत 4.48 लाख रुपये की योजनाओं का शिलान्यास किया।

शिक्षा व्यवस्था चौपट, भ्रष्ट अफसरो के खिलाफ निहाल ने खोला मौर्चा

- बच्चों से सफाई कराने के मामले ने पकड़ा तूल, जांच रिपोर्ट को बताया झूठ का पुलिंदा

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। जनपद के हरख ब्लॉक स्थित एक प्राथमिक विद्यालय में मासूम बच्चों से सफाई कराए जाने का वीडियो वायरल होते ही शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली कटघरे में आ गई है। वीडियो में बच्चे किताबों की जगह झाड़ू-पोंछा थामे नजर आ रहे हैं, जो बाल अधिकार कानूनों और शिक्षा के मूल उद्देश्य की खुली अवहेलना है।इस गंभीर मामले को लेकर भारतीय किसान मजदूर यूनियन दशहरी संगठन ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की थी। लेकिन जांच अधिकारी की रिपोर्ट में तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगा है।

संगठन के प्रदेश सचिव निहाल अहमद सिद्दीकी ने कहा बच्चों का भविष्य किताबों से बनता है, झाड़ू से नहीं। यह शिक्षा विभाग की असंवेदनशीलता और विफलता का प्रमाण है।÷जांच रिपोर्ट में ग्राम पंचायत में आठ महीनों से सफाई कर्मी की नियुक्ति न होने का हवाला देकर यह दावा किया गया कि बच्चों से सफाई कराना जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की अनुमति से हुआ। उत्तर प्रदेश सरकार जहां बाल अधिकारों की रक्षा का दावा करती है, वहीं बाराबंकी की जमीनी हकीकत इससे उलट नजर आती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि विभाग ने किसान यूनियन से सफाई में सहयोग मांगा है, जिसे संगठन ने विभागीय विफलता और बच्चों के अधिकारों का खुला उल्लंघन बताया।एडवोकेट राहुल मिश्रा ने स्पष्ट शब्दों में कहा, यह बच्चों के मौलिक अधिकारों का सीधा हनन है। यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो हम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। वायरल वीडियो के बाद यूनियन ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए जांच रिपोर्ट को भ्रामक बताते हुए प्रधानाचार्य और जिम्मेदार अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

निहाल सिद्दीकी ने मीडिया से कहा,÷शिक्षा विभाग मानवता को शर्मसार कर रहा है। सरकार की योजनाएं केवल फाइलों तक सीमित रह गई हैं। भारतीय किसान मजदूर यूनियन के ज्ञापन देने के कुछ ही देर बाद जिस जांच अधिकारी के खिलाफ शिकायत की गई थी, उन्हीं का फोन शिकायतकर्ता को आता है और वे मौके पर बुलाने का दबाव बनाते हैं। शिकायतकर्ता पर इस तरह दबाव डालकर दोबारा ÷सही आख्या÷ देने की बात कहना और मौके पर बुलाना पूरे मामले को संदेह के घेरे में खड़ा करता है। इससे शिक्षा विभाग के आला अधिकारी की भूमिका भी सवालों के घेरे में नजर आ रही है। जिस अधिकारी के खिलाफ शिकायत हो, उसी को दोबारा जांच सौंपना यह संकेत देता है कि कहीं न कहीं सुविधा शुल्क खेल के आगे सब संभव है।फिलहाल विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, हालांकि सूत्रों का दावा है कि आंतरिक जांच जारी है।अब देखने वाली बात होगी क्या यह मामला भी फाइलों में दबा दिया जाएगा, या बच्चों के हक में सचमुच इंसाफ होगा? रूप से मौजूद रहे सीनियर एडवोकेट मुकेश चंद वर्मा, सुशील कुमार, दिलशाद हुसैन, मयंक रावत एडवोकेट, अलीम, नियाज अंसारी, मुकेश कुमार, अजय वर्मा, जियाउद्दीन, शुभम ठाकरे, वैस आदि तमाम साथी मौजूद रहे।

नगर निगम ने की कुर्की की कार्रवाई

अवधनामा सवाददाता

अयोध्या। नगर निगम ने कर वसूली में तेजी लाने के लिए बुधवार को कुर्की की कार्रवाई की। अपर नगर आयुक्त सुमित कुमार के निर्देश पर कुर्की की कार्रवाई की गई, जिसके तहत तीन दुकानें सील की गई।

अपर नगर आयुक्त सुमित कुमार ने बताया कि फतेहगंज के बेचन राम एवं वासुदेव पर लगभग ढाई लाख रुपये गृह कर एवं जलकर बकाया था, जिसकी वसूली के लिए उनके खिलाफ कुर्की की कार्रवाई कर अधीक्षक जयप्रकाश एवं विनय कुमार के नेतृत्व में की गई। उन्होंने लोगों से समय से गृह कर एवं जलकर जमा कर नोड्यूज प्रमाण पत्र प्राप्त करने का आग्रह किया है।

छोटी देवकाली वार्ड में शिविर लगाकर 52377 रुपये कर वसूले गए : छोटी देवकाली वार्ड में बुधवार को महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी के निर्देश पर शिविर लगाकर कर संबंधी समस्याओं का निस्तारण किया गया। इस दौरान 52377 रुपये गृह एवं जलकर के रूप में वसूले गए। छोटी देवकाली वार्ड के मकसूदन विद्यालय में आयोजित शिविर का निरीक्षण पार्षद अनुज दास एवं जोनल अधिकारी अशोक गुप्त ने किया।

शिविर में मौजूद कर अधीक्षक विनोद गौड़, राजस्व निरीक्षक शमशेर सिंह, राजस्व संग्रहकर्ता गोविंद पांडे एवं अवनीश शुक्ल ने पूरे समय मौजूद रहकर जनसमस्याओं का निस्तारण किया। इस दौरान कुल 17 प्रार्थनापत्र आए, जिसमें से 11 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। अन्य छह लोगों के प्रार्थनापत्र पर जांच के आदेश दिए गए। इस दौरान कुल 9 लोगों ने 52377 रुपये कर के रूप में जमा किए।

शाबान की पंद्रहवीं रात मग़फ़िरत और रहमत की रात है : मौलाना मोहम्मद अंसार

अवधनामा सवाददाता

ज़ैदपुर बाराबंकी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के तत्वावधान में ज़ैदपुर के बड़ा पूरा स्थित जामा मस्जिद में फ़ज़ाइल-ए-शबे-बरात एवं इस्तक़बाल-ए-रमज़ान विषय पर एक विशाल धार्मिक सभा का आयोजन किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता मौलाना मोहम्मद अंसार जामई (ख़ज़ानची, जमीयत उलेमा-ए-हिंद उत्तर प्रदेश) ने कहा कि शाबान का महीना अत्यंत फज़ीलत और बरकत वाला है, विशेषकर इसकी पंद्रहवीं रात, जिसमें अल्लाह तआला अपने बंदों की ज़िंदगी, मौत, रोज़ी और साल भर के मामलों का फ़ैसला फ़रमाता है और असंख्य लोगों की मग़फ़िरत करता है।

उन्होंने बताया कि इस रात अल्लाह तआला सभी बंदों को माफ़ फ़रमाता है, सिवाय मुशरिक, दिल में बैर रखने वाले, माता-पिता की नाफ़रमानी करने वाले, शराब के आदी, व्यभिचार करने वाले और टखनों से नीचे पायजामा पहनने वालों के। ऐसे लोगों पर अल्लाह की नाराज़गी रहती है। मौलाना अंसार जामई ने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने हमेशा कौम और मिल्लत के हित में उल्लेखनीय सेवाएँ दी हैं। वर्तमान समय में संगठन चाहता है कि नौजवान शारीरिक और बौद्धिक रूप से मज़बूत हों, ताकि आवश्यकता पड़ने पर देश और धर्म की रक्षा के लिए डटकर खड़े हो सकें। इसी उद्देश्य से जमीयत द्वारा नशाखोरी जैसी घातक बुराइयों से युवाओं को बचाने और उन्हें शिक्षा की ओर प्रेरित करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि समय के साथ चलना ज़रूरी है, लेकिन आस्था से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जा सकता। सभा के विशिष्ट वक्ता मौलाना सैयद अज़हर क़ासमी (नाज़िम-ए-तालीमात, जामिया दारुर्रशाद, बंकी) ने कहा कि शाबान का महीना दरअसल रमज़ानुल मुबारक के स्वागत का महीना है। हज़रत मुहम्मद इस माह मे अधिक से अधिक रोज़े रखते और नफ़्ल, ज़िक्र व अज़कार में मशगूल रहते थे। इससे इस महीने की महानता स्पष्ट होती है। उन्होंने कहा कि हमें भी रमज़ान की तैयारी के तौर पर नमाज़ों की पाबंदी, नफ़्ल इबादत, कुरआन की तिलावत और ज़िक्र में वृद्धि करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि शबे-बरात की इबादतें फ़र्ज़ नहीं हैं—इबादत करने पर सवाब है और न करने पर कोई गुनाह नहीं। इसलिए इस विषय पर आपसी आलोचना या निंदा उचित नहीं है। उन्होंने इस रात को फ़ुज़ूल और ग़लत कार्यों में बिताने को निंदनीय बताते हुए इसकी क़द्र करने की अपील की। कार्यक्रम की शुरुआत क़ारी मसीहुर्रहमान मज़ाहिरी (संस्थापक व प्रबंधक, जामिया रहमानिया ज़ीनतुल कुरआन, रामपुर कटरा) की कुरआन तिलावत से हुई। कार्यक्रम की सरपरस्ती हाजी मोहम्मद शुऐब अंसारी ने की। नेतृत्व हाफ़िज़ फ़ज़ील अहमद (महतमिम, मदरसा जामिया अरबिया इमदादुल उलूम, ज़ैदपुर) ने किया तथा अध्यक्षता मुफ़्ती अब्दुल हलीम मज़ाहिरी ने की।

मौलाना जमाल क़ासमी की संचालन में आयोजित इस सभा में मौलाना क़ारी इम्तियाज़ुल हक़ क़ासमी, मौलाना मोहम्मद उमर मज़ाहिरी, क़ारी मोहम्मद शरीफ़ अंसारी, मास्टर ज़फ़रुल हसन अंसारी, क़ारी मोहम्मद ज़ुबैर (इमाम जामा मस्जिद), हबीबुर्रहमान (मोअज़्ज़िन), सईदुर्रहमान अंसारी, मोहम्मद ज़मीर, मोहम्मद जुनैद, मोहम्मद जावेद सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नात व मनक़बत हाफ़िज़ मोहम्मद रवाहा और मोहम्मद हमीद ने पेश की। मेहमानों का स्वागत क़ारी सईदुद्दीन और फ़रीदुद्दीन अंसारी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन नज्मुल हसन अंसारी ने किया।

मिशन शक्ति के तहत पुलिस ने महिलाओ को जागरूक किया

अवधनामा सवाददाता

मसौली बाराबंकी। मिशन शक्ति अभियान के तहत बुधवार को मसौली पुलिस ने ग्राम पंचायत गुरेला के मजरे सिसवारा मे चौपाल लगाकर महिलाओं और छात्राओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। पुलिस ने उन्हें उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि किसी भी दिक्कत की स्थिति में डायल 112 व थाना मसौली के सीयूजी नम्बर पर जानकारी देंने की अपील की।

पुलिस चौपाल मे उपस्थित महिलाओं से रूबरू होते हुए उपनिरीक्षक राशिद अली खान ने महिलाओं को उनके प्रति होने वाले किसी भी अपराध एवं संबंधित अपराधियों के बारे में तत्काल पुलिस एवं शक्ति मित्र महिला पुलिसकर्मियों को सूचना देने के लिए जागरूक करते हुए हेल्पलाइन नंबरों 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वीमन पावर हेल्पलाइन,1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा,108 एंबुलेंस सेवा,1098 चाइल्ड हेल्प लाइन तथा1078, 181, 112 आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी तथा सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर मौजूद ऐप फेसबुक/ट्वीटर/इंस्टाग्राम आदि का सावधानी पूर्वक इस्तेमाल करने एवं महिला अपराध आदि की जानकारी देते हुए उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। महिला आरक्षी अच्छी बी ने अभियान मिशन शक्ति नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलबंन एंटी रोमियो, साइबर जागरूकता के तहत विद्यार्थियो को मिशन शक्ति नारी सुरक्षा, व साइबर क्राइम संबंधी अपराध ,यातायात के नियमों, बाल विवाह, पास्को एक्ट, नये कानून, घरेलू हिंसा, गुड टच, बैड टच के बारे में अवगत कराया गया और महिलाओं को जागरूकता सरकार द्वारा चलाई गई लाभकारी योजनाओं जैसे सामुहिक विवाह योजना, कन्या सुमंगला योजना, वृध्दा पेंशन, विधवा पेंशन आदि एवं ड्रोन संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई एवं थानाध्यक्ष के सीयूजी नंबर 9454403070 की भी जानकारी दी गई महिला एवं बालिकाओं से उनकी समस्या के बारे में भी पूछा गया। इस मौक़े पर आरक्षी राजकुमार, रत्नेश पाण्डेय सहित ग्रामीण महिलाए मौजूद रही।

महिला हत्या का पुलिस ने किया खुलासा, शादी का दबाव बना रही थी मृतका

अवधनामा सवाददाता

बाराबंकी। बीती सोमवार को थाना कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत चौकी क्षेत्र गदिया में ग्राम खजूरगांव नहर पटरी के पास खेत में एक अज्ञात महिला उम्र करीब 35 वर्ष का शव मिलने से क्षेत्र मे हड़कंप मंच गया था। सूचना मिलने पर मौक़े पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी। आखिर मे पुलिस को कामयाबी मिली और हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशांदेही से आलाकत्ल एक अदद ईंट व घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद किया है। जानकारी के मुताबिक कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह ने बताया की अज्ञात मृतका की शिनाख्त सुनीता देवी के रूप मे की गई। जो अशरफपुर थाना असन्द्रा जनपद बाराबंकी के रूप में उनके पति गंगा राम पुत्र हनोमान निवासी अशरफपुर थाना असन्द्रा जनपद बाराबंकी द्वारा की गयी है। मृतका के पति गंगा राम की तहरीर के पर मुकदमा दर्ज किया गया था। एसपी के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने हत्या का खुलासा करते हुवे हत्यारोपी राज मिश्रा उर्फ राजू पुत्र कमलेश मिश्रा निवासी गनेशपुर थाना चिनहट लखनऊ को असैनी ओवर ब्रिज के पास गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की निशांदेही से आलाकत्ल एक अदद ईट व घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल यूपी 32 जीई 8785 स्पेलेण्डर प्लस बरामद किया गया। पुलिस पूछताछ एवं जांच से ज्ञात हुआ कि अभियुक्त व मृतका पूर्व से शादी-शुदा थे मृतका अपने पति से अलग रहती थी। अभियुक्त व मृतका दोनों साथ में रहते थे, मृतका द्वारा लगातार अभियुक्त से शादी करने का दबाव बनाया जा रहा था व मना करने पर पैसे की मांग व झूठे मुकदमें में फंसाने की धमकी देती थी।

शॉर्ट सर्किट से घर और दुकानें धधकीं, पहली मंजिल पर फंसा परिवार

बरेली। अलीगंज थाना क्षेत्र के गांव राजपुर कला में बुधवार तड़के शॉर्ट सर्किट के चलते भीषण आग लग गई। सड़क किनारे बने व्यापारी शुभम माहेश्वरी उर्फ बॉबी के मकान और उससे जुड़ी दुकानों से अचानक धुआं उठता देख ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया और नीचे बनी दुकानों को पूरी तरह चपेट में ले लिया।

आग इतनी तेजी से फैली कि मकान की पहली मंजिल पर रह रहा पूरा परिवार भीतर ही फंस गया। बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं दिख रहा था। हालात गंभीर होते देख ग्रामीण आगे आए और पड़ोसी के मकान से सीढ़ी लगाकर अपनी जान जोखिम में डालते हुए परिवार के सभी सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। समय रहते बचाव न होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। नीचे स्थित मेडिकल स्टोर, जनरल स्टोर और खाद-बीज की दुकानें आग में जलकर खाक हो गई। दुकानों में रखा दवाइयों का स्टॉक, किराना सामान, बीज, खाद और अन्य सामग्री पूरी तरह नष्ट हो गई।

रंगकर्मी सौमित्र मिश्र की माता का निधन, समाज के लोगों ने दी श्रद्धांजलि

अयोध्या। सामाजिक कार्यकर्ता एवं प्रतिष्ठित रंगकर्मी सौमित्र मिश्र की पूजनीया माता श्रीमती ललिता देवी (धर्मपत्नी स्व. अयोध्या प्रसाद मिश्र) का बीते रविवार को लगभग 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सरयू तट स्थित श्मशान घाट पर विधि-विधान से संपन्न हुआ, जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए।निधन पर प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. हरि प्रसाद दुबे, वरिष्ठ पत्रकार रमेश त्रिपाठी, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय सहित अनेक गणमान्य लोगों ने शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री सौमित्र मिश्र ने बताया कि 13 फरवरी 2026 को त्रयोदशाह संस्कार के अवसर पर शान्तिभोज का आयोजन किया जाएगा।

बस स्टॉप के पास चला डग्गामार वाहनों के खिलाफ अभियान

अयोध्या। सिविल लाइन स्थित बस स्टॉप के पास डग्गामार वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग ने अभियान चलाया। इस दौरान फुटकर सवारियां भरकर चल रहे वाहनों की सघन जांच की गई और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कई ऐसे वाहन पकड़े गए, जो बिना निर्धारित परमिट और पंजीकरण शर्तों का पालन किए सवारियों की ढुलाई कर रहे थे। परिवहन नियमों के उल्लंघन में कई डग्गामार वाहनों का चालान किया गया।पीटीओ राजेश कुमार ने बताया कि बिना वैध परमिट, लाइसेंस और आवश्यक दस्तावेजों के सवारी ढोने वाले वाहनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए इस तरह के अभियान नियमित रूप से चलाए जाएंगे।

बरेली पुलिस ने एक करोड़ के 516 मोबाइल बरामद, लोगों ने कहा-पुलिस हो तो ऐसी

बरेली। जनता की खोई मुस्कान लौटाने में बरेली पुलिस ने एक बार फिर बड़ी कामयाबी हासिल की है। गुमशुदा मोबाइल फोनों की तलाश के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने 516 मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को सौंप दिए। बरामद किए गए इन मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ रुपये आंकी गई है। एसपी यातायात मोहम्मद अकमल खान ने जानकारी देते हुए बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद स्तर पर हर माह गुम या खोए मोबाइलों की रिकवरी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत जनवरी 2026 में साइबर टीम, सर्विलांस सेल और थानों पर तैनात कंप्यूटर ऑपरेटरों की संयुक्त मेहनत रंग लाई। तकनीकी सहायता और पोर्टल के माध्यम से की गई लगातार मॉनिटरिंग के बाद जनपद के विभिन्न इलाकों से मोबाइल फोन ट्रेस किए गए। 4 फरवरी को रिजर्व पुलिस लाइंस स्थित रविन्द्रालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बरामद मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को सौंपे गए। अपने हाथों में मोबाइल पाते ही नागरिकों के चेहरों पर खुशी साफ नजर आई और पुलिस के प्रयासों की खुलकर सराहना की गई।

सीएमओ दफ्तर बना धरना स्थल, झोलाछाप डॉक्टरों को संरक्षण देने के आरोपों से गरमाया बरेली

बरेली। बरेली में झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ उठ रही आवाज अब तेज होती जा रही है। ताजा मामला उस समय सामने आया जब एक पीड़ित महिला के परिजन सीएमओ कार्यालय पहुंचकर जोरदार धरना-प्रदर्शन पर उतर आए। परिजनों का आरोप है कि झोलाछाप डॉक्टर द्वारा किए गए गलत ऑपरेशन से महिला की हालत गंभीर हो गई, लेकिन इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। प्रदर्शन कर रहे परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं को पूरी तरह चरमराई हुई बताते हुए कहा कि जिले में झोलाछाप डॉक्टर खुलेआम मरीजों की जिंदगी से खेल रहे हैं। पीड़ित परिवार का दावा है कि उन्होंने कई बार शिकायत की, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी मामले को दबाने का प्रयास करते रहे।

योगी सरकार में लौटा गुप्तारघाट का वैभव

- तेजी से हो रहा पर्यटन विकास, होली तक मिलेगा ओपन एयर थियेटर
- गुप्तारघाट पर रावण वध, हनुमान व जटायु स्टेच्यू तैयार
- 18.34 करोड़ की लागत से तीसरे चरण में हो रहा सौंदर्यीकरण

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या में गुप्तारघाट का वैभव पुनः लौट रहा है। पर्यटन विकास तेजी से हो रहा है। योगी सरकार की रामराज्य की परिकल्पना के अनुरूप आने वाले दिनों में गुप्तारघाट का हर एक नजारा त्रेता युग को जोड़ता दिखेगा। क्योंकि सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल इस महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल पर तीसरे चरण का विकास कार्य अब अंतिम दौर में पहुंच गया है।

विशेष रूप से यहां बन रहा ओपन एयर थियेटर संभवतः होली तक जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इस थियेटर के साथ रावण वध, हनुमान और जटायु की भव्य मूर्तियां भी तैयार हो चुकी हैं, जो रामायण की भावना को जीवंत रूप से दर्शाएंगी। गुप्तारघाट ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। मान्यता है कि भगवान श्री राम ने इसी घाट से जल समाधि ली थी और यहां अंतिम बार सरयू नदी में प्रवेश किया था। राम भक्तों के लिए यह स्थान आस्था का केंद्र है। योगी सरकार ने इसे विश्व स्तरीय पर्यटन केंद्र बनाने का संकल्प लिया है।

पहले दो चरणों में बड़े पैमाने पर विकास हो चुका है, जिसमें घाट का सौंदर्यीकरण, वॉटर स्पोर्ट्स सुविधाएं, आधुनिक पार्क, योग-ध्यान केंद्र आदि शामिल हैं। अब तीसरे चरण में कुल 1833.63 लाख रुपये (लगभग 18.34 करोड़) की लागत से अंतिम छोर का काम चल रहा है।

जानिए, क्या क्या बन रहा है तीसरे चरण में : तीसरे चरण में मुख्य रूप से पार्किंग क्षेत्र, पाथवे, टिकट घर, गार्ड रूम, टॉयलेट ब्लॉक, किचन के फिनिशिंग कार्य प्रगति पर हैं। साथ ही इंटरप्रिटेशन सेंटर, अन्य स्ट्रक्चरल म्यूरल्स (भित्ति चित्र), बाउंड्री वॉल का काम भी तेजी से चल रहा है। सबसे आकर्षक हिस्सा ओपन एयर थियेटर है, जहां फिनिशिंग, विद्युतीकरण और हॉर्टिकल्चर का कार्य जारी है। इस थियेटर में रामायण से जुड़े नाटक, भजन-कीर्तन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और रामलीला जैसे आयोजन होंगे। यहां रावण वध का दृश्य, हनुमान जी की विशाल प्रतिमा और जटायु की मूर्ति पर्यटकों को राम कथा की याद दिलाएंगी।

मनोरंजन का प्रमुख केंद्र भी बनेगा गुप्तारघाट

आगामी दिनों में गुप्तारघाट न केवल धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक और मनोरंजन का भी प्रमुख केंद्र बन जाएगा। योगी सरकार का फोकस अयोध्या को ग्लोबल टूरिज्म हब बनाने पर है। राम मंदिर के बाद गुप्तारघाट का यह विकास राम नगरी की चमक को और बढ़ाएगा। यहां आने वाले श्रद्धालु सरयू के किनारे शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ-साथ आधुनिक सुविधाओं का आनंद ले सकेंगे। ओपन एयर थियेटर से शाम के समय रामायण आधारित प्रदर्शन देखना एक अनोखा अनुभव होगा। यह परियोजना पर्यटन विभाग की है। यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड इस परियोजना को क्रियान्वित कर रहा है। अयोध्या परियोजना प्रबंधक मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि अब तक 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है।

फर्जीवाड़े से करोड़ों की जमीन हड़पी, बुजुर्ग रेलकर्मी बेघर

अवधनामा संवाददाता

- फर्जी आदमी, फर्जी खतौनी और फर्जी वरासत का खुला खेल

अयोध्या। धार्मिक नगरी अयोध्या में जमीन माफिया का एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। थाना कैंट क्षेत्र के बढ़ई के पुरवा अबू सराय में सेवानिवृत्त रेलकर्मी की करोड़ों रुपये की जमीन फर्जीवाड़े से हड़प ली गई। विरोध करने पर पीड़ित को जान से मारने की धमकी देकर घर से बेदखल कर दिया गया।

पीड़ित रिटायर्ड रेलकर्मी अंगनू पुत्र बरसाती ने आरोप लगाया कि सुजीत श्रीवास्तव उर्फ गप्पू ने अपनी पत्नी रचना श्रीवास्तव और साथियों के साथ मिलकर सुनियोजित साजिश रची। पहले उसके नाम का फर्जी व्यक्ति खड़ा किया गया, फिर उसी के आधार पर खतौनी में गलत प्रविष्टियां कराई गईं। इसके बाद कूटरचित दस्तावेजों से फर्जी वरासत दर्ज कराकर जमीन की रजिस्ट्री अलग-अलग लोगों के नाम कर दी गई।जब पीड़ित को जानकारी हुई और वह अपनी जमीन देखने पहुंचा तो आरोपितों ने गाली-गलौज की और मुकदमा लिखाने पर जान से मारने की धमकी दी।

दहशत के चलते बुजुर्ग रेलकर्मी और उसका परिवार घर छोड़ने को मजबूर हो गया।पीड़ित का कहना है कि यह सब बिना राजस्व विभाग के कुछ कर्मियों की मिलीभगत के संभव नहीं है। फर्जी खतौनी, वरासत और रजिस्ट्री से पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

14 नामजद, एक अज्ञात पर केस

पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली नगर पुलिस ने रचना श्रीवास्तव समेत 14 नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि दस्तावेजों की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अंबेडकर प्रतिमा चोरी के बाद नई मूर्ति स्थापित

- गांव में बनी शांति व्यवस्था, चोर को पकड़ किया जाये बेनकाब

अवधनामा संवाददाता

इटवा सिद्धार्थनगर। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के पेड़ारी गांव मे डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा चोरी के बाद तनाव अब पूरी तरह शांत हो गया है। 1 जनवरी की रात चोरी हुई लगभग 8 किलो वजनी पीतल की प्रतिमा के स्थान पर बुधवार को 18 किलो वजनी नई पीतल की प्रतिमा पुलिस ने स्थापित करवा दी। नई प्रतिमा की स्थापना के साथ ही गांव में पिछले कई दिनो से बना असंतोष समाप्त हो गया।

पेड़ारी गांव मे डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा करीब सात वर्ष पूर्व स्थापित की गई थी। जो सामाजिक सम्मान, समानता और संविधान निर्माता के विचारों का प्रतीक मानी जाती थी। 1 जनवरी की रात अज्ञात लोगों द्वारा प्रतिमा चोरी किए जाने की जानकारी जब सुबह ग्रामीणों को हुई तो पूरे गांव में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। घटना के विरोध में आक्रोशित ग्रामीणो ने कुछ समय के लिए इटवा-बिस्कोहर मार्ग जाम कर दिया, जिससे करीब 10 से 15 मिनट तक आवागमन बाधित रहा। सूचना मिलने पर पुलिस और स्थानीय प्रतिनिध मौके पर पहुंचे और ग्रामीणो को समझा-बुझाकर जाम समाप्त कराया गया, जिसके बाद यातायात बहाल हो सका।

घटना के बाद त्रिलोकपुर थाना पुलिस ने जांच शुरू की, लेकिन चोरी गई प्रतिमा का अब तक कोई सुराग नही लग सका है। इसी बीच गांव मे बढ़ते असंतोष और सामाजिक तनाव को देखते हुए नगर पंचायत इटवा के अध्यक्ष विकास जायसवाल ने पहल की। उन्होंने त्रिलोकपुर थाना प्रभारी, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियो और ग्रामीणो से बातचीत कर समाधान निकालने का प्रयास किया। बुधवार को गांव में विधि-विधान के साथ डॉ. भीमराव अंबेडकर की 18 किलो वजनी नई पीतल की प्रतिमा स्थापित की गई। इस अवसर पर त्रिलोकपुर थाना प्रभारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। प्रतिमा स्थापना के दौरान बाबा साहब के विचारों और सामाजिक न्याय के संदेश को स्मरण किया गया। ग्रामीणो ने बताया कि चोरी हुई प्रतिमा का वजन लगभग 8.30 किलो था, जबकि नई प्रतिमा 18 किलो वजनी है। नई प्रतिमा को लेकर ग्रामीणो मे संतोष और सुरक्षा की भावना देखी गई। नगर पंचायत अध्यक्ष विकास जायसवाल ने कहा कि गांव में शांति और सौहार्द बनाए रखना सबसे आवश्यक था। डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा सामाजिक समानता और संविधान के मूल्यों का प्रतीक है, इसलिए इसे लेकर किसी भी प्रकार का विवाद नही होना चाहिए।

वहीं त्रिलोकपुर थाना प्रभारी चंद्रकांत पांडे ने बताया कि प्रतिमा चोरी के मामले की जांच जारी है और सभी पहलुओं पर गंभीरता से कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है और पुलिस लगातार निगरानी बनाए हुए है। नई प्रतिमा की स्थापना के बाद गांव मे हालात सामान्य हैं। ग्रामीणों को उम्मीद है कि भविष्य मे ऐसी घटनाओ की पुनरावृत्ति नही होगी।

गोंडा में खूनी खेल : 20 साल पुराने भूमि विवाद में युवक की हत्या

गोण्डा। जनपद में कानून-व्यवस्था की हकीकत एक बार फिर खून से लिखी गई है। कोतवाली कर्नलगंज क्षेत्र के नारायणपुर मांझा स्थित दुल्हिन पुरवा गांव में बीस वर्ष पुराने भूमि विवाद ने मंगलवार की देर रात ऐसी खूनी शक्ल अख्तियार की कि एक युवक की मौके पर ही निर्मम हत्या कर दी गई, जबकि उसका भाई मौत से जूझ रहा है।

मृतक की पहचान 30 वर्षीय शिवशंकर दुबे उर्फ लल्ला दुबे पुत्र देवी दयाल के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक लल्ला दुबे रात में अपने खेत में सिंचाई कर रहे थे, तभी छत्तर बली दुबे अपने चार बेटों सुनील, विनोद, धर्मेंद्र और रविंद्र दुबे के साथ वहां पहुंचे। पहले कहासुनी हुई और फिर देखते ही देखते दबंगई हावी हो गई। पिता-पुत्रों ने मिलकर लल्ला दुबे पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। लल्ला को बचाने दौड़े उनके भाई अमरनाथ दुबे पर भी हमलावरों ने चाकू से हमला कर दिया। अमरनाथ गंभीर रूप से घायल हैं और गोंडा मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं।

महिला आयोग की सदस्य एकता सिंह के औचक निरीक्षण में खुली सीएचसी कर्नलगंज की पोल

- अस्पताल के विभिन्न वार्डों में गंदगी मिलने पर जताई गहरी नाराज़गी
- ड्यूटी पर अनुपस्थित रहने वाले डॉक्टरों और स्टाफ को हिदायत, भविष्य में लापरवाही न दोहराने के निर्देश

अवधनामा संवाददाता

कर्नलगंज, गोण्डा। महिला उत्पीड़न की रोकथाम और पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से राज्य महिला आयोग की सदस्य एकता सिंह ने बुधवार को सीएचसी कर्नलगंज का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई स्टाफ कर्मी गैरहाजिर पाए गए, वहीं अस्पताल परिसर में जगह-जगह गंदगी भी देखने को मिली। वहीं अस्पताल की अव्यवस्थाएं सामने आने पर उन्होंने कड़ा रुख अपनाया और जिम्मेदारों को जमकर फटकार लगाई। अस्पताल के विभिन्न वार्डों में गंदगी मिलने पर महिला आयोग की सदस्य ने गहरी नाराज़गी जताई। साफ-सफाई में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों को मौके पर ही कड़ी चेतावनी दी गई।

ड्यूटी पर समय से अनुपस्थित रहने वाले डॉक्टरों और स्टाफ को भी सख्त हिदायत देते हुए भविष्य में ऐसी लापरवाही न दोहराने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान एकता सिंह ने मरीजों और उनके तीमारदारों से सीधे संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत जानी। इस दौरान मरीजों ने अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्थाओं, उपचार में देरी और संसाधनों की कमी को लेकर अपनी शिकायतें खुलकर रखीं। महिला आयोग की सदस्य ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अस्पताल प्रशासन को व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार के निर्देश दिए। एकता सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं और स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सुधार नहीं हुआ तो संबंधितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। औचक निरीक्षण के बाद सीएचसी प्रशासन में हड़कंप मच गया और सुधार कार्यों को लेकर अफरा-तफरी का माहौल देखा गया।

जिले का लाल विनीत शुक्ल ने यूनाइटेड किंगडम के शेफील्ड शहर में मचाया धमाल

- डॉक्यूमेंट्री को अकादमिक और मानवाधिकार मंचों पर भी मिली है मान्यता

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सदर विधानसभा से पूर्व विधायक स्व0 ईश्वर चन्द शुक्ल के पौत्र व जिले के उसका बाज़ार विकास खण्ड के पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रभात शुक्ल के पुत्र विनीत शुक्ला ने यूनाइटेड किंगडम के शेफील्ड शहर में बेघर लोगों की ज़िंदगी, सामाजिक उपेक्षा और सहायता संस्थाओं की भूमिका पर आधारित डॉक्यूमेंट्री बनाकर धमाल मचा दिया है।

निर्देशक विनीत शुक्ला की यह फिल्म सड़कों पर रह रहे लोगों की व्यक्तिगत कहानियों के साथ-साथ यह भी दिखाती है कि एनजीओ, सामाजिक संस्थाएं और सरकारी नीतियाँ इस समस्या से निपटने की कोशिश कैसे कर रही हैं। फिल्म का उद्देश्य सहानुभूति पैदा करना और समाज को ज़िम्मेदारी की ओर प्रेरित करना है। यह फिल्म केवल एक रचनात्मक प्रयास नहीं है, बल्कि सामाजिक शोध और जनहित से जुड़ा डॉक्यूमेंट्री कार्य है, जिसे अकादमिक और मानवाधिकार मंचों पर भी मान्यता मिली है।

विनीत शुक्ला एक च-आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्ममेकर और रिसर्चर हैं, जो शहरी जीवन, सामाजिक असमानता और अदृश्य श्रम जैसे विषयों पर काम कर रहे हैं। फिल्ममेकर विनीत शुक्ला की डॉक्यूमेंट्री फिल्म "No Place Like Home: In Search of a Safe Haven" यूनाइटेड किंगडम के शेफील्ड शहर में बेघर लोगों की ज़िंदगी पर आधारित है। यह फिल्म सड़कों पर रहने वाले लोगों की व्यक्तिगत कहानियों के साथ-साथ सहायता संस्थाओं और सरकारी नीतियों की भूमिका को भी सामने लाती है। इस फिल्म को जर्मनी के गैर-लाभकारी संगठन Knowmad Institut द्वारा आयोजित मानवाधिकार शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल 2024 में पुरस्कार मिला है और यह Lift-Off Global Sessions 2025 के लिए भी चयनित हुई है। इसके अलावा, फिल्म को इंटरनेशनल कम्युनिकेशन एसोसिएशन (ICA) से जुड़े एक अकादमिक कॉन्फ्रेंस में स्क्रीनिंग और चर्चा के लिए चुना गया है। नौगढ़ जैसे छोटे शहर से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुँची यह डॉक्यूमेंट्री सामाजिक सरोकार और मानवीय कहानियों की वैश्विक प्रासंगिकता को दर्शाती है।

हमलावर के परिजनों ने दर्ज कराया फर्जी मुकदमा

अम्बेडकरनगर। बीते 26 जनवरी को अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के गोहन्ना में एक स्कूल में 26 जनवरी के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम का कवरेज करके गेट के बाहर निकलते वक्त दो पत्रकारों पर जानलेवा हमला करने वाले मामले में पत्रकारों द्वारा हमलावर अमित राजभर निवासी गोहन्ना व उसके साथ कई अन्य लोगों पर मुकदमा पंजीकृत कराया गया था! मुकदमा पंजीकृत होने के बाद पत्रकारों पर अलग-अलग तरीके से दबाव बनाने का प्रयास किया गया! जों असफल रहा यहां तक एक पत्रकार के घर पर भी जाकर हमलावर के परिजनों द्वारा उसे डराने धमकाने जैसा कार्य किया गया ! मामले में पत्रकारों ने जब सुलह समझौता करने से इनकार किया तो हमलावर के परिजन ने पत्रकारों के ऊपर ही षड्यंत्र रचकर 8 दिन बाद अकबरपुर कोतवाली में फर्जी क्रॉस का मुकदमा लिखवा दिया! जिससे उनके ऊपर दबाव बनाया जा सके और मामलें में वो लोग सुलाह कर लें! जबकि उक्त मामले से संबंधित घटनास्थल की कुछ वीडियो क्लिप पत्रकारों के पास मौजूद है।

पूरी रात रोशनी और खुशबू से गुलजार रहा क्षेत्र का कब्रिस्तान

- इस रात इबादत करनी चाहिए और अपने गुनाहों की माफी मांगनी चाहिए : मौलाना शाहकार हुसैन ज़ैदी
- घरों में दिलाई नियाज़, बच्चों ने खूब फोड़े पटाखे जलाई फुलझड़ियां

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। तहसील क्षेत्र में मंगलवार शाम शब ए बारात का त्योहार पूरे अकीदत और जोश खरोश के साथ मनाया गया।

शब ए बारात के मौके पर हल्लौर में शाम होते ही अपने अपने कब्रिस्तान में पहुँचकर कब्र पर फूल डालकर मोमबत्ती अगरबत्ती जलाकर फातिहा पढ़ा और मरने वाले की मगफिरत व परिवार की सलामती के लिए अल्लाह से दुआएं मांगी। हल्लौर जामा मस्जिद, कर्बला स्थित मेहंदी कुआँ, पोखरवा कब्रिस्तान, कुला की बाग व दीगर कब्रिस्तान में विशेष रोशनी व कब्र पर फूलों से सजावट की गई थी। पूरी रात कब्रिस्तान में चाय पानी की व्यवस्था देंखने को मिली। 10 =30 बजे हल्लौर स्थित जामा मस्जिद में इमाम जुमा मौलाना शाहकार हुसैन ज़ैदी ने विशेष नमाज़ (आमाल) कराया। आमाल के बाद मौलाना शाहकार हुसैन ज़ैदी की सदारत में महफ़िल का आयोजन किया गया। जिसमें मुकामी शायरों ने इमाम मेंहदी आखरूज़ ज़मा अलैहिस्सलाम की शान में कलाम व कसीदे पढ़कर खूब वाहवाही बटोरी। ज़ाकिरे अहलेबैत सै0 जमाल हैदर करबलाई ने शब ए बारात पर रोशनी डालते हुए कहा कि यह हज़ारों रातों से अफजल रात है। इस रात अल्लाह अपने बंदों के बहुत करीब होता है और अल्लाह इस रात बरकतों, रहमतों की बारिश करता है। शब ए बारात में की गई इबादत अल्लाह ज़रूर कबूल करता है। अन्त में मौलाना शाहकार हुसैन ज़ैदी ने कहा कि इस्लाम में शब-ए-बारात की काफी अहमियत हैं, इस्लामिक कैलेंडर के हिसाब से शाबान के महीने की 15वीं तारीख की रात में शब-ए-बारात मनाई जाती है।

इस रात इबादत करनी चाहिए और अपने गुनाहों की माफी मांगनी चाहिए। मरने वाले के हक में मगफिरत की दुआ करनी चाहिए। इसी क्रम में डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के भटगवा, बसडिलिया, डुमरियागंज, जबजव्वा, बेवां मुस्तफा, टिकरिया, हटवा, औराताल, बघहवा, कादिराबाद, बिथरिया, औसान कुइयां, मछिया सहित मुस्लिम बाहुल्य इलाकों के लोग कब्रिस्तान में जाकर फातिहा पढ़कर अल्लाह से मग़फ़िरत की दुआ की। कब्रिस्तान में रोशनी की भरपूर व्यवस्था रही। जिससे लोगो को आने जाने में कोई परेशानी का सामना न करना पड़े। इस रात क्षेत्र की सभी मस्जिदें गुलज़ार रही। हल्लौर स्थित पोखरवा कब्रिस्तान पर ग्राम प्रधान ताक़ीब रिज़्वी की जानिब से चाय पानी की वृहद व्यवस्था की गई थी साथ ही लोगों को कब्रों पर फूल डालने के लिए भी निःशुल्क वितरण किया। पोखरवा कब्रिस्तान पर लगे स्टाल पर वज़ीर हसन, हसन ताक़ीब रिज़्वी, अफसर रिज़्वी, गुलाम, राहिब, एसके मेहदी, सहित तमाम लोग मौजूद रहे। शब ए बारात पर डुमरियागंज पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा का बेहतर इंतेज़ाम किया गया था।

नवनिर्मित श्रीराम तोरण द्वार का जनपद न्यायाधीश ने किया उद्घाटन

अवधनामा संवाददाता

- हवन पूजन के उपरांत भंडारे का भी किया गया आयोजन

सिद्धार्थनगर। जनपद न्यायालय स्थित सिविल सिद्धार्थ बार एसोसिएशन के नवनिर्मित श्रीराम तोरण द्वार का उद्घाटन बुधवार को जनपद न्यायाधीश अजय कुमार श्रीवास्तव तृतीय द्वारा किया गया। इस दौरान हनुमंतालय मंदिर के प्रांगण में एसोसिएशन के अध्यक्ष अखण्ड प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हवन पूजन के उपरांत भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ो लोगों द्वारा प्रसाद ग्रहण किया गया।

इस अवसर पर अरविंद राय जनपद न्यायाधीश मोटर दुर्घटना न्यायालय, अपर जनपद न्यायाधीश मोहम्मद रफी, विशेष न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार, पास्को एससी एक्ट न्यायालय मनोज तिवारी, मुख्य न्यायाधीश दंडाधिकारी अनुभव कटियार, महामंत्री कृपा शंकर त्रिपाठी, अधिवक्ता विजय कुमार उपाध्याय, पवन मिश्रा, विकास शुक्ला, भूपेंद्र सिंह बघेल, शेखर सिंह, भृगुनारायण तिवारी, मणिकांत मिश्रा, अतुल सिंह, संतोष मिश्रा, अतुल सिंह, नरेंद्र भार्गव, राधेश्याम मिश्रा, पशुपति दुबे, प्रमोद सिंह, अनिल विश्वकर्मा, मनीष मणि त्रिपाठी, अनूप दुबे, बद्री बाल्मिक, प्रभाकर मिश्रा, रमेश कुमार पांडे, प्रभाकर दुबे, जयशंकर मिश्रा, राकेश कुमार सिंह, अरविंद शुक्ला, राकेश सिंह, अमित तिवारी आदि उपस्थित रहे।

आईपीएमएस पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराया तो रद्द होगा कीटनाशी लाइसेंस

गोण्डा। जनपद में कीटनाशी लाइसेंस धारकों के लिए आई0पी0एम0एस0 (IPMS) पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य कर दिया गया है। जिला कृषि रक्षा अधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जिन कीटनाशी विक्रेताओं द्वारा अभी तक आईपीएमएस पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराया गया है, यदि वे 15 फरवरी 2026 तक पंजीकरण नहीं कराते हैं तो उनका कीटनाशी लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पंजीकरण के लिए विक्रेताओं को गूगल सर्च में ipms.gov.in टाइप कर वेबसाइट खोलनी होगी। इसके बाद Login/Register सेक्शन में जाकर Sign Up विकल्प चुनना होगा। पंजीकरण फॉर्म भरने के उपरांत पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी से मोबाइल नंबर का सत्यापन करना होगा। सत्यापन के बाद कीटनाशी लाइसेंस एवं पैन कार्ड की फोटो अपलोड कर फॉर्म सबमिट करना होगा। फॉर्म सबमिट करने के पश्चात विक्रेता को स्वयं अपना यूजरनेम और पासवर्ड बनाना होगा।

इटवा में बहू-बेटी सम्मेलन व साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

- रईस अहमद इंटर कालेज के प्रधानाचार्य मेहताब आलम ने कहा जागरुकता जरूरी

अवधनामा संवाददाता

इटवा सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ. अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा तथा साइबर अपराध के प्रति जागरूकता को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार को रईस इंटरमीडिएट कॉलेज इटवा में बहू-बेटी सम्मेलन एवं साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद एवं क्षेत्राधिकारी इटवा पवीन प्रकाश के पर्यवेक्षण में मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत संपन्न हुआ। इस दौरान विद्यालय की छात्राओं को एकत्रित कर उन्हें नारी सुरक्षा, नारी सम्मान एवं साइबर अपराध से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, मातृ शक्ति को सम्बल, निराश्रित महिला पेंशन योजना तथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को साइबर अपराध से बचाव के लिए जागरूक करते हुए बताया कि किसी भी अज्ञात नंबर या संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें। किसी प्रकार की साइबर घटना होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें तथा www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं।

इस अवसर पर विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई, जिनमें 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 108 एंबुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा, 181 महिला हेल्पलाइन तथा 101 अग्निशमन सेवा शामिल हैं।

कार्यक्रम में प्रभारी निरीक्षक रवीन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक संतोष तिवारी, नागेन्द्र सिंह, राजेन्द्र शाही, गोपाल (सीसी टीम), मुख्य आरक्षी प्रदीप यादव, आरक्षी नितिन यादव, अमित वर्मा, सतीश गौड़, महिला आरक्षी श्रेया सिंह एवं रविता यादव सहित पुलिस टीम मौजूद रही।

105 वर्ष की उम्र में बुजुर्ग महिला का निधन

अवधनामा संवाददाता, लोटन सिद्धार्थनगर। लोटन कस्बे की सबसे बुजुर्ग महिला का सोमवार शाम को निधन हो गया। बाजार के व्यवसायी राजकुमार जायसवाल की दादी ब्लाक में सबसे बुजुर्ग महिला थी। उनके दादी कल्पी जायसवाल का 105 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।जब उनके पति की मृत्यु करीब बीस वर्ष पूर्व हो चुकी थी। बुजुर्ग महिला की शव यात्रा निकाली गई। इस मौके पर काफी संख्या में क्षेत्र वासी उपस्थित रह कर उनके शव को बस द्वारा अयोध्या में ले जाकर अन्त्येष्टि स्थल पर अंतिम संस्कार किया गया।

पंकज मिश्रा को समाजवादी शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव बनाये जाने पर क्षेत्र में खुशी की लहर

हजपुरा, अम्बेडकरनगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल की अनुमति से पंकज मिश्रा को समाजवादी शिक्षक प्रकोष्ठ का प्रदेश सचिव मनोनीत किया गया है। उनके मनोनयन की खबर मिलते ही क्षेत्र के शिक्षकों और पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। हंसवर क्षेत्र के फाजिलपुर, पोस्ट हरदासपुर निवासी पंकज मिश्रा पेशे से शिक्षक हैं और लंबे समय से शैक्षिक व सामाजिक गतिविधियों से जुड़े रहे हैं। संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने के चलते पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। अपने मनोनयन पर पंकज मिश्रा ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन को मजबूत करने और शिक्षकों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का कार्य करेंगे। प्रदेश सचिव बनाए जाने पर शिक्षक संगठन से जुड़े उग्रसेन यादव, राजेंद्र प्रसाद वर्मा, पवन यादव, महेंद्र वर्मा, विजय शुक्ला, राजेश यादव, एस.डी. मिश्रा सहित कई लोगों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।

शबे बरात पर पूर्वजों के कब्रों पर फतेहा पढ़ने वालों की भीड़

हजपुरा अम्बेडकरनगर। नगर एवं ग्रामीण अंचल में शबे-ए-बरात का पर्व मंगलवार की रात्रि को परंपरागत श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कब्रिस्तानों में पहुंचकर अपने पूर्वजों की कब्रों पर मोमबत्तियां जलाई, अगरबत्ती लगाई और फातेहा पढ़कर मरहूमीन की मगफिरत के लिए दुआ मांगी। शब-ए-बरात को लेकर शाम से पहले ही नगर व ग्रामीण क्षेत्रों की मजारों, दरगाहों और कब्रिस्तानों को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया। नगर के मीरानपुर, शहजादपुर, लोरपुर ताजन, गदायां, पहितीपुर, दाहियावर, बाजिदपुर तथा जलालपुर के रौजये हजरत कासिम, रूहाबाद कब्रिस्तान, भियांव, हैदराबाद, कटघर मूसा, हजपुरा, कजपुरा, रसूलपुर, बाकरगंज, अमरतल, दरगाह शाह रमज़ान सहित अन्य इलाकों में स्थित कब्रस्तानों पर विशेष लाइटिंग की व्यवस्था की गई थी, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मंगलवार देर शाम से ही लोग अपने-अपने पूर्वजों की कब्रों पर पहुंचने लगे। कब्रों पर फूल पेश किए गए और इत्र-अगरबत्ती की खुशबू के बीच कुरआन की आयतों की तिलावत की गई। भियांव दरगाह स्थित कब्रिस्तान में विशेष रूप से रोशनी और इबादत का नज़ारा देखने को मिला। शिया धर्मगुरु मौलाना सैयद हैदर अब्बास ने बताया कि शबे-ए-बरात की रात अल्लाह की रहमत और बरकत की रात मानी जाती है। ये गुनाहों से निजात दिलाने वाली रात है। इसी कारण मुस्लिम समाज के लोग पूरी रात जागकर कुरआन की तिलावत करते हैं और अपने गुनाहों की माफी के लिए अल्लाह की बारगाह में सजदा करते हैं। वहीं रात भर कब्रिस्तानों में तिलावते कलाम-ए-पाक होती रही।

इटवा में फर्जी फॉर्म-7 से नाम काटने का मामला

- समाजवादी पार्टी ने जताया रोष

अवधनामा संवाददाता

इटवा सिद्धार्थनगर। सपा कार्यकर्ताओं ने बुधवार को इटवा विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची से नाम काटने की कथित साजिश का आरोप लगाया। उन्होंने इस संबंध में उप जिलाधिकारी (एसडीएम) को एक ज्ञापन सौंपा और भाजपा कार्यकर्ताओं पर आरोप लगाया।

सपा कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि विधानसभा क्षेत्र 305 इटवा के बूथ संख्या 311 गंगवल से 163 मतदाताओं के नाम हटाने का प्रयास किया गया। इसी तरह, बूथ संख्या 312 गंगवल से भी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश की गई।

आरोप है कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक व्यक्ति के नाम से पहले से कंप्यूटराइज्ड प्रिंटेड फॉर्म 7 पर फर्जी हस्ताक्षर कर इसे बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को भेजा। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं के अनुसार, इन फॉर्मो में अधिकतर मुस्लिम मतदाताओं और पी.डी.ए. (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज के लोगों के नाम थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीएलओ पर इन फॉर्मों पर हस्ताक्षर करने का दबाव बनाया जा रहा था। पार्टी ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र के कई अन्य बूथों से भी इसी तरह की शिकायतें मिली हैं, जिनमें भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा बीएलओ पर फॉर्म 7 पर हस्ताक्षर करने का दबाव बनाने का आरोप है।

इन सूचनाओं के आधार पर, समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उप जिलाधिकारी इटवा को शिकायत पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष कमाल अहमद, विधानसभा अध्यक्ष बबलू खान, बबलू पाठक, अब्दुल लतीफ, सुनील कुमार यादव, इफ्तेखार अहमद, सौरभ श्रीवास्तव और अमीरउल्लाह सहित कई समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।एसडीएम इटवा कुणाल ने इस संबंध में कहा कि शिकायती पत्र की जांच की जाएगी और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इटवा विधानसभा क्षेत्र के गंगवल गांव मे ही सिर्फ लगभग 163 फॉर्म-7 प्रिंट करवाकर बीएलओ को दिया गया है। उनके अनुसार, एक ही व्यक्ति द्वारा विशेष जाति व धर्म के मतदाताओं के नाम सूची से हटवाने का प्रयास किया जा रहा। सपा के अब्दुल लतीफ बबलू खान व बब्लू पाठक ने इसे वोट डकैती करार देते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी इसे बर्दाश्त नहीं करेगी।

कमरुज्जमां खान ने अज्ञात लोगों द्वारा फर्जी हस्ताक्षरों के माध्यम से थोक में फॉर्म भरे जा रहे हैं। उन्होंने ऐसे सभी फर्जी फॉर्म तत्काल निरस्त करने और दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। शक्तिनाथ पाण्डेय ने कहा कि बिना भौतिक सत्यापन के मतदाता सूची से नाम काटना असंवैधानिक है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता के दबाव में विपक्षी विचारधारा के मतदाताओं को निशाना बनाया जा रहा है, जिसे तुरंत रोका जाना चाहिए।

अब्दुल लतीफ ने बताया कि इस पूरे प्रकरण और संबंधित साक्ष्यों से पार्टी के नेता प्रतिपक्ष को भी अवगत करा दिया गया है। सपाइयों ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने न्याय नहीं दिया तो समाजवादी पार्टी सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेगी।

क्षतिग्रस्त विद्युत पोल से 48 घंटे से बिजली आपूर्ति ठप, जनजीवन प्रभावित

अवधनामा संवाददाता

गोंडा। जनपद के कर्नलगंज तहसील अंतर्गत कटरा बाजार क्षेत्र के परसिया रानी (उसरैना) गांव में क्षतिग्रस्त विद्युत पोल के कारण बीते 48 घंटे से अधिक समय से बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है। लंबे समय से अंधेरे में रहने को मजबूर ग्रामीणों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, बिजली बाधित होने से पीने के पानी की समस्या गहरा गई है, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है तथा मोबाइल चार्ज न होने से संपर्क व्यवस्था भी ठप पड़ गई है। ग्रामीणों ने बताया कि समस्या की सूचना विद्युत विभाग को कई बार दी गई, बावजूद इसके अब तक आपूर्ति बहाल नहीं की जा सकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षतिग्रस्त विद्युत पोल कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है, लेकिन विभागीय लापरवाही के चलते स्थिति जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों में इस बात को लेकर रोष व्याप्त है कि शिकायत के बाद भी कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। मामले को सोशल मीडिया के माध्यम से सामने लाए जाने के बाद उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड तथा मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की ओर से शिकायत को संज्ञान में लेने की बात कही गई है और संबंधित इकाई को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक गांव में विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी थी। ग्रामीणों ने मांग की है कि क्षतिग्रस्त विद्युत पोल को तत्काल बदलकर आपूर्ति बहाल की जाए तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। अब देखना यह होगा कि विद्युत विभाग कब जागता है और ग्रामीणों को अंधेरे से राहत कब मिलती है।

शिक्षा में समता या नई असमानता: यूजीसी नियमों पर न्यायिक विराम

नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के माध्यम से उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता के नाम पर लागू किए गए नए नियमों ने देश के शैक्षिक और सामाजिक परिदृश्य में एक बार फिर गहरी हलचल पैदा कर दी है। जिस नीति को 'समता', 'समान अवसर' और 'समावेशी शिक्षा' की भावना से जोड़कर प्रस्तुत किया गया, वह व्यवहार में आते ही एक वर्ग विशेष के तीव्र विरोध, व्यापक असंतोष और सामाजिक तनाव का कारण बन गई। स्थिति इतनी विकट हुई कि सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप कर इन नियमों पर अंतरिम रोक लगानी पड़ी। यह रोक न केवल सरकार की नीति-निर्माण प्रक्रिया पर एक प्रश्नचिह्न है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अतिशयोक्तिपूर्ण और असंतुलित प्रयोग देश को किस दिशा में ले जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप किसी नीति के समर्थन या विरोध का सीधा निर्णय नहीं है, बल्कि यह एक संवैधानिक चेतावनी है कि समानता के नाम पर लागू किए गए नियम यदि अस्पष्ट हों, दुरुपयोग की संभावना रखते हों और सामाजिक सौहार्द को बाधित करते हों, तो वे न्यायिक समीक्षा से परे नहीं रह सकते। अदालत ने प्रथम दृष्ट्या यह माना कि यूजीसी के नए नियमों में स्पष्टता का अभाव है और यही अस्पष्टता उन्हें विवादास्पद बनाती है। यह रोक सरकार को आत्ममंथन का अवसर देती हैकृएक ऐसा अवसर जिसे राजनीतिक टकराव के बजाय सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रश्न यह है कि जो सरकार बार-बार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की बात करती रही है, वह शिक्षा संस्थानों जैसे विचार-निर्माण के केंद्रों में ऐसे नियम क्यों लाई, जिनसे जातिगत पहचान और वर्गीय विभाजन की रेखाएँ और गहरी होने की आशंका पैदा हो गई। भारत का सामाजिक इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि जाति के नाम पर की गई किसी भी नीति ने, चाहे उसका उद्देश्य कितना ही कल्याणकारी क्यों न रहा हो, समाज को भीतर ही भीतर विभाजित किया है। आरक्षण जैसी संवैधानिक व्यवस्था सामाजिक न्याय के लिए लाई गई थी, लेकिन इसके लंबे प्रयोग ने देश को ऐसे घाव भी दिए हैं, जिनका उपचार आज तक पूर्ण रूप से नहीं हो सका। ऐसे में शिक्षा के क्षेत्र में जातिगत आधार को और उभारने वाली किसी भी पहल को लेकर स्वाभाविक रूप से आशंका उत्पन्न होती है। शिक्षा संस्थान केवल डिग्री बांटने की फैक्ट्रियां नहीं होते; वे समाज की दिशा तय करने वाली प्रयोगशालाएं होते हैं। यहां तैयार होने वाला छात्र केवल नौकरीपेशा व्यक्ति नहीं, बल्कि भविष्य का नागरिक होता है। यदि यही परिसर अविश्वास, वर्ग-संघर्ष और परस्पर शंका के केंद्र बन जाएं, तो इसका प्रभाव केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह सामाजिक ताने-बाने को भी कमजोर करता है। यूजीसी के नए नियमों को लेकर उठा विरोध इसी आशंका का प्रकटीकरण है। यह भी विचारणीय है कि समानता और समता के बीच का अंतर नीति-निर्माण में किस हद तक समझा गया। समानता का अर्थ है सबके साथ एक जैसा व्यवहार, जबकि समता का अर्थ है परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संतुलित अवसर देना। यदि समता के नाम पर ऐसे प्रावधान किए जाएं जो एक नए प्रकार की असमानता को जन्म दें, तो वह नीति अपने उद्देश्य से भटक जाती है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इसी बिंदु की ओर संकेत करती है कि नियमों का उद्देश्य भले ही सकारात्मक रहा हो, लेकिन उनकी संरचना और भाषा ने विवाद और भ्रम को जन्म दिया। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पूरे मामले में राजनीतिक रंग तेजी से हावी होता गया। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इसे अपने-अपने हितों के चश्मे से देखना शुरू कर दिया, वोट बैंक की राजनीति से इसे देखा जाने लगा जबकि यह विषय मूलतः शिक्षा सुधार और सामाजिक संतुलन से जुड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कई अवसरों पर यह कहते रहे हैं कि शिक्षा को राजनीति से मुक्त रखा जाना चाहिए और नीतियां दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर बननी चाहिए।

1857 की क्रांति के बौद्धिक सूत्रधार: मौलाना फ़ज़्ल-ए-हक़ ख़ैराबादी

भारतीय इतिहास में कुछ घटनाएँ केवल समय की करवट नहीं, बल्कि वे समाज के सामूहिक विवेक को झकझोर देने वाली चेतनाएँ बन जाती हैं। सन 1857 ऐसी ही एक ऐतिहासिक क्रांति है, जिसे केवल ÷सिपाही विद्रोह÷ कहकर सीमित कर देना न सिर्फ़ इतिहास के साथ अन्याय है, बल्कि उस वैचारिक संघर्ष की उपेक्षा भी है, जिसने गुलामी के विरुद्ध भारतीय आत्मा को आवाज़ दी। यह विद्रोह बंदूक और तलवार से पहले विचार, विवेक और नैतिक साहस का आंदोलन था,और इसी आंदोलन को दिशा देने वाले वे विद्वान थे,जिन्होंने स्वतंत्रता को सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि अंतरात्मा की मुक्ति का प्रश्न बनाया। इन्हीं वैचारिक अग्रदूतों में एक अत्यंत केंद्रीय और निर्णायक नाम है मौलाना फ़ज़्ल-ए-हक़ ख़ैराबादी, वह आलिम, जिनके फ़तवा-ए-जिहाद (अत्याचार और विदेशी शासन के खिलाफ़ संघर्ष) ने 1857 के संघर्ष को भावनात्मक उबाल से निकालकर एक संगठित, वैचारिक और नैतिक स्वतंत्रता आंदोलन में बदल दिया। उन्होंने अंग्रेज़ी शासन को केवल राजनीतिक चुनौती नहीं दी, बल्कि उसे धर्म, संस्कृति और मानवीय गरिमा के कटघरे में खड़ा किया।

मौलाना फ़ज़्ल-ए-हक़ ख़ैराबादी का जन्म 1797 ईस्वी में उत्तर प्रदेश के सीतापुर ज़िले के ख़ैराबाद क़स्बे में एक प्रतिष्ठित और विद्वान परिवार में हुआ। उनके पिता मौलाना फ़ज़्ल-ए-इमाम चिश्ती अपने समय के प्रसिद्ध तर्कशास्त्री और धार्मिक विद्वान थे। घर का वातावरण ज्ञान, अध्ययन और सूफ़ी परंपरा से ओतप्रोत था, जिसका प्रभाव मौलाना फ़ज़्ल-ए-हक़ के व्यक्तित्व पर आरंभ से ही स्पष्ट दिखाई देता है। असाधारण स्मरण-शक्ति, तीक्ष्ण बुद्धि और गहन अध्ययन ने उन्हें कम उम्र में ही समकालीन विद्वानों की पंक्ति में खड़ा कर दिया। फ़िक़्ह तर्कशास्त्र, दर्शन, कलाम और साहित्य जैसे कठिन विषयों पर उनकी पकड़ इतनी सशक्त थी कि उनकी रचनाएँ आगे चलकर दर्स-ए-निज़ामी का हिस्सा बनीं। मिर्ज़ा ग़ालिब के दीवान के संपादन में उनकी भूमिका और अंतिम मुग़ल सम्राट बहादुर शाह ज़फ़र से उनकी निकटता इस बात का प्रमाण है कि वे अपने समय की साहित्यिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक चेतना के सक्रिय केंद्र थे। लखनऊ में न्यायिक पद पर रहते हुए उन्होंने न्याय और निष्पक्षता की मिसाल कायम की। लेकिन जब ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन ने भारतीय समाज को हर स्तर पर कुचलना शुरू किया, कृषि संसाधनों की लूट, भारी कर व्यवस्था, स्वदेशी उद्योगों का विनाश और धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप, तो मौलाना फ़ज़्ल-ए-हक़ का नैतिक और फ़िक़्ही विवेक मौन नहीं रह सका। विशेष रूप से ईसाई मिशनरी गतिविधियाँ और सैनिक कारतूसों में गाय व सूअर की चर्बी के प्रयोग का प्रश्न धार्मिक अस्मिता पर सीधा आघात था। यह संकट केवल आर्थिक या सैन्य नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और धार्मिक स्वतंत्रता का प्रश्न बन चुका था।

10 मई 1857 को मेरठ से उठी विद्रोह की चिंगारी जब दिल्ली पहुँची और बहादुर शाह ज़फ़र को प्रतीकात्मक रूप से भारत का सम्राट स्वीकार किया गया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़वी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वज़ीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।

किसी भी लेख में कोई विवाद के लिए 'अवधनामा' जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की है। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडीटर : एम.एम. मोहसिन
स्थानीय संपादक
मोहम्मद आलम रिज़वी
RNI No UPHIN/2010/31173
टेली फैक्स नं। : 2288091, 4065716
avadhnamahindi@gmail.com

स्वभाव से हत्यारे नहीं होते इंसान

अब्दुल्लाह मंसूर

ब्लैक मिरर एक ऐसी सीरीज है जो विज्ञान और तकनीक के बहाने सत्ता और इंसान के रिश्ते को टटोलती है। यह हमें इस बात से नहीं डराती कि मशीनें इंसानों पर कब्जा कर लेंगी, बल्कि यह दिखाती है कि इंसान कितनी आसानी से मशीनों के पीछे छिपकर अपनी नैतिक जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। मोबाइल, टीवी और लैपटॉप की काली स्क्रीन हमारे दौर का आईना बन चुकी हैं। इन्हीं स्क्रीन के जरिए हम युद्ध देखते हैं, लाशें देखते हैं और फिर अगले वीडियो पर स्क्रॉल कर जाते हैं। हिंसा हमारे सामने होती है, लेकिन वह हमें महसूस नहीं होती। ब्लैक मिरर का एपिसोड मेन अगेंस्ट फायर इसी सुन्न होती संवेदना की कहानी है। यह कहानी महज़ कल्पना नहीं है, बल्कि इसका आधार एस. एल. ए. मार्शल की मशहूर किताब है। मार्शल ने एक बहुत पते की बात कही थी कि एक आम इंसान स्वभाव से किसी दूसरे इंसान को मारना नहीं चाहता। उसके अंदर एक नैतिक रोक होती है। अगर इंसान पैदाइशी कातिल होता, तो फौजियों को गोली चलाना सिखाने के लिए इतनी मेहनत नहीं करनी पड़ती।

मार्शल की यह बात सत्ता को परेशान करती है, क्योंकि अगर इंसान स्वभाव से हिंसक नहीं है, तो फिर सरकारों और विचारधाराओं को यह मानना पड़ेगा कि नफरत कुदरती नहीं, बल्कि सिखाई हुई है। इसीलिए इतिहास में हर सत्ता ने सबसे पहले भाषा को बदला। जर्मनी में नाजी शासन ने यहूदियों को कीड़ा और बीमारी कहा। जब इंसान को बीमारी मान लिया जाए, तो उसे खत्म करना इलाज बन जाता है। रवांडा में रेडियो के जरिए एक समुदाय को तिलचट्टा कहा गया और कुछ ही महीनों में लाखों लोग मार दिए गए। जान लेने से पहले हमेशा शब्दों का जाल बुना गया। मेन अगेंस्ट फायर इसी खेल को तकनीक के जरिए दिखाता है। सैनिकों के दिमाग में लगी चिप उन्हें सामने वाले इंसान को राक्षस के रूप में दिखाती है। उसकी भाषा समझ नहीं आती, उसका चेहरा डरावना दिखता है। असल दुनिया में यही काम विचारधाराएं करती हैं। वे सामने वाले की इंसानियत को धुंधला कर देती हैं। जब इंसान दिखाई ही नहीं देगा, तब उसे मारते समय कोई पछतावा भी नहीं होगा।

आज के दौर का युद्ध इसका सबसे साफ उदाहरण है। बम गिराने वाले सैनिक अक्सर हजारों किलोमीटर दूर बैठे होते हैं। स्क्रीन पर बस एक बिंदु हिलता है, हुक्म आता है और मिसाइल छोड़ दी जाती है। इसे नागरिकों की हत्या नहीं, बल्कि कोलैटरल डैमेज कहा जाता है। भाषा यहाँ भी वही काम कर रही है हत्या को एक तकनीकी घटना बना देना। यह भी एक तरह की चिप है, जो हमारे विवेक को सुला देती है। यह सिलसिला सिर्फ सरकारों तक ही नहीं है। हर वह सोच जो अपने मकसद को सबसे पवित्र मानती है, वह अपने अनुयायियों को धीरे-धीरे हिंसक बनाती है। साम्यवादी क्रांतियों में वर्ग-शत्रु की बात हो या धार्मिक कट्टरपंथ में काफिर और देशद्रोही जैसे शब्द जब किसी को इन श्रेणियों में डाल दिया जाए, तो उसकी हत्या को खुदा या राष्ट्र की मर्जी बता दिया जाता है।

दक्षिण एशिया में पिछले कुछ सालों में यह सब साफ तौर पर देखा जा सकता है। भीड़ द्वारा की गई हत्याएं अचानक नहीं होतीं। उनसे पहले बरसों तक एक समुदाय को घुसपैठिया, बोझ या खतरा बताया जाता है। जब यह भाषा आम हो जाती है, तब सड़क पर किसी इंसान को मारते समय हमलावर को यह नहीं लगता कि वह किसी की जान ले रहा है, उसे लगता है कि वह व्यवस्था की सफाई कर रहा है। आज यही खेल फिलिस्तीन से लेकर म्यांमार तक ही नहीं, बल्कि इतिहास के कई युद्धों में दोहराया गया है। कहीं किसी आबादी को आतंकियों की शरणस्थली कहा गया, कहीं राष्ट्र की सुरक्षा के लिए खतरा बताया गया। इराक युद्ध से पहले पूरी एक क़ौम को विनाशकारी हथियारों से जोड़ा गया। बम गिरने से पहले टीवी स्टूडियो में डर पैदा किया गया, नक़्शों पर दुश्मन बनाया गया, ताकि जब शहर राख बनें तो सवाल न उठें। मरने वाले बच्चे बच्चे नहीं रहे, वे कोलैटरल डैमेज बन गए। बाल्कन युद्धों में, वियतनाम में, लैटिन अमेरिका की सैन्य तानाशाहियों में भी यही पैटर्न दिखता है- पहले इंसान को अमानवीय बनाया जाता है, फिर उसकी मौत को जायज़ ठहराया जाता है। जब किसी समूह को बाहरी, घुसपैठिया या अपरिहार्य नुकसान कहा जाने लगता है, तो उसके अधिकार नहीं, उसकी मौजूदगी ही अपराध बन जाती है। आधुनिक समाजशास्त्र में ग्रेगरी स्टैंटन के 10 स्टेजस् ऑफ़ जनोसाईड भी यही रेखांकित करते हैं कि नरसंहार अचानक नहीं होता, बल्कि अमानवीकरण की एक लंबी प्रक्रिया का परिणाम है, जहाँ इंसान की आँखों पर नफरत की एक तकनीकी या वैचारिक पट्टी बांध दी जाती है। इस एपिसोड का सैनिक तब टूटता है जब उसकी चिप ख़राब हो जाती है। यह पल बेहद अहम है। जैसे ही तकनीक और प्रचार का पर्दा हटता है, इंसानियत लौट आती है। वह देखता है कि जिन्हें वह राक्षस समझ रहा था, वे तो डरे हुए, भूखे और बेबस लोग हैं। लेकिन सत्ता को ऐसे लोग नहीं चाहिए जो सच देख सकें। उसे चाहिए ऐसे लोग जो बिना सोचे हुक्म मानें। इसीलिए हर राज्य, हर विचारधारा, हर साम्राज्य सवाल करने वालों से डरता है। क्योंकि सोचने वाला इंसान बंदूक से नहीं, नॅरेटिव से लड़ता है और यही सत्ता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। ब्लैक मिरर हमें चेतावनी देता है कि हमारे समय की चिप कोई धातु का टुकड़ा नहीं है। वह विचार है, वह प्रोपेगेंडा है और वह लगातार दोहराई जाने वाली नफरत की भाषा है। यह एपिसोड हमें हमारे आज से रूबरू कराता है और बताता है कि सबसे खतरनाक हथियार मिसाइल नहीं, बल्कि वह सोच है जो इंसान को यह यकीन दिला दे कि दूसरे का कत्ल जरूरी है।

राष्ट्रीय सुरक्षा और राहुल गांधी की राजनीतिक

ललित गर्ग

नीति-निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और संसदीय विमर्श जैसे गंभीर विषय किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। संसद केवल सत्ता और विपक्ष के टकराव का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिक विवेक और जिम्मेदार अभिव्यक्ति का सर्वोच्च स्थल है। ऐसे में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण जैसे संवैधानिक और गरिमामय अवसर पर चर्चा चल रही हो, तब किसी भी नेता से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह शब्दों, संदर्भों और समय-तीनों के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरते। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा में प्रतिनक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कुछ अंशों का हवाला देकर चीनी सेना की कथित घुसपैठ को लेकर जो बयान दिया गया, उसने इसी अपेक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। सरकार का आरोप रहा कि इस बयान ने लोकसभा को गुमराह करने का प्रयास किया, जबकि विपक्ष ने इसे सच दबाने की कोशिश बताकर पलटवार किया। परिणाम यह हुआ कि संसद की कार्यवाही बाधित हुई, तीखी बहस ने पूरे दिन का सत्र स्थगित करा दिया और राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र मूल मुद्दों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप बन गया।

यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसदीय नियमों के उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ बताया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा व्यवस्था देने के बावजूद यदि किसी नेता का अपने वक्तव्य पर अड़े रहना कार्यवाही को ठप कर दे, तो सवाल उठता है कि क्या उद्देश्य सच सामने लाना था या राजनीतिक लाभ साधना। विपक्ष का दायित्व सत्ता से सवाल करना है, यह लोकतंत्र का प्राण है। किंतु सवालों की भाषा, मंच और समय-तीनों लोकतांत्रिक मर्यादाओं से बंधे होते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का समय सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर समग्र विमर्श का होता है। उस दौरान सैन्य पुस्तकों के चयनित अंशों को राजनीतिक हथियार बनाना, वह भी बिना समुचित संदर्भ और संस्थागत प्रक्रिया के, स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है। विपक्ष का यह कहना कि सरकार असहज प्रश्नों को दबाना चाहती है, एक परिचित एवं बेतूका राजनीतिक तर्क है; परंतु सरकार का यह कहना कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक रंग देना अनुचित है, उतना ही वजनदार प्रतिवाद है। दोनों पक्षों के बीच संतुलन वहीं संभव है, जहां तथ्य, प्रक्रिया और समय का सम्मान हो।

संसद के भीतर अप्रकाशित 'संस्मरण' के जिक्र पर विवाद होना स्वाभाविक है। क्योंकि संसदीय परंपराओं और स्थापित नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य द्वारा संसद के पटल पर ऐसी प्रकाशित या अप्रकाशित पुस्तक, लेख या पत्रिका की सामग्री को प्रमाण के रूप में उद्धृत करना स्वीकार्य नहीं है, जिसे सदन के समक्ष औपचारिक रूप से प्रस्तुत (टेबल) न किया गया हो। विशेष रूप से ऐसी

पुस्तकों या लेखों के अंश, जिनकी न तो संसदीय सत्यापन प्रक्रिया हुई हो और न ही जिन्हें सदन की अनुमति से अभिलेखित किया गया हो, उन्हें तथ्यात्मक प्रमाण मानना संसदीय मर्यादा के विरुद्ध है। इस दृष्टि से राहुल गांधी द्वारा किसी अप्रकाशित पुस्तक के अंशों को सीधे उद्धृत कर उन्हें नीतिगत या राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना न केवल संसदीय नियमों की अवहेलना है, बल्कि इससे सदन की गरिमा और कार्यवाही की विश्वसनीयता भी आहत होती है।

राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तो उन्हें भारतीय सेनाओं के नैरेटिव के साथ खड़े होना चाहिए। दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं करते। वे चीन और पाकिस्तान को लेकर मोदी सरकार को तो घेरते हैं, लेकिन यह स्मरण नहीं रखते कि इन दोनों देशों ने भारतीय भूभाग पर तब अतिक्रमण किया, जब कांग्रेस सत्ता में थी। गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका उल्लेख राहुल कैसे कर सकते हैं? राहुल गांधी का आरोप कि मोदी सरकार ने चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये पर साहस नहीं दिखाया, बेबुनिया एवं भ्रमित करने वाला आरोप है। यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी ने यह कहने की कोशिश की हो कि प्रधानमंत्री मोदी चीन का डटकर मुकाबला करने से बचते हैं। वे मोदी सरकार को कमजोर दिखाने के लिए यह भी कहते रहे हैं कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। वे यहां तक कह चुके हैं कि चीनी सेना ने भारतीय सैनिकों की पिटाई की थी। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट की फटकार भी सुननी पड़ी थी। इसके बाद भी वे यह समझने के लिए तैयार नहीं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सतही आरोपों के आधार पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। जबकि सच्चाई यह है और सब जानते हैं कि गलवन में चीनी सेना को करारा जवाब मिला था और इसी कारण वह वार्ता की मेज पर आया और लद्दाख में कई इलाकों में यथास्थिति कायम हो पाई। कांग्रेस की भूमिका पर भी गंभीर आत्ममंथन आवश्यक है। एक समय देश को नेतृत्व देने वाली पार्टी आज बार-बार ऐसे प्रसंगों में उलझती दिखती है, जहां बयानबाजी मुद्दों पर भारी पड़ जाती है। राहुल गांधी एक प्रभावशाली वक्ता हैं, जनभावनाओं को छूने की क्षमता रखते हैं और युवाओं में संवाद स्थापित कर सकते हैं। किंतु यही कारण है कि उनसे अधिक जिम्मेदारी की अपेक्षा भी की जाती है। बार-बार ऐसे मुद्दे उठाना जिन्हें सत्ता पक्ष राष्ट्रीय एकता के लिए घातक बताता हो, कांग्रेस की छवि को गैर-जिम्मेदार विपक्ष के रूप में मजबूत करता है। यह धारणा चाहे पूरी तरह सही न हो, लेकिन राजनीति में धारणा भी उतनी ही प्रभावशाली होती है जितना तथ्य। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो परिपक्व लोकतंत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा पर बहस के लिए अलग-अलग संसदीय समितियां, बंद सत्र और संस्थागत प्रक्रियाएं होती हैं। सार्वजनिक मंचों पर बयान देते समय नेता प्रायः संकेतों और नीतिगत प्रश्नों तक सीमित रहते हैं, विस्तृत सैन्य विवरणों से परहेज करते हैं। भारत में भी ऐसी परंपरा विकसित होनी चाहिए, जहां विपक्ष सरकार से जवाबदेही मांगे, परंतु सेना और सुरक्षा संस्थानों की साख को राजनीतिक संघर्ष का अखाड़ा न बनाया जाए। यही संतुलन लोकतंत्र को मजबूत करता है। लेकिन राहुल गांधी पूर्व में भी सैन्य बयानों से न केवल सुरक्षा के लिये खतरा बनते रहे हैं बल्कि हमारे जवानों के मनोबल को भी आहत करते रहे हैं। यह भी सच है कि सरकार को पारदर्शिता से घबराना नहीं चाहिए। यदि विपक्ष किसी पुस्तक, रिपोर्ट या बयान का हवाला देता है, तो उसका संस्थागत और तथ्यपरक उत्तर दिया जाना चाहिए। केवल नियमों के उल्लंघन का हवाला देकर बहस को समाप्त करना भी स्वस्थ परंपरा नहीं कही जा सकती। राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर पूर्ण मौन भी लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व के विपरीत है। अतः दोनों पक्षों को अपनी-अपनी सीमाएं पहचाननी होंगी।अंततः प्रश्न राहुल गांधी की परिपक्वता का भी है। परिपक्वता का अर्थ चुप रहना नहीं, बल्कि यह समझना है कि कौन-सा प्रश्न कब, कहां और कैसे उठाया जाए। एक राष्ट्रीय नेता से अपेक्षा होती है कि वह भावनात्मक आवेग के बजाय रणनीतिक विवेक से काम ले। इसी तरह विपक्ष की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वह संसद को ठप करने के बजाय उसे प्रभावी बहस का मंच बनाए। संसद का स्थगन किसी की जीत नहीं, बल्कि लोकतंत्र की हार होता है। इस पूरे प्रसंग ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया है कि भारत जैसे विविध और संवेदनशील लोकतंत्र में शब्दों की शक्ति अत्यंत गहरी है। राष्ट्रीय एकता केवल सीमाओं की रक्षा से नहीं, बल्कि जिम्मेदार राजनीति से भी सुरक्षित रहती है।

शिक्षा से आत्मनिर्भरता की ओर

महेन्द्र तिवारी

भारत आज इतिहास के ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ उसकी सबसे बड़ी पूँजी उसका युवा वर्ग है। करोड़ों सपनों, संभावनाओं और ऊर्जा से भरी यह पीढ़ी यदि सही दिशा पाए, तो देश को आने वाले दशकों में नई ऊँचाइयों तक ले जा सकती है। हाल ही में प्रस्तुत बजट ने इसी युवा शक्ति को केंद्र में रखकर भविष्य की नींव रखने का प्रयास किया है। यह बजट केवल आय और व्यय का लेखा-जोखा नहीं है, बल्कि यह उस सोच का प्रतिबिंब है जो भारत को केवल रोज़गार खोजने वाला देश नहीं, बल्कि रोज़गार देने वाला समाज बनाना चाहती है। आज जब बेरोज़गारी, तकनीकी परिवर्तन और शिक्षा की प्रासंगिकता जैसे प्रश्न सामने खड़े हैं, तब यह आवश्यक हो गया था कि शिक्षा और कौशल को नई दृष्टि से देखा जाए।

अब तक की शिक्षा व्यवस्था का बड़ा दोष यह रहा है कि वह ज्ञान तो देती रही, परंतु जीवन और रोज़गार से उसका सीधा संबंध कमजोर होता गया। डिग्रियाँ बढ़ती गईं, पर हाथों में काम कम होता गया। इसी असंतुलन को सुधारने की दिशा में इस बजट ने एक ठोस पहल की है। शिक्षा और कौशल से जुड़े प्रावधानों में उल्लेखनीय वृद्धि यह संकेत देती है कि सरकार अब केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि व्यावहारिक क्षमता, रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना चाहती है। यह बदलाव उस समय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब दुनिया तेज़ी से तकनीकी बदलावों की ओर बढ़ रही है और पारंपरिक नौकरियाँ लगातार सिमटती जा रही हैं।

बचपन से ही बच्चों को रचनात्मक सोच और तकनीकी समझ से जोड़ने का विचार इस बजट की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक है। विद्यालयों में नई प्रकार की प्रयोगशालाओं की स्थापना का प्रस्ताव इस बात का संकेत है कि अब शिक्षा केवल परीक्षा पास करने का माध्यम नहीं रहेगी, बल्कि सृजन और निर्माण की प्रक्रिया बनेगी। जिन बच्चों को अब तक केवल उपभोक्ता के रूप में देखा जाता था, वे अब निर्माता बनने की ओर अग्रसर होंगे। जो बच्चे खेल खेलते हुए समय बिताते थे, वे अब अपने विचारों और कल्पनाओं को आकार देना सीखेंगे। इससे न केवल उनमें आत्मविश्वास बढ़ेगा, बल्कि वे कम उम्र में ही अपने पैरों पर खड़े होने की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।

इस प्रकार की शिक्षा का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि युवाओं में पलायन की प्रवृत्ति कम होगी। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे भी अपने ही परिवेश में अवसर खोज सकेंगे। जब हुनर घर के पास ही रोज़गार देने लगे, तब महानगरों पर बोझ अपने आप कम होगा। इसके साथ ही देश में रचनात्मक उद्योगों का विस्तार होगा, जिससे सांस्कृतिक पहचान और आर्थिक सशक्तिकरण एक साथ आगे बढ़ेंगे। यह केवल रोज़गार का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह आत्मसम्मान और स्वाभिमान से भी जुड़ा हुआ है।

विज्ञान और आकाशीय अध्ययन से जुड़ी नई संस्थाओं की स्थापना का निर्णय यह दर्शाता है कि देश केवल वर्तमान की ज़रूरतों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए जिज्ञासा और अनुसंधान की जमीन तैयार करना चाहता है। जब दूर-दराज़ के इलाकों का कोई बच्चा तारों और ग्रहों के रहस्यों को समझने का अवसर पाएगा, तो उसकी सोच की सीमाएँ अपने आप विस्तृत होंगी। इससे समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होगा, जो किसी भी प्रगतिशील राष्ट्र की पहचान होती है। ऐसे केंद्र केवल वैज्ञानिकों के लिए नहीं होंगे, बल्कि वे सामान्य विद्यार्थियों के भीतर छिपी संभावनाओं को उजागर करने का माध्यम बनेंगे।

इस पूरे प्रयास में बेटियों की भूमिका को विशेष रूप से महत्व दिया जाना अत्यंत आवश्यक था, और यह बजट इस दिशा में एक सकारात्मक संकेत देता है। लंबे समय से यह देखा गया है कि उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में लड़कियों की भागीदारी आवास, सुरक्षा और सामाजिक दबावों के कारण सीमित रह जाती है। नए छात्रावासों की योजना केवल ईंट और सीमेंट का ढाँचा नहीं है, बल्कि यह भरोसे और स्वतंत्रता की नींव है। जब किसी ग्रामीण परिवार की बेटी निश्चिंत होकर पढ़ने के लिए शहर जा सकेगी, तब उसके सपनों को पंख मिलेंगे। यह केवल व्यक्तिगत उन्नति नहीं होगी, बल्कि पूरे समाज की सोच में बदलाव आएगा।

शिक्षा के साथ-साथ छोटे उद्योगों और युवाओं के बीच सेतु बनाने की पहल भी इस बजट का एक महत्वपूर्ण पक्ष है। छोटे उद्योग देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, परंतु उन्हें अक्सर मार्गदर्शन और आधुनिक प्रबंधन की कमी से जूझना पड़ता है। यदि युवा इन उद्योगों के साथ जुड़कर उन्हें नई दिशा दें, तो एक ओर उद्योग मज़बूत होंगे और दूसरी ओर युवाओं को सम्मानजनक रोज़गार मिलेगा। यह साझेदारी शहर और कस्बों के बीच की दूरी को भी कम करेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाएगी।

हालाँकि, इन सभी योजनाओं की सफलता केवल घोषणाओं से तय नहीं होगी। सबसे बड़ी चुनौती इनके क्रियान्वयन की है। प्रयोगशालाएँ बनाना आसान है, पर उन्हें चलाने के लिए प्रशिक्षित शिक्षक तैयार करना कठिन है। तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता के साथ-साथ बिजली, संपर्क और पारदर्शिता जैसे प्रश्न भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। यदि इन पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया, तो अच्छी नीयत भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएगी। इसलिए यह आवश्यक है कि समाज, शिक्षा संस्थान और प्रशासन मिलकर इस परिवर्तन को ज़मीन पर उतारें।

इसके बावजूद, यह कहा जा सकता है कि यह बजट एक आशावादी दिशा की ओर संकेत करता है। यह युवाओं को यह संदेश देता है कि भविष्य उनका है, बशर्ते वे सीखने, बदलने और मेहनत करने को तैयार हों। आने वाले वर्षों में यदि इन योजनाओं को ईमानदारी से लागू किया गया, तो भारत केवल उपभोक्ता नहीं रहेगा, बल्कि सृजन, नवाचार और आत्मनिर्भरता का केंद्र बनेगा। बच्चे रचनाकार बनेंगे, युवा उद्यमी बनेंगे और देश की प्रगति एक नए रूप में सामने आएगी। यही वह रास्ता है जो भारत को आने वाले समय में सशक्त, समावेशी और आत्मविश्वासी राष्ट्र बना सकता है।

शादी के बाद हर पति को अपनाने चाहिए ये टिप्स

शादी के बाद हर लड़के और लड़की के जीवन में तमाम बदलाव आते है। शादी के बाद लड़कियां अपना घर व परिवार छोड़ पति के घर में रहती हैं। तो वहीं पति के परिवार को भी उन्हें अपनाना होता है। ऐसे में लड़कियों को सबसे ज्यादा मुश्किल पति के परिवार से तालमेल बिठाने में होती है। क्योंकि अपने परिवार को छोड़कर नए परिवार में एडजस्ट करना, लोगों की पसंद-नापसंद और रहन-सहन के तरीके से पूरी तरह अंजान होती है। कई बार लड़की आसानी से ससुरालीजनों के बीच अपनी जगह बना लेती है, तो वहीं कई बार नई दुल्हन को नए परिवार के साथ घुलने-मिलने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। हर लड़की अपने पति के सहारे अपने ससुराल में नया जीवन शुरू करती है। ऐसे में यह पति का भी फर्ज बनता है कि नए परिवार में दुल्हन को आसानी से शामिल किया जाए। इसके लिए पुरुष कुछ आसान टिप्स भी अपना सकते हैं। जिसके चलते उनकी पत्नी उनकी फैमिली में अच्छे से एडजस्ट कर सके।

पत्नी को परिवार के बारे में बताएं

हर पति को अपने परिवार वालों के बारे में पत्नी को बताया चाहिए। ताकि वह आसानी से ससुरालीजनों से घुल-मिल सके। इसके अलावा पुरुष अपने पैरेंट्स के स्वभाव, उनकी पसंद-नापसंद के बारे में पत्नी को जानकारी दें। जिससे वह आसानी से परिवार को समझ पाएं।

घर का रूटीन

जब नई दुल्हन शादी के बाद अपने पति के घर आती है, तो यहां पर उसके लिए सब नया होता है। दुल्हन को इस बारे में जानकारी नहीं होती है कि उसके ससुरालवालों का रहन-सहन, खानपान या डेली रूटीन कैसा है। ऐसे में पति का यह फर्ज बनता है कि वह पत्नी को इन सारी बातों के बारे में भी बताए। जैसे उदाहरण के तौर पर सुबह सब कितने बजे सोकर उठते है, नाश्ते व लंच का क्या टाइम है। इससे लड़की खुद को परिवार के मुताबिक ढाल सकती है।

पत्नी की पसंद जानना है जरूरी

पत्नी को अपने परिवार के बारे में जानकारी देते के अलावा पति को लड़की की पसंद-नापसंद व रहन-सहन के बारे में जानना चाहिए। पत्नी के स्वभाव व रहन-सहन को जानने के बाद वह पत्नी और परिवार के बीच अच्छे से तालमेल बिठा सकते हैं।

अपनापन जताना न भूलें

पत्नी और ससुराल के बीच की एकमात्र कड़ी पति होता है। पत्नी शादी के बाद अपने ससुराल में अच्छे से एडजस्ट कर सके। इसके लिए न सिर्फ पत्नी बल्कि पति को भी प्रयास करना चाहिए। इसलिए प्रयास करें कि आपकी पत्नी परिवार के बीच अकेलापन न महसूस करें। इसलिए पत्नी व परिजनों को साथ लेकर घूमने जाएं, भाई-बहनों के साथ पत्नी की दोस्ती करवाएं। इससे पत्नी का मन भी लगने लगता है।

बोझ बन गया है रिश्ता

एक समय के बाद ज्यादातर रिश्तों में स्पार्क खत्म हो जाता है। फिर लोग एक-दूसरे को छोड़ने के बहाने ढूंढ़ने लगते हैं। रिश्ता, जिसमें किसी व्यक्ति ने अपना सब कुछ लगा दिया हो, उसके लिए इसे खत्म करना बड़ा ही मुश्किल होता है। लेकिन जिस रिश्ते में आगे बढ़ाने के लिए कुछ बचा ही नहीं है, उसके बोझ को कंधों पर उठाना और ज्यादा मुश्किल भरा होता है। हर रिश्ता, चाहें फिर वो अच्छे दौर से गुजरा हो या फिर बुरे दौर से, एक स्वस्थ आर सकारात्मकत अंत की मांग करता है।हालाँकि, हर किसी के लिए रिश्ते का शांतिपूर्वक अंत करना आसान नहीं है। इसलिए आज हम अपने इस आर्टिकल में कुछ ऐसी टिप्स बताने जा रहे हैं, जिनसे लोगों को सुरक्षित और स्वस्थ तरीके से अपना रिश्ता खत्म करने में मदद मिलेगी। प्यार नहीं है तो रिश्ता खत्म करें- इस बात को समझने में थोड़ा समय लग सकता है। लेकिन जब पता चल जाए कि आगे बढ़ाने के लिए रिश्ते में कुछ बचा नहीं है तो इसे खींचने की बजाय खत्म करें। रिश्ते को ज़बरदस्ती आगे बढ़ाने की कोशिश करने से आपको और आपके पार्टनर को सिर्फ और सिर्फ दर्द मिलेगा। इसलिए सब ठीक होने की उम्मीद करने की बजाय रिश्ते को खत्म करें और आगे बढ़ें। प्रतिक्रिया पर पहले ही विचार करें- ब्रेकअप हर किसी को अलग-अलग तरीके से दुख पहुंचाता है। इसलिए ब्रेकअप की बात सुनकर आपका पार्टनर कैसी प्रतिक्रिया देगा, इसपर विचार करें। ऐसा करने से आपके लिए परिस्थिति से निपटना आसान होगा। पार्टनर से ब्रेकअप के बारे में बात करने के दौरान अपने निर्णय पर कायम रहें और भावनाओं में न बहने की कोशिश करें। एक-दूसरे पर दोष डालने से बचें- रिश्ते को खत्म करने का फैसला कर लिया है तो खुद को बचाने के लिए अपने पार्टनर पर किसी भी तरह का दोष डालने की कोशिश न करें। रिश्ता क्यों खत्म हो रहा है, आगे क्या करना है, ब्रेकअप से कैसे निपटना है, इन सभी सवालों के जवाब पहले से ही ढूंढ लें। ऐसा करने से आपको अपने फैसलों का बचाव करने की जरूरत नहीं पड़ेगी और रिश्ता एक अच्छे और सकारात्मक मौड़ पर खत्म होगा।

परिवार के साथ बिताए गए हर पल सकारात्मक ऊर्जा पाने का अवसर बन जाते है

परिवार के साथ बिताए गए हर पल सकारात्मक ऊर्जा पाने का अवसर बन जाते हैं। वहीं परिवार के साथ की गई यात्रा के दौरान हम कई अनुभव करते हैं और एक-दूसरे को समझने का मौका मिलता है। जब नई पीढ़ी नौकरी, शादी या पढ़ाई के लिए आप देश से बाहर जाते हैं। तो यही यादों का पिटारा आपके मन को तसल्ली देने का काम करता है। परिवार के साथ यात्रा में मौज मस्ती के अलावा निश्चिंतता भी बढ़ जाती है। पूरे परिवार के साथ घूमने-फिरने में जो मजा और निश्चिंतता होती है। क्योंकि परिवार के सदस्यों के साथ किसी भी तरह की औपचारिकता नहीं करनी पड़ती है। परिवार साथ हो तो खर्चे में भी राहत मिल जाती है। वहीं मन में यह भी भाव होता है कि वैकेशन के दौरान अगर किसी चीज में एक्सट्रा खर्च आता है तो एक साथ मिलकर संभाल लेंगे। इसके अलावा परिवार के साथ जीवन भर की यादें भी मन में बस जाती हैं।

बनेगा बेहतर बॉन्ड

भागदौड़ भरी जिंदगी में हर व्यक्ति समय की कमी को लेकर सबसे ज्यादा परेशान रहता है। जहां बड़ों को ऑफिस और काम से फुरसत नहीं मिलती तो वहीं बच्चों को स्कूल और वर्चुअल दुनिया से छुटकारा नहीं मिल पाता। ऐसे में पूरे परिवार को एक साथ लाने के लिए वैकेशन सबसे बेस्ट ऑप्शन होता है। एक छुट्टी घर में रहते हुए भी बच्चों और पैरेंट्स के बीच संवाद की कमी को मिटा देती है। वैकेशन के दौरान आप परिवार के हर सदस्य के साथ अपने बॉन्ड को बेहतर कर सकते हैं। फिर चाहे वह हस्बैंड-वाइफ हों, बच्चे व पैरेंट्स हो।

खुशियां करें इकट्ठा

भले की आप परिवार के साथ सिर्फ 2 दिन के छोटे ही वैकेशन पर क्यों न जाएं। लेकिन साथ में गुजारे गए ये पल आपको जीवन भर भी खुशिय़ा सहेजने का मौका देते हैं। जब भी आप उदास या किसी उलझन का सामना कर रहे होते हैं, तो परिवार के साथ बिताए गए इन पलों को याद करने से आप अच्छा फील करने लगेंगे। यात्रा के यह वो पल होते हैं जो सबसे बेस्ट और अच्छे होते हैं। छुट्टियों में परिवार के साथ बिताया गया हर लम्हा आपको खुशियां देने के साथ ही तरोताजा करमे का काम करता है। वहीं छुट्टियों के जरिए आप रिश्तों की कड़वाहट को भी दूर कर सकते हैं।

काबिलियत जानने का मिलता है मौका

आज के दौर में हर कोई इतना व्यस्त हो जाता है कि वह शायद यह भी भूल जाता है कि उनकी पत्नी, बहन, बेटी या घर की अन्य महिला संगीत या नृत्य में भी इंट्रेस्ट रखती हैं। या आपके पिता व भाई अच्छी व्हिसिलिंग या तैराकी करते हैं। या परिवार के किसी सदस्य की फोटोग्राफी स्किल्स बहुत ही शानदार हैं। लेकिन जब आप परिवार के साथ छुट्टियां बितातें हैं तो आपको कई ऐसी बातें याद आती हैं, जो यह याद दिलाने में मदद करती हैं कि परिवार के कौन से सदस्य में क्या खासियत या काबिलियत है। परिवार के साथ यात्रा आपको उस व्यक्ति के बारे में करीब से सोचने का मौका देने के साथ ही उनके प्रति सम्मान भी महसूस कराता है। यह एहसास आपके रिश्तों में गर्माहट भरने का काम करता है।

नई चीजों का अनुभव करना

यात्रा का मतलब होता कि किसी जगह को एक्सप्लोर करना। नई चीजों को जानने और उनको जीने का मौका। इससे न सिर्फ बड़े बल्कि बच्चे भी काफी कुछ सीखते हैं।

रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपने बचपन के संस्मरणों में इस बात का जिक्र किया है, पिता के साथ की गईं यात्राओं ने टैगोर को प्रकृति और परिवेश के बारे में अद्भुत जानकारियां दी। क्योंकि हर नए सफर में हम न सिर्फ उस स्थान के बारे में जानते हैं, बल्कि वहां का परिवेश, संस्कृति, खाना-पीना, भाषाओं-बोलियों, लोगों आदि के बारे में बहुत कुछ जानने व सीखने का मौका मिलता है। अक्सर यात्रा के दौरान हम सभी को काफी कुछ सीखने को मिलता है। कई बार दुनिया की व्यवहारिक सीख पाने के साथ ही स्वयं को भी कई स्तरों पर परखने का मौका मिलता है। वहीं बच्चों को खेलने-कूदने के लिए बड़ी और ज्यादा जगह मिलती है। शहरों में सभी के घर बंद और छोटे होते हैं, इसलिए फैमिली के साथ ट्रिप करने के दौरान आप मस्ती के अलावा खुली हवा में सांस ले पाते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने बच्चों को पैसों का प्रबंधन सिखाना चाहते हैं, तो यह काफी अच्छा मौका साबित हो सकता है। इस दौरान आप बच्चों को नए शहरों की जानकरी, मैप का उपयोग करना, आने -जाने के रुट आदि जैसी चीजों को सिखा सकते हैं। परिवार के साथ यात्रा करना एक ऐसा अनुभव होता है, जो जिंदगी भर आपके काम आता है।

सकारात्मक रहना

सफर के दौरान हो या किसी जगह पहुंचने के बाद अगर किसी तरह की मुसीबत आती है तो उसका एक ही हल होता है कि फौरन उस समस्या का समाधान ढूंढा जाए। आपको यह भी यात्राएं सिखाती हैं। अपने कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलना, नए मौसम से सामंजस्य बैठाना, एडवेंचर स्पोर्ट्स आदि एक्टिविटीज के माध्यम से अपनी सीमाओं को चुनौती देता, नए वातावरण के अनुसार खुद को ढालना। यह सब ऐसी स्थितियां हैं जो आपको सकारात्मक बनाए रखने में मदद करती हैं। यह स्थितियां सिर्फ वैकेशन के दौरान ही नहीं बल्कि आने वाले जीवन में कई चुनौतियों में आपकी मदद करता है।

ओव्यूलेशन के दौरान गर्भधारण करने के चांसेज बढ़ जाते हैं

Mayoclinic के मुताबिक ओवुलेशन से पहले योनि से साफ और स्ट्रेचिंग जैसा स्राव होता है। वहीं ओवुलेशन के ठीक बाद, सर्विकल म्यूकस कम हो जाता है। साथ ही आपके शरीर का तापमान (बेसल बॉडी टेम्परेचर) ओवुलेशन के दौरान थोड़ा बढ़ जाता है। विशेष रूप से डिजाइन किए गए थर्मामीटर का उपयोग करके आप बेसल टेंपरेचर को माप सकती हैं। इसके अलावा हर सुबह रोज बिस्तर से बाहर निकलने से पहले अपना टेंपरेचर नोट करें। बता दें कि बॉडी टेंपरेचर बढ़ने से पहले 2-3 दिनों के दौरान आप सबसे ज्यादा फर्टाइल होंगी। जब अंडाशय से एक मैच्योर एग निकलता है, तब ओवुलेशन होता है। यह एक हार्मोन-मध्यस्थ प्रक्रिया होती है, जहां पर एफएसएच हार्मोन फॉलिक्यूलर ग्रोथ को उत्तेजित करने का काम करता है। साथ ही वह ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन ओवुलेशन को भी ट्रिगर करता है। रिलीज किया गया एग अंडाशय से फैलोपियन ट्यूब में जाने के बाद 12 से 24 घंटे तक जीवित रहता है। उसी दौरान यह फर्टिलाइज हो सकता है। आपको बता दें कि 28 दिनों के मासिक चक्र में पीरियड्स के करीब 14 दिन पहले हो सकता है। ऐसे में यदि कोई महिला गर्भ धारण करना चाहती है, तो उसे ओव्यूलेशन के संकेतों को समझकर इन दिनों में कंसीव करने का प्रयास करना चाहिए। ओव्यूलेशन के दौरान गर्भधारण करने के चांसेज बढ़ जाते हैं।

सर्विकल पोजीशन

अमेरिकन प्रेग्नेंसी ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक ओवुलेशन की गर्भाशय ग्रीवा में कई बदलाव आते हैं। ओवुलेशन के दौरान गर्भाशय ग्रीवा ऊंची, खुली, नरम और गीली होगी। अधिकतर महिलाओं के लिए ओवुलेशन के दौरान होने वाले परिवर्तनों को समझने के लिए कुछ समय भी लग सकता है।

ओवुलेशन के सेकेंडरी लक्षण

कई महिलाओं में ओवुलेशन के कई और भी लक्षण पाए जाते हैं, यह लक्षण लगातार नहीं दिखते हैं। जैसे- ब्रेस्ट का कोमल होना, पेट फूलना, सेक्स ड्राइव में वृद्धि, हल्की स्पॉटिंग, पेल्विक के एक तरफ हल्की ऐंठन या दर्द और सूंघने व स्वाद का बढ़ जाना।

ओवुलेशन को समझना है मुश्किल

पहली बार में महिलाओं के लिए ओवुलेशन को ट्रैक करना और इसे संकेतों पर ध्यान देना मुश्किल हो सकता है। हालांकि कुछ समय के बाद इन आम संकेतों को महिलाएं आसानी से समझने लगती हैं। ओवुलेशन के टाइम को अच्छे से समझने के बाद आप अपने शरीर के साथ तालमेल बैठा सकती हैं। साथ ही इस दौरान आप कंसीव के लिए भी ट्राई कर सकती हैं।

सबसे ज्यादा फर्टाइल

Pregnancybirthbaby.org के अनुसार, ओवुलेशन से पहले के 5 दिनों में जिस दिन आप ओव्यूलेट करती हैं, उस दौरान आपके कंसीव करने की संभावना सबसे अधिक होती है। बता दें कि आपके शरीर के अंदर शुक्राणु 5 दिनों तक जीवित रह सकते हैं, इसलिए अगर आर एग के निकलने से 5 दिन पहले तक सेक्स करती हैं। तो आप प्रेग्नेंट हो सकती हैं। वहीं ओवुलेशन के बाद एग सिर्फ 12 से 24 घंटे तक ही जीवित रहते हैं। इस समय के खत्म होने के बाद अगले मासिक धर्म तक आपके प्रेग्नेंट होने की संभावना करीब-करीब शून्य हो जाती है। ओवुलेशन से पहले और इसके तीन दिन बाद तक कंसीव करने की संभावना सबसे अधिक होती है।

गर्मियों में कच्चा आम खाने से मिल सकते हैं ये फायदे

गर्मी का मौसम आते ही हम सभी आम खाना शुरू कर देते हैं। अमूमन हम आम को फल के रूप में खाते हैं। लेकिन कच्चे आम से रायता से लेकर चटनी व आम पन्ना आदि बनाकर इसका सेवन करते हैं। जहां एक ओर आम का टैंगी टेस्ट बेहद ही टेस्टी लगता है, वहीं यह हेल्थ के लिए भी बेहद ही लाभदायी है। यह विटामिन, खनिज और एंटी-ऑक्सीडेंट से भी भरपूर होता है जो हमारे शरीर को स्वस्थ रहने में मदद करता है।

शरीर को करें हाइड्रेट

गर्मी के मौसम में शरीर को हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी होता है और इस लिहाज से कच्चे आम का सेवन करना यकीनन अच्छा विचार है। दरअसल, कच्चा आम सोडियम क्लोराइड, पोटेशियम, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, विटामिन सी, कैल्शियम और आयरन से भरपूर होता है जो गर्मियों में अत्यधिक पसीने के कारण खो जाने वाले इलेक्ट्रोलाइट्स को फिर से भरने में मदद करता है। इतना ही नहीं, यह थकान को दूर करने के साथ-साथ आपको ऊर्जावान भी बनाता है।

इम्यून सिस्टम को करे बूस्ट

कच्चा आम आपके इम्यून सिस्टम के लिए काफी अच्छा है। इसके सेवल से आपको विटामिन ए और सी पर्याप्त मात्रा में मिलता है, जिसके कारण यह इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। इतना ही नहीं, यह संक्रमण और फ्लू को रोकता है जो वायरस और बैक्टीरिया के कारण होता है।

हड्डियों को मिलती है मजबूती

आपको शायद पता ना हो, लेकिन कच्चा आम हड्डियों के लिए भी काफी अच्छा माना जाता है। दरअसल, यह विटामिन सी से भरपूर है, जो कोलेजन बनाने में मदद करता है। साथ ही, यह कनेक्टिव टिश्यू को भी बेहतर बनाए रखने में मदद करता है। इसलिए, अगर आप कच्चे आम को अपनी डाइट का हिस्सा बनाते हैं तो इससे आपकी हड्डियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

क्या बच्चे के गले में अम्बिलिकल कॉर्ड लिपटने से होता है जान का खतरा, प्रेग्नेंसी में ऐसे सोएं महिलाएं

अम्बिलिकल कॉर्ड एक ट्यूब जैसी संरचना जो मां और शिशु को गर्भ के अंदर एक-दूसरे से जोड़े रखती है। अम्बिलिकल कॉर्ड मां से शिशु तक ऑक्सीजन और फूड को पहुंचाने में अहम भूमिका निभाती है। लेकिन जब यह गर्भ में पलने वाले बच्चे के गले में लिपट जाती है। तो इस स्थिति को न्यूकल कॉर्ड कहा जाता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में एक रिसर्च के अनुसार, प्रेग्नेंसी के 24 से 26 हफ्ते में लगभग 12% और पूर्ण अवधि तक पहुंचने पर 37% दर्ज की गई घटनाओं के साथ न्यूकल कॉर्ड आम है। आइए जानते हैं एक्सपर्ट्स से कि क्या मां के सोने की पोजीशन के कारण न्यूकल कॉर्ड होता है या नहीं।

सोने की पोजीशन से न्यूकल कॉर्ड

गर्भवती महिलाओं को हमेशा हमेशा लेफ्ट लेटरल पोजीशन में सोने की सलाह दी जाती है। डॉक्टर के अनुसार, जब प्रेग्नेंट महिला लेफ्ट लेटरल स?लीप पोजीशन में होती है, तो भ्रूण को ब्लड की आपूर्ति बढ़ जाती है। वहीं जब भी महिला अपने बिस्तर से बाहर निकलती है तो सबसे पहले उसको अपने बाईं तरफ मुड़ना चाहिए। तब इसके बाद खड़ा होना चाहिए। गर्भवती महिलाओं को अचानक से उठकर नहीं खड़ा होना चाहिए।

जानिए क्या कहती हैं डॉक्टर

डॉक्टर बताते हैं कि इस बात का कोई ऐसा प्रमाण नहीं है कि गर्भवती महिला की स्लीप पोजीशन से न्यूकल कॉर्ड होती है या नहीं। उन्होंने बताया कि अधिकतर न्यूकल कॉर्ड की स्थिति अपने आप हो सकती है। इसका मां की एक्टिविटी से कोई संबंध नहीं होता है। लेकिन कुछ रिसर्च में कुछ कारकों जैसे असामान्य रूप से लंबा होना अम्बिलिकल कॉर्ड का लंबा होना है। या फिर न्यूकल कॉर्ड का हिस्ट्री रहना। ऐसी स्थिति में न्यूकल कॉर्ड का जोखिम बढ़ सकता है।

डॉक्टर को कब दिखाएं

एक्सपर्ट्स के अनुसार, यदि मां को बेबी के मूवमेंट या फिर अम्बिलिकल कॉर्ड के गर्दन पर लिपट जाने को लेकर चिंता है। तो ऐसे में अपको फौरन मेडिकल हेल्प लेनी चाहिए। फीटल डिस्ट्रेस के संकेतों में शिशु का मूवमेंट कम फील होना, या फिर अचानक से फीटल एक्टिविटी बढ़ना, फीटल हार्ट रेट का लगातार घटना शामिल हैं।

न्यूकल कॉर्ड का प्रमाण

न्यूकल कॉर्ड को लेकर ऐसा कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं है कि मां की स्लीपिंग पोजीशन के कारण न्यूकल कॉर्ड की स्थिति होती है। अधिकतर न्यूकल कॉर्ड में कोई कॉम्पलिकेशन नहीं है। डॉक्टर ने बताया कि प्रेगनेंट महिलाओं को बाईं करवट लेटना चाहिए। प्रेग्नेंसी में बाईं तरफ करवट लेकर सोना सबसे सुरक्षित स्लीपिंग पोजीशन होती है। यह पोजीशन प्लेसेंटा में रक्त के प्रवाह को बढ़ाता है। जिससे कि विकासशील भ्रूण को ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की आपूर्ति में सुधार होता है। यह पैरों के साथ ही टखनों में सूजन को कम करने में सहायता करता है। साथ ही यह एसिड रिफ्लक्स से जुड़ी परेशानी को कम करने के अलावा सीने में जलन की समस्या भी नहीं होती है।

इन स्लीप पोजीशन को करें अवॉइड

गर्भवती महिलाओं को आखिरी के महीनों में पीठ के बल लेटकर नहीं सोना चाहिए। क्योंकि ऐसे सोने से स्टिलबर्थ का खतरा बढ़ सकता है। इससे प्रेग्नेंट महिला को सांस फूलने, चक्कर आने और पीठ के निचले हिस्से में दर्द की समस्या हो सकती है। हालांकि लेटने के दौरान आप सिर, पीठ और पैरों को सपोर्ट देने के लिए तकिए का उपयोग कर सकती हैं।

आर्टिफिशियल स्वीटनर जीवन में मिठास की जगह घोलता है जहर

आज के समय में रिफाइंड शुगर यानी चीनी को हमारे स्वास्थ्य का सबसे बड़ा दुश्मन माना जाता है। कई हेल्थ एक्सपर्ट इसे डाइट से पूरी तरह दूर रखने की सलाह भी देते हैं। खासतौर पर डायबिटीज के मरीजों को इससे हमेशा परहेज करना पड़ता है। हालांकि कुछ लोग ऑप्शन के तौर पर गुड़, नो शुगर टैबलेट या स्टेविया लेते हैं। लेकिन ऐसे में आपका यह जानना बेहद जरूरी है कि क्या यह चीजें आपकी हेल्थ को फायदा पहुंचाती हैं या नुकसान।

गुड़ में पाए जाते हैं पोषक-तत्व

डाइटीशियन कामिनी सिन्हा के अनुसार, चीनी के मुकाबले गुड़ में कुछ जरूरी पोषक तत्व जरूर मिलते हैं। लेकिन इसमें पोषक-तत्वों की मात्रा काफी कम होती है। उदाहरण के तौर पर एक से दो चम्मच गुड़ में न के बराबर पोषक तत्व होते हैं। लेकिन 1 से 2 चम्मच गुड़ में चीनी के बराबर कैलोरी पाई जाती है। औषधीय गुण होने के बावजूद स्टीविया (नेचुरल स्वीटनर) अधिक सेवन करने से पेट में दर्द, सूजन, उल्टी, जी मिचलाना, डायरिया व ऐंठन की समस्या भी हो सकती है।

गुड़ से बढ़ता है कैलोरी और वेट

गुड़ को रिफाइंड शुगर यानी चीनी के प्राकृतिक ऑप्शन के तौर पर माना जाता है। इसमें मैग्नीशियम, विटामिन सी, आयरन और कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। लेकिन चीनी में सिर्फ कैलोरी पाई जाती है। इसीलिए कई लोग चीनी की जगह गुड़ को अधिक फायदेमंद मानते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि चीनी के बराबर मात्रा में कैलोरी पाए जाने के कारण गुड़ भी आपको उतना ही नुकसान पहुंचा सकता है। चाय में अगर आप एक चम्मच चीनी लेते हैं। इसी मिठास को गुड़ से पाने के लिए दो चम्मच गुड़ या गुड़ पाउडर का इस्तेमाल करना पड़ता है। इसलिए अगर आप गुड़ को अपनी डाइट में शामिल करते हैं। तो चीनी और गुड़ के कैलोरी इन टेक में कोई अंतर नहीं होगा। वहीं अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं। साथ ही आप गुड़ का सेवन यह सोचकर रहे हैं कि आपका शुगर लेवल नहीं बढ़ेगा। तो बता दें कि कुछ समय बाद यह आपको नुकसान पहुंचा सकता है।

नो शुगर टैबलेट

अगर आप भी चीनी की जगह चाय या खाने में रोजाना नो शुगर टैबलेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। तो यह आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इन टैबलेट को बनाने में सेक्रीन का उपयोग किया जाता है। इसलिए इनका ज्यादा सेवन करने से कैंसर का खतरा रहता है। इसके अलावा रोजाना नो शुगर टैबलेट लेने से भूख लगनी बंद हो जाती है। साथ ही इसका प्रभाव आंखों की रोशनी पर भी पड़ता है। ब्लड प्रेशर बढ़ने के साथ ही वजन बढ़ने की भी संभावना होती है।

डायरिया की समस्या

टाइप 2 डायबिटीज के मरीज कई बार स्टीविया खाने के बाद खाना खाते हैं। क्योंकि इससे मरीज का ग्लूकोज लेवल सही रहता है। हालांकि इसका रोजाना सेवन आपकी तबियत बिगाड़ सकता है। बता दें कि स्टीविया एक तरह का पौधा होता है। इसके पत्तों में नेचुरल स्वीटनर पाया जाता है। स्टीविया की पत्तियों में पोटेशियम, मैग्नीशियम, सोडियम, फाइबर, प्रोटनी और आयरन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। कई पोषक तत्व पाए जाने के बाद भी इसका अधिक सेवन करने से पेट में दर्द, उल्टी, जी मिचलाना, सूजन, ऐंठन, डायरिया की समस्या हो सकती है।

उ.प्र. राज्य महिला आयोग सदस्या ने की जनसुनवाई

■ जनपद भ्रमण कर परखी विभागों की व्यवस्थायें, दिये आवश्यक दिशा निर्देश

अवधनामा संवाददाता

कन्नौज। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या पुष्पा पाण्डेय ने बुधवार को विकास भवन स्थित हर्षवर्धन सभागार में मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर महिला जनसुनवाई कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जनसुनवाई का उद्देश्य महिलाओं से संबंधित प्रकरणों की सुनवाई कर उनका नियमानुसार, समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान सदस्या द्वारा 05 महिलाओं की गोदभराई, 03 बच्चों का अन्नप्राशन, 02 सैम बच्चों को पोषण पोटली तथा 04 बच्चों को विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर उन्होंने बाल विवाह मुक्त अभियान की शपथ भी दिलाई तथा आमजन से अपील की कि यदि कहीं भी 18 वर्ष से कम आयु में बाल विवाह की जानकारी मिले तो तत्काल संबंधित विभाग को सूचित करें। कहा कि महिलाओं की समस्याओं के समाधान के लिए महिला थाना एवं वन स्टॉप सेंटर जैसी व्यवस्थाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि महिलाओं से संबंधित पेंशन, पारिवारिक विवाद, उत्पीड़न एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मामलों में पूर्ण संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही की जाए तथा पात्र लाभार्थियों को शासन की योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराया जाए। महिला जनसुनवाई के दौरान कुल 02 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें से एक प्रकरण शिखा की भूमि पर अवैध कब्जे एवं दूसरा प्रकरण स्वाति सिंह का ससुराल पक्ष के मुकदमे से संबंधित था। सदस्या ने संबंधित अधिकारियों को प्रकरण की समुचित जांच कर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत सदस्या ने प्राथमिक विद्यालय आसकरनपुरवा का औचक निरीक्षण किया, जहां सभी व्यवस्थायें संतोषजनक पाई गई। जिला चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान न्यू बॉर्न बेबी केयर यूनिट का अवलोकन किया तथा भर्ती महिलाओं से दवाइयों एवं आहार व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की, जिसे संतोषजनक बताया गया। उन्होंने महिला थाना कन्नौज का निरीक्षण कर काउंसलिंग प्रक्रिया एवं उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन किया। साथ ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी परिसर में संचालित वन स्टॉप सेंटर के निरीक्षण के दौरान प्रभारी से व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा कैंटीन की व्यवस्था भी देखी। जिला कारागार के निरीक्षण के दौरान उन्होंने निरुद्ध 18 महिला बंदियों से संवाद किया तथा उनके मानसिक एवं सामाजिक पुनर्वास हेतु भजन-कीर्तन, सिलाई-कढ़ाई एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियां संचालित कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार, जिला कार्यक्रम विभाग की बाल विकास परियोजना अधिकारी ग्रामीण अर्चना, संरक्षण अधिकारी विजय कुमार राठौर सहित विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारीगण, सुपरवाइजर एवं आंगनबाड़ी उपस्थित रहे।

नौहझील प्राइमरी स्कूल प्रकरण में कांग्रेस का प्रधानाध्यापक को समर्थन

नौहझील (मथुरा)। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश धनगर बुधवार को नौहझील स्थित प्राथमिक विद्यालय पहुंचे। ग्रामीणों व विद्यालय स्टाफ से बातचीत के बाद श्री धनगर ने कहा कि प्रधानाचार्य जान मोहम्मद के विरुद्ध लगाए गए आरोप पूरी तरह निराधार और बेबुनियाद हैं।उन्होंने बताया कि जानकारी करने पर सामने आया है कि जान मोहम्मद लंबे समय से विद्यालय में आधुनिक शिक्षा प्रणाली के अनुरूप बच्चों को शिक्षित कर रहे हैं। श्री धनगर ने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक ताकत अपेक्षित समर्थन न मिलने के बाद इस तरह के मामलों को उछाल कर क्षेत्र में नफरत और ध्रुवीकरण का माहौल बनाना चाहती हैं, ताकि आने वाले त्रिस्तरीय पंचायत और विधानसभा चुनावों की तैयारी की जा सके। उन्होंने जनता से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने जिलाधिकारी की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस मामले में प्रशासनिक तत्परता अफसोसजनक और नियमों के प्रतिकूल है।

पानी गांव यमुना पुल के नीचे अवैध कॉलोनियों पर गरजा बुलडोजर

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। पानी गाव स्थित यमुना पुल के नीच फली अवैध कालोनियों के खिलाफ पुलिस और प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया। करीब 10 जेसीबी मशीनों की मदद से अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया। इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा और कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद दिखे। कार्रवाई का उद्देश्य यमुना किनारे और सरकारी भूमि पर फैले अवैध कब्जों को हटाना बताया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, कॉलोनी माफिया भोले भाले ग्रामीणों को बहला फुसलाकर खेतों की जमीन सस्ते दामों में खरीट लेते हैं। इसके बाद चारों ओर बाउंड्री वॉल खड़ी कर दी जाती है, कच्ची ईटों से दीवारें बना दी जाती हैं और बिना किसी अनुमति के टेढ़ी-मेढ़ी सड़कें डलवा दी जाती हैं। फिर इन्हीं जमीनों को छोटे-छोटे प्लॉट में काटकर ऊंचे रिटर्न का लालच देकर बेच दिया जाता है। धीरे धीरे अवैध कॉलोनियां खड़ी हो जाती हैं और प्रशासन को बाद में कार्रवाई करनी पड़ती है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि अवैध निर्माण किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और अभियान आगे भी जारी रहेगा। यमुना के आसपास अवैध कब्जे न केवल कानून का उल्लंघन हैं, बल्कि पर्यावरण और सुरक्षा की दृष्टि से भी खतरनाक हैं। इसी कारण यह सख्त कदम उठाया गया है। हालांकि, स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर नाराजगी भी है कि ऐसी कार्रवाइयां पहले भी कई बार हुई हैं, लेकिन इसके बावजूद अवैध कॉलोनियों का सिलसिला रुक नहीं पा रहा। लोगों का कहना है कि जितनी कॉलोनियां ध्वस्त की जाती हैं, उससे कहीं ज्यादा नई कॉलोनियां खड़ी हो जाती हैं। उनका आरोप है कि अधिकारियों की ढीली निगरानी और समय पर सख्त कार्रवाई न होने के कारण माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। ग्रामीणों और जागरूक नागरिकों की मांग है कि यदि शुरू से ही सख्ती से निगरानी और निरंतर कार्रवाई की जाए, तो अवैध कॉलोनियों का यह खेल पूरी तरह खत्म हो सकता है।

गंदगी फैलाने वालों को रोकने में पालिका का सहयोग करें

■ नगर पालिका परिषद अधिशासी अधिकारी ने नागरिकों से की अपील

अवधनामा संवाददाता

गुरसहायंज, कन्नौज। नगर पालिका परिषद क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों एवं स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए अधिशासी अधिकारी अनिल कुमार ने नागरिकों से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि नगर का सर्वांगीण विकास एवं स्वच्छ वातावरण तभी संभव है, जब इसमें आमजन की सक्रिय सहभागिता हो।

स्थानीय पालिका कार्यालय में मंगलवार को अधिशासी अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि नगर में सड़क, नाली, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए विकास कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नियमित साफ-सफाई, कूड़ा निस्तारण एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे घरों व प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कूड़े को कूड़ा गाडी में ही डालें, खुले में कचरा न फेंकें तथा प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करें। साथ ही गंदगी फैलाने वालों को रोकने में नगर पालिका का सहयोग करें। कहा कि नागरिक सडक किनारे विध्वंस व निर्माण सामग्री न रखें। अधिशासी अधिकारी ने कहा कि स्वच्छता केवल नगर पालिका की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। नागरिकों के सहयोग से ही नगर को साफ सुंदर एवं विकसित बनाया जा सकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि नगरवासी विकास कार्यों एवं स्वच्छता अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेकर नगर को आदर्श नगर बनाने में सहयोग करेंगे।

खेत में युवती का जला शव मिलनें से मचा हड़कम्प

कन्नौज। कोतवाली कन्नौज के क्षेत्रांतर्गत स्थित एक खेत में अज्ञात युवती जला हुआ शव मिलनें से हडकम्प मच गया। मौके पर लोगों की भीड एकत्र हो गई। सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र प्रताप सिंह ने युवती की शिनाख्त का प्रयास करते हुये घटना से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया। बुधवार को समय करीब 11 बजे कोतवाली कन्नौज क्षेत्रान्तर्गत जीटी रोड से लगभग 100 मीटर दूरी पर स्थित ग्राम ऋतुकाला के पास आलू के खेत में एक अज्ञात युवती का जला हुआ शव पाया गया जिसका अधिकांश भाग जला है, चेहरे का कुछ हिस्सा सुरक्षित है। घटना की सूचना पर दल बल के साथ पहुंचे प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र प्रताप सिंह ने शव की शिनाख्त करवाये जाने का प्रयास किया लेकिन कोई सफलता नही मिल सकी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है। मामले के संबन्ध में एसपी विनोद कुमार का कहना है कि शव को कहीं बाहर से लाकर ज्वलनशील पदार्थ से जलाया जाना प्रतीत हो रहा है। घटना के खुलासे के लिये टीमों का गठन किया गया है। जनपद के थानों में किसी युवती की गुमशुदगी/अपहृता की जॉच की जा रही है।

बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं पोषण स्तर में होगा निरंतर सुधार

■ पीएम पोषण योजना के तहत डीएम ने स्वीकृत की एक करोड़ 68 लाख की धनराशि

अवधनामा संवाददाता

कन्नौज। जनपद कन्नौज के परिषदीय एवं सहायता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को स्वच्छ, पौष्टिक एवं संतुलित मध्यान्ह भोजन सुनिश्चित कराए जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री द्वारा पी.एम. पोषण (मध्यान्ह भोजन) योजना के अंतर्गत रुपये 1 करोड़ 68 लाख की धनराशि को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस स्वीकृत धनराशि से तेल, मसाले, दाल, ईंधन, मौसमी सब्जियां, दूध आदि आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं पोषण स्तर में निरंतर सुधार सुनिश्चित हो सके।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मध्यान्ह भोजन व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। सभी प्रधान/प्रधानाध्यापक यह सुनिश्चित करें कि भोजन पूर्ण स्वच्छता, गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप ही तैयार एवं वितरित किया जाए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में 1006 प्राथमिक विद्यालय, 259 उच्च प्राथमिक विद्यालय, 194 कम्पोजिट विद्यालय, 39 अशासकीय सहायता प्राप्त उच्च प्राथमिक विद्यालय, 13 सहायता प्राप्त मदरसे, 04 दीनदयाल उपाध्याय राजकीय विद्यालय, 01 अनुदानित संस्कृत विद्यालय तथा 60 इंटर कॉलेज, इस प्रकार कुल 1576 विद्यालयों में मानक मेन्यू के अनुसार मध्यान्ह भोजन का नियमित वितरण किया जा रहा है। बच्चों के पोषण स्तर को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी की पहल पर प्रत्येक बुधवार को दूध वितरण की अतिरिक्त व्यवस्था लागू की गई है। इसी क्रम में आज प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को 150 मि.ली. तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को 200 मि.ली. ताजा दूध उपलब्ध कराया गया। यह पहल न केवल बच्चों के शारीरिक विकास एवं ऊर्जा वृद्धि में सहायक सिद्ध होगी, बल्कि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

जैत के पौराणिक महत्व की अनदेखी कर रहा है एनएचएआई

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। रोम जल रहा है और नीरो वंशी बजा रहा है यह कहावत एनएचएआई पर सटीक बैठती है। काफी लंबे अरसे से जैत में एलिवेटेड फ्लाईओवर की मांग उठ रही है, दिन-रात लोग अकाल मौत के शिकार बन रहे और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण चैन की नींद में सो रहा है, बेपरवाह बना हुआ है। यहां के पौराणिक महत्व की अनदेखी कर रहा है, जबकि देश-विदेश के सनातनी वर्ष भर तीर्थाटन के लिए आते हैं तो वहीं बृज चौरासी कोस यात्रा के काफिले में शामिल बस, कार आदि सैकड़ों वाहनों को मजबूरन विपरीत दिशा में चलना पड़ता है। एलिवेटेड फ्लाईओवर ब्रिज के लिए संघर्षरत वरिष्ठ पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता चंद्र प्रकाश बृजवासी ने बताया है कि हम वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं लोग अकाल मौत मर रहे हैं, परंतु जैत के एलिवेटेड फ्लाईओवर को स्वीकृत कराने में एनएचएआई रूचि क्यों नहीं ले रहा है? सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंत्रालय से स्वीकृति दिलवाना तो दूर की बात है ग्रामीणों की मांग के अनुरूप उत्तर प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम जैत के एलिवेटेड फ्लाईओवर का प्रस्ताव ही तैयार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा है कि लोकप्रिय सांसद श्रीमती हेमा मालिनी के हम आभारी हैं जिन्होंने हमारा ब्रेनवाश करके हमें मरने से बचा लिया। उन्हीं की बदौलत हम एलिवेटेड फ्लाईओवर के लिए गांधीवादी तरीके से अनवरत संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने बताया है कि फ्लाईओवर निर्माण में जैत के पौराणिक महत्व की अनदेखी के दूरगामी दुष्परिणाम सामने आएंगे और जो हालात आज पडौसी गांव छटीकरा में हो रहे हैं, वही विकराल समस्या जैत में हो जाएगी। छटीकरा के वृंदावन चौक पर फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण के समय यदि एनएचएआई ने दूरदर्शिता दिखाई होती तो छटीकरा के हालात खराब नहीं होते, यहां भी छटीकरा के पौराणिक महत्व को नजरंदाज किया गया था। इसीलिए हम बार-बार जिम्मेदार अधिकारियों को पत्राचार के माध्यम से गांधीवादी तरीके से जैत के ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व को समझाने का प्रयास कर रहे हैं। एनएचएआई और जिला प्रशासन लोगों के आक्रोश को हल्के में लेने की ऐतिहासिक भूल कर रहा है।

त्रुटिरहित मतदाता एवं चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। जिला निर्वाचन अधिकारी दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में निर्वाचन कार्य से संबंधित बैठक आयोजित की गई, जिसमें निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी Logical Discrepancies (तार्किक विसंगतियों) तथा निर्धारित प्रारूप के अनुसार प्राप्त सूचनाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन कार्य में पारदर्शिता एवं शुद्धता सुनिश्चित करने पर विशेष बल देते हुए कहा कि सभी संबंधित अधिकारी सूचनाओं का समयबद्ध संकलन एवं सत्यापन सुनिश्चित करें, ताकि आगामी निर्वाचन प्रक्रिया निर्विघ्न एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराई जा सके। उन्होंने मतदाता सूची एवं निर्वाचन से संबंधित अभिलेखों में पाई जाने वाली विसंगतियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने के निर्देश दिए। श्रीमती मित्तल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन कार्य से जुड़े सभी चरणों में समन्वय बनाकर कार्य करें तथा किसी भी स्तर पर सूचना या डेटा संबंधी त्रुटि न रहने पाए। उन्होंने निर्वाचन तैयारियों को और प्रभावी बनाने हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रेम नारायण सिंह सहित निर्वाचन कार्य से जुड़े सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे तथा अपने-अपने विभागों की प्रगति एवं कार्ययोजना की जानकारी प्रस्तुत की। बैठक के अंत में जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्वाचन कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्ता पूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

नन्हे कंधों पर रखकर दागी गई सियासत की गोली

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। नौहझील ब्लॉक स्थित प्राथमिक विद्यालय में बच्चों से राष्ट्रगान की जगह कथित रूप से नमाज पढ़वाए जाने के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। आरोपों के बाद निलंबित किए गए प्रधानाध्यापक जान मोहम्मद के समर्थन में दर्जनों ग्रामीण जिलाधिकारी सीपी सिंह से मिले और पूरे प्रकरण को राजनीति से प्रेरित बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि शिकायतकर्ता भाजपा के मंडल अध्यक्ष को वे जानते तक नहीं हैं। ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय में केवल प्रधानाध्यापक मुस्लिम हैं, जबकि अन्य शिक्षक हिंदू हैं। स्कूल में 235 बच्चे पंजीकृत हैं, जिनमें 89 मुस्लिम हैं। लंबे समय से विद्यालय में शांति और समरसता का वातावरण रहा है।

प्रधानाध्यापक के निलंबन की प्रक्रिया पर भी सवाल उठ रहे हैं। 30 जनवरी को शिकायत मिलने के उसी दिन जांच आख्या तैयार कर ली गई और 31 जनवरी को निलंबन कर दिया गया, जिसे ग्रामीण जल्दबाजी और एकतरफा कार्रवाई बता रहे हैं।

ग्रामीणों व अभिभावकों ने डीएम को सौंपे ज्ञापन में आरोपों को निराधार बताते हुए तत्काल बहाली की मांग की। चेतावनी दी गई कि 24 घंटे में कार्रवाई न होने पर विकास खंड नौहझील पर धरना दिया जाएगा।

इस बीच कुछ लोगों का कहना है कि विद्यालय की भूमि पर भूमाफियाओं की नजर है और स्कूल को विवादों में घेरकर बंद कराने की कोशिश की जा रही है।

हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव आयोजित, 65 निपुण बच्चों का सम्मान

अवधनामा संवाददाता

लार (देवरिया)। ब्लॉक संसाधन केंद्र (बीआरसी) लार परिसर में बुधवार को ब्लॉक स्तरीय हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में बाल वाटिका के निपुण बच्चों, शिक्षकों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अमित सिंह बबलू तथा खंड शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। मुख्य अतिथि अमित सिंह बबलू ने अपने संबोधन में कहा कि अभिभावक इंटरमीडिएट के बाद तो अपने बच्चों को सरकारी कॉलेजों में पढ़ाना चाहते हैं, लेकिन प्राथमिक स्तर पर उन्हें निजी विद्यालयों में भेजते हैं, जबकि परिषदीय विद्यालयों में भी योग्य एवं समर्पित शिक्षक कार्यरत हैं। उन्होंने अभिभावकों से सरकारी विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने की अपील की। खंड शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि तीन से छह वर्ष तक के बच्चों के लिए आंगनबाड़ी केंद्र प्रारंभिक शिक्षा की मजबूत नींव रखते हैं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बच्चों को गणना, अक्षर पहचान एवं अंक ज्ञान से दक्ष बनाना है। कार्यक्रम के अंत में ब्लॉक क्षेत्र के 65 निपुण बच्चों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. गोविंद मिश्रा ने किया। इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के महामंत्री राजकपूर, अरविंद कश्यप, कुलदीप सिंह, मुकेश यादव, शिशिर राय सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्व कैंसर दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर महर्षि देवरहा बाबा स्वशासी राज्य मेडिकल कॉलेज में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मरीजों एवं आम जनमानस को कैंसर के कारणों, लक्षणों, बचाव तथा समय पर जांच के महत्व के बारे में जागरूक करना था। कार्यक्रम में प्रधानाचार्या एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रजनी पटेल, उप-प्रधानाचार्या डॉ. एच.के. मिश्रा, डॉ. श्वेता सिंह, एसटीओ कविता बरनवाल, डॉ. माया सिंह, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. बबीता कपूर, एसटीओ अदीती राय सहित कई चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसर जैसे सर्वाइकल कैंसर, स्तन कैंसर, बच्चेदानी (यूटेरस) एवं अंडाशय (ओवरी) के कैंसर के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण तथा समय-समय पर पैप स्मीयर जांच कराने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही स्तन कैंसर की शुरुआती पहचान के लिए स्वयं परीक्षण (Self Breast Examination) और नियमित जांच की आवश्यकता बताई गई। डॉक्टरों ने कहा कि कैंसर की समय पर पहचान, नियमित जांच और संतुलित जीवनशैली अपनाकर इस गंभीर बीमारी से काफी हद तक बचाव संभव है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं जागरूक रहेंगे और समाज में कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

गोवर्धन में सुबह की सैर पर चार महिलाओं को तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मारी

मथुरा। धर्म नगरी गोवर्धन में गिर्राज जी की सप्तकोसीय परिक्रमा मार्ग पर बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। नो-व्हीकल जोन माने जाने वाले परिक्रमा मार्ग पर तेज रफ्तार बाइक ने सुबह टहलने निकली चार महिलाओं को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई, जबकि बाइक सवार मौके से फरार हो गया। घटना सुबह करीब 6 बजे की है। सप्तकोसीय परिक्रमा मार्ग के हरिपुरा क्षेत्र में महात्यागी आश्रम के पास महिलाएं रोज की तरह सुबह की सैर पर निकली थीं। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सभी महिलाएं सड़क पर गिर पड़ीं और दर्द से कराहने लगीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के तुरत बाद लोग मदद के लिए दौड़े, लेकिन तब तक बाइक सवार भाग चुका था। स्थानीय निवासी पदमचंद ने बताया कि घायल महिलाएं रोजाना इसी मार्ग पर टहलने आती थीं और कभी ऐसी घटना की आशंका नहीं थी। हादसे में पदम सैनी की पत्नी कमला देवी का पैर टूट गया है।

केडी विश्वविद्यालय और श्री माताजी गौवंश सेवा संस्थान के बीच अनुबंध

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। प्रत्येक ब्रजवासी को बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से केडी विश्वविद्यालय और श्री माताजी गौवंश सेवा संस्थान, बरसाना के बीच तीन फरवरी को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अनुबंध पत्रों पर हस्ताक्षर केडी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी और श्री माताजी गौवंश सेवा संस्थान, बरसाना के अध्यक्ष ब्रज शरण दास ने किए। इस अनुबंध के बाद अब दोनों संस्थान आपसी सामंजस्य से जन-जन को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के साथ उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करेंगे।

कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी ने बताया कि केडी विश्वविद्यालय चिकित्सा अनुसंधान, नवाचार, स्वास्थ्य शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में मिल-जुलकर काम करने को प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय की प्राथमिकताओं में प्रत्येक भावी चिकित्सक और टेक्नीशियन को पुस्तकीय ज्ञान के साथ ही व्यावहारिक और प्रायोगिक अनुभव दिलाना भी है। डॉ. लाहौरी ने बताया कि इस समझौते का उद्देश्य समाज की सेवा करना है, प्रत्येक ब्रजवासी को निरोगी रखना है। रोगी का धन और समय बचे इसके जमीनी प्रयास करना है।

डॉ. लाहौरी ने कहा कि अब केडी विश्वविद्यालय और श्री माताजी गौवंश सेवा संस्थान के संयुक्त प्रयासों से ब्रजवासियों को निरोगी रखने के लिए समय समय पर स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन किए जाएंगे। गम्भीर रोगियों को उपचार हेतु अस्पताल ले जाने की व्यवस्था की जाएगी। डॉ. लाहौरी ने कहा कि इस अनुबंध के तहत दोनों पक्ष प्रत्येक ब्रजवासी को मनोवैज्ञानिक परामर्श, मानसिक स्वास्थ्य सहयोग तथा स्वस्थ रहने में मदद करेंगे।

केडी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. रामकिशोर अग्रवाल तथा उप कुलाधिपति मनोज अग्रवाल ने इस अनुबंध को प्रत्येक ब्रजवासी के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि आपसी सहयोग से हर समस्या का समाधान सम्भव है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि केडी विश्वविद्यालय और श्री माताजी गौवंश सेवा संस्थान के बीच जो समझौता हुआ है उससे प्रत्येक ब्रजवासी को निरोगी रखने में मदद मिलेगी। उप कुलाधिपति मनोज अग्रवाल ने कहा कि केडी विश्वविद्यालय शिक्षा ही नहीं समाज सेवा के क्षेत्र में भी अपनी भूमिका को लेकर सजग है। श्री अग्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ अपनी स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार विस्तार कर रहा है। इस अनुबंध से ब्रजवासियों को स्वस्थ रखने में मदद मिलेगी।

श्री माताजी गौवंश सेवा संस्थान, बरसाना के अध्यक्ष ब्रज शरण दास ने अनुबंध को समसामयिक बताते हुए कहा कि इससे प्रत्येक ब्रजवासी को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में नई नई बीमारियां सामने आ रही हैं, ऐसे में हम केडी विश्वविद्यालय से जुड़कर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

विश्व कैंसर दिवस के पर लॉन्च किया कैंसर स्क्रीनिंग पैकेज

अवधनामा संवाददाता

डीडीयू नगर। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर बुधवार को हॉस्पिटल सभागार में महिला एवं पुरुषों में किसी भी प्रकार के समय रहते पता चल जाए इसके लिए, कैंसर स्क्रीनिंग पैकेज लॉन्च किया गया। इस संबंध में प्रेस वार्ता के दौरान वाराणसी के वरिष्ठ कैंसर रोग सर्जन डॉक्टर शुभेदु शेखर ने बताया कि जीवन शैली में बदलाव के कारण लोगों को कई तरह की बीमारियों घेर रही हैं। तनाव, खान-पान पर ध्यान न देता, शराब, धूम्रपान के सेवन व अन्य बहुत सारे कारणों के चलते कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। कैंसर के कई नए प्रकार किसी भी उम्र के लोगों को चपेट में ले रही हैं। इसमें शरीर के हर हिस्से में होने वाले कैंसर में वृद्धि देखी जा रही है जैसे मुंह एवं गले का कैंसर, लिवर एवं पेट का कैंसर, स्तन कैंसर, बच्चेदानी का कैंसर, प्रोस्टेट कैंसर, फेफड़े का कैंसर, हड्डी का कैंसर अधिकांश मामलों में कैंसर बहुत एडवांस स्टेज में डिटेक्ट हो पाता है जिससे उसका इलाज दुरुह हो जाता है। गैस्ट्रोकैंसर विशेषज्ञ डॉक्टर पवन कुमार सिंह ने बताया कि सही समय पर कैंसर के निदान के लिये, महेवा चंदौली स्थित पूर्वांचल के सबसे आधुनिकतम कॉरपोरेट हॉस्पिटल क्लियरमेडि डीएमच मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने कैंसर स्क्रीनिंग पैकेज के रूप में एक नई पहल की है। एफ.डी. अश्विनी विश्वकर्मा ने बताया कि क्लियरमेडी डीएमच मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञों के नेतृत्व में कैंसर की संपूर्ण चिकित्सा के अलावा न्यूरो रोग, जनरल सर्जरी, हड्डी एवं प्रत्यारोपण विभाग, स्त्री एवं प्रसूति रोग, नेफ्रोलॉजी, डेंटल विभाग पीडियाट्रिक्स आदि सभी विभागों के विशेषज्ञ उपलब्ध हैं। बिजनेस हेड मृत्युंजय सिंह ने कहा कि भारतीय रेल, आयुष्मान भारत योजना सहित अधिकांश इंश्योरेंस कंपनियों की कैशलेस सुविधा के साथ सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज क्लियरमेडी डीएमच मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के द्वारा किया जा रहा है।

इस फेस मास्क का इस्तेमाल करने से मिलेगी दमकती त्वचा, शीशे में देख हो जाएंगी खुश

आप पपीते के पत्ते का इस्तेमाल फेस मास्क बनाकर भी कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताएंगे कि पपीते के पत्ते में कौन-कौन से गुण मौजूद होते हैं। साथ ही इसको आप कैसे इस्तेमाल में ला सकती हैं। धूल-मिट्टी और प्रदूषण का असर सिर्फ हमारी सेहत पर ही नहीं बल्कि स्किन का ग्लो भी कम हो जाता है। इस कारण स्किन संबंधी समस्या शुरू हो जाती हैं। ऐसे में महिलाएं स्किन का ग्लो वापस पाने के लिए तमाम ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन इन प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल बंद करते ही यह समस्याएं फिर शुरू हो जाती हैं और ज्यादा खर्च भी होता है। लेकिन क्या आप जानती हैं कि पपीते के पत्ते का इस्तेमाल करके आप स्किन संबंधी समस्याओं को कम करने के साथ स्किन को ग्लोइंग भी बना सकती हैं। आप पपीते के पत्ते का इस्तेमाल फेस मास्क बनाकर भी कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताएंगे कि पपीते के पत्ते में कौन-कौन से गुण मौजूद होते हैं। साथ ही इसको आप कैसे इस्तेमाल में ला सकती हैं।

त्वचा के लिए फायदेमंद है पपीते के पत्ते

बता दें कि पपीते के पत्ते में एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स समेत कई गुण पाए जाते हैं। यह गुण स्वास्थ्य के साथ स्किन के लिए भी फायदेमंद है। पपीते के पत्ते का इस्तेमाल करने से स्किन अच्छी तरह से साफ होती है। पपीते के पत्ते का इस्तेमाल करने से स्किन साफ होती है और दाग-धब्बे व डलनेस की समस्या दूर होती है। आप पपीते के पत्ते को बेसन के साथ मिलाकर चेहरे पर फेस मास्क की तरह अप्लाई कर सकती हैं।

सामग्री

पपीते के पत्ते- 2 से 3

बेसन- 1 चम्मच

ऐसे बनाएं फेस मास्क

सबसे पहले पपीते के पत्ते को अच्छे से धो लें और फिर इसका पेस्ट बना लें।

अब इस पेस्ट में बेसन को अच्छे से मिक्स कर लें।

फिर इस पेस्ट को अपने फेस पर अप्लाई करें और इसको सूखने के लिए छोड़ दें।

जब पेस्ट सूख जाए, तो अपने फेस को पानी से धो लें।

आप सप्ताह में 2 दिन इस फेस मास्क का इस्तेमाल करें।

हालांकि किसी भी चीज को फेस पर लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

सुबह-शाम के समय अपने चेहरे को अच्छे से क्लीन करें।

फिर त्वचा को अच्छे से मॉइस्चराइज करें।

वहीं धूप से स्किन की बचाव के लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें।

दमकती हुई स्किन पाने के लिए इन चीजों से करें फेशियल

अगर आप भी रक्षाबंधन पर ग्लोइंग स्किन पाना चाहती हैं। साथ ही पार्लर जाकर पैसे भी नहीं खर्च करना चाहती हैं, तो आप अपने घर पर फेशियल कर सकती हैं। इस फेशियल को आप रक्षाबंधन के पर्व से एक सप्ताह पहले कर सकती हैं।

तीज-त्योहार के मौके पर हर लड़की खुद को खूबसूरत बनाने का मौका नहीं छोड़ती हैं। ऐसे में आपने देखा होगा कि फेस्टिवल से पहले पार्लर के बाहर लंबी लाइने लगी रहती हैं। वहीं पार्लर जाकर ब्यूटी ट्रीटमेंट लेने के लिए अच्छी-खासी रकम चुकानी पड़ती है। वहीं कई बार केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स लगाने से हमारी स्किन पर इसका इफेक्ट होने लगता है। साथ ही पार्लर में समय और पैसा दोनों खर्च हो जाते हैं। ऐसे में अगर आपके चेहरे पर कोई स्पॉट भी आ जाए, तो पूरा फेस्टिव लुक ही खराब हो जाता है।

ऐसे में अगर आप भी रक्षाबंधन पर ग्लोइंग स्किन पाना चाहती हैं। साथ ही पार्लर जाकर पैसे भी नहीं

तीज-त्योहार के मौके पर हर लड़की खुद को खूबसूरत बनाने का मौका नहीं छोड़ती हैं। ऐसे में आपने देखा होगा कि फेस्टिवल से पहले पार्लर के बाहर लंबी लाइने लगी रहती हैं।

खर्च करना चाहती हैं, तो आप अपने घर पर फेशियल कर सकती हैं। इस फेशियल को आप रक्षाबंधन के पर्व से एक सप्ताह पहले कर सकती हैं। ऐसे में फेस्टिवल वाले दिन आपका चेहरा एकदम हीरे की तरह चमकने लगता है। वहीं आप घर में रखी चीजों की मदद से फेशियल कर सकती हैं। इससे आपका चेहरा एकदम क्लीन हो जाएगा। साथ ही रक्षाबंधन पर

आपका लुक बेहद गॉर्जियस दिखेगा।

होममेड फेशियल के लिए सामग्री

कच्चा दूध

कॉफी पाउडर

टोनर

गुलाब जल

गाय का घी

नींबू का रस

शहद

मुल्तानी मिट्टी

दही

बादाम का तेल

टी ट्री ऑयल

फेशियल करने का तरीका

सबसे आपको फेस पर कच्चा दूध लगाकर टिशू की मदद से फेस साफ करना है।

अब कॉफी पाउडर, टोनर गुलाब जल और चीनी मिक्स करके स्क्रब करें।

फेस क्लीन करने के बाद गाय के घी की कुछ बूंदे और चार नींबू की बूंद और शहद लेकर फेस पर मसाज करें।

फिर आखिरी में आपको मुल्तानी मिट्टी और दही लेकर मिक्स करना है और फेस पैक की तरह अप्लाई करना है।

अब इसको लगाकर सूखने के लिए छोड़ दें।

वहीं जब फेस पैक सूख जाए, तो मालिश करते हुए इस फेस पैक को हटा दें।

फेस पैक हटाने के बाद चेहरे पर बादाम के तेल और मॉइश्चराइजर लेकर फेस पर अप्लाई करें।

जरूरी टिप्स

अगर आपका फेस ज्यादा ऑयली है, तो फेस पर घी लगाने से बचना चाहिए।

अगर फेस पर नींबू का रस एलर्जी करता है, तो आपको उसे भी नहीं लगाना चाहिए।

पार्लर जैसा ग्लो अब घर पर मिलेगा

मिनटों में असर दिखाएंगे ये घरेलू फेस पैक

आप कुछ फेस पैक आसानी से घर पर बना सकती हैं और यह कुछ ही मिनटों में अपना असर दिखाते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपनी स्किन को निखारना चाहती हैं, तो कुछ आसान और असरदार घरेलू नुस्खा अपना सकती हैं।

सुंदर और गोरी स्किन पाना हर किसी की चाहत होती है। लेकिन बिना केमिकल के स्किन को खूबसूरत बनाना सबसे अच्छा होता है। घरेलू फेस पैक आपकी स्किन को जल्दी और नेचुरल तरीके से साफ और ग्लोइंग बनाते हैं। यह फेस पैक आप आसानी से घर पर बना सकती हैं और यह कुछ ही मिनटों में अपना असर दिखाते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपनी स्किन को निखारना चाहती हैं, तो कुछ आसान और असरदार घरेलू नुस्खा अपना सकती हैं। आप भी इनको

आजमाकर फर्क साफ महसूस कर सकती हैं।

बेसन और दही का फेस पैक

सबसे पहले बेसन और दही को बराबर मात्रा में लेकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब इसको अपने फेस पर लगाएं और 15 मिनट तक सूखने के लिए छोड़ दें। यह फेस पैक न सिर्फ स्किन की गंदगी को साफ करता है, बल्कि इससे आपकी स्किन भी साफ और निखरी हुई नजर आती है।

हल्दी और दूध का फेस पैक

दूध के साथ थोड़ी सी हल्दी मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को अपने फेस पर लगाएं और 10-15 मिनट के लिए सूखने के लिए छोड़ दें। हल्की आपकी स्किन को नेचुरली तरीके से साफ करने में मदद करती है और इस फेस पैक से दाग-धब्बे भी कम होते हैं।

आलू और नींबू का फेस पैक

आलू को कद्दूकस करके इसका रस निकाल लें। आलू के रस में नींबू का रस मिलाएं और फेस पर अप्लाई करें। फिर 15 मिनट बाद इसको ठंडे पानी से धो लें। यह फेस पैक आपकी स्किन को हल्का गोरा बनाता है और दाग-धब्बों को दूर करता है। क्योंकि नींबू में विटामिन सी पाया जाता है, जोकि हमारी स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है।

शहद और ओट्स का फेस पैक

थोड़ा शहद और ओट्स लेकर पेस्ट बनाएं और इसके करीब 20 मिनट के लिए फेस पर अप्लाई करें। शहद आपकी स्किन को सॉफ्ट बनाता है। वहीं ओट्स से स्किन की डेड सेल्स हटती है और स्किन ग्लोइंग बनती है।

दही और ओट्स का फेस पैक

दही और ओट्स को मिलाकर अपने चेहरे पर 15 मिनट के लिए अप्लाई करें। इस फेसपैक से भी आपकी स्किन साफ होती है। बता दें कि दही में लैक्टिक एसिड पाया जाता है, जोकि स्किन को धीरे-धीरे गोरा बनाता है।

मानसून में हेयर मास्क बनाते समय इन इंग्रीडिएंट्स का ना करें इस्तेमाल

अगर बारिश में आप दही को अपने हेयर मास्क में शामिल कर रही हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि वह बहुत खट्टा या फ्रिज से निकला ठंडा ना हो। बहुत खट्टा या ठंडा दही लगाने से स्कैल्प में डैंड्रफ बढ़ सकता है और सर्दी-जुकाम भी हो सकता है। बारिश के मौसम में आपके बाल अधिक देखभाल मांगते हैं। बारिश की बूंदे जब सीधे हमारे बालों व स्कैल्प के संपर्क में आती है तो इससे बालों में चिपचिपापन, उलझन व डैंड्रफ आदि की शिकायत शुरू हो जाती है। ऐसे में बालों की केयर करने के लिए हम सभी घरेलू उपाय खोजते हैं और तरह-तरह के हेयर मास्क बनाने लग जाते हैं। यकीनन बालों को पैम्पर करने के लिए घर पर मास्क बनाना एक अच्छा आइडिया है। लेकिन इस मास्क को बनाते समय आप किन इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं, यह भी बहुत अधिक मायने रखता है। चूंकि मानसून में हवा में नमी ज़्यादा होती है, जिससे स्कैल्प पहले से ही सेंसिटिव हो जाता है। ऐसे में कई बार जो चीज़ें नॉर्मल दिनों में अच्छी होती हैं, वही इस मौसम में बालों के लिए गलत साबित होती हैं। गलत इंग्रीडिएंट्स का चयन करने से बालों में रूखापन व फंगल इंफेक्शन आदि की शिकायत हो सकती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही इंग्रीडिएंट्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको मानसून में हेयर मास्क बनाते समय इस्तेमाल करने से बचना चाहिए-

दही

अगर बारिश में आप दही को अपने हेयर मास्क में शामिल कर रही हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि वह बहुत खट्टा या फ्रिज से निकला ठंडा ना हो। बहुत खट्टा या ठंडा दही लगाने से स्कैल्प में डैंड्रफ बढ़ सकता है और सर्दी-जुकाम भी हो सकता है। साथ ही, बहुत ज़्यादा मात्रा में दही लगाने से बाल चिपचिपे हो जाते हैं जो बारिश के मौसम में और परेशान कर सकता है। इसलिए, हमेशा ताज़ा और रूम टेम्परेचर वाला दही लगाओ और स्कैल्प पर बहुत ज़्यादा दही लगाने से बचें।

ज़रूरत से ज़्यादा एलोवेरा जेल

यूं तो एलोवेरा को स्किन और बालों दोनों के लिए काफी अच्छा माना जाता है। हालांकि, बारिश के नमी वाले मौसम में ज़्यादा लगाने से स्कैल्प में खुजली या बिल्डअप हो सकता है। खासकर अगर आप मार्केट वाला जेल इस्तेमाल कर रही हैं तो इसमें मौजूद कैमिकल्स आपको परेशान कर सकते हैं। इसलिए, हमेशा घर के प्लांट का बिल्कुल नेचुरल वाला एलोवेरा ही यूज़ करो। साथ ही, इसकी मात्रा का भी खास ख्याल रखें।

कैस्टर ऑयल

बारिश के दिनों में बालों में कैस्टर ऑयल लगाना बहुत अच्छा नहीं माना जाता है। दरअसल, कैस्टर ऑयल बहुत गाढ़ा और चिपचिपा होता है, जिसे मानसून में धोना बहुत मुश्किल हो जाता है। ऐसे में स्कैल्प पर अवशेष रह जाते हैं जो फंगल इंफेक्शन और खुजली को बढ़ावा देते हैं। बेहतर होगा कि मानसून के दिनों में आप कैस्टर ऑयल की जगह नारियल या बादाम का तेल यूज़ करो, जो आसानी से वॉश हो जाए।

हर आउटफिट के साथ कैरी कर सकती हैं ये हैंडबैग, मिलेगा क्लासी लुक

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैंडबैग के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप बताए गए डिजाइन के हिसाब से चूज कर सकते हैं। इससे आपको आउटफिट के साथ हैंडबैग को कैरी करने में दिक्कत भी नहीं होगी।

अक्सर हम सभी अपने

आउटफिट के साथ अलग-अलग डिजाइन वाले हैंडबैग कैरी करते हैं। इन हैंडबैग में फोन या अन्य जरूरी सामान लेकर जाते हैं। लेकिन आउटफिट के साथ हर हैंडबैग अच्छा नहीं लगता है। ऐसे में हम हैंडबैग को चेंज करने के बारे में सोचते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैंडबैग के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप बताए गए डिजाइन के हिसाब से चूज कर सकते हैं। इससे आपको आउटफिट के साथ हैंडबैग को कैरी करने में दिक्कत भी नहीं होगी।

हैंडबैग को आउटफिट के साथ ऐसे करें मैच

अगर आप भी अपने हैंडबैग को आउटफिट के साथ मैच करना चाहती हैं। तो इसके लिए आपको हैंडबैग के डिजाइन का खास ध्यान रखना होगा। हालांकि इसके पैटर्न को अपने सामान के हिसाब से चूज करना होगा। इससे आपको इसे कैरी करने में किसी तरह की दिक्कत नहीं आएगी।

ब्लैक ऐड ब्राउन शेड वाला हैंडबैग

अगर आप ऐसा हैंडबैग चाहती हैं, तो हर आउटफिट के साथ मैच करे, तो आपको ब्लैक ऐड ब्राउन शेड वाला हैंडबैग चूज कर सकती हैं। इस तरह के कलर कॉन्ट्रास्ट वाले बैग काफी अच्छे लगते हैं। आप इस तरह के हैंडबैग को किसी भी कलर के आउटफिट के साथ कैरी कर सकती हैं। इसमें आपको प्रिंटेड से लेकर प्लेन तक हर तरह के हैंडबैग का ऑप्शन मिल जाता है। जोकि कैरी करने में अच्छा लगता है।

चेक डिजाइन वाले हैंडबैग

अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जिनको ज्योमैट्रिकल पैटर्न वाली चीजें ज्यादा पसंद है। तो आप चेक डिजाइन वाले हैंडबैग कैरी कर सकती हैं। इस तरह के हैंडबैग भी कैरी करने के बाद काफी अच्छे दिखते हैं। इस तरह के हैंडबैग में आपको डबल शेड कलर मिलता है और साथ में लगने वाली गोल्डन चेन भी मिलती है। इस बैग को कैरी करने के बाद लुक क्लासी लगता है। इस तरह के बैग आपको मार्केट में आसानी से मिल जाएंगे।

टेस्ल डिटेल वाला हैंडबैग

कई लोगों को लैदर या फिर कपड़े से बना बैग पसंद नहीं आता है। ऐसे में आप टेस्ल डिटेल वाला हैंडबैग कैरी कर सकती हैं। इस तरह के बैग में टेल्स से डिटेलिंग में काम किया गया है। इसलिए यह हैंडबैग कैरी करने में अच्छा लगता है। आप इस तरह के हैंडबैग को किसी भी आउटफिट के साथ आसानी से कैरी कर सकती हैं। वहीं रोजाना ऑफिस, इवेंट या फिर कॉलेज ले जाने के लिए भी यह हैंडबैग बिलकुल परफेक्ट है।

अपने बॉडी टाइप के अनुसार करें दुपट्टा ड्रेप, दिखेंगी बेहद ग्रेसफुल

एप्पल शेप बॉडी का ऊपरी हिस्सा भारी व पैर पतले होते हैं। इसलिए दुपट्टे को इस तरह स्टाइल करें, जिससे शरीर लंबा व पतला नजर आए। दुपट्टा ड्रेप करने के लिए दोनों कंधों पर दुपट्टा सीधे और खुला छोड़ें। आप शिफॉन या जॉर्जेट जैसे दुपट्टे को चुनें।

अमूमन लहंगे से लेकर सूट तक में अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए हम सभी दुपट्टे को स्टाइल करना पसंद करती हैं। यह कोई आम कपड़ा नहीं होता है, इसे ड्रेप करने का तरीका आपका पूरा लुक बदल सकता है। चाहे आप कॉलेज के लिए तैयार हो रही हों या फिर किसी पार्टी में जाने की तैयारी हो, लेकिन आप दुपट्टे को किस तरह से ड्रेप करती हैं, यह बहुत अधिक मायने रखता है। दुपट्टा ड्रेप करते हुए अगर आप एक परफेक्ट लुक क्रिएट करने के लिए बॉडी टाइप का ध्यान रखा जाना चाहिए। दरअसल, हर बॉडी टाइप पर हर दुपट्टा स्टाइल अच्छा नहीं लगता। कई बार हम बस फैशन देखकर ट्रेंड फॉलो कर लेते हैं, जिससे पूरा लुक बिगड़ जाता है।

वहीं, जब आप अपने बॉडी टाइप को ध्यान में रखकर दुपट्टा पहनती हैं, तो न सिर्फ आपकी पर्सनैलिटी निखरकर आती है, बल्कि आउटफिट भी काफी अच्छा लगता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आपको अपनी बॉडी टाइप को ध्यान में रखते हुए दुपट्टे को किस तरह ड्रेप करना चाहिए-

पियर शेप बॉडी

अगर आपकी पियर शेप बॉडी तो आपको अपने ऊपर और नीचे के हिस्से में बैलेंस करना जरूरी होता है। इसलिए दुपट्टा स्टाइल करते हुए एक तरफ से दुपट्टा डालें। एक कंधे पर पिन करें और बाकी छोड़ दें। सामने से वी-शेप में दुपट्टा डालें ताकि ध्यान ऊपर जाए। कोशिश करें कि आप हैवी वर्क दुपट्टा स्टाइल करें ताकि नज़र ऊपर जाए। कभी भी दुपट्टे को हिप्स के चारों तरफ कसकर न बांधें, इससे हिप्स और उभरकर दिखेंगे।

एप्पल शेप बॉडी

एप्पल शेप बॉडी का ऊपरी हिस्सा भारी व पैर पतले होते हैं। इसलिए दुपट्टे को इस तरह स्टाइल करें, जिससे शरीर लंबा व पतला नजर आए। दुपट्टा ड्रेप करने के लिए दोनों कंधों पर दुपट्टा सीधे और खुला छोड़ें। आप शिफॉन या जॉर्जेट जैसे दुपट्टे को चुनें। साथ ही, दुपट्टा नीचे तक लहराता हुआ रखें ताकि टॉर्सो लंबा दिखे।

ऑवरग्लॉस शेप बॉडी

ऑवरग्लॉस शेप बॉडी में आप दुपट्टे को कई अलग-अलग तरीकों से स्टाइल कर सकती हैं, जिससे आपका बॉडी शेप को उभरकर नजर आए। ऑवरग्लॉस शेप बॉडी में दुपट्टा पहनते समय एक कंधे पर प्लीट किया हुआ दुपट्टा डालें और कमर में टक करें। इससे बॉडी शेप उभरकर नजर आएगा। आप पर लहंगे वाला क्रॉस दुपट्टा स्टाइल भी अच्छा लगेगा।

डस्की स्किन वाली महिलाओं जरूर ट्राई करें ये मेकअप हैक्स, बढ़ जाएगी चेहरे की खूबसूरती

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनका इस्तेमाल करने से आप आसानी से डस्की स्किन को खूबसूरत बना सकती हैं। हम आपको डस्की स्किन पर मेकअप करने के लिए आप कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

हर महिला खूबसूरत दिखना चाहती हैं, जिसके लिए वह काफी प्रयास भी करती हैं। डस्की स्किन को खूबसूरत बनाने के लिए महिलाएं महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। अगर आपकी स्किन भी डस्की है, तो आप भी अपने चेहरे को खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए मेकअप करती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनका इस्तेमाल करने से आप आसानी से डस्की स्किन को खूबसूरत बना सकती हैं। हम आपको

डस्की स्किन पर मेकअप करने के लिए आप कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

सही फाउंडेशन

मेकअप करने से पहले सही फाउंडेशन का चुनाव करना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में आप ऑरेंज या ब्राउन टोन फाउंडेशन का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह डस्की स्किन के लिए बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकता है।

कोरल शेड ब्लश

डस्की स्किन वाली लड़कियां कोरल शेड ब्लश का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह इस स्किन टोन वाली लड़कियों के लिए फायदेमंद हो सकता है। वहीं आंखों का मेकअप करने के लिए आप ब्लैक कलर के लाइनर का यूज कर सकती हैं। वहीं आप आईशैडो भी लाइट कलर को चुनें।

वॉर्म टोन लिपस्टिक

अगर आप लिपस्टिक के कलर को चुनने में कंफ्यूज हो रही हैं, तो डस्की स्किन वाली लड़कियां वॉर्म टोन वाली लिपस्टिक चुन सकती हैं। यह शेड्स आपके चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने में सहायता करते हैं।

न्यूड शेड कंपैक्ट पाउडर

मेकअप के समय जब भी आप कंपैक्ट पाउडर का इस्तेमाल करें, तो इसका शेड न्यूड ही रखें। यह कंपैक्ट पाउडर मेकअप को खास बनाने में मदद करेगा। डस्की स्किन वाली लड़कियों के लिए यह मेकअप टिप्स बहुत काम आएंगे।

सिंपल साड़ी के साथ कैरी करें गोटा पट्टी वाले ब्लाउज, मिलेगा क्लासी और खूबसूरत लुक

गोटा वर्क ब्लाउज को किस तरह की साड़ी के साथ पहनना चाहिए। यह समझना बेहद जरूरी होता है। इसलिए जरूरी है कि आप गोटा पट्टी वाले ब्लाउज को शिफॉन, जॉर्जेट, सिल्क या नेट वाली साड़ी के साथ पहन सकती हैं। पारंपरिक परिधानों में गोटा पट्टी का काम एक खास चमक और खूबसूरती जोड़ता है। जिस कारण महिलाओं के बीच गोटा वर्क वाले आउटफिट्स की जबरदस्त डिमांड रहती है। वहीं मार्केट में आपको गोटा पट्टी वर्क वाली साड़ियों की भरपूर वेराइटी देखने को मिल जाएगी। लेकिन गोटा पट्टी का यह वर्क अब सिर्फ साड़ियों तक ही सीमित नहीं है। बल्कि आजकल गोटा पट्टी ब्लाउज भी काफी ट्रेंड में हैं। यह ब्लाउज काफी आकर्षक और मनभावन होते हैं कि इनको एक ही नजर में खरीदने का मन करता है। लेकिन गोटा वर्क ब्लाउज को किस तरह की साड़ी के साथ पहनना चाहिए। यह समझना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि कई बार महिलाएं इन ब्लाउज को खरीद तो लेती हैं, लेकिन उनको गलत साड़ी के साथ पहनकर अपना पूरा लुक बिगाड़ लेती हैं। इसलिए जरूरी है कि आप गोटा पट्टी वाले ब्लाउज को शिफॉन, जॉर्जेट, सिल्क या नेट वाली साड़ी के साथ पहन सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ गोटा वर्क ब्लाउज के बेहतरीन डिजाइनों के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह भी बताएंगे कि किस फैब्रिक की साड़ी के साथ इन ब्लाउज को स्टाइल किया जा सकता है।

गोटा पट्टी ब्लाउज की 5 डिजाइंस

गोटा पट्टी का काम राजस्थानी कला का एक बेहतरीन उदाहरण है। पूरे विश्व में यह एम्ब्रॉयडरी फेमस है। एक छोटा और पतला सा गोटा पूरे ब्लाउज की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करता है।

गोटा पट्टी चेक एम्ब्रॉयडरी ब्लाउज डिजाइन

नेट फैब्रिक में भी अब गोटा वर्क वाली साड़ी आती है। इस तरह की साड़ी के साथ आप गोटा पट्टी चेक एम्ब्रॉयडरी ब्लाउज कैरी कर सकती हैं। इन पर सिंपल सोबर गोटे वर्क से चेक डिजाइन काफी अच्छे लगते हैं। सिंपल नेट की साड़ी के साथ इस तरह के ब्लाउज पहनें और हाथों में ढेर सारी मैचिंग चूड़ी पहनें। इससे आपको परफेक्ट एथनिक लुक मिलेगा।

गोटा पट्टी एम्ब्रॉयडरी ब्लाउज डिजाइन

यह एम्ब्रॉयडरी बहुत बारीक नहीं होती है, तो आप इसको बोल्ड एम्ब्रॉयडरी कह सकती हैं। लेकिन यह थीम बेस्ड होती है। गोटा पट्टी एम्ब्रॉयडरी में बनी ठनी, श्रीनाद और चारबाग आर्ट के कई नमूने देखने को मिल जाएंगे। आप किसी भी सिंपल शिफॉन साड़ी के साथ यह ब्लाउज कैरी कर सकती हैं। यह ब्लाउज आपको पार्टी गेटअप देते हैं और कम बजट में एक डिजाइनर फील देने वाला आउटफिट मिल जाता है।

गोटा पट्टी पाइपिंग ब्लाउज डिजाइन

गोटा पट्टी पाइपिंग वाले ब्लाउज की खासियत यह है कि इनको छोटे और बड़े ब्रेस्ट कैसे भी हों आप पहन सकती हैं। आप डुएल रंग के कपड़े को लेकर ब्लाउज तैयार करवा सकती हैं। वैसे तो यह ब्लाउज आपको चोलीकट डिजाइन में बनवाना चाबिए, खासतौर पर अगर ब्रेस्ट का साइज छोटा है। तो इस तरह की डिजाइंस ब्रेस्ट को लिफ्ट करेंगी। वहीं बड़े ब्रेस्ट साइज पर भी फिटिंग अच्छी मिलेगी।

गोटा पट्टी लाइनिंग ब्लाउज डिजाइन

बता दें कि वर्टिकल और हॉरीजॉन्टल लाइनिंग वाले गोटा पट्टी वर्क ब्लाउज भी काफी अच्छे दिखते हैं। ऑर्गेंजा साड़ी के साथ आप ऐसे ब्लाउज कैरी कर सकती हैं। इस तरह के ब्लाउज दिखने में क्लासी लगते हैं। ऐसे में आप किसी भी बड़े अवसर या फिर तीज-त्योहार में कैरी करती हैं, तो सभी की नजरें आपके लुक पर टिक कर रह जाएंगी। आप फुल और हाफ दोनों तरह की स्लीव्ज बनवा सकती हैं।

सिंपल गोटा पट्टी ब्लाउज डिजाइन

अगर आपकी साड़ी में हैवी गोटा वर्क है, तो आप सिंगल गोटा वर्क वाला ब्लाउज कैरी कर सकती हैं। इस तरह के ब्लाउज आप किसी भी टेलर से सिलवा सकती हैं। आप सिंपल ब्लाउज में भी स्लीव्ज या फिर बैक में ससोबर गोटा वर्क करा सकती हैं। आप किसी भी सिंपल साड़ी के साथ इस तरह का ब्लाउज कैरी कर सकती हैं।

बालों की लंबाई बढ़ाने के लिए ट्राई करके देखें करी पत्ते से बना ये हेयर पैक, हेयरफॉल से मिलेगा छुटकारा

करी पत्ते में तमाम पोषक तत्व पाए जाते हैं, जोकि आपकी हेयर हेल्थ के लिए काफी अच्छा और फायदेमंद माना जाता है। ऐसे में आप अपने बालों को लंबा और घना बनाने के लिए करी पत्ते का इस्तेमाल कर सकती हैं।

अधिकतर लोगों के साथ आजकल हेयर फॉल संबंधी समस्याएं होती हैं। आजकल की बिजी लाइफस्टाइल की वजह से लोग सेल्फ केयर पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने बालों को लंबा और घना बनाना चाहते हैं तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। करी पत्ते में तमाम पोषक तत्व पाए जाते हैं, जोकि आपकी हेयर हेल्थ के लिए काफी अच्छा और फायदेमंद माना जाता है। ऐसे में आप अपने बालों को लंबा और घना बनाने के लिए करी पत्ते का इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हेयर ग्रोथ के लिए करी पत्ते के इस हेयर पैक को बनाने के बारे में बताने जा रहे हैं। इस हेयर पैक के लिए आपको मेथीदाना और नारियल के तेल की भी जरूरत पड़ेगी।

ऐसे बनाएं हेयर पैक

इस हेयर पैक को बनाने के लिए सबसे पहले एक गिलास पानी लें। इसमें एक मुट्ठी मेथी दाना और एक मुट्ठी करी पत्ता डाल लें। फिर इन दोनों चीजों को पानी में रातभर के लिए भिगोकर रख दें। वहीं अगले दिन सुबह इन सभी चीजों को अच्छे से पीस लें। आप अच्छे परिणाम पाने के लिए इसमें नारियल तेल भी मिला सकते हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल

इस हेयर पैक को अपने बालों और स्कैल्प पर अच्छे से अप्लाई करें। वहीं आप अगर बेहतर रिजल्ट पाना चाहते हैं तो इस हेयर मास्क को करीब 30 मिनट से लेकर 1 घंटे तक अपने बालों पर लगाएं। इसके बाद नॉर्मल पानी से हेयर वॉश कर लें। इसका पॉजिटिव असर आपको खुद-ब-खुद महसूस हो जाएगा।

बालों की सेहत के लिए अच्छा

करी पत्ते में पाए जाने वाले तत्व हेयर हेल्थ को इंप्रूव करते हैं। अगर आप भी बालों की लंबाई को बढ़ाना चाहती हैं, तो आप रेगुलर तौर पर इस हेयर पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इस हेयर पैक से हेयर फॉल जैसी समस्या से राहत मिलेगी। वहीं मेथी दाना, करी पत्ता और नारियल का तेल मिक्स करके लगाने से बालों की जड़ों को पोषण मिलेगा। इस हेयर पैक से आपके रूखे और बेजान बाल सिल्की और स्मूदी बन सकते हैं।

बसंती हवाओं में रूखी हो गई है स्किन तो फॉलो करें टिप्स

स्किन को खूबसूरत और स्वस्थ बनाए रखने के लिए जरूरी है कि आप अपनी स्किन केयर रूटीन में कुछ बदलाव करें। इन स्किन केयर रूटीन को फॉलो कर आपकी स्किन न सिर्फ रूखेपन से बच सकती है, बल्कि इससे स्किन ग्लोइंग और हाइड्रेटेड रहेगी।

बसंत का मौसम आने पर बड़ा बदलाव होता है, लेकिन यह बदलाव स्किन के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। इस मौसम में बसंती हवाएं हमारी स्किन की नमी को छीन लेती हैं, जिससे हमारी त्वचा बेजान, रूखी और संवेदनशील हो जाती है। स्किन को खूबसूरत और स्वस्थ बनाए रखने के लिए जरूरी है कि आप अपनी स्किन केयर रूटीन में कुछ बदलाव करें। इन स्किन केयर रूटीन को फॉलो कर आपकी स्किन न सिर्फ रूखेपन से बच सकती है, बल्कि इससे स्किन ग्लोइंग और हाइड्रेटेड रहेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे स्किन स्किन केयर टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

हाइड्रेशन बनाए रखें

इस मौसम में स्किन की नमी को बनाए रखना जरूरी होता है।

चुनौतीपूर्ण

> बसंत का मौसम आने पर बड़ा बदलाव होता है, लेकिन यह बदलाव स्किन के लिए चुनौतीपूर्ण होता है।

इसलिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और स्किन को हाइड्रेटेड रखने के लिए हाइड्रेटिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें।

आप स्किन को हेल्दी और नमी बनाए रखने के लिए ह्यूलोरोनिक एसिड युक्त सीरम या फिर मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें। यह स्किन में नमी बनाए रखता है। इसलिए रोजाना रात में सोने से पहले गहरी मॉइस्चराइजिंग क्रीम लगाएं, जिससे आपकी स्किन रातभर रिपेयर हो सके।

नेचुरल क्लींजर

मौसम बदलने के साथ ही आपको स्किन की सफाई के तरीके में भी बदलाव करना चाहिए। इस

दौरान स्किन को रसायनों से भरे क्लींजर से धोने से बचना चाहिए। इसलिए आप प्राकृतिक क्लींजर का इस्तेमाल करें, जो स्किन को गहराई से साफ करें और स्किन में नमी बरकरार रखें।

एक्सफोलिएशन का रखें ध्यान

बता दें कि रूखी स्किन में डेड स्किन सेल्स अधिक जमा हो जाते हैं। जिसकी वजह से हमारी स्किन बेजान दिखती है। इसलिए सप्ताह में एक बार स्क्रब से स्किन को एक्सफोलिएट करें। जिससे स्किन पर जमा डेड स्किन सेल्स हटेंगे और नई त्वचा को सांस लेने का मौका मिलेगा।

नाइट केयर रूटीन

रात के समय हमारी स्किन को देखभाल की खास जरूरत होती है। इसलिए रोजाना रात में सोने से पहले सीरम या फिर अच्छे फेस ऑयल का इस्तेमाल करें। विटामिन-ई और सी युक्त प्रोडक्ट्स स्किन की मरम्मत में सहायता करते हैं और स्किन को कोमल और नरम बनाता है।

सनस्क्रीन लगाएं

बसंत के मौसम में सूरज की किरणें हमारी स्किन पर गहरा असर डालती हैं। इसलिए बाहर निकलने से पहले हमेशा सनस्क्रीन जरूर लगाएं। आप 30 SPF या उससे अधिक वाले ब्रॉड स्पेक्ट्रम सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। यह आपकी स्किन को यूवी किरणों से बचाने के साथ डार्क स्पॉट्स और एजिंग से भी सुरक्षित रखेगा।

होममेड फेस पैक

स्किन को नेचुरल रूप से पोषण देने के लिए होममेड फेस पैक का इस्तेमाल करें। इसलिए आप शहद और दही का पैस लगा सकते हैं। दरअसल, दही स्किन को मॉइस्चराइज करता है और शहद स्किन पर चमक बनाए रखता है। इसलिए इस फेसपैक को फेस पर अप्लाई करें और फिर 20 मिनट बाद धो लें।

कठोर प्रोडक्ट्स का न करें इस्तेमाल

बसंती मौसम में स्किन पर कठोर रसायन युक्त प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसकी जगह आप नेचुरल और सौम्य प्रोडक्ट्स को प्राथमिकता दें। अगर आपकी स्किन अधिक सेंसिटिव है, तो स्किन एक्सपर्ट से परामर्श लें और उनकी सलाह पर प्रोडक्ट का चयन करें।

हेल्दी डाइट लें

स्किन की सेहत हमारे खानपान पर निर्भर करती है। इसलिए बसंत के मौसम में अपनी डाइट में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट युक्त सब्जियों और फलों को शामिल करें। आप पालक, कीवी, संतरा, स्ट्रॉबेरी और नट्स का सेवन कर सकती हैं। वहीं ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर चीजें जैसे अलसी के बीज, अखरोट, मछली और अलसी के बीज त्वचा के लिए फायदेमंद होते हैं।

चेहरे की मालिश करें

ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने और स्किन को पोषण देने के लिए रोजाना चेहरे की मालिश करना फायदेमंद होता है। इसलिए रोजाना 5-10 मिनट के लिए अपने फेस पर नारियल तेल, बादाम तेल या फिर विटामिन ई तेल से मालिश करें। इससे आपके स्किन चमकदार और कोमल बनेगी।

स्किन टोन के हिसाब से चुने अपना लहंगा, जानिए कौन सा कलर कॉम्बिनेशन रहेगा बेस्ट

अगर आप बिना सोचे समझे लहंगे के कलर कॉम्बिनेशन को पहनती हैं, तो यह आपके पूरे लुक को बिगाड़ सकता है। हर स्किन टोन का अपना कलर होता है, जो उनपर अच्छा लगता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि स्किन टोन के आधार पर आप लहंगे के कलर के किन कॉम्बिनेशन का चुनाव कर सकती हैं।

जब भी स्टाइलिश दिखने की बात होती है, तो हम सभी ट्रेंड के पीछे भागते हैं। लेकिन जरूरी नहीं होता है कि एक ही ट्रेंड सभी पर फिट बैठे। अगर आप किसी खास मौके पर लहंगा पहनने का मन बना रही हैं, तो सिर्फ ट्रेंड को फॉलो करते हुए कलर कॉम्बिनेशन नहीं चुनना चाहिए। बल्कि ऐसे रंगों का चुनाव करना चाहिए, जो आपकी स्किन टोन के साथ फिट बैठे। जिससे आपके लुक में निखार आए।

बता दें कि अगर आप बिना सोचे समझे लहंगे के कलर कॉम्बिनेशन को पहनती हैं, तो यह आपके पूरे लुक को बिगाड़ सकता है। हालांकि लहंगे के कलर कॉम्बिनेशन के ऑप्शन में कोई कमी नहीं है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपने लिए सही कलर कॉम्बिनेशन चुनें। हर स्किन टोन का अपना कलर होता है, जो उनपर अच्छा लगता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि स्किन टोन के आधार पर आप लहंगे के कलर के किन कॉम्बिनेशन का चुनाव कर सकती हैं।

फेयर स्किन टोन

अगर आपकी रंगत फेयर है तो आप लाइट और डार्क शेड्स दोनों

ही पहन सकती हैं। हालांकि कुछ रंग आपकी रंगत को फीका दिखा सकते हैं। इसलिए आपको बहुत ज्यादा क्रीम, बेज या फिर सुपर ब्राइट नियॉन शेड्स से बचना चाहिए। फेयर स्किन टोन के लिए आपको मैरून, डीप पर्पल, नेवी, लैवेंडर, एमरेल्ड ग्रीन, रॉयल ब्लू, ब्लश पिंक, पीच, आइसी ब्लू और पाउडर पिंक या फिर गोल्ड व सिल्वर कलर पहनना चाहिए। इसमें आप बहुत ज्यादा खूबसूरत नजर आएंगी। वहीं अगर आप परफेक्ट कलर कॉम्बिनेशन वाला लहंगा पहनना चाहती हैं, तो आप एमरेल्ड ग्रीन के साथ गोल्ड, सिल्वर, डीप ब्लू या फिर ब्लश पिंक के अलावा रोज गोल्ड पहन सकती हैं।

मीडियम स्किन टोन

मीडियम स्किन टोन एक बेहद वर्सेटाइल स्किन टोन है। इसके कलर कॉम्बिनेशन में आपके पास ऑप्शन की कमी नहीं होगी। इस स्किन टोन वाली महिलाएं ऑलिव ग्रीन, रूबी रेड, मिंट ग्रीन, मस्टर्ड, डीप रेड, डस्की पिंक जैसे कलर्स कैरी कर सकती हैं। प्रयास करें कि आप अधिक लाइट पेस्टल शेड्स या फिर नियॉन ग्रीन, नियॉन येलो जैसे रंगों को इग्नोर करें। अगर आप लहंगे में कलर कॉम्बिनेशन पहनना चाहती हैं, तो आप रॉयल ब्लू के साथ सिल्वर, डीप रेड के साथ गोल्ड या फिर ऑलिव ग्रीन के साथ ब्रॉन्ज जैसे कलर्स को साथ में पेयर कर सकती हैं।

डस्की स्किन टोन

इस स्किन टोन वाली महिलाएं ब्राइट और बोल्ड कलर्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं। ऐसे में आप कोबाल्ट ब्लू, ब्राइट रेड, हॉट पिंक, मैजेंटा, टैंगरीन से लेकर चॉकलेट ब्राउन, मस्टर्ड, डीप ग्रीन या एमरेल्ड को अपने रूटीन में शामिल कर सकती हैं। डस्की स्किन टोन वाली महिलाएं बेबी पिंक, बेज, पाउडर ब्लू, ग्रे और सिल्वर जैसे शेड्स अच्छे नहीं लगते हैं। आप डीप ग्रीन के साथ कॉपर, मैजेंटा के साथ गोल्ड या फिर रस्ट ऑरेंज के साथ बेज कलर को कैरी कर सकती हैं।

एलोवेरा से करें सेंसिटिव स्किन की केयर

नई दिल्ली। एलोवेरा जेल को आप सेंसेटिव स्किन पर बतौर मॉइश्चराइजर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप पौधे से एलोवेरा जेल निकाल लें। फेस वॉश के बाद आप थोड़ा सा जेल चेहरे पर लगाओ। इससे आपकी स्किन को दिनभर ठंडक और नमी मिलती रहेगी। अगर आपकी स्किन सेंसेटिव है तो ऐसे में आपको किसी भी प्रोडक्ट को बहुत ही सोच-समझकर इस्तेमाल करना होता है। अगर जरा सी भी लापरवाही बरती जाए तो इससे आपकी स्किन को बहुत अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। सेंसेटिव स्किन की केयर करने के लिए एलोवेरा का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। यह ना केवल स्किन पर जेंटल होता है, बल्कि इससे स्किन को ठंडक भी मिलती है। साथ ही साथ, बिना किसी साइड इफेक्ट के यह आपकी स्किन को ठीक भी करता है। चाहे सनबर्न हो, रैश हो या पूरे दिन की थकान, एलोवेरा आपकी स्किन की हर समस्या से निजात दिला सकती है। एलोवेरा का इस्तेमाल करना भी बेहद आसान है। आप घर पर ही एलोवेरा के पौधे से जेल निकालकर उसे इस्तेमाल कर सकते हैं। आप इससे फेस मास्क बना सकते हो, मिस्ट की तरह स्प्रे कर सकते हो या रोज़ मॉइस्चराइज़र की तरह भी लगा सकते हो। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि सेंसेटिव स्किन की केयर करने के लिए आप एलोवेरा जेल का इस्तेमाल किन तरीकों से कर सकते हैं-

मॉइश्चराइज़र की तरह करें इस्तेमाल

एलोवेरा जेल को आप सेंसेटिव स्किन पर बतौर मॉइश्चराइजर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप पौधे से एलोवेरा जेल निकाल लें। फेस वॉश के बाद आप थोड़ा सा जेल चेहरे पर लगाओ। इससे आपकी स्किन को दिनभर ठंडक और नमी मिलती रहेगी।

फेस मिस्ट की तरह करें इस्तेमाल

एलोवेरा जेल गर्मी के दिनों में आपकी स्किन के लिए एक बेहतरीन फेस मिस्ट भी साबित हो सकता है। इसके लिए आप 1 हिस्सा एलोवेरा जेल . 2 हिस्से गुलाब जल लेकर मिक्स कर लें। अब इसे स्प्रे बोतल में भर लो। जब भी चेहरा टाइट या चिड़चिड़ा लगे, दिन में 2-3 बार स्प्रे कर लो। आप इसे मेकअप सेट करने के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हो।

ओवरनाइट सूदिंग मास्क की तरह करें इस्तेमाल

एलोवेरा जेल एक बेहतरीन ओवरनाइट सूदिंग मास्क भी साबित हो सकता है। इसके लिए आप रात को सोने से पहले साफ चेहरे पर ऐलोवेरा जेल लगाओ। रातभर लगा रहने दो। अगली सुबह आप आपको अपना चेहरा बेहद ही सॉफ्ट और सूदिंग महसूस होगा।

सफर में हों या ऑफिस हर महिला के बैग में होने चाहिए ये मेकअप प्रोडक्ट्स, दिनभर बना रहेगा ग्लो

अगर आपके पास समय कम है और आप अपनी स्किन को हेल्दी और सुंदर बनाए रखना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। ऐसे आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आपको अपनी पर्स में जरूर रखना चाहिए।

ब्यूटी की मतलब सिर्फ मेकअप से नहीं होता है, बल्कि हर तरफ से अपने फेस को सही रखना होता है। जब भी हम कहीं बाहर जाने का प्लान करते हैं, तो सोचते हैं कि बैग में ऐसा क्या रखें कि हमारा चेहरा सुंदर दिखे। लेकिन अगर आपके पास समय कम है और आप अपनी स्किन को हेल्दी और सुंदर बनाए रखना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। ऐसे आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आपको अपनी पर्स में जरूर रखना चाहिए।

खूबसूरती

> सफर के दौरान फेस की खूबसूरती को बनाए रखने के लिए सबसे जरूरी स्किन को साफ रखना होता है।

फेस क्लींजर या फेस वॉश

सफर के दौरान फेस की खूबसूरती को बनाए रखने के लिए सबसे जरूरी स्किन को साफ रखना होता है। दिनभर की धूल-मिट्टी, ऑयल और मेकअप हटाने के लिए सबसे अच्छा फेस वॉश या क्लींजर जरूरी है। इसलिए आप अपनी

स्किन टाइप का क्लींजर और फेस वॉश जरूर रखें।

फेस मास्क

बाहर की धूप और धूल की वजह से फेस पर गंदगी की परत जम जाती है। इसलिए आप अपनी पर्स में फेस मास्क जरूर रखें। यह आपकी स्किन को हाइड्रेटेड रखता है।

लिप बाम

फेस के साथ-साथ होंठों की देखभाल करना बेहद जरूरी है। ड्राय और फटे होंठ दर्द देते हैं। साथ ही फटे होंठ हमारे लुक को भी खराब कर देते हैं। इसलिए अपनी पर्स में लिप बाम जरूर रखें। आप विटामिन श्च और स्क्क्ष युक्त लिप बाम का इस्तेमाल कर सकते हैं।

मॉइस्चराइजिंग क्रीम

स्किन को कोमल और मुलायम बनाए रखने के लिए आपको अपनी पर्स में मॉइस्चराइजिंग क्रीम रखना चाहिए। इसलिए बाहर जाते समय इसको लेना न भूलें।

फेस सीरम या नाइट क्रीम

रात में हमारी स्किन रिपेयर होती है, इसलिए रात में सोने से पहले आपको किसी अच्छी नाइट क्रीम या सीरम अपनी स्किन पर जरूर लगानी चाहिए। इससे अगली सुबह आपका फेस फ्रेश और ग्लोइंग रहेगा।

होममेड ग्रीन टी आइस क्यूब्स से खत्म होंगी झुर्रियां, चेहरे पर आएगा गजब का निखार

ग्रीन टी में भरपूर एंटी-ऑक्सीडेंट पाया जाता है। यह उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करने के साथ स्किन को आराम देने और पोर्स को टाइटन करने में मदद करती है। वहीं गर्मियों में यह आपकी स्किन को ठंडक का एहसास कराती है। इससे आपकी स्किन काफी रिफ्रेश नजर आती है।

हम सभी अपनी स्किन को यंगर और ग्लोइंग बनाने के लिए तरह-तरह के तरीके अपनाते हैं। इसके लिए हम सभी मार्केट में मिलने वाले महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आप इन प्रोडक्ट्स पर अधिक रुपए-पैसे खर्च करने की बजाय नेचुरल तरीके से स्किन को लंबे समय तक यंगर और ग्लोइंग बनाए रख सकती हैं। बता दें कि ग्रीन टी आइस क्यूब स्किन पर उम्र बढ़ने वाले संकेतों को खत्म करने के साथ सूजन कम करने और स्किन को अधिक रिफ्रेशिंग दिखाने में सहायता करती है।

दरअसल, ग्रीन टी में भरपूर एंटी-ऑक्सीडेंट पाया जाता है। यह उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करने के साथ स्किन को आराम देने और पोर्स को टाइटन करने में मदद करती है।

प्रभावित

> हम सभी अपनी स्किन को यंगर और ग्लोइंग बनाने के लिए तरह-तरह के तरीके अपनाते हैं।

वहीं गर्मियों में यह आपकी स्किन को ठंडक का एहसास कराती है। इससे आपकी स्किन काफी रिफ्रेश नजर आती है। ऐसे में अगर आप अधिक समय तक स्किन को यंगर बनाए रखना चाहती हैं, तो आपको ग्रीन टी आइस क्यूब का इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि ग्रीन टी आइस क्यूब बनाकर कैसे इसका इस्तेमाल करें।

ग्रीन टी और शहद आइस क्यूब

यह आइस क्यूब स्किन को अधिक यंगर बनाने के साथ ही निखार भी देता है। इस आइस क्यूब

के इस्तेमाल से आपकी स्किन हाइड्रेट रहती है।

सामग्री

ग्रीन टी बैग- 2

गर्म पानी- 1 कप

शहद- 1 चम्मच

ऐसे बनाएं आइस क्यूब

इसके लिए सबसे पहले ग्रीन टी बनाएं और उसको ठंडा होने के लिए रख दें।

जब यह ठंडी हो जाए तो इसमें शहद डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

फिर इसे आइस क्यूब में डालकर फ्रीज कर लें।

जब यह जम जाए तो इसको एक पतले कपड़े या फिर रुमाल आदि में लपेटकर स्किन पर यूज करें।

ग्रीन टी और खीरे का आइस क्यूब

यह आइस क्यूब सूजन को खत्म करने में सहायक होता है। आप इस आइस क्यूब को विशेष रूप से आंखों के नीचे इस्तेमाल कर सकते हैं।

सामग्री

ग्रीन टी- 1/2 कप उबली हुई

खीरे का जूस- 1/2 कप

ऐसे बनाएं

इसको बनाने के लिए ताजे खीरे को ब्लेंड करके छान लें।

अब खीरे के जूस के साथ ग्रीन टी को मिलाएं।

फिर इसको आइस क्यूब में डालकर जमने के लिए फ्रीज में रख दें।

वहीं जब यह आइस क्यूब बन जाए तो इसका इस्तेमाल करें।

ग्रीन टी और एलोवेरा आइस क्यूब

बता दें कि ग्रीन टी और एलोवेरा आइस क्यूब एक सूदिंग आइस क्यूब है। यह आपकी स्किन को यंगर बनाने के अलावा सूदिंग इफेक्ट भी देता है।

सामग्री

ग्रीन टी- 1 कप उबली हुई

ताज़ा एलोवेरा जेल- 1 बड़ा चम्मच

ऐसे बनाएं

ग्रीन टी और एलोवेरा जेल को एक साथ मिक्स करें।

फिर इसको आइस क्यूब ट्रे में डालकर फ्रीज कर दें।

गर्मियों में स्किन की रेडनेस या इरिटेशन को खत्म करने के लिए आप इस आइस क्यूब का इस्तेमाल करें।

छोटे कद की लड़कियां पहनना चाहती हैं बोल्ड प्रिंट

अगर आप बोल्ड प्रिंट्स पहनना चाहती हैं तो ऐसे में आपको इसके साइज पर ध्यान देना चाहिए। बहुत बड़े प्रिंट्स देखने में तो अच्छे लगते हैं, लेकिन छोटे कद पर ये भारी लग सकते हैं। ऐसे में छोटे या मीडियम साइज़ के बोल्ड प्रिंट्स पहनें। ये स्टाइलिश भी लगते हैं और शरीर पर हावी भी नहीं होते।

बोल्ड प्रिंट्स आपके लुक को एकदम से निखार सकते हैं। लेकिन अगर आपकी हाइट थोड़ी कम है, तो कभी-कभी ऐसा लग सकता है कि ये पैटर्न आपको ढक सकते हैं। लेकिन छोटी हाइट का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि आप ब्राइट और मज़ेदार प्रिंट्स से खुद को दूर रखें। बस जरूरत होती है सही स्टाइलिंग की। एक परफेक्ट स्टाइलिंग के साथ, ये बोल्ड प्रिंट्स आपको ज़्यादा लंबा, कॉन्फिडेंट और ट्रेंडी भी दिखा सकते हैं।

बस थोड़े से प्रॉपोर्शन्स से खेलकर और सही प्रिंट्स को चुनकर आप अपनी बॉडी को छुपाने की बजाय निखारें। चाहे वो फ्लोरल्स हों, स्ट्राइप्स हों या कुछ हटके जियोमैट्रिक डिज़ाइन्स, हर

तरह के प्रिंट्स को आप अपने लिए काम में ला सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही छोटे-छोटे स्टाइलिंग टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप छोटे कद में भी बोल्ड प्रिंट्स को स्टाइल कर सकती हैं-

छोटे या मीडियम साइज के बोल्ड प्रिंट चुनें

अगर आप बोल्ड प्रिंट्स पहनना चाहती हैं तो ऐसे में आपको इसके साइज पर ध्यान देना चाहिए। बहुत बड़े प्रिंट्स देखने में तो अच्छे लगते हैं, लेकिन छोटे कद पर ये भारी लग सकते हैं। ऐसे में छोटे या मीडियम साइज़ के बोल्ड प्रिंट्स पहनें। ये स्टाइलिश भी लगते हैं और शरीर पर हावी भी नहीं होते। इसलिए, बहुत बड़े फ्लोरल प्रिंट की बजाय थोड़ा छोटे फ्लोरल प्रिंट्स चुनें, जो कॉन्ट्रास्ट कलर में हों और सॉलिड बैकग्राउंड पर हों।

वर्टिकल हो प्रिंट्स

अगर आप बोल्ड प्रिंट में भी अपनी हाइट को लंबा दिखाना चाहती हैं तो ऐसे में वर्टिकल प्रिंट्स को चुनें। ऊपर से नीचे जाने वाले लाइन वाले प्रिंट्स जैसे वर्टिकल स्ट्राइप्स आपको लंबा दिखाते हैं। वर्टिकल प्रिंट वाला कुर्ती-पैंट सेट या को-ऑर्ड सेट पहनना परफेक्ट रहेगा।

ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने को किसान आगे आए : अनिल शर्मा

कृषि यंत्र पाकर किसानों के चेहरे पर खुशी दिखी

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। किसान सब्जियों की खेती के माध्यम से, अपनी आय बढ़ा सकते हैं। भिंडी का निर्यात यहां के किसानों द्वारा पिछले कई वर्षों से किया जा रहा है। कभी-कभी सब्जी का अधिक उत्पादन या मार्केट का मद्दा होना, उत्पादन का अधिक होना, मार्केट न मिलना बड़ी समस्या होती है, इसके निवारण हेतु एस एम सहगल फाउंडेशन द्वारा मिनी कोल्ड स्टोरेज, फूलपुर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड रमईपुर में स्थापित किया गया है। उक्त बातें उप कृषि निदेशक पवन विश्वकर्मा ने उद्घाटन के दौरान किसानों की गोष्ठी को संबोधित करते हुए कही।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए डीडीएम नाबार्ड अनिल शर्मा ने बताया कि, किसान खेती को उद्योग के रूप में प्रयोग करें और ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा दें।

एस एम सहगल फाउंडेशन के प्रोग्राम लीडर कौशिक सिंह ने बताया कि एफपीओ के सभी सदस्य अपनी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें और एफ पी ओ को आगे बढ़ाएं।

नमामि गंगे परियोजना के क्षेत्रीय कोऑर्डिनेटर सौरभ शुक्ला ने बताया कि, जो आप लोगों को छिड़काव मशीन ,ड्रम, बाल्टी, जग एवं अन्य जैविक तरल पदार्थ आपको दिया जा रहा है उसका उपयोग करके आप जैविक खेती का उत्पादन कर सकते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एफपीओ के निदेशक राधेश्याम वर्मा तथा संचालन एफपीओ के निदेशक उमेश पटेल द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से गणेश तिवारी, मोहम्मद युसूफ, सुंदरम द्विवेदी, सुमित यादव, जादव मंडल, डॉक्टर बंसी लाल पटेल, सीताराम, डॉक्टर जितेंद्र पटेल, उदय भान सिंह, डॉ मनीष सिंह, मयंक पटेल, चंद्रभान पटेल, तेज प्रताप सिंह, त्रिलोकी सिंह, बनवारी लाल, राकेश पटेल, राधेश्याम सिंह सहित दर्जनों किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन फूलपुर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के निदेशक राधेश्याम वर्मा द्वारा किया गया।

अतीक, अशरफ और असद की कब्रों पर चढ़े फूल

अंधेरे में चोरी-छिपे आए करीबी, फातेहा पढ़ने नहीं पहुंचे बेटे

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। शब-ए-बारात पर जहां दूसरे कब्रिस्तान रोशनी से जगमग रहे। वहीं माफिया अतीक अहमद, अशरफ और उसके बेटे अशद की कब्र अंधेरे में डूबी रही। हालांकि देर रात चोरी छिपे कुछ रिश्तेदार और करीबी लोग तीनों की कब्र पर फूल चढ़ाने पहुंचे। जबकि अतीक के दोनों बेटे अहजम और अबान फातेहा पढ़ने नहीं आए। अतीक की पत्नी शाइस्ता, अशरफ की पत्नी जैनब, बहन आयशा नूरी समेत अन्य सगे रिश्तेदारों का कुछ पता नहीं चला। ज्ञात हो कि उमेश पाल हत्याकांड के बाद 13 अप्रैल 2023 को अतीक के तीसरे नंबर के बेटे असद को यूपी एसटीएफ ने झांसी में मुठभेड़ में मार गिराया था। जबकि 15 अप्रैल 2023 को प्रयागराज के कॉल्विन अस्पताल में अतीक अहमद और उसके भाई की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद तीनों के शव शहर के कसारी मसारी कब्रिस्तान में दफनाया गया था। कुछ रिश्तेदार सुबह सुबह कब्रों पर पहुंचे ताकि वह चर्चा में न आ सकें। हालांकि रात में कब्रिस्तान में कुछ युवक निगरानी करते नजर आए कि कोई वहां का वीडियो बनाकर वायरल न करें। कुछ लोगों ने कैमरा निकाला तो युवकों ने उनका ही वीडियो बनाना शुरू कर दिया। अतीक का सबसे बड़ा बेटा उमर लखनऊ जेल में बंद है। दूसरे नंबर का बेटा अली झांसी जेल में बंद है। दो बेटे अहजम और अबान प्रयागराज के हटवा इलाके में रह रहे हैं। हालांकि पढ़ाई के सिलसिले में इन दिनों दिल्ली में हैं।

अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी

जौनपुर। सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र के बुधवार की सुबह लगभग 10:00 बजे राजकीय आईटीआई सिद्धिकपुर गेट के सामने खाई में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई जानकारी होते ही आसपास के लोग एकत्रित हो गए। लेकिन पहचान नहीं हो पाई। बता दे कि राजकीय आईटीआई सिद्धिकपुर गेट के बगल खाई में एक लगभग 45 वर्ष व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया जानकारी मिलते ही आसपास के लोग एकत्रित होने लगे व्यक्ति का पहचान नहीं हो पाई। वहां पर मौजूद स्थानीय लोगों ने किसी ने हत्या की आशंका तो किसी ने रोड एक्सीडेंट की आशंका जताई। लेकिन वही सिद्धिकपुर चौकी, पूर्वांचल पुलिस चौकी और सराय ख्वाजा थाना लगभग तीनों 5 किलोमीटर दूरी पर है लेकिन पुलिस को पहुंचने में लगभग एक घंटा लग गया और मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर मर्करी हाउस भेज दिए और जांच पड़ताल में जुट गई फॉरेन टीम भी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर रही है। थाना प्रभारी अमरेंद्र पांडे को संपर्क किया लेकिन संपर्क नहीं हुआ।

डीसीएम और ट्रैक्टर में टक्कर, दो गंभीर

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक डीसीएम और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर हो गई। यह दुर्घटना शिवगुलामगंज चपरामऊ गांव के पास लखनऊ-वाराणसी नेशनल हाईवे NH-731 पर सुबह करीब आठ बजे हुई। हादसे में ट्रैक्टर चालक रमेश अगरीया और उस पर सवार मजदूर सहदेव गंभीर रूप से घायल हो गए। थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही बक्शा थाने की पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को 108 एंबुलेंस से सीएचसी नौपेड़वां भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने डीसीएम (GJ 01 LT6582) और ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर थाने भेज दिया है। डीसीएम चालक सुरक्षित है और उसे कोई चोट नहीं आई है।स्थानीय लोगों के अनुसार, ट्रैक्टर-ट्रॉली बदलापुर से जौनपुर की ओर ईट लेकर जा रही थी। डीसीएम (GJ 01 LT6582) भी उसी दिशा में जौनपुर की तरफ जा रहा था। चपरामऊ गांव के पास डीसीएम चालक ने पीछे से ट्रैक्टर-ट्रॉली में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर विपरीत दिशा में मुड़ गया और ट्रॉली पर लदी ईंटें सड़क पर बिखर गई।दुर्घटना के बाद सड़क पर वाहनों और लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिससे यातायात बाधित हुआ। बक्शा पुलिस के हेड कांस्टेबल उपेंद्र कुमार और सत्येंद्र यादव ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य किया और जाम को खुलवाया। डीसीएम बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। घायल ट्रैक्टर चालक रमेश अगरीया और मजदूर सहदेव, दोनों एमपी एट उद्योग मुरादपुर कोटिला, बदलापुर के भट्टे पर काम करते हैं। पुलिस ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली रुक्क मार्का ईट उद्योग मुरादपुर कोटिला, बदलापुर से ईट लेकर जौनपुर जा रही थी। इसी बीच यह घटना घटी है डीसीएम चालक सुरक्षित है अन्य दोनों घायलों का इलाज सीएचसी नौपेड़वां में चल रहे हैं। पुलिस की कार्यवाही जारी है।

ज्ञानवर्धक है गंगा प्रदर्शनी- किशोर वार्ष्णेय

प्रयागराज। गंगा जमुना जल प्रदूषण निवारण प्रदर्शनी शोध प्रसार प्रकृति संरक्षण एवं पर्यावरण जन जागरण अभियान के समापन समारोह में बोलते हुए समाजसेवी, चिंतक एवं राजनीतिक विश्लेषक किशोर वार्ष्णेय ने कहा कि माघ मेला में लगाई गंगा प्रदर्शनी अत्यंत ज्ञानवर्धक है जो वर्षों से आम जनता को पर्यावरण संरक्षण का मार्ग दिखा रही है। कहा गंगा एवं यमुना स्वच्छता की जिम्मेदारी देश के प्रत्येक नागरिक की है, जिसे प्रारंभ करने का श्रेय गंगापुत्र, पर्यावरण एवं शिक्षाविद ,लेखक, समाजसेवी प्रो. डा. दीनानाथ शुक्ला को है। जिनकी दूर दृष्टि से करोड़ों लोग पर्यावरण संरक्षण के प्रति सचेत हुए। प्रदर्शनी के निदेशक एवं व्यवस्थापक डा. वशिष्ठ नारायण शुक्ला ने वार्ष्णेय का सम्मान करते शाल ओढ़ा व प्रतीक चिन्ह भेंट किया। बताया कि यह प्रेरणादायक प्रदर्शनी यहां के माघ मेला के अलावा हरिद्वार, नासिक, उज्जैन, कालाकांकर प्रतापगढ़ तथा हिंदुस्तानी अकादमी में भी आयोजित की जा चुकी है।

माघ मेला में महिला से दिनदहाड़े छेड़छाड़

विरोध पर पति को पीटा, गंगा में डुबोकर मार डालने की दी धमकी

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला में संगम स्नान के लिए जा रही महिला से दिनदहाड़े छेड़खानी की गई। पति ने विरोध किया तो उसे घेर कर पत्थर से हमला किया गया। आरोप है कि हमलावरों ने धमकाया भी। पति से कहा, तुम्हें गंगा में डुबोकर मार डालेंगे और पत्नी को उठा ले जाएंगे। गंभीर रूप से चोटिल पति का तीन दिन तक बेली अस्पताल में इलाज चला। उसकी तस्वीर पर दारागंज थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित महिला झूंसी थाना क्षेत्र की रहने वाली है। उसके पति ने बताया कि 30 जनवरी को वह अपनी पत्नी और एक दोस्त दंपति के साथ संगम स्नान के लिए गए थे। पार्किंग कार में खड़ी करने के बाद वह सभी पैदल ही संगम जा रहे थे। दोपहर करीब 2:15 से 2:45 बजे के बीच महावीर थाना क्षेत्र अंतर्गत पंडा चौराहा से कुछ दूरी पहले एक बाइक सवार समेत कुछ अज्ञात युवकों ने उनकी पत्नी के साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। दरअसल वह और उनके दोस्त कुछ आगे थे जबकि उसकी पत्नी और उसके दोस्त की पत्नी पीछे-पीछे चल रही थीं। बाइक सवार युवक ने अकेला देखकर उनसे छेड़छाड़ की। विरोध करने पर अश्लील शब्दों का प्रयोग करने लगा। उसने देखा तो मौके पर पहुंचकर विरोध किया जिस पर आरोपी धमकाने लगा। कहा कि तुम मुझे नहीं जानते हो। मौके पर तब तक भीड़ जमा हो गई लोगों ने बीच बचाव किया और इस पर बाइक सवार युवक धमकाते हुए आगे की ओर चला गया। युवक ने बताया कि वह लोग कुछ दूर आगे ही बड़े थे कि तभी वहां बाइक सवार युवक अपने 5 से 6 साथियों के साथ पहले से खड़ा था। वहां पहुंचते ही उसने गाली गलौज शुरू कर दी और फिर सभी ने मिलकर उसे पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने गाली-गलौज करते हुए पत्थरों, लात-घूंसे से बेरहमी से पिटाई की, जिससे उनकी आंख की रोशनी प्रभावित हुई और कई गंभीर चोटें आई। घायल रजनीश सिंह को टीबी सप्रू अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के बाद उन्हें डिस्चार्ज किया गया। पीड़ित के अनुसार हमलावर जान से मारने की नीयत से संगठित रूप से हमला कर रहे थे, तभी पुलिस की हलचल देख सभी मौके से भाग निकले। जाते-जाते आरोपियों ने धमकी दी कि दोबारा प्रयागराज या माघ मेले में दिखने पर जान से मार देंगे। मामले में दारागंज थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर पंडा चौराहा सहित आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर मिश्रा ने बताया कि फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया

आजमगढ़। निदेशक, मुख्यालय महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन, उ0प्र0 लखनऊ के निर्देशन में बच्चों के दुर्व्यापार संबंधी अपराधों की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे 'ऑपरेशन रक्षा' विशेष अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 04.02.2026 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ के कुशल निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक यातायात/नोडल अधिकारी, थाना ए.एच.टी. के पर्यवेक्षण में थाना एन्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग, विशेष किशोर पुलिस इकाई एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की संयुक्त टीम द्वारा व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जनपद आजमगढ़ के थाना क्षेत्र सिधारी कस्बा, बैठौली एवं शाहगढ़ में स्थित विभिन्न स्पा सेंटर, मसाज पार्लर एवं होटलों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान कहीं भी किसी प्रकार की अवैध गतिविधि अथवा बाल दुर्व्यापार से संबंधित कोई आपत्तिजनक तथ्य प्रकाश में नहीं आया।

शिक्षक और अधिकारियों ने सीखी एआई की बारीकियां

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में AI मंथन का विस्तार

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति के निर्देशन में बुधवार को विश्वविद्यालय के विश्वेश्वरैया सभागार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) विषय पर एक दिवसीय 'हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग' सत्र का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश की माननीय कुलाधिपति महोदया की प्रेरणा से लखनऊ में आयोजित 'एआई मंथन 2026' की सीख को विश्वविद्यालय स्तर पर लागू करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कुलपति प्रो. वंदना सिंह के निर्देशन में इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों में आधुनिक तकनीक के समावेश पर बल दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की और बताया कि किस प्रकार एआई भविष्य की शिक्षा व्यवस्था का आधार बनने जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान विषय विशेषज्ञ डॉ. दिलीप यादव और डॉ. सुनील यादव ने प्रतिभागियों को एआई टूल्स के व्यावहारिक उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उनकी समस्याओं का समाधान किया। इस अवसर पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया (Admission Process) को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए विकसित किए जा रहे 'एआई चैटबॉट' का प्रस्तुतीकरण किया गया। यह चैटबॉट इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष और कंप्यूटर साइंस के विभागाध्यक्ष के कुशल मार्गदर्शन में तैयार किया जा रहा है, जिससे भविष्य में छात्र-छात्राओं को प्रवेश संबंधी जानकारी प्राप्त करने में सुगमता होगी। कार्यशाला का संचालन डॉ. दिव्येंदु मिश्र और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विक्रांत भटेजा ने किया। इस गौरवमयी अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव केश लाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद सिंह और वित्त अधिकारी आत्मधर प्रकाश द्विवेदी, प्रो. अविनाश पाथर्डिकर, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. अजय प्रताप सिंह, डॉ. अमरेंद्र सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. चंदन सिंह, डॉ. अनुराग सिंह और डॉ. ज्ञानेंद्र पाल सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्रोफेसर एवं शिक्षक गण उपस्थित रहे।

जनपद स्तरीय प्रगति, स्वाभिमान और सफलता की ओर 2.0 बाल उत्सव संपन्न

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। जनपद स्तरीय ÷प्रगति, स्वाभिमान और सफलता की ओर 2.0÷ बाल उत्सव का भव्य आयोजन डायट जौनपुर के ऑडिटोरियम हॉल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल एवं डायट प्रवक्ता डॉ. शैलेश कुमार द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत गाकर किया गया। डीसी बालिका शिक्षा शोभा तिवारी द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी का स्वागत किया गया। अपने संबोधन में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने जनपद जौनपुर में संचालित विभागीय नवाचारों एवं विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि बालिका शिक्षा को सुदृढ़ एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए सभी को टीम भावना के साथ कार्य करना होगा। कार्यक्रम में जनपद के 21 विकास खंडों के बालिका नोडल एवं ब्लॉक स्तर से चयनित 60 बच्चों ने प्रतिभाग किया। ÷मेरे बदलाव की कहानी÷ एवं कॉमिक्स बुक आधारित कहानी प्रतियोगिता बच्चों के लिए आयोजित की गई। जिसमें जनपद स्तर से चयनित 5-5 बच्चों को मंडल स्तर पर प्रतिभाग के लिए भेजा जाएगा। प्रतिभागी बच्चों ने मीना मंच कार्यक्रम के अंतर्गत बालिका सशक्तिकरण से जुड़े अपने अनुभवों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सहायक वित्त एवं लेखा अधिकारी समग्र शिक्षा आलोक कुमार गुप्ता, जिला समन्वयक बालिका शिक्षा शोभा तिवारी, एसआरजी टीम के सदस्य एवं विभिन्न विकास खंडों से आए शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग ने किया सेमिनार आयोजित

प्रयागराज। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर आज कैंसर एड सोसाइटी और एरा लखनऊ मेडिकल कॉलेज के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग द्वारा अद्वितीय से एकजुटता थीम पर एक सेमिनार आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि एरा विश्वविद्यालय की सम-कुलपति डॉ. फरजाना मेंहदी ने सेमिनार का उद्घाटन किया और कैंसर रोगियों के इलाज के लिए नवीनतम सुविधाओं पर प्रकाश डाला। एरा अस्पताल द्वारा कैंसर रोगियों के लिए प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बारे में बताया, जैसे कि रेडिएशन थेरेपी के लिए वेरियन ट्रू बीम, एस.वी.सी. लीनियर एक्सीलरेटर फॉर रेडिएशन थेरेपी जिसमें सभी आधुनिक तकनीकें- आईएम आरटी, आईजीआरटी, वीएमएटी, एसबीआरटी शामिल हैं। यह आयुष्मान भारत योजना के तहत रेडियोथेरेपी उपचार के सभी पैकेज प्रदान करता है। सॉलिड ट्यूमर में कीमोथेरेपी और एनएसीटी के साथ मुफ्त एडमिशन, बिना बेड और नर्सिंग शुल्क के साथ-साथ मुफ्त चिकित्सीय आहार उपलब्ध है।

महिला आयोग की सदस्य प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का किया औचक निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करंजाकला में बुधवार को महिला आयोग की सदस्य ने औचक निरीक्षण किया और उन्होंने साफ सफाई को लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करंजाकला के प्रभारी को लगाई फटकार और मरीज के साथ अच्छा बर्ताव किया जाए। बता दें कि महिला आयोग की सदस्य गीता बिंद ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करंजाकला का औचक निरीक्षण किया और उन्होंने ब्लड लैब में जाकर रजिस्टर देखी लैब टेक्नीशियन से एक माह में ब्लड टेस्ट के बारे में जानकारी ली जिसमें तीस टेस्ट और तीन दिलवरी महिलाओं का हुआ। और टीवी यूनिट में जाकर रजिस्टर को बारीकी से देखी और उन्होंने टीवी यूनिट से जानकारी ली कि कितने महिलाओं को गोद लिया गया टीवी यूनिट प्रमोद कुमार यादव बताया कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय कि कुलपति द्वारा 75 महिलाओं को गोद दिया गया है। एक्सरे रूम में जाकर रजिस्टर देखी और एक्स-रे बारे में जानकारी ली एक्सरे टेक्नीशियन सर्वेश यादव बताया कि आज तीन लोगों का एक्सरे हुआ है। और महिला आयोग की सदस्य ने औषधि कक्ष में जाकर फार्मासिस्ट सत्य लाल यादव से दवा के बारे में जानकारी ली और दवा का रखरखाव देखा और वहां पर मौजूद मरीजों से पूछताछ समस्या के बारे में जानकारी ली। लेकिन कोई शिकायत नहीं मिली। महिला आयोग की सदस्य गीता बिंद ने डिलीवरी रूम में बेड के बारे में जानकारी ली और वहां पर गंदगी भरे चादर को देखकर पीएससी प्रभारी डॉक्टर संतोष जायसवाल को फटकार लगाते हुए कहा कि इस तरह से अस्पताल में बेड पर चादर मोड़कर रखा जाता है और नहीं साफ सफाई की जा रही है। गंदा चादर देखकर कहा कि यह मरीजों को दिया जाता है बिंद ने अंदर लगे आरो पानी देखा वहां पर गुटखा खाकर पिच करने वाले पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यह लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वार्ड रूम दिलवरी शौचलय और साफ सफाई पर ज्यादा ध्यान दिया जाए इस तरह गंदगी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सुरक्षा एवं जागरूकता की दिशा में संयुक्त मॉक ड्रिल का आयोजन

आजमगढ़। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में आज ट्रैफिक पुलिस, अग्निशमन विभाग, मिशन शक्ति एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम द्वारा डीएवी कॉलेज, आजमगढ़ में मॉक ड्रिल एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा, महिला सुरक्षा एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना तथा आपात स्थितियों में त्वरित व सही प्रतिक्रिया के महत्व को समझाना था। ट्रैफिक पुलिस द्वारा हेलमेट-सीट बेल्ट की अनिवार्यता व 'गोल्डन ऑवर' की जानकारी दी गई। अग्निशमन विभाग ने आग बुझाने एवं रेस्क्यू ऑपरेशन का जीवंत प्रदर्शन किया।मिशन शक्ति टीम ने 1090 सहित महिला सुरक्षा हेल्पलाइन व आत्मरक्षा की जानकारी दी। साइबर सेल ने डिजिटल फ्रॉड, ओटीपी स्कैम एवं साइबर हेल्पलाइन 1930 के बारे में जागरूक किया।

अटल आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा 8 मार्च को

मैनपुरी। मुख्य विकास अधिकारी, नोडल अधिकारी, अटल आवासीय प्रवेश परीक्षा नेहा बंधु ने बताया कि उ.प्र. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित अटल आवासीय विद्यालय ग्राम कोरई तहसील किरावली, आगरा हेतु जनपद मैनपुरी के उ.प्र. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों तथा कोविड-19 की महामारी के दौरान कोरोना से निराश्रित हुए बच्चों एवं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के अन्तर्गत पात्र बच्चों हेतु शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा-06 में उपलब्ध कुल 160 सीट (80 बालक एवं 80 बालिकाएं) व कक्षा-09 में उपलब्ध कुल सीट 67 सीट (34 बाल एवं 33 बालिकाएं) पर अटल आवासीय विद्यालय कोरई, महानिदेशक, अटल आवासीय विद्यालय उ.प्र. द्वारा प्रवेश परीक्षा की तिथि 22 फरवरी को संशोधित करते हुए दि. 08 मार्च का निर्णय लिया गया है साथ ही पूर्ण भरे हुए आवेदन पत्रों को समस्त वांछित अभिलखों एंव 3 अतिरिक्त फोटो के साथ कार्यालय श्रम प्रवर्तन अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी तथा जिला बेसिक शिक्षाधिकारी कार्यालय में जमा किये जाने की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 को विस्तारित करते हुए दि. 15 फरवरी की गयी है, उक्त समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।

कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु शिविर का आयोजन किया गया

अवधनामा संवाददाता

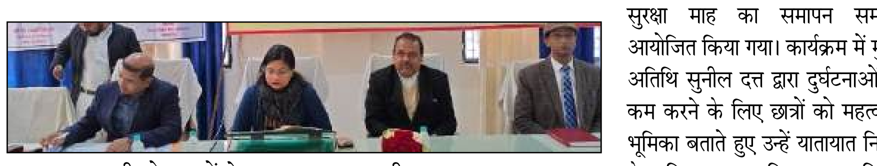

आजमगढ़। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आजमगढ़ के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में जनपद स्तर पर 22 फरवरी, 2026 को आयोजित होने वाले वृहद/मेगा शिविर को दृष्टिगत रखते हुए आज सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नितिका राजन की अध्यक्षता में तहसील सदर में स्थित सभागार में कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सचिव द्वारा बताया गया कि 22 फरवरी, 2026 को जनपद स्तर पर वृहद/मेगा शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत निर्बल वर्ग, बच्चों, स्त्रियों, दिव्यांग, वृद्धजन, निर्धन वर्ग, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति हेतु जनकल्याणकारी योजनाओं का स्टॉल लगाकर पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जायेगा। इस मेगा शिविर के पूर्व तहसील स्तर पर, ब्लाक स्तर पर, ग्राम पंचायत स्तर पर समस्त विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं हेतु लघु शिविर का आयोजन कर पात्र व्यक्तियों का चयन किया जा रहा है। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शिविर में उपस्थित महिलाओं को ''बाल विवाह मुक्त भारत'' की शपथ दिलायी गयी। सचिव द्वारा शिविर में उपस्थित ऑगनवाडी कार्यकत्रियों, आशा बहुओं को उनके विधिक अधिकारों के बारे में जागरूक किया गया तथा 22 फरवरी, 2026 को आयोजित होने वाले वृहद/मेगा कैम्प के प्रचार-प्रसार हेतु दिशा-निर्देश प्रदान किया गया। श्री विवेकानन्द तहसीलदार-सदर द्वारा मेगा/बृहद शिविर के आवश्यक तैयारियों के संबंध में पात्र व्यक्तियों के चयन हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा -निर्देश दिया गया। शिविर में उपस्थित पैनल अधिवक्ता श्री प्रदीप कुमार सिंह द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की गयी। लीगल एड डिफेन्स काउंसिल से उपस्थित सदस्य श्री अतुल कुमार राय द्वारा नालसा हेल्पलाईन नं0 15100 के बारे में जानकारी प्रदान की गयी। महिला कल्याण विभाग से उपस्थित पदाधिकारी द्वारा कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, वन स्टॉप सेन्टर पर संचालित सुविधाओं जैसे- पुलिस सहायता, अल्पावास सुविधा, निःशुल्क विधिक सहायता, परामर्श सेवा, चिकित्सा सेवा इत्यादि के बारे में जानकारी प्रदान की गयी। समाज कल्याण विभाग से उपस्थित पदाधिकारी द्वारा समाज कल्याण की योजनाओं जैसे- शादी अनुदान, वृद्धापेंशन, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति हेतु छात्रवृत्ति योजना के बारे में जानकारी प्रदान की गयी। इस मौके पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री, क्षेत्रीय महिलाये, आशा बहुएं, तहसील के लेखपाल, पराविधिक स्वयं सेवक इत्यादि उपस्थित रहे।

छात्रों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया

आजमगढ़। सर्वोदय पब्लिक स्कूल, हरवंशपुर, आजमगढ़ में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुनील दत्त द्वारा दुर्घटनाओं को कम करने के लिए छात्रों को महत्वपूर्ण भूमिका बताते हुए उन्हें यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। विशिष्ट अतिथि नवीन वर्मा द्वारा तेज गति से व 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को वाहन न चलाने हेतु समझाया गया। अन्य वक्ताओं द्वारा भी यातायात नियमों के बारे में बताते हुए छात्र/छात्राओं को नियमों का पालन करने हेतु अनुरोध किया गया। साथ ही सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत विशेष कार्य करने वाले छात्र/छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अन्त में राजेन्द्र प्रसाद, द्वारा सड़क सुरक्षा की गम्भीरता को बताते हुये सभी को धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुनील दत्त, सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), आजमगढ़, विशिष्ट अतिथि नवीन वर्मा, ए0सी0एफ0, कृपाशंकर पाठक, अध्यक्ष, आटो यूनियन, राजेन्द्र प्रसाद यादव, प्रबन्धक सर्वोदय पब्लिक स्कूल, अतुल कुमार यादव, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) एवं स्काउट गाइड/ एन0सी0सी0 के कैडेट, शिक्षक, छात्र/ छात्राएं इत्यादि उपस्थित रहे।

विशेष अभियान चलाकर युवाओं को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा

आजमगढ़ (अवधनामा संवाददाता) उपायुक्त उद्योग एसएस रावत ने बताया है कि शासनादेश द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) का संचालन प्रारम्भ किया गया है। मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप जनपद में विशेष अभियान चलाकर युवाओं को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा गया तथा सम्बधित बैंको से नियमित समन्वय, आवेदन पत्रों की समयबद्ध फारवर्डिंग एवं अनवरत मानीटरिंग के फलस्वरूप आजमगढ़ शत प्रतिशत लोन वितरण करने वाला प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा जिला बन गया हैं। उक्त के क्रम में योजना के प्रति युवाओं को आकर्षित करने के उद्देश्य से शासन द्वारा निर्धारित धनराशि रू0 5.00 लाख में महिन्द्रा एवं आयशर कम्पनी के 33 हार्स पावर के ट्रैक्टर द्वारा संचालित आयल मिल एवं फलोर की परियोजनाओं को भी सम्मिलित किया गया है। उपायुक्त उद्योग ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि योजनांतर्गत उक्त नवाचार परियोजनाओं हेतु आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त करते हुए आत्मनिर्भर होने के सपने को साकार करें।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम निसार अहमद था द्य जिसको बदलकर जैनुल आबदीन निसार Zainul Abdeen Nisar रख लिया है द्य अब आधारकार्ड पैन कार्ड एवं अन्य शासकीय अभिलेखों में मेरा नया नाम जैनुल आबदीन निसार मान्य होगा।

जैनुल आबदीन निसार पुत्र हाजी इसरार अहमद ग्राम-मकसूदिया पोस्ट-अंबारी तहसील-फूलपुर जिला-आजमगढ़

कार्यालय, नगर पंचायत सहजनवाँ, गोरखपुर

पत्राँकः- 645/न0पं0स0-2025-26 दिनांक : 03-02-2026

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत सहजनवाँ, गोरखपुर सीमान्तर्गत सेप्टिक टैंकों की सफाई हेतु नगर पंचायत सहजनवाँ गोरखपुर में कम्प्यूटर विभाग में इस हेतु नियत काउण्टर पर रूपया 1500/- घरेलू आवास एवं रूपया 2000/- व्यवसायिक भवनो की शुल्क जमा कराकर अपने सेप्टिक टैंको की सफाई सुरक्षित एवं वैज्ञानिक तरीके से करा सकते हैं।

अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत सहजनवाँ, गोरखपुर

अध्यक्ष नगर पंचायत सहजनवाँ, गोरखपुर

लखनऊ में खुला अधीची इंफ्रा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (टाटा हिताची डीलरशिप) का नया अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड सेंटर

लखनऊ। टाटा हिताची की ऑथराइज़्ड डीलरशिप अधीची इंफ्रा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने आज लखनऊ में अपने अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड सेंटर का उद्घाटन किया। यहां सेल्स, सर्विस, स्पेयर पार्ट्स और मशीन की देखभाल सभी सुविधाएं हैं।

इस केंद्र का उद्घाटन टाटा हिताची के प्रबंध निदेशक श्री संदीप सिंह ने किया और यहां ग्राहकों को एक साथ सभी सुविधाएं मिलेंगी। सेल्स, सर्विस और स्पेयर पार्ट्स अधिक आसानी से मिलेंगे। यह केंद्र ऐसी जगह है जहां से पूरे इलाके में टाटा हिताची की मौजूदगी और सेवा सुलभता बढ़ेगी।

श्री संदीप सिंह ने बताया, ''टाटा हिताची ग्राहकों को समय पर, सबसे बेहतरीन सर्विस और पार्ट्स देने में विश्वास रखती है और इसके लिए प्रतिबद्ध है। नया इंटीग्रेटेड सेंटर हमारी यह प्रतिबद्धता पूरी करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।÷ उन्होंने यह भी कहा, ''इस सेंटर के साथ हम ग्राहकों तक तेज़ी से पहुंचने और यह भरोसा देने की क्षमता बढ़ा रहे हैं ताकि जब भी जरूरत पड़े उनकी मशीनों का पूरा ध्यान रखा जाए।''

यह केंद्र फरुखाबाद, हिंद नगर, लखनऊ में है जहां स्ट्रक्चरल वेल्डिंग, इंजन की मरम्मत और हाइड्रोलिक मेंटेनेंस सहित मशीन को पूरा ओवरहॉल करने की सुविधा है। इसके अलावा यहां रीमैन्युफैक्चर्ड एग्रीगेट्स और नए पार्ट्स की इन्वेंट्री मौजूद होगी ताकि रिप्लेसमेंट तुरंत हो जाए और ग्राहकों के लिए डाउनटाइम कम से कम हो।

टाटा एआईजी का लक्ष्य यूपी में अगले 3 वर्षों में अपना एसएमई कारोबार दोगुना करना

लखनऊ। टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस, जो एक अग्रणी सामान्य बीमा कंपनी है, ने उत्तर प्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए जोखिम सुरक्षा को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। कंपनी का विशेष फोकस कानपुर, आगरा, लखनऊ और मुरादाबाद जैसे औद्योगिक केंद्रों पर रहेगा, जिससे एनसीआर में अपनी मौजूदा उपस्थिति को और विस्तार दिया जा सके।

पिछले पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश भारत के सबसे तेजी से बढ़ते एमएसएमई इकोसिस्टम के रूप में उभरा है, जहां हर साल औसतन लगभग 13 लाख नए एमएसएमई पंजीकृत हुए हैं। इस वृद्धि को दर्शाते हुए, टाटा एआईजी की राज्य में जारी की गई एसएमई पॉलिसियों की हिस्सेदारी राष्ट्रीय औसत से अधिक है। कंपनी के कुल एसएमई पोर्टफोलियो में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी लगभग 9% है, जबकि उद्योग स्तर पर यह आंकड़ा लगभग 5% है। इस बढ़ती मांग को समर्थन

देने के लिए, टाटा एआईजी ने वित्त वर्ष 2026 में लखनऊ में उत्तर प्रदेश के लिए एक समर्पित कमर्शियल लाइन्स ज़ोन की स्थापना की है, जिसमें विशेष एसएमई अंडरराइटर्स और क्लेम प्रोफेशनल्स की टीम तैनात की गई है। इसका उद्देश्य राज्य भर के व्यवसायों को तेज़ जोखिम मूल्यांकन, अनुकूलित कवरेज और प्रभावी क्लेम सहायता प्रदान करना है। उत्तर प्रदेश में लगभग 99% पॉलिसियों की सेवा डिजिटल माध्यम से की जा रही है, जिसमें न्यूनतम या शून्य मैनुअल हस्तक्षेप होता है। यह राज्य के व्यवसायों में बढ़ती तकनीकी स्वीकार्यता को दर्शाता है। टाटा एआईजी की एसएमई बीमा योजनाएं बदलते जोखिमों को ध्यान में रखते हुए व्यापक और मॉड्यूलर बीमा समाधान प्रदान करती हैं। कंपनी उत्तर प्रदेश के अधिकांश उद्योगों के लिए एमएसएमई पैकेज पॉलिसियां उपलब्ध कराती है, जिनमें लेदर, प्लास्टिक और इंजीनियरिंग वर्कशॉप शामिल हैं। इन पॉलिसियों के तहत एक ही ढांचे में कई जोखिमों को कवर किया जाता है, जैसे आग, चोरी, नकदी, फिडेलिटी, देयता (लायबिलिटी) और व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा। इसके अलावा कर्मचारियों के मुआवजे, मरीन और ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस के लिए कस्टमाइज्ड पॉलिसियां भी उपलब्ध कराई जाती हैं। ये सभी समाधान प्री-अंडरराइटेड प्रोडक्ट्स, डिजिटल पॉलिसी जारी करने की सुविधा और उन्नत एनालिटिक्स द्वारा समर्थित हैं, जिससे तेजी और सटीकता सुनिश्चित होती है। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए, टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस के एसएमई प्रमुख श्री प्रणय शाह ने कहा, भारत की एमएसएमई विकास गाथा में उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारा फोकस राज्य भर के उद्यमों के सामने आने वाले बदलते जोखिमों को समझना और उन्हें भरोसेमंद व आसानी से उपलब्ध बीमा समाधान प्रदान करना है।

टैफे के 'मैसी डायनास्टार कॉन्टेस्ट' सीज़न 3 का शुभारम्भ, भारत में कृषि नवाचारों की तलाश ज़ारी

मुंबई। 'मैसी डायनास्टार कॉन्टेस्ट 2026 सबसे बड़े ऑलराउण्डर की तलाश के दो सीज़न सफलतापूर्वक पूरे होने के बाद, टैफे ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड, विश्व के एक सबसे बड़े ट्रैक्टर विनिर्माता और भारत के प्रतिष्ठित मैसी फ़र्ग्यूसन ट्रैक्टर के निर्माता, ने मौलिक रचनात्मकता सहित ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए आज इस प्रतियोगिता के तीसरे सीज़न की शुरुआत की घोषणा की। टैफे का मैसी डायनास्टार सीज़न 3, जो इस श्रृंखला में अब तक की सबसे बड़ी प्रतियोगिता है, इसकी परिकल्पना किसानों, उद्यमियों, छात्रों, स्टार्टअप्स और ग्रामीण परिवर्तनकर्ताओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक राष्ट्रीय नवाचार मंच के रूप में की गई है। कृषि एवं ग्रामीण उद्यमिता में नए आइडियाज को मान्यता देने और पोषित करने के अपने प्रगतिशील विचारों के लिए प्रशंसित - मैसी डायनास्टार कॉन्टेस्ट - किसानों, उद्यमियों, छात्रों, शिक्षाविदों और उन नवोन्मेषकों को एक ऑनलाइन मंच प्रदान करता है जो मैसी फ़र्ग्यूसन ट्रैक्टरों पर अपने आईडिया का उपयोग करके सार्थक प्रभाव पैदा करने की क्षमता रखते हैं। इस बार सीज़न 3 का दायरा बढ़ाने के साथ-साथ मैसी फ़र्ग्यूसन के किसी भी ट्रैक्टर पर नवोन्मेषी आइडियाज प्रस्तुत करने का आमंत्रण है, ताकि कृषि, संबद्ध क्षेत्रों और ग्रामीण उद्यमों में असीमित संभावनाओं का द्वार खोला जा सके। प्रतिभागियों को रोमांचक पुरस्कार जीतने और राष्ट्रीय मंच पर अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करने के सुनहरा अवसर मिलेगा। चुने गए प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिलेगी और उन्हें उद्योग विशेषज्ञों और टैफे के सीनियर लीडरों की एक विशेषज्ञ जूरी के समक्ष अपने आइडियाज प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।

अमेज़न और IIT रुड़की ने कृषि अवशेष से इनोवेटिव पैकेजिंग समाधान विकसित करने के लिए की साझेदारी

लखनऊ। अमेज़न इंडिया ने आज भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के साथ एक महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की है। इस सहयोग के तहत कृषि अवशेषों से ऐसे नए पैकेजिंग मटीरियल विकसित किए जाएंगे, जो पारंपरिक लकड़ी आधारित कागज़ और प्लास्टिक पैकेजिंग का टिकाऊ विकल्प बन सकें। इस परियोजना का उद्देश्य गैर-लकड़ी आधारित कागज़ तकनीक विकसित करना है, जिससे कृषि अवशेषों को जलाने के बजाय उपयोग में लाया जा सके और वर्जिन वुड पल्प पर निर्भरता कम हो। प्रस्तावित पैकेजिंग हल्की होने के साथ-साथ मज़बूत होगी, पूरी तरह रीसाइकल करने और घरेलू स्तर पर कंपोस्ट किए जाने योग्य होगी।

शोध के तहत गेहूं की पराली और बगास (गन्ने की खोई) जैसे फसल अवशेषों से उच्च गुणवत्ता वाला पल्प तैयार किया जाएगा, जिससे ऐसे पेपर मेलर बनाए जा सकें जिनकी मजबूती और टिकाऊपन पारंपरिक पैकेजिंग के बराबर हो। यह पहल न केवल पराली जलाने की समस्या को कम करने में मदद करेगी, बल्कि आयातित वुड पल्प पर निर्भरता घटाने और किसानों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर भी पैदा कर सकती है।

IIT रुड़की के पेपर एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के साथ यह शोध परियोजना शुरुआती तौर पर 15 महीनों तक लैब-स्तर पर परीक्षण और विकास के चरण में रहेगी। यदि परिणाम सफल रहते हैं, तो अमेज़न औद्योगिक परीक्षण, प्रक्रिया सत्यापन और व्यावसायिक उत्पादन को अगले वर्ष के मध्य या अंत तक आगे बढ़ाने में सहयोग करेगा। अमेज़न इंडिया में वाइस प्रेसिडेंट (ऑपरेशंस) अभिनव सिंह ने कहा, ÷अमेज़न में हम भारत का सबसे तेज़, सुरक्षित और भरोसेमंद ऑपरेशंस नेटवर्क तैयार कर रहे हैं और इसे अधिक टिकाऊ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। IIT रुड़की के साथ यह साझेदारी हमें कृषि अवशेषों से इनोवेटिव पैकेजिंग विकसित करने का अवसर देती है। भारत में हर साल लगभग 500 मिलियन टन कृषि कचरा उत्पन्न होता है। यदि इसे पैकेजिंग में बदला जाए, तो हम सर्कुलर इकोनॉमी को मजबूत कर सकते हैं और पारंपरिक संसाधनों पर निर्भरता घटा सकते हैं। IIT रुड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत ने कहा, आज सस्टेनेबिलिटी कोई विकल्प नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता है। अमेज़न और IIT रुड़की का यह सहयोग सर्कुलर इकोनॉमी की दिशा में भारत के विज़न को आगे बढ़ाने का एक ठोस कदम है, जो स्वच्छ भारत, स्टार्टअप इंडिया और राष्ट्रीय संसाधन दक्षता नीति जैसे सरकारी अभियानों के अनुरूप है। कृषि अवशेषों को बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग में बदलकर हम पराली जलाने और वर्जिन मटीरियल पर निर्भरता जैसी दो बड़ी चुनौतियों से एक साथ निपट रहे हैं। यह पहल दिखाती है कि अकादमिक शोध और उद्योग की साझेदारी मिलकर देश के लिए टिकाऊ और आत्मनिर्भर समाधान कैसे तैयार कर सकती है। आईआईटी रुड़की, सहारनपुर कैंपस के पेपर और पैकेजिंग टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट के ढ्हहहक्क्ष लैब (पेपर और पैकेजिंग में इनोवेशन) के प्रोफेसर विभोर कुमार रस्तोगी और डॉ. अनुराग कुलश्रेष्ठ इस रिसर्च प्रोजेक्ट को लीड करेंगे।

भारत की पहली डेडिकेटेड डायग्नोस्टिक सुविधा, सिप्ला का ब्रीदफ्री लंग वेलनेस सेंटर

लखनऊ। भारत एक बढ़ती हुई जन स्वास्थ्य चुनौती का सामना कर रहा है। देश में क्रॉनिक रेस्पिरेटरी डिजीज (लंबे समय तक बनी रहने वाली सांस की बीमारियां सीआरडीज) और गैर-संक्रामक बीमारियों (एनसीडीज) के बढ़ते बोझ में ये दो शीर्ष योगदानकर्ता हैं। भारत कम निदान की एक खामोश महामारी से जूझ रहा है, जिसमें गंभीर अस्थमा के लक्षणों का अनुभव करने वाले लगभग 70% लोगों का निदान नहीं हो पाता है और अनुमानित 95-98त्न सीओपीडी मामले बिना इलाज रह जाते हैं । आगे का रास्ता बेहतर सिस्टम, मजबूत समर्थन और डायग्नोस्टिक विशेषज्ञता तक आसान पहुँच के जरिए शुरुआती पहचान को सक्षम बनाने में है। डॉ. रवि भास्कर, कंसल्टेंट पल्मोनोलॉजिस्ट, लखनऊ ने कहा, खराब भोजन, कम चलना-फिरना और बढ़ता प्रदूषण चुपचाप भारत की हेल्थ स्टोरी को बदल रहे हैं, और हमारे फेफड़े इसकी कीमत चुका रहे हैं डॉ. रवि भास्कर ने आगे बताया , अस्थमा और सीओपीडी जैसी बीमारियों पर अक्सर सालों तक ध्यान नहीं जाता, क्योंकि इसके बारे में कम जानकारी, गलतफ़हमी और सही टेस्टिंग तक पहुंच कम होती है। इसके अलावा, ट्रेंड लोगों और स्पाइरोमेट्री जैसे भरोसेमंद टूल्स की कमी से समय पर डायग्नोसिस और भी मुश्किल हो जाता है। इससे कई मरीज़ों का डायग्नोसिस और उनका इलाज नहीं हो पाता है। सांस की बीमारियों का सही पता लगाने के लिए लेटेस्ट टेक्नोलॉजी, दुनिया भर में जाने-माने डायग्नोस्टिक प्रोटोकॉल और बहुत ट्रेंड टेक्नीशियन की टीम को एक साथ लाकर, ब्रीदफ्री लंग वेलनेस सेंटर जैसी सुविधाएं सही दिशा में एक कदम हैं।÷ इस अंतर को पाटने के लिए, देखभाल के नए मॉडल उभरने लगे हैं। ये एक ही छत के नीचे तकनीक, विशेषज्ञता और अत्याधुनिक नैदानिक उपकरणों तक पहुंच प्रदान करते हैं। हाल ही में दिल्ली और मुंबई में शुरू किया गया सिप्ला का ब्रीदफ्री लंग वेलनेस सेंटर ऐसी ही एक सुविधा है।

सैमसंग ने अपने India #WithGala&y फोटोग्राफी कैंपेन के साथ बनाए दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज घोषणा की कि गैलेक्सी एस सीरीज के लिए उसके देशव्यापी India #WithGalaxy फोटोग्राफी चैलेंज ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपनी जगह बना ली है। यह स्मार्टफोन फोटोग्राफी और डिजिटल स्टोरीटेलिंग के क्षेत्र में एक बड़ा मील का पत्थर है।

2010 में लॉन्च हुई गैलेक्सी एस सीरीज ने अपनी क्रांतिकारी फोटोग्राफी, प्रीमियम डिजाइन और आसान उपयोग के कारण वर्षों से उपभोक्ताओं का दिल जीता है। इस सीरीज ने लगातार नए आविष्कारों के जरिए यूजर्स को दुनिया के और करीब लाया है, उनके जीवन को सुविधाजनक बनाया है और उन्हें बेमिसाल मोबाइल अनुभव दिए हैं। एक रिकॉर्ड तोड़ उपलब्धि इस कैंपेन ने गैलेक्सी एस सीरीज के लेंस के जरिए देश की आत्मा को कैद किया और दो नए विश्व रिकॉर्ड बनाए-

दुनिया की सबसे बड़ी स्मार्टफोन फोटोग्राफी प्रतियोगिता सैमसंग ने इतिहास की सबसे बड़ी स्मार्टफोन फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की है। ऑनलाइन फोटो वाक्य (डिजिटल कलाकृति) में सबसे अधिक योगदान॰ भेजी गई तस्वीरों ने मिलकर दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल कलाकृतियों में से एक बनाई है, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और रचनात्मकता का जश्न मनाती है।

अपोलो टायर्स ने टीम इंडिया का मुख्य स्पॉन्सर बनने के बाद भारत में क्रिकेट भावना को गौरवान्वित करने के लिए अपना नया ऐड कैंपेन शुरू किया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य स्पॉन्सर अपोलो टायर्स ने आज अपना नया ब्रांड कैंपेन, 'हर सफर में दम है' शुरू किया। इस कैंपेन में क्रिकेट आइकन सचिन तेंदुलकर के साथ टीम इंडिया के क्रिकेटर विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल, शुभमन गिल और अर्शदीप सिंह ऑफिशियल टीम इंडिया जर्सी में नजर आएंगे। मशहूर फिल्म निर्माता, अभिनय देव द्वारा निर्देशित इस फिल्म में ए.आर. रहमान के प्रतिष्ठित गीत, 'मां तुझे सलाम' के साथ इन चारों क्रिकेटरों के बचपन से लेकर अब तक का सफर और उनके परिवारों को दिखाया गया है, जिन्होंने उनके क्रिकेटर बनने का सपना सच करने के लिए हर मुश्किल का सामना किया, पर देश के गौरव को हमेशा सबसे ऊपर रखा। इस फिल्म में ना केवल भारत का प्रतिनिधित्व करने का एक सपना दिखाया गया है, बल्कि यह गौरव अर्जित करने, उसे कायम रखने और अपने जीवन में उसे बनाए रखने के लिए जरूरी स्टैंडर्ड, अनुशासन और दृढ़ता को भी पेश किया गया है।इस कहानी के साथ-साथ दिग्गज क्रिकेटर और अपोलो टायर्स के ब्रांड एंबेसडर, सचिन तेंदुलकर को भी दिखाया गया है। वो क्रिकेटर्स की कई पीढ़ियों और लाखों भारतीयों की प्रेरणा हैं, वो उस स्थायी विरासत, मूल्यों और मानकों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो आज भी भारतीय क्रिकेट को परिभाषित करते हैं।अपोलो टायर्स लिमिटेड के वाइस चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर नीरज कनवर ने कहा, यह कैंपेन अपोलो टायर्स के इस विश्वास का प्रदर्शन करता है कि उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए दृढ़ता, अनुशासन और निरंतरता जरूरी हैं। हर सफर में दम है भारतीय भावना तथा आप जो कुछ भी करते हैं, उसमें सबसे बेहतर बनने के लिए जरूरी प्रतिबद्धता को हमारी श्रद्धांजलि है।÷अपोलो टायर्स लिमिटेड के ग्रुप हेड मार्केटिंग, उद्यन घई ने कहा, यह कैंपेन अपोलो टायर्स ब्रांड की फिलॉसफी प्रदर्शित करता है, जो इसके पूरे प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में बेहतरीन परफॉर्मेंस, टिकाऊपन और विश्वसनीयता पर जोर देती है। इस फिल्म में अपोलो टायर्स ने भारत से लेकर दुनिया में अपनी धाक स्थापित करने तक के भारतीय क्रिकेट के सफर के माध्यम से एक ग्लोबल ब्रांड के रूप में स्थापित होने का अपना सफर दिखाते हुए ग्राहकों के साथ अपना जुड़ाव मजबूत किया है।

तीन लाख के करीब पहुंची चांदी की चमक, सोने ने भी पकड़ी तेज रफ्तार; जानें कितनी बढ़ीं कीमतें

नई दिल्ली। देश की सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे दिन तेज उछाल दर्ज किया गया। राष्ट्रीय राजधानी में चांदी की कीमत लगभग तीन लाख रुपये प्रति किलोग्राम के करीब पहुंच गई, जबकि सोना भी नए ऊंचे स्तर पर कारोबार करता दिखा। वैश्विक बाजार के संकेत और डॉलर की कमजोरी के बीच कीमती धातुओं में खरीदारी बढ़ी है। इससे निवेशकों की दिलचस्पी फिर मजबूत हुई है। सर्राफा कारोबारियों के अनुसार चांदी की कीमत 14,300 रुपये उछलकर 2,98,300 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इससे पहले पिछले कारोबारी सत्र में यह 2,84,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वहीं 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 7,400 रुपये चढ़कर 1,65,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। एक दिन पहले इसका बंद भाव 1,57,700 रुपये प्रति 10 ग्राम था। दोनों धातुओं में यह उछाल टैक्स सहित कीमतों में दर्ज किया गया।

कारोबारियों का कहना है कि वैश्विक बाजार में मजबूती का रुख और अमेरिकी डॉलर की कमजोरी ने सोना-चांदी को सहारा दिया। पिछले हफ्ते आई तेज गिरावट के बाद निवेशकों ने फिर से सुरक्षित निवेश के तौर पर कीमती धातुओं की ओर रुख किया है। बाजार विश्लेषकों के मुताबिक उतार-चढ़ाव और करेक्शन के बाद अब जोरदार रिकवरी देखने को मिल रही है। इंट्रा-डे कारोबार में चांदी में करीब छह प्रतिशत तक उछाल देखा गया।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना और चांदी दोनों मजबूत रहे। स्पॉट सिल्वर 4.28 डॉलर चढ़कर 89.35 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। वहीं सोना 100.03 डॉलर बढ़कर 5,047.07 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा। विश्लेषकों के अनुसार वैश्विक निवेशकों ने भी सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ाई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय कीमतों को समर्थन मिला।

अपोलो हॉस्पिटल्स लखनऊ ने 'उमंग- सेलिब्रेशन ऑफ़ लाइफ़' का आयोजन कर कैंसर योद्धाओं को किया सम्मानित

लखनऊ। अपोलो हॉस्पिटल्स लखनऊ ने उमंग सेलिब्रेशन ऑफ़ लाइफ़ कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। यह भावनात्मक कार्यक्रम कैंसर से जूझकर जीत हासिल करने वाले लोगों और उनके देखभाल करने वालों के साहस, हिम्मत और प्रेरणादायक सफर को समर्पित था। कानपुर रोड स्थित होटल हॉलिडे इन में हुए इस आयोजन में एक सौ पचास से अधिक कैंसर सर्वाइवर, उनके परिवार के सदस्य, डॉक्टर, केयरगिवर और खास मेहमान शामिल हुए। पूरा माहौल उम्मीद, धन्यवाद और साहस से भरा रहा।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध शिक्षक और मोटिवेशनल स्पीकर व दृष्टि आईएएस और दृष्टि पब्लिकेशंस के संस्थापक, एमडी और सीईओ श्री विकास दिव्यकीर्ति मौजूद रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कैंसर योद्धाओं की अदम्य इच्छाशक्ति की सराहना की और उन्हें साहस, अनुशासन और अंदरूनी ताकत का जीवंत उदाहरण बताया, जो पूरे समाज को प्रेरणा देते हैं।

कार्यक्रम में अपोलो हॉस्पिटल्स लखनऊ के एमडी और सीईओ डॉ. मयंक सोमानी, वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ डॉ. हरित चतुर्वेदी, अपोलो हॉस्पिटल्स की रेडिएशन स्पेशलिस्ट ऑन्कोलॉजी डॉ. सपना नांगिया और सीआरपीएफ के पूर्व महानिदेशक ए. पी. महेश्वरी भी मौजूद रहे। उनकी उपस्थिति ने यह दिखाया कि कैंसर के इलाज और सर्वाइवरों के बेहतर जीवन के लिए सब मिलकर काम कर रहे हैं।

'उमंग' ने यह मजबूत संदेश दिया कि कैंसर के बाद भी ज़िंदगी न सिर्फ़ संभव है, बल्कि बहुत मायने रखती है। कार्यक्रम में पाँच कैंसर सर्वाइवरों ने अपने इलाज और ठीक होने के सफर को सबके साथ साझा किया। उनकी बातें सुनकर लोगों को हिम्मत और उम्मीद मिली। इसके साथ ही कैंसर सर्वाइवरों द्वारा नृत्य और गायन की प्रस्तुतियाँ भी दी गईं, जो आत्मविश्वास, खुशी और बीमारी पर इंसानी जीत का प्रतीक रहीं।

ओप्पो ने रेनो 15सी स्मार्टफोन लॉन्च किया, दमदार बैटरी, प्रीमियम डिज़ाइन और एआई फीचर्स से लैस

नई दिल्ली। ओप्पो इंडिया ने भारतीय स्मार्टफोन बाज़ार में अपनी लोकप्रिय रेनो 15 सीरीज़ का विस्तार करते हुए नया स्मार्टफोन ओप्पो रेनो 15सी लॉन्च कर दिया है। कंपनी का उद्देश्य रेनो सीरीज़ के सिग्नेचर प्रीमियम अनुभव को अधिक से अधिक यूज़र्स तक पहुँचाना है। यह स्मार्टफोन खासतौर पर ट्रैवलर्स, कंटेंट क्रिएटर्स और फोटोग्राफी के शौकीनों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है।

ओप्पो रेनो 15सी में 6.57 इंच का फ्लैट AMOLED डिस्प्ले दिया गया है, जिसमें FHD+ रेज़ॉल्यूशन, 10-बिट कलर सपोर्ट और 92.8 प्रतिशत स्क्रीन-टू-बॉडी रेशियो मिलता है। डिस्प्ले 1400 निट्स तक की पीक ब्राइटनेस प्रदान करता है, जिससे तेज धूप में भी बेहतर व्यूइंग अनुभव मिलता है। फोन का डिज़ाइन स्लिम और हल्का है, जिसकी मोटाई 8.14 मिमी और वज़न 195 ग्राम है। यह स्मार्टफोन आफ्टरग्लो पिंक और ट्वाइलाइट ब्लू रंगों में उपलब्ध होगा।

लंबे समय तक इस्तेमाल के लिए रेनो 15सी में 7000mAh की बड़ी बैटरी दी गई है, जो 80W सुपरवूक फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। कंपनी के अनुसार केवल 10 मिनट की चार्जिंग में कई घंटों तक सोशल मीडिया और वीडियो स्ट्रीमिंग संभव है, जबकि फोन को फुल चार्ज होने में लगभग 64 मिनट का समय लगता है।

फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के लिहाज़ से भी रेनो 15सी को खास बनाया गया है। इसमें 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-क्लियर मेन कैमरा, 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड कैमरा और 2 मेगापिक्सल का मैक्रो कैमरा दिया गया है। वहीं फ्रंट में 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड सेल्फी कैमरा मौजूद है, जो ग्रुप सेल्फी और ट्रैवल फोटोग्राफी के लिए उपयोगी है। फोन के फ्रंट और रियर दोनों कैमरे 4K HDR वीडियो रिकॉर्डिंग को सपोर्ट करते हैं।

रेनो 15सी स्नैपड्रैगन 6 जेन 1 प्रोसेसर पर काम करता है, जिसे 4nm प्रोसेस पर तैयार किया गया है। यह प्रोसेसर स्मूथ मल्टीटास्किंग, बेहतर गेमिंग और पावर एफिशिएंसी प्रदान करता है। फोन में कलरओएस 16 दिया गया है, जिसमें कई एआई आधारित फीचर्स जैसे एआई एडिटर 3.0, एआई पोर्ट्रेट ग्लो, एआई अनब्लर और एआई इरेज़र शामिल हैं।

डिवाइस को मजबूत बनाने के लिए इसमें ओप्पो की ऑल-राउंड आर्मर बॉडी दी गई है और यह आईपी66, आईपी68 और आईपी69 रेटिंग के साथ आता है, जिससे यह धूल और पानी से सुरक्षित रहता है। ओप्पो रेनो 15सी 5 फरवरी 2026 से अमेज़न, फ्लिपकार्ट, मेनलाइन रिटेल आउटलेट्स और ओप्पो ई-स्टोर पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। इसके 8GB रैम + 256GB स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 34,999 और 12GB रैम + 256GB स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 37,999 तय की गई है। कंपनी आकर्षक बैंक ऑफर्स और एक्सचेंज बोनस भी दे रही है।

बेटे ने सात समंदर पार इंग्लैंड से आकर, पिता को दिया नया जीवन, मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ में किया गया सफल लिविंग डोनर लिवर ट्रांसप्लांट

लखनऊ। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ के डॉक्टरों ने लखनऊ निवासी 50-वर्षीय श्री जय प्रकाश, का सफल लिविंग डोनर लिवर ट्रांसप्लांट कर उन्हें नया जीवन दिया। वह लंबे समय से शराब से जुड़ी एडवांस्ड लिवर सिरोसिस से पीड़ित थे और बीमारी अंतिम स्टेज में पहुंच चुकी थी। पेट में बार-बार पानी भरना, किडनी की दिक्कतें, प्लेटलेट्स का बहुत कम हो जाना, लिवर में बढ़े दबाव के कारण अंदरूनी खून बहना और सांस की परेशानी जैसी जटिलताओं के चलते उनके लिए दवा से इलाज का कोई विकल्प नहीं बचा था। पिछले 2 वर्षों से पूरी तरह शराब छोड़ने और लगातार इलाज के बावजूद उनकी हालत बिगड़ती गई, जिससे कामकाज और रोज़मर्रा की ज़िंदगी बुरी तरह प्रभावित हुई। ऐसे में उन्हें लिवर ट्रांसप्लांट की सलाह दी गई और वे *डॉ. वलीउल्लाह सिद्दीकी, डायरेक्टर-हेपेटो-पैंक्रियाटो-बिलियरी व लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी, के पास अंतिम

और जान बचाने वाले विकल्प के लिए पहुंचे। अस्पताल में कई विभागों की संयुक्त टीम ने विस्तार से जांच की। पहले छोटे बेटे को डोनर के रूप में देखा गया, लेकिन लिवर का आकार पर्याप्त नहीं पाया गया। इसी नाजुक समय में मरीज़ के बड़े बेटे, श्री अनुराग वलेच्छा, आगे आए। वे इंग्लैंड के कैम्ब्रिज स्थित रॉयल कॉलेज में कंप्यूटर साइंस विभाग में पढ़ाई और काम कर रहे थे। वे तुरंत भारत पहुंचे और जल्दी से डोनर जांच प्रक्रिया पूरी की गई। सभी परीक्षणों के बाद उन्हें उपयुक्त डोनर घोषित किया गया। इसके बाद सफल लिविंग डोनर लिवर ट्रांसप्लांट किया गया, जो बिना किसी बड़ी जटिलता और भारी रक्त चढ़ाए बिना पूरा हुआ।

डॉ. वलीउल्लाह सिद्दीकी, डायरेक्टर-हेपेटो-पैंक्रियाटो-बिलियरी व लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, ने कहा, ÷मरीज़ की हालत बेहद गंभीर थी। किडनी और फेफड़ों से जुड़ी दिक्कतों के कारण यह ट्रांसप्लांट बहुत ज़्यादा जोखिमि वाला था। समय पर डोनर की उपलब्धता और हमारी मल्टीडिसिप्लिनरी टीम की सावधानीपूर्वक योजना ने इस सफलता में निर्णायक भूमिका निभाई।

सर्जरी के बाद डोनर और मरीज़, दोनों की रिकवरी संतोषजनक रही। डोनर को ऑपरेशन के छठे दिन छुट्टी दे दी गई और जांच में लिवर का आकार लगभग सामान्य पाया गया, जो प्राकृतिक रूप से लिवर के स्वयं को बना लेने का संकेत है। मरीज़ को बारहवें दिन अस्पताल से छुट्टी मिली।

डॉ. राजेश डे, डायरेक्टर लिवर ट्रांसप्लांट एवं बाइलरी साइंसेज़, मैक्स हॉस्पिटल, वैशाली, ने कहा, *गंभीर लिवर बीमारी से जूझ रहे मरीजों के लिए लिविंग डोनर लिवर ट्रांसप्लांट कई बार जीवन बचाने का एकमात्र विकल्प होता है, खासकर तब जब बीमारी का असर शरीर के अन्य अंगों पर भी पड़ने लगे।

DSP म्यूचुअल फ़ंड ने DSP नेत्रा की ओर से संचालित DSP मल्टी ऐसेट ओमनी फ़ंड ऑफ़ फ़ंड्स लॉन्च किया

मुंबई। DSP म्यूचुअल फ़ंड ने आज DSP मल्टी ऐसेट ओमनी फ़ंड ऑफ़ फ़ंड्स लॉन्च करने की घोषणा की है, जो फ़ंड स्कीम का एक ओपन-एंडेड फ़ंड है, जिसका उद्देश्य उन व्यक्तियों के लिए इंवेस्ट को आसान बनाना है, जिन्हें बाज़ारों, टाइम ऐसेट आवंटन निर्णयों को ट्रैक करना या साइकिल में कई इंवेस्टमेंट का प्रबंधन करना कठिन लगता है। नया फ़ंड ऑफ़र 5 फ़रवरी, 2026 को खुलेगा और 19 फ़रवरी, 2026 को बंद होगा।

यह फ़ंड DSP नेत्राप्त, DSP म्यूचुअल फ़ंड के इन-हाउस मार्केट इंटेलिजेंस फ़्रेमवर्क से संचालित है। DSP नेत्रा ऐसेट वर्गों में सुरक्षा के जोखिम और मार्जिन का आकलन करने के लिए बाज़ार डेटा, मूल्यांकन और दीर्घकालिक ऐतिहासिक पैटर्न का इस्तेमाल करता है, जिससे बाज़ार की स्थिति विकसित होने पर आवंटन निर्णयों का मार्गदर्शन करने में मदद मिलती है। मार्केट लीडरशिप, ब्याज दर की साइकिल और वैश्विक अनिश्चितता में लगातार बदलावों से चिह्नित वातावरण में फ़ंड इंवेस्टमेंट को पूर्वानुमान या प्रतिक्रियाशील निर्णय करने पर भरोसा किए बिना विविधतापूर्ण और निवेशित रहने के लिए एक संरचित तरीका मुहैया करवाना चाहता है। DSP मल्टी ऐसेट ओमनी फ़ंड ऑफ़ फ़ंड्स बाज़ार के संकेतों के आधार पर गतिशील रूप से समायोजित आवंटन के साथ इक्विटी-ओरिएंटेड स्कीम, ऋण-उन्मुख स्कीम और सोने और चांदी ईटीएफ़ जैसी कमोडीटी-ओरिएंटेड स्कीम में इंवेस्ट करता है। सभी ऐसेट वर्गों में इंवेस्टमेंट करते हुए फ़ंड का उद्देश्य रिटर्न के सिंगल सोर्स पर निर्भर करने के बजाए जोखिम प्रबंधन के साथ विकास क्षमता को संतुलित करना है।

फ़ंड की एक प्रमुख विशेषता कई एएमसी में फ़ंड और ईटीएफ़ में इंवेस्ट करने का इसका लचीलापन है।

प्रेम प्रसंग में शादी के बाद युवती को छोड़कर भागा युवक, चौकी पर हाइवोल्टेज ड्रामा

- युवती के तहरीर पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर भेजा जेल

अवधनामा संवाददाता

मथौली, कुशीनगर। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के मथौली चौकी पर बुधवार की दोपहर उस समय अफरा तफरी मच गई, जब एक युवक प्रेम प्रसंग में युवती से शादी के बाद छोड़कर फरार हो गया। युवक से मिलने पहुंची युवती तो युवक के परिजनों ने बवाल खड़ा कर दिया। युवती भागकर चौकी पर पहुंची तो वह लोग भी पीछे से पहुंच गए और हंगामा करने लगे। हालांकि पुलिस बीच बचाव कर मामला शांत कराया। पीड़िता के तहरीर पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जेल भेज दिया।

बता दें कि कप्तानगंज थाना क्षेत्र के गौनरिया (लमुआ) टोला निवासी एक युवती ने कप्तानगंज थाने में तहरीर देकर जिक्र किया कि थाना क्षेत्र के ही नगर पंचायत मथौली लोहेपार (बाबू टोला) निवासी राममिलन राव पुत्र शिवशंकर से प्रेम प्रसंग करती थी। जब मामला हम दोनों के परिजनों को हुई तो भागकर मंदिर में शादी कर लिए। शादी के बाद हम दोनों गोरखपुर जनपद के पिपराइच में किराए की मकान में रहते थे, लेकिन राममिलन कुछ माह बाद हमें छोड़कर घर चला आया, और बातचीत करना छोड़ दिया, जब मैं फोन करती थी तो फोन भी नहीं उठाता था। बुधवार को जब मैं उससे मिलने घर से कुछ दूरी नहर पर पहुंची तो उसने अपने परिजनों को फोन कर बुला लिया। उसकी बहन पुष्पा, मां आरती देवी व पिता शिवशंकर मौके से पहुंचे और गाली गुप्ता देते हुए मारने पीटने लगे। किसी तरह भागकर मैं मथौली पुलिस चौकी पर पहुंची और सारी आपबीती बताई तब तक ये लोग भी पीछा करते हुए चौकी पर पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक की बहन पुष्पा ने पुलिस चौकी पर घंटों हंगामा खड़ा कर दिया। बताया जा रहा है कि पुलिस कर्मियों से भी तू तू मैं करने लगी। उक्त महिला का तांडव देख वहां सैकड़ों की भींड इकठ्ठा हो गया। चौकी इंचार्ज अंकित सिंह ने मामला बिगड़ता देख तीनों को थाने ले गए।

डिप्टी सीएम के आगमन को लेकर डीएम ने की बैठक

- 7 फरवरी को केशव मौर्य का प्रस्तावित है कार्यक्रम

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का 7 फरवरी को जनपद में आगमन को लेकर बुधवार को विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में तथा पुलिस अधीक्षक केशव कुमार की उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उप मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों से संबंधित व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने बताया कि उप मुख्यमंत्री का कार्यक्रम जनपद में तीन स्थानों–बीबी एकेडमी गाजीपुर, पावानगर एवं जिला मुख्यालय पर प्रस्तावित है। उन्होंने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को हेलीपैड, बैरिकेटिंग, वाहन पार्किंग सहित अन्य मूलभूत व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में अवगत कराया गया कि उप मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर गाजीपुर स्थित हेलीपैड पर लैंड करेगा, जिसके उपरांत वे सर्वप्रथम विद्यालय का उद्घाटन करेंगे तथा विभिन्न स्टालों का निरीक्षण करते हुए मंच तक पहुंचेंगे। मंचीय एवं कार्यक्रम स्थल की समस्त व्यवस्थाओं को लेकर मुख्य विकास अधिकारी को स्थलीय निरीक्षण कर स्वयं की देखरेख में सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही संबंधित ग्राम की योजनावार बुकलेट तैयार कराने हेतु जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया गया। पावानगर में प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल पर सीमित स्थान को देखते हुए केवल संबंधित अधिकारियों एवं प्रतिभागियों की ही एंट्री सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। पावानगर में लखपति दीदी कार्यक्रम एवं ग्राम चौपाल का आयोजन प्रस्तावित है, जिसमें संबंधित विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा गया।

जिलाधिकारी ने दोनों कार्यक्रम स्थलों पर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के स्वीकृति पत्र वितरण को सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने हेतु भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पावानगर कार्यक्रम के उपरांत उप मुख्यमंत्री पुलिस लाइन स्थित हेलीपैड से सीधे भाजपा कार्यालय पहुंचकर कोर कमेटी की बैठक में भाग लेंगे। इसके पश्चात विकास भवन सभागार में जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ विकासपरक योजनाओं की समीक्षा बैठक की जाएगी।

जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं का विवरण बुकलेट में अद्यतन कर लें, ताकि समीक्षा बैठक के दौरान सटीक जानकारी प्रस्तुत की जा सके। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने सभी कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, बैरिकेटिंग, लाइन-अप एवं यातायात प्रबंधन को लेकर संबंधित क्षेत्राधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए।

रामकोला चीनी मिल ने गन्ना किसानों के खाते में भेजा 16.19 करोड़ रुपए

अब तक का आंकड़ा
कुल गन्ना पेराई : 48.87 लाख क्विंटल
आज तक रिकवरी : 10.55 प्रतिशत
कुल चीनी उत्पादन : 5.06 लाख क्विंटल
टोटल भुगतान : 184.62 करोड़

अवधनामा संवाददाता

रामकोला, कुशीनगर। त्रिवेणी चीनी मिल, रामकोला द्वारा किसानों को समयबद्ध गन्ना मूल्य भुगतान की प्रक्रिया निरंतर जारी है। इसी क्रम में मिल प्रबंधन द्वारा 24 जनवरी से 30 जनवरी तक खरीदे गए गन्ने का भुगतान किसानों के बैंक खातों में अंतरित कर दिया गया है। जनपद में सर्वप्रथम पेराई कार्य प्रारंभ करने के साथ-साथ समय पर भुगतान कर मिल ने अपनी कार्यकुशलता एवं उत्कृष्ट परंपरा को एक बार फिर सिद्ध किया है।

प्रधान प्रबंधक श्री यशराज सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान पेराई सत्र के अंतर्गत उक्त अवधि में खरीदे गए गन्ने के सापेक्ष कुल 16 करोड़ 19 लाख रुपए की धनराशि सीधे किसानों के खातों में भेजी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि किसान हित सर्वोपरि है और मिल प्रबंधन का सतत प्रयास रहता है कि किसानों को समय पर भुगतान प्राप्त हो, जिससे उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रधान प्रबंधक ने किसानों से अपील की कि वे मिल को केवल ताजा, स्वच्छ एवं गुणवत्तायुक्त गन्ने की ही आपूर्ति करें, ताकि पेराई कार्य निर्बाध रूप से संचालित किया जा सके। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि किसान भाई अपनी संपूर्ण गन्ना आपूर्ति चीनी मिल को ही करें, जिससे उनका बेसिक कोटा बढ़े और भविष्य में उन्हें अधिक लाभ प्राप्त हो सके। इसके अतिरिक्त उन्होंने किसानों को वसंतकालीन गन्ना बुआई के लिए उन्नत किस्में जैसे CO-0118, CoP-9301, CoLK-14201, CoLK-16202 एवं 18231 अपनाने तथा भूमि की उर्वरता एवं फसल सुरक्षा के लिए ट्राइकोडर्मा का अनिवार्य प्रयोग करने की सलाह दी। प्रेस वार्ता के अवसर पर कारखाना प्रबंधक मानवेंद्र राय एवं गन्ना प्रबंधक इन्द्र कुमार शर्मा भी उपस्थित रहे।

पुलिस ने किया दो सप्ताह पहले हुई चोरी का खुलासा, आभूषण व 41 हजार रुपए बरामद

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। मोहनगंज पुलिस ने दो सप्ताह पहले थाना क्षेत्र के फूला गांव में हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। चोरों के पास से 12 लाख रुपये से अधिक के जेवर और 41 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। इस वारदात को रिश्ते के एक भतीजे ने अपने साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया था।

मोहनगंज थाना क्षेत्र के फूला गांव की निवासी सेमऊ पत्नी रमेश ने थाने में तहरीर देकर घर में हुई चोरी का मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़िता के अनुसार, घटना के दिन वह अपनी बेटी के साथ छत्तीसगढ़ के दामाखेड़ा में सत्संग में शामिल होने गई थीं।

घर के अन्य परिजन भी बाहर थे, जिससे घर खाली था। इसी दौरान अज्ञात चोर रात में घर में घुसे और लाखों रुपये के जेवर व हजारों रुपये की नकदी लेकर फरार हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी थी। आज सुबह मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने इस घटना को अंजाम देने वाले चार चोरों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार किए गए चोरों की पहचान सूरज पुत्र बैजनाथ, राजकुमार पुत्र श्रीनाथ, अर्जुन पुत्र केदारनाथ और दीपक सिंह पुत्र संत बक्श सिंह के रूप में हुई है। ये सभी उसी गांव के रहने वाले हैं। मुख्य अभियुक्त सूरज ने बताया कि रमेश उसके पारिवारिक चाचा हैं।

उनकी पत्नी सेमऊ 20 जनवरी को अपनी पुत्री के साथ छत्तीसगढ़ सत्संग गई थीं और घर पर कोई नहीं था। इसके बाद वह अपने चारों साथियों के साथ देर रात घर में घुसा। उन्होंने अलमारी और बक्से का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात और 41 हजार रुपये चोरी कर लिए। पुलिस ने उन्हें चोरी के सामान का बंटवारा करते समय मौके से गिरफ्तार कर लिया।

अम्बिका प्रसाद संरक्षक, अजय कुमार जूनियर हाई स्कूल संघ जिलाध्यक्ष घोषित

बस्ती । बुधवार को उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल 'पूर्व माध्यमिक' शिक्षक संघ की बैठक जनपदीय महामंत्री इजहारुल हक अंसारी की पहल पर पूर्व माध्यमिक विद्यालय, गांधी नगर के परिसर में मण्डल अध्यक्ष कुलदीप सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में शिक्षकों की समस्याओं पर विचार विमर्श करने के साथ ही सर्व सम्मति से संघ के पदाधिकारी घोषित किये गये। अम्बिका प्रसाद पाण्डेय जिला संरक्षक, अजय कुमार पाल जिलाध्यक्ष घोषित किये गये। जिला संरक्षक अम्बिका प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि अजय कुमार पाल की अध्यक्षता में संगठन अपने नए मुकाम को प्राप्त करेगा। जिला अध्यक्ष अजय कुमार पाल ने कहा कि संगठन द्वारा उन्हें सौंपे गए दायित्व का वे पूर्ण निष्ठा एवं मनोयोग से निर्वहन करेंगे।बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश , जिला मंत्री इजहारुल हक अंसारी, जिला कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार जायसवाल, उमेश जी मौर्य, मनीष मिश्रा, दिनेश शुक्ल आदि उपस्थित रहे।

राज्य महिला आयोग के समक्ष 40 शिकायती पत्रों में 5 का निस्तारण

- महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं त्वरित न्याय हेतु सदर तहसील में हुई जनसुनवाई

अवधनामा ब्यूरो

पडरौना तहसील में महिला जनसुनवाई करती आयोग की सदस्या

कुशीनगर। उ.प्र. राज्य महिला आयोग द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने के उद्देश्य से महिला जनसुनवाई/निरीक्षण कार्यक्रम के तहत बुधवार को उ.प्र. राज्य महिला आयोग, लखनऊ की सदस्य जनक नन्दनी की अध्यक्षता में जनपद कुशीनगर की सदर तहसील पड़रौना में महिला उत्पीड़न की घटनाओं की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने हेतु महिला जनसुनवाई का आयोजन किया गया।

जनसुनवाई के दौरान अभिषेक मिश्र, तहसीलदार (राजस्व विभाग), राजेश कुमार, नायब तहसीलदार, डी.सी. त्रिपाठी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, ओमप्रकाश तिवारी, सुमन सिंह, मुकेश, नलिन सिंह (डीएमसी), रीता यादव (सेंटर मैनेजर), वंदना, राजू कुमार, सुनीता पाण्डेय सहित चाइल्ड हेल्पलाइन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे

सदस्य द्वारा राशन कार्ड, जननी सुरक्षा योजना, पुष्टाहार, पुलिस विभाग, आवास प्रकरण, बैंक आदि से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त प्रार्थना पत्रों में बाल पुष्टाहार-01, ग्राम विकास 02, राजस्व विभाग 09, पुलिस 10, राशन कार्ड-10, आवास प्रकरण 07 तथा बैंक प्रकरण 01 सहित कुल 40 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें से 05 प्रकरणों का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष प्रकरणों को संबंधित विभागों को प्रेषित करते हुए 07 दिवस के भीतर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

चोरी की एक पिकअप व तीन मोटरसाइकिल बरामद

बस्ती। कोतवाली, वाल्टरगंज एवं स्वाट टीम पुलिस की संयुक्त कार्यवाही कार्रवाई में वाहनों/व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान दिनांक आज हर्दिया चौराहा से लगभग दो सौ मीटर आगे मनौरी की तरफ से तीन लोगों को गिरफ्तार कर चोरी की पिकअप व तीन चोरी की मोटरसाइकिल, तथा एक मोटरसाइकिल के खुले हुए पुर्जे बरामद किया गया।

यह जानकारी देते हुए पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार शाकिर अली खान उर्फ राजू पुत्र अब्दुल अनवर खान सा0 लक्ष्मीनगरग्रन्ट थाना खोडारे जनपद गोण्डा, सुरेन्द्र वर्मा पुत्र रामपति वर्मा निवासी रमैया मरवटिया थाना हरैया जनपद बस्ती और संतराम वर्मा पुत्र वाल्मिकी निवासी हीरापुरवा कुर्दा थाना पैकोलिया जनपद बस्ती ने पूछताछ में बताया कि पिकअप को छपिया जनपद गोण्डा से चुराये थे। पिकअप का ढाला खोलवा कर देखा गया तो बाडी के अन्दर एक पल्सर मोटरसाइकिल , एक होन्डा शाईन मोटरसाइकिल , एक बिना नम्बर प्लेट हिरो स्लेण्डर, व एक मोटरसाइकिल के पुर्जे बरामद हुआ।

निपुण प्लस एप पर डायट प्रशिक्षुओं ने परखी छात्रों की दक्षता

अवधनामा, संवाददाता

- थर्ड पार्टी निपुण असेसमेंट, कक्षा एक-दो के छात्रों की हिंदी व गणित में किया आंकलन

सेवरही, कुशीनगर। दुदही विकास खंड के धर्मपुर न्याय पंचायत अंतर्गत कंपोजिट विद्यालय भगवानपुर में डायट के बीटीसी प्रशिक्षुओं द्वारा थर्ड पार्टी असेसमेंट के अंतर्गत कक्षा एक व दो में नामांकित छात्रों की निपुणता (दक्षता) का मूल्यांकन किया गया। यह गतिविधि प्राथमिक स्तर पर छात्रों की सीखने की स्थिति को समझने व शैक्षिक गुणवत्ता की समीक्षा के उद्देश्य से संपन्न हुई।

डायट से आई द्वितीय सेमेस्टर की प्रशिक्षु अलीशा गजल व नूर शाहीन ने बुधवार को विद्यालय के पोर्टल पर दर्ज कक्षा एक व दो के छात्रों की क्रमशः हिंदी व गणित विषय में परख की। मूल्यांकन के दौरान छात्रों की बुनियादी समझ, पढ़ने-लिखने की क्षमता व गणितीय अवधारणाओं की पकड़ को जांचा गया। थर्ड पार्टी असेसमेंट के तहत किए गए इस अभ्यास में छात्रों से मौखिक व लिखित दोनों स्तर पर प्रश्न पूछे गए। इससे यह स्पष्ट हुआ कि प्रारंभिक कक्षाओं में छात्रों की निपुणता का आकलन नियमित रूप से किए जाने से शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। प्रशिक्षुओं ने छात्रों के उत्तरों को निर्धारित मापदंडों के अनुसार दर्ज किया।

मांगो को लेकर सुभासपा ने बीडीओ सदर को सौंपा ज्ञापन

बस्ती। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी जिला कोषाध्यक्ष राजकुमार राजभर के नेतृत्व में पार्टी नेताओं और नागरिकों ने खण्ड विकास अधिकारी बस्ती सदर को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि ग्राम पंचायत मूडघाट के राजस्व गांव बड़ावन डमरूआ में सड़क निर्माण कराया जाय।ज्ञापन में कहा गया है कि ग्राम पंचायत मूडघाट के राजस्व गांव बड़ावन डमरूआ विकास की दृष्टि से काफी पिछड़ा है। यहां हरीश यादव के घर से श्यामू गौतम के घर तक और दिनेश राजभर के घर से रणजीत सिंह के घर तक इण्टर लांकिग, सी.सी. रोड, नाली निर्माण आवश्यक है।खण्ड विकास अधिकारी बस्ती सदर को ज्ञापन सौंपने के दौरान अर्जुन भारद्वाज, सहदेव, सितारा, मनीता, नीलम, मीरा देवी, बदामा, शर्मिला, शान्ती, कविता, मंजू देव, राजमती, कुसुम, इसरावती, सावित्री, सूरसती, सुदामा, गुलाबा आदि शामिल रहे।

सनराइज क्लब गोपालगंज ने जीती संजय कप फुटबाल प्रतियोगिता

- गोलरहित फाइनल के बाद पेनाल्टी शूटआउट में मेजबान बरवा राजापाकड़ को 5-4 से हराया
- संजय क्लब के सरताज मैन ऑफ द मैच, गोपालगंज के कमरुल होदा मैन ऑफ द सीरीज

अवधनामा, संवाददाता

विजेता टीम को पुरस्कार देते सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष मु. इलियास अंसारी

सेवरही, कुशीनगर। संजय क्लब के तत्वावधान में आयोजित 48वीं संजय कप आल इंडिया फुटबाल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला मंगलवार को बेहद रोमांचक रहा। निर्धारित समय व अतिरिक्त समय तक दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं, जिसके बाद खिताब का फैसला पेनाल्टी शूटआउट से हुआ। पेनाल्टी में सनराइज क्लब गोपालगंज बिहार ने मेजबान संजय स्पोर्टिंग क्लब बरवाराजापाकड़ को 5-4 से पराजित कर संजय कप पर कब्जा जमा लिया।

मैच के दौरान दोनों टीमों ने अनुशासित व आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन मजबूत रक्षापंक्ति के चलते कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। पेनाल्टी शूटआउट में गोपालगंज के खिलाड़ियों ने बेहतर संयम दिखाते हुए जीत सुनिश्चित की। संजय स्पोर्टिंग क्लब के सरताज को शानदार खेल के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया, जबकि पूरे टूर्नामेंट में निरंतर प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले गोपालगंज के कमरुल होदा को मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला। पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष मु. इलियास अंसारी ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं ग्रामीण अंचल के युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करती हैं व छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करती हैं। फाइनल मुकाबले में रेफरी की भूमिका खुरशेद आलम ने निभाई। लाइन मैन ज्ञानप्रकाश व प्रभात मिश्र रहे। उद्घोषणा प्रिंस शुक्ल, महमूद अंसारी व सोनू कुमार ने की। आयोजन समिति के अध्यक्ष व प्रधान प्रतिनिधि मुन्नीलाल प्रसाद सहित प्रधान अशोक पाल, प्रधान प्रतिनिधि सिकन्दर शर्मा, रामसकल यादव, डा. पवन सिंह, एडवोकेट धर्मवीर भारती, रुपेश यादव, विजय कुशवाहा, नंदकिशोर, भुआल, श्रीकांत, तालिम, चंदन, ज्ञानप्रकाश, रुपेश, ऐनुल्लह, श्यामानंद कुशवाहा, आलम, अनिल गुप्ता सहित बड़ी संख्या में खेलप्रेमी मौजूद रहे।

मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र कुमार की मां का निधन

अमेठी। अम्बेडकर कल्याण समिति के मीडिया प्रभारी और शिक्षक सुरेन्द्र कुमार की मां अब इस दुनिया में नहीं रहीं। शिक्षक को मातृशोक पर शिक्षकों और सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने गहरा दुःख व्यक्त किया है और भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। सुरेन्द्र कुमार बौद्ध प्राथमिक विद्यालय गुंगवाछ में ?तैनात हैं। सुरेन्द्र अम्बेडकर कल्याण समिति सहित कई सामाजिक संगठनों से जुड़े हैं और सोशल मीडिया पर हमेशा सक्रिय रहते हैं।बुधवार को दोपहर बाद उ मां भजना उर्फ बड़की के निधन की सूचना उन्होंने खुद सोशल मीडिया के माध्यम से दी। बामसेफ के जिला संयोजक संजीव भारती, बसपा जिलाध्यक्ष सुरेश कमल, बसपा नेता जितेन्द्र कुमार मिश्र, बसपा के विधानसभा अध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद, अम्बेडकर सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ उदय राज राव, वीरांगना झलकारी बाई चेतना समिति के अध्यक्ष संजय कुमार शास्त्री, अम्बेडकर कल्याण समिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार,भीम आर्मी के जिला उपाध्यक्ष मो इश्तियाक,राम चन्द्र बौद्ध, इन्द्र पाल गौतम, राम चन्द्र सरस, पवन कुमार गौतम,श्याम लाल, फूल चंद बौद्ध,त्रिभुवन दत्त,रामबली गौतम , प्रमोद कुमार एडवोकेट, ललित कुमार, डॉ नन्हे लाल, श्याम कुमार, कुल रोशन एडवोकेट, बृजेश जायसवाल,राम मिलन भारती,राजू बौद्ध,शोभासरन , राम कुमार,साधूराम बौद्ध , राकेश बौद्ध,राम प्रसाद , दयाराम गौतम , वंशराज, त्रिभुवन गौतम आदि ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों संग किया प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का भौतिक निरीक्षण

बस्ती। जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्सना व पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन द्वारा महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के जनपद में प्रस्तावित कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराने के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था हेतु कार्यक्रम स्थल का भौतिक निरीक्षण किया गया। अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था व पार्किंग व्यवस्था बनाए रखने एवं विभिन्न ड्यूटी प्वाइंट पर सुरक्षा हेतु ड्यूटी में लगाए जाने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। मौके पर मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकांत, अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान, मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती, पीआरओ पुलिस अधीक्षक बस्ती, प्र0नि0कोतवाली दिनेश कुमार चौधरी , अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

डॉ वी.के. वर्मा की सुपुत्री सुरभि वर्मा पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण कर बनी डाक्टर, मनाई खुशियां

बस्ती। होम्योपैथ के वरिष्ठ चिकित्सक जिला चिकित्सालय में आयुष चिकित्साधिकारी डा. वी.के. वर्मा की सुपुत्री डा. सुरभि वर्मा ने कजाकिस्तान से सेमी मेडिकल यूनिवर्सिटी से एम.बी.बी.एस. परीक्षा उत्'तीर्ण करने के बाद भारत में भी पात्रत्रा परीक्षा उत्तीर्ण कर लिया है। अति शीघ डा. सुरभि की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होगी। तब तक डा. सुरभि पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल गोटवा में अपनी सेवायें देंगी। बुधवार को एम.बी.बी.एस. परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद डा. सुरभि ने पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल गोटवा के चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों और मरीजों उनके परिजनों में फल, मिष्ठान्न वितरित कर खुशियों को साझा किया। कहा कि माता, पिता, परिजनों के पद चिन्हों पर चलकर वे एक चिकित्सक के रूप में मरीजों के बेहतर इलाज की दिशा में योगदान देंगी। डा. सुरभि की सफलता पर पिता डा. वी.के. वर्मा, माता राजेश्वरी वर्मा, भाई डा. आलोक रंजन, डा. आर.एन. चौधरी, के साथ ही चन्दा सिंह, ई. रघुनाथ पटेल, अयांश पटेल, श्रेयांश पटेल, आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

आउट आफ स्कूल बच्चों को पढ़ाने घर -घर जायेंगे टीचर

अमेठी। ब्लाक संसाधन केंद्र भादर में आउट आफ स्कूल बच्चों की शिक्षा के सम्बन्ध में शिक्षक शिक्षिकाओं का तीन दिवसीय प्रशिक्षण बुधवार को शुरू हुआ। खंड शिक्षा अधिकारी शिव कुमार यादव ने प्रशिक्षण का उद्घाटन किया। प्रशिक्षण में स्कूल न आने वाले बच्चों और स्कूल में नामांकित 45दिन या इससे अधिक अनुपस्थित बच्चों को प्राथमिक शिक्षा की मुख्य धारा में जोड़ने और सर्वशिक्षा का लक्ष्य हासिल करने के लिए शिक्षक, शिक्षिकाओं को शिक्षण के तरीकों के बारे में जानकारी दी जा रही है।

प्रशिक्षक सी बी तिवारी ने बताया कि 6से14वर्ष आयु के सभी बच्चों को अनिवार्य और निशुल्क शिक्षा के लिए सरकार कृत संकल्प है।आज भी बड़ी संख्या में गरीबी और अन्य घरेलू कारणों से तमाम बच्चे बीच में ही स्कूल छोड़ जाते हैं, कुछ बच्चे बचपन से ही बाल मजदूरी करने के कारण स्कूल में नामांकित नहीं है। ऐसे बच्चों को पढ़ाने और उनके कौशल और ज्ञान में विकास को सरकार ने शारदा कार्यक्रम शुरू किया है।

कुशीनगर में एक ही थाने पर दो वर्ष से जमे 50 उप निरीक्षकों का स्थानांतरण

अवधनामा ब्यूरो, कुशीनगर। जिले में कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की गरज से एसपी केशव कुमार ने बीती रात दो वर्ष से एक ही थाने पर जमे 50 उप निरीक्षकों के कार्य क्षेत्र में बदलाव कर दिया। एसपी द्वारा इतने बड़े पैमाने पर स्थानांतरण के बाद महकमे में हड़कंप मच गया। बता दें कि पुलिस विभाग में हाल ही में बड़े पैमाने पर तबादले किए गए थे। मंगलवार की रात एसपी ने 50 उप निरीक्षकों (एसआई) के कार्य क्षेत्र में बदलाव कर दिया है। ये सभी उप निरीक्षक दो साल से एक ही थाने में तैनात थे। एसपी केशव कुमार ने कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से यह स्थानांतरण किया है।

घने कोहरे और कड़ाके की ठंड में ठिठुरते हुए स्कूल पहुंचे बच्चे

अमेठी । पिछले तीन दिनों से मौसम का रंग बदल गया है। घने कोहरे और कड़ाके की ठंड के बीच परिषदीय विद्यालयों के बच्चे कांपते हुए स्कूल पहुंचे। बुधवार की सुबह खराब मौसम के बीच यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा। चार पहिया वाहन चालकों के साथ मोटरसाइकिल चालक हेडलाइट जला सफर तय करते देखे गए। घने कोहरे के बीच ठंड हवाएं चलती रहीं। दोपहर बाद धूप निकलने से लोग ठंड से राहत महसूस किया। ठंड का असर इतना था कि बच्चे, बुजुर्ग और अन्य लोग रजाई में दुबके रहे। मजदूर वर्ग कड़ाके की ठंड के बावजूद काम की तलाश में घरों से बाहर निकल गया। परिषदीय विद्यालय सुबह नौ बजे से खुल रहे हैं। कई छात्राएं ठंड से कांपते हुए स्कूल पहुंचीं, जबकि कुछ बच्चों ने स्वेटर भी नहीं पहने थे। सबसे चिंताजनक स्थिति उन गरीब बच्चों की है, जिन्हें स्वेटर के लिए पैसे नहीं मिले हैं और उनके माता-पिता ऊनी कपड़े खरीदने में असमर्थ हैं।

दुष्कर्म के आरोपी को 25 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा

कुशीनगर। न्यायालय विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट कोर्ट नंबर एक की अदालत ने दुष्कर्म के एक आरोपित को 25 वर्ष का बामशक्त का सजा सुनाई है। इसके साथ ही 3.10 लाख रुपए अर्थदंड से दंडित भी किया है।

बता दें कि अहिरौली बाजार थाने पर पंजीकृत मु0अ0सं0 194/2020 धारा 376, 506 भादवि0 व 5/6 पॉक्सो एक्ट में दोषी अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय पुलिस व मॉनिटरिंग सेल के द्वारा प्रभावी पैरवी किया गया, जिसके फलस्वरुप न्यायालय द्वारा बुधवार को अभियुक्त हिरदेश कुमार पुत्र रामवृक्ष निवासी सखौली थाना अहिरौली बाजार जनपद कुशीनगर के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाकर अपराध सिद्ध करते हुए उपरोक्त अभियुक्त को 25 वर्ष का सश्रम कारावास एवं कुल 3,10,000 रु. अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अभियुक्त को सजा दिलाने में विवेचक उ.नि. अनिल कुमार, एसपीपी फूल बदन व अजय गुप्ता (न्यायालय विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट कोर्ट नं0- 01 जनपद कुशीनगर), थानाध्यक्ष अहिरौली बाजार प्रविन्द राय, पैरोकार सुजीत यादव का सराहनीय योगदान रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अनुदेशकों ने किया स्वागत, एक दूसरे को दी बधाई

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट के आदेश आने के बाद अनुदेशकों में खुशी की लहर दौड़ी। एक दूसरे को फोन पर बधाई का क्रम देर शाम तक चलता रहा।

पूर्व माध्यमिक अनुदेशक कल्याण समिति के जिला अध्यक्ष राम जी यादव के साथ उमेश त्रिपाठी बृजेंद्र यादव ,ललित कुमार ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत करते बधाई दी है।

जिलाध्यक्ष रामजी यादव ने कहा सुप्रीम कोर्ट के आदेश से प्रदेश के 28 हजार से अधिक अनुदेशकों के चेहरे खिल उठे हैं। उन्होंने सूबे के मुख्यमंत्री जी से आदेश का अनुपालन कराने का अनुरोध किया है। राजेश चौधरी, प्रमोद मौर्य, उमेश तिवारी, बृजेंद्र यादव, मोहन लाल,अशोक यादव, ममता सिंह, साधना मिश्रा, बबिता सिंह,अल्कमा कौशर, शबनम ,सरोज सिंह,सर्वेश कृष्ण यादव, प्रेरणा सिंह,जय कृष्ण मिश्र, अभय राज, उमेश यादव,सीमा सिंह, सुमन, अखिलेश यादव, रामनारायण वर्मा, सुनील पंकज सिंह, कौशलेंद्र सिंह, राजेश कुमार, दीपक कुमार, शंशाक शेखर, परवेज आदि ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश स्वागत करते हुए एक दूसरे को बधाई दी है।

अवधनामा

यूनाइटेड फॉर यूनीक की थीम पर मना विश्व कैंसर दिवस

■ गोष्ठी, स्क्रीनिंग शिविर के साथ संचालित हुआ हस्ताक्षर अभियान

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय सभागार में यूनाइटेड फॉर यूनीक की थीम पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार की अध्यक्षता में गोष्ठी, स्क्रीनिंग शिविर तथा हस्ताक्षर अभियान संचालित किया गया। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए सीएकओ डॉ. कुमार ने कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी की रोकथाम, समय पर पहचान, सही इलाज और इससे जुड़ी गलतफहमियों को दूर करने के उद्देश्य से ही यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कैंसर से बचाव के लिए स्वस्थ जीवनशैली, नियमित जांच और मादक पदार्थों की रोकथाम बहुत ज़रूरी है ताकि इस बीमारी से होने वाली मौतों को कम किया जा सके और जीवन बचाया जा सके।

सीएमओ ने कहा कि शरीर में कोशिकाओं के समूह की अनियंत्रित वृद्धि कैंसर है। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में फैल जाता है। कैंसर किसी भी उम्र में हो सकता है। लेकिन यदि कैंसर का सही समय पर पता ना लगाया गया और उसका उपचार ना हो तो इससे मौत का जोखिम बढ़ सकता है। उन्होंने बताया कि कैंसर जैसे रोग के प्रति लोगों में जनजागरूकता के उद्देश्य से समस्त स्वास्थ्य इकाइयों पर विश्व कैंसर दिवस से सम्बन्धित कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं साथ ही जिला चिकित्सालय सहित सभी पीएचसी/सीएचसी पर निशुल्क स्क्रीनिंग शिविर भी लगाए गए हैं।

एनसीडी कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप मिश्रा ने कहा कि आजकल फल और सब्जियों में बेतहाशा पेस्टिसाइड का इस्तेमाल हो रहा है। पीने का पानी भी पूरी तरह शुद्ध नहीं है। जिसका सीधा असर शरीर पर पड़ रहा है। पहले कैंसर बुजुर्गों की बीमारी मानी जाती थी, लेकिन अब युवा और मध्यम आयु वर्ग तेजी से इसकी चपेट में आ रहा है। मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. विजित जायसवाल ने कहा कि हम सभी जानते ही हैं कि हमारे शरीर में कई प्रकार की कोशिकाएं होती है लेकिन जब ये कोशिकाएं बढ़ जाती हैं और अनियन्त्रित हो जाती हैं एवं शरीर के हिस्सों को काम करने में दिक्कत देती है और उन हिस्सों पर कोशिकाओं का गुच्छा सौम्य गाँठ या ट्यूमर बन जाता है और बढ़ता रहता है इस अवस्था को ही कैन्सर कहते हैं और यह शरीर के किसी भी हिस्से में हो सकता है।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे कैंसर विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. परितोष तिवारी ने कहा कि लोगों को कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी के बारें में अवगत कराने के लिए विश्व कैन्सर दिवस हर वर्ष 4 फरवरी को मनाया जाता है। ताकि लोगों को कैंसर के होने वाले नुकसान के बारे में बताया जा सकें और लोगों को अधिक से अधिक जागरूक किया जा सकें। उन्होंने कहा कि कैंसर के सौ से भी अधिक रूप है। जैसे- स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, ब्रेन कैंसर, बोन कैंसर, ब्लैडर कैंसर, पेंक्रियाटिक कैंसर, प्रोस्टेट कैंसर, गर्भाशय कैंसर, किडनी कैंसर, लंग कैंसर, त्वचा कैंसर, स्टमक कैंसर, थायरॉड कैंसर, मुंह का कैंसर, गले का कैंसर इत्यादि।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, जैतीपुर का निरीक्षण

शाहजहांपुर। जनपद में बुधवार को मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत क्षेत्राधिकारी तिलहर द्वारा थाना जैतीपुर पुलिस के साथ थाना जैतीपुर क्षेत्रान्तर्गत स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की मैस व्यवस्था का निरीक्षण, साफ सफाई की स्थिति चैक की गई तथा विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं से संवाद स्थापित किया गया। इसके साथ ही शिक्षकों से भी वार्ता कर विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं छात्राओं की सुरक्षा से संबंधित जानकारी प्राप्त की गई। उक्त अवसर पर छात्राओं को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न महिला एवं बाल सुरक्षा हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई तथा उन्हें किसी भी आपात स्थिति में निर्भीक होकर सहायता प्राप्त करने हेतु जागरूक किया गया। पुलिस द्वारा छात्राओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने एवं किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया।

कारागार में निरुद्ध बच्चों की देखभाल योजना की चार सदस्यीय टीम ने की समीक्षा

अवधनामा संवाददाता

शाहजहांपुर। जिला कारागार शाहजहांपुर में बुधवार उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेशों के अनुपालन में जिला कारागार में 0-6 वर्षीय बच्चों की देखभाल योजना की समीक्षा की गई उच्च न्यायालय इलाहाबाद में योजित क्रिमिन मिसलेनियस जमानत याचिका संख्या 25953/2024 (श्रीमती रेखा बनाम उत्तर प्रदेश राज्य), आदेश दिनांक 20/01/2025 एवं जमानत प्रार्थना पत्र संख्या 11262/2025 (श्रीमती संतोष बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य), आदेश दिनांक 16/04/2025 में पारित आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु चार सदस्यीय समिति गठित की गई थी समिति द्वारा बुधवार को जिला कारागार शाहजहांपुर का निरीक्षण किया गया इस गठित समिति में राम औतार त्रिपाठी, मुनीश कुमार सिंह, परिहार सदस्यगण ,न्यायपीठ, बाल कल्याण समिति (प्रदत्त शक्तियां-प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट), तथा जिला बाल संरक्षण इकाई से प्रतिभा मिश्रा परामर्शदाता, सुप्रिया, अवस्थी सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा जिला कारागार में निरुद्ध विचाराधीन तथा सिद्ध दोष महिला बंदियों के साथ रह रहे 0 से 6 वर्ष तक के 4 बच्चों (जो अपने संरक्षक/माता-पिता के साथ हैं) की व्यक्तिगत देखभाल योजना की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण, शिक्षा, पोषण, संरक्षण, मनोरंजन तथा समग्र विकास संबंधी जानकारी प्राप्त की गई। समिति ने बच्चों की देखभाल सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक सुझाव दिए। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक जितेंद्र प्रताप तिवारी प्रभारी जेलर अनिल विश्वकर्मा डिप्टी जेलर पूनम तिवारी डिप्टी जेलर राघवेंद्र सिंह डिप्टी जेलर कृष्ण कुमार पांडेय जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी निकेत कुमार सिंह AHTU से आरक्षी अंकित कुमार आदि उपस्थित रहे। जेल अधीक्षक श्री जितेंद्र प्रताप तिवारी द्वारा उच्च न्यायालय इलाहाबाद के अनुपालन में गठित समिति को बुके देकर सम्मानित किया गया।

पुलिस ने चलाया अभियान, साइबर अपराध से कैसे बचें

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के दिशानिर्देश में बढ़ते साइबर क्राइम से शिवगढ़ थानाक्षेत्र में साइबर अपराध से आम जनता को बचाने के लिए प्रभारी थानाध्यक्ष चंद्रभान वर्मा के नेतृत्व में आम जनमानस को साइबर फ्रॉड से कैसे बचा जाए इसके लिए वृहद स्तर पर जन-जागरण अभियान चलाकर जागरूक किया। खासकर महिलाओं से थानाध्यक्ष चंद्रभान वर्मा ने साइबर फ्रॉड से सजग कैसे रहा जाए, इसके लिए उन्हें टिप्स देते हुए बताया की। साइबर फ्रॉड करने वालों का टार्गेट अधिकतर महिलाए होती है, तरह-तरह के प्रलोभन व भय दिखाकर आपके बैंक खाते खाली कर लेते है,आप ऐसी काल आने पर घबराए नही,ऐसी किसी भी काल पर अपनी कोई भी जानकारी साझा न करें, जिससे आपको आर्थिक क्षति उठानी पड़े। थानाध्यक्ष चंद्रभान वर्मा ने उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहाकि आपलोग अपराध व अपराधी गतिविधियों की जानकारी पुलिस से साझा करे, आपकी पहचान गुप्त रखी जाएगी, किसी भी समय आप मित्र पुलिस से संपर्क कर सकते है। थानाध्यक्ष चंद्रभान वर्मा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के आदेश व अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी के निर्देशानुसार शिवगढ़ पुलिस अपराध और अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में सफल हो रही है।

शिकायतों के निस्तारण हेतु बैठक कल

फिरोजाबाद। शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों में ई-डिस्ट्रिक पोर्टल के माध्यम से सेवाओं एवं जन सुनवाई समाधान प्रणाली (आई0जी0आर0एस0) के अन्तर्गत प्राप्त जन समस्याओं-शिकायतों का, लोक शिकायत आईजीआरएस-तहसील स्तरीय, लोक शिकायत आईजीआरएस-जनपद स्तरीय, आईजीआरएस सन्दर्भो की स्थिति (मुख्यमंत्री सन्दर्भ, पी0जी0 पोर्टल ऑन लाइन एवं मा0 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन) प्राप्त शिकायतों के विवरण के साथ-साथ 05 दिन पहले डिफाल्टर होने वाले लम्बित शिकायतों का तत्काल नियमानुसार गुणवत्तापूर्ण निस्तारण आख्या पोर्टल पर अपलोड किये जाने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 06.02.2026 दिन शुकवार को प्रातः 12 बजे समीक्षा बैठक कलैक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जायेगी। उक्त के सम्बन्ध में जनपद के समस्त सम्बन्धित अधिकारियों से अपेक्षा है कि वह नियत को समयानुसार 05 दिन पहले डिफाल्टर होने वाली समस्त शिकायतों का निस्तारण करते-कराते हुये उक्त बैठक में निम्नवत सूचनाओं सहित प्रत्येक दशा में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करेंगे।

असम, मुंबई और बंगाल से जुड़े साइबर ठग गिरफ्तार, 85 लाख की ठगी का खुलासा

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। जनपद में साइबर ठगी के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए साइबर क्राइम पुलिस ने असम, मुंबई और पश्चिम बंगाल से जुड़े सात अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने एक ही मोडस ऑपरेंडी अपनाकर अलग-अलग राज्यों में लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की। मामले का खुलासा पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह ने किया।प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार सिंह (साइबर टीम) ने बताया कि विवेचना के दौरान जानकारी हुई कि इसी तरीके से अमेठी निवासी अभिषेक सिंह से करीब 85 लाख रुपये की ठगी की गई थी। इस संबंध में थाना साइबर क्राइम, अमेठी में मुकदमा दर्ज है। वहीं, लखनऊ निवासी अवनीश सिंह से लगभग 1 करोड़ 85 लाख रुपये की ठगी किए जाने का भी मामला सामने आया,जिसका मुकदमा लखनऊ कमिश्नरेट के साइबर क्राइम थाने में पंजीकृत है। जांच में यह भी पाया गया कि पीड़ित भास्कर पाण्डेय के खाते से 4.92 लाख रुपये एक निजी बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए थे।केवाईसी जांच में यह खाता असम के हाजो थाना क्षेत्र से जुड़े दो व्यक्तियों के नाम पर पाया गया।पुलिस टीम ने 28 जनवरी को असम जाकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि पैसों के लालच में उन्होंने अपने बैंक खाते ठगी गिरोह को उपलब्ध कराए थे।आगे की जांच में खुलासा हुआ कि गिरोह क्लोनिंग एप के जरिए फर्जी निवेश कंपनी बनाकर लोगों को मुनाफे का लालच देता था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम ने मुंबई से तीन अन्य अभियुक्तों को पूछताछ के लिए सुल्तानपुर लाया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे गिरोह के सरगनाओं को बैंक खाते, चेकबुक, एटीएम कार्ड और सिम उपलब्ध कराते थे, बदले में उन्हें कमीशन दिया जाता था। एसपी ने बताया कि आरोपियों के बैंक खातों की जांच में करोड़ों रुपये के लेन-देन का पता चला है। कार्रवाई के दौरान कई मोबाइल फोन,चेकबुक और एटीएम कार्ड के साथ-साथ 333 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वाले ऑनलाइन खाते फ्रीज किए गए हैं। इसके अलावा करोड़ों रुपये मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े खाते भी सामने आए हैं। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है और मामले में आगे की कार्रवाई प्रचलित है।

समाज कल्याण अधिकारी की संपत्ति होगी कुर्क आदेश पारित

शाहजहांपुर (अवधनामा संवाददाता) जनपद में जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप द्वारा बुधवार को उ0प्र0 गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी किय्राकलाप निवारण अधिनियम की धारा 14 (1) पारित आदेश के अंतर्गत जनपद में वर्ष जून 2023 में हुये वृद्धावस्था पेशन घोटाला के गैंग लीडर राजेश कुमार, तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी जनपद शाहजहाँपुर की चल/अचल सम्पत्तियों जिनकी कुल अनुमानित कीमत रू0 4,49,24,948-00 (रु0 चार करोड़ उनचास लाख चौबिस हजार नौ सौ अडतालिस) को उ0प्र0गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी किया कलाप निवारण अधिधिनियम की धारा 14 (1) के अन्तर्गत कुर्क किये जाने का आदेश पारित किया गया है। कुर्क की गयी सम्पत्तियों में 1 महिन्द्रा एक्सयू0वी0 कार, एक महिन्द्रा बोलेरो कार, (वाहन स्वामी राजेश कुमार) एवं एक होण्डा कार इलीवेट जेडएक्स (उसके पुत्र के नाम) व अचल सम्पत्तियों ग्राम अटरिया तहसील सिंधौली जनपद सीतापुर में स्थित कृषि भूमि (राजेश कुमार के नाम), तथा उसकी पत्नी श्रीमती मंगीता सिंह के नाम ग्राम पारा रिंग रोड लखनऊ स्थित एक 120.817 वर्गमीटर निर्मित भवन एवं ग्राम सरोसा भरोसा परगना काकोरी जनपद लखनऊ स्थित एक गेस्ट हाउस को कुर्क किया गया है।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बंधित सूचना।

एडमिन यूनिट / जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल–वाणिज्य / उ0रे0
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	14216-SLR-F2-LKO-PYGS-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	31.01.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	17.02.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	17.02.2026 at 11:30 hrs.
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	14210-SLR-F1-LKO-PYGS-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	31.01.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	17.02.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	17.02.2026 at 11:40 hrs.
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	24204-SLR-R1-LKO-BSB-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	31.01.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	17.02.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	17.02.2026 at 11:50 hrs.
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	14262-SLR-F2-LKO-GAYA-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	31.01.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	17.02.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	17.02.2026 at 12:00 hrs.
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	14216-SLR-R1-LKO-PYGS-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	31.01.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	17.02.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	17.02.2026 at 12:10 hrs.
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	12231-SLR-R1-LKO-CDG-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	31.01.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	17.02.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	17.02.2026 at 12:20 hrs.
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	14216-SLR-F1-LKO-PYGS-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	31.01.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	17.02.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	17.02.2026 at 12:30 hrs.
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	19402-SLR-F1-LKO-SBIB-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	31.01.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	17.02.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	17.02.2026 at 12:40 hrs.
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	24204-SLR-F1-LKO-BSB-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	31.01.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	17.02.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	17.02.2026 at 12:50 hrs.
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	24204-SLR-F2-LKO-BSB-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	31.01.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	17.02.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	17.02.2026 at 13:00 hrs.
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

No.: C/SLR Leasing contract-2019/KS Date:- 03.02.2026 376/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

वाद-विवाद प्रतियोगिता में मुस्कान-तमन्ना प्रथम व द्वितीय स्थान पर रहीं

अवधनामा संवाददाता

शिकोहाबाद। बीडीएम गर्ल्स डिग्री कॉलेज में मंगलवार को महाविद्यालय की प्राचार्या की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना की वालंटियर्स के बीच वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय आधुनिक समाज में कृत्रिम बुद्धि में अवसर और चुनौतियां विषय रहा। जिसमें प्रथम स्थान मुस्कान और द्वितीय स्थान तमन्ना ने प्राप्त किया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. गीता यादवेन्दु एवं राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी प्रथम इकाई डॉ माया गुप्ता एवं द्वितीय इकाई डॉ. नम्रता प्रसाद ने मां शारदे के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया। जिसका विषय आधुनिक समाज में कृत्रिम बुद्धि में अवसर और चुनौतियॉ विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निर्णायक मण्डल के रूप में समाजशास्त्र विभाग से सहायक प्रोफेसर पिंकी एवं अर्थशास्त्र विभागाध्यक्षा सोनिका ने निर्णय दिये। जिसमें पक्ष में प्रथम मुस्कान, द्वितीय स्थान तमन्ना, एवं तृतीय रौनक पाठक ने प्राप्त किया। जबकि विपक्ष में प्रथम अंशिका चौहान, द्वितीय अंशिका जैन, एवं तृतीय स्थान सारिका ने प्राप्त किया।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या ने कहा कि तकनीकी विकास ने हमेशा ही मानव इतिहास में बदलाव किये हैं, फिर भी कोई भी मशीन मनुष्य का स्थान नही ले सकता है। यह बदलाव समाज में संघर्ष को बढ़ावा देगा परन्तु नवीन नवाचारों को भी जन्म देगा। जो हमारे समाज के लिए सकारात्मक होगा। जॉन मैकार्थी जिन्हें कृत्रिम बुद्धि का जनक कहा जाता है। परन्तु वर्तमान समाज में प्रभाव मशीनों तक सीमित नही है, बल्कि यह मानव व्यवहार, सामाजिक सम्बन्ध और सत्ता संरचनाओं तक को प्रभावित कर रहा है। आज हम (कृत्रिम बुद्धि) के युग में जी रहे हैं। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता सोनिका ने कहा कि एक बार नेल्सन मंडेला ने कहा था कि 'शिक्षा एक शक्तिशाली हथियार है, जिसके द्वारा विश्व को बदला जा सकता है। उन्होंने इसके इतिहास, प्रकार, आर्थिक विकास में योगदान एंव भविष्य में उसके अवसरों के बारे में सविस्तार चर्चा की। असि प्रो.पिंकी ने भी विचार रखे। कार्यक्रम में सभी शिक्षिकायें एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

मतदाता सूची से छेड़छाड़ पर आज कांग्रेस का आंदोलन

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। भाजपा सरकार और उसके इशारे पर काम कर रहा प्रशासन अब मताधिकार छीनने की खुली साजिश पर उतर आया है। एसआईआर के नाम पर जीवित, वैध और पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे जा रहे हैं, जो लोकतंत्र पर सीधा हमला है। इसी जनविरोधी, लोकतंत्र विरोधी और संविधान कुचलने वाली कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा के नेतृत्व में आज बृहस्पतिवार को जिला मुख्यालय पर ऐतिहासिक और विशाल जन आंदोलन किया जाएगा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा का आरोप है कि भाजपा को आगामी चुनाव में हार के डर से चुनाव जीतने के लिए प्रशासनिक मशीनरी का दुरुपयोग कर रही है। खासकर अल्पसंख्यकों, दलितों और पिछड़ों के वोट काटकर सत्ता में बने रहने की साजिश रची जा रही है। यह न तो चुनाव सुधार है और न ही प्रशासनिक प्रक्रिया यह लोकतंत्र की जड़ों पर हमला है। श्री राणा ने दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि अगर एसआईआर के नाम पर वोट काटने का यह षड्यंत्र तत्काल बंद नहीं हुआ, तो पार्टी आंदोलन को और तेज करेगी। मतदाता सूची से छेड़छाड़ करने वालों को बेनकाब किया जाएगा और इसकी कीमत सरकार को चुकानी पड़ेगी। जिलाध्यक्ष ने साफ ऐलान किया है कि यह आंदोलन किसी एक दिन का नहीं बल्कि लोकतंत्र बचाने की निर्णायक लड़ाई है। जिला प्रशासन अगर जनता की आवाज़ को दबाने की कोशिश करेगा तो कांग्रेस कार्यकर्ता हर कुर्बानी देने को तैयार हैं। कल जिला मुख्यालय पर होने वाले इस आंदोलन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और आम नागरिक पहुंचकर भाजपा सरकार की तानाशाही नीतियों के खिलाफ हुंकार भरेंगे।

सूचना

सुधीर कुमार पुत्र स्व0 बाबु राम उम्र क़रीब 50 वर्ष नि0 ग्राम हसनपुर भलस्वा प0 हरोड़ा, तह0 व ज़िला सहारनपुर ने अपने पुत्र विशाल कुमार आयु 23 वर्ष को गलत संगत, बुरे आचरण व खराब आदतों के कारण अपनी कुल चल अचल संपत्ति से बे दख़ल कर सभी संबंध विच्छेद कर लिये हैं भविष्य में अपने कृत्यों हेतु विशाल कुमार खुद ज़िम्मेदार होगा।

सुधीर कुमार

बेदखली सूचना

मैं उमाशंकर अवस्थी पुत्र जगत नरायन अवस्थी निवासी मोहल्ला ब्राह्मणीपुरा थाना दरगाह शरीफ जनपद बहराइच सर्वसाधारण को सूचित करना चाहता हूं कि मेरा पुत्र प्रभात कुमार अवस्थी उर्फ मनीष काफी जाल-फरेबी एवं आपराधिक किस्म का व्यक्ति है। नशे का भी आदी है। उसके कार्य व्यवहार से परिवार भयभीत रहता है। इससे परेशान होकर मैं अपने पुत्र को अपने होशो-हवास व इच्छा से अपनी सारी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर रहा हूं। इस गजट के प्रकाशन के बाद उसके किसी भी तरह के कृत्य से मेरा व मेरे परिवार का कोई लेना-देना नहीं रहेगा।

समस्याओं का शीघ्र निस्तारण किया जाए

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी रमेश रंजन के निर्देशन में आज कलक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) विशू राजा की अध्यक्षता में जिला सैनिक बन्धु की बैठक का आयोजन किया गया, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास, अधिकारी, फिरोजाबाद द्वारा सभी पूर्व सैनिकों का अभिवादन व स्वागत किया गया, और उन्हे कल्याणकारी योजनों के बारे में जानकारी दी गयी पूर्व सैनिकों की समस्याओं को अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) द्वारा सुना गया और निस्तारण हेतु निर्देशित किया। अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) ने पूर्व सैनिकों द्वारा की गई देश की सेवा की भूरी-2 प्रशंसा की और सेवा हेतु आभार व्यक्त किया, तत्पश्चात अवगत कराया गया कि भविष्य में भी पूर्व सैनिकों व वीर नारी एवं उनके आश्रितों की समस्यासें संज्ञान में आती है तो उनको त्वरित गति से निस्तारण किया जाये।

आलाकत्ल सहित पिता गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। थाना मक्खनपुर पुलिस टीम द्वारा घर के अंदर निर्मम तरीके से अपने बेटे मयंक की हत्या करने वाले अभियुक्त पिता राजेश को आलाकत्ल (एक हंसिया) सहित गिरफ्तार किया गया। पिता राजेश द्वारा ही अपने बेटे मयंक की हंसिया से वार कर हत्या कर दी गयी। हत्या के बाद पिता राजेश मौके से फरार हो गया। जनपद फिरोजाबाद के थाना मक्खनपुर क्षेत्रान्तर्गत 02-02-2026 को थाना मक्खनपुर क्षेत्रान्तर्गत सब्जी मंडी से श्रीराम ग्लास फैक्ट्री की तरफ जाने वाले रास्ते में स्थित प्रथम मकान में हत्या के सम्बन्ध में सूचना प्राप्त हुई। पुलिस टीम द्वारा घर के अन्दर जाकर देखा तो खून पड़ा हुआ था। पुलिस टीम द्वारा खोजबीन की गयी तो बच्चे का शव एक बक्शे में मिला। उच्चाधिकारियों द्वारा फील्ड यूनिट टीम घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। मामले में मृतक बच्चे मयंक की माता उर्मिला की तहरीर के आधार पर थाना मक्खनपुर पर मु0अ0सं0 31/26 धारा 61(2)/238/ 103(1) बीएनएस पंजीकृत किया गया। घर से मृतक का पिता फरार था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी शिकोहाबाद के नेतृत्व में वाँछित अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु 04 पुलिस टीमों का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा थाना मक्खनपुर पर मु0अ0सं0 31/26 धारा 61(2)/238/ 103 (1) बीएनएस में वांछित चल रहे अभियुक्त राजेश कुमार पुत्र रामकिशन निवासी जिजौली कस्बा व थाना मक्खनपुर जनपद फिरोजाबाद उम्र करीब 44 वर्ष को गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्त राजेश उपरोक्त की निशांदेही से काँच फैक्ट्री से स्टेशन की तरफ जाने वाले कच्चे रास्ते पर सरसो के खेत से घटना में प्रयुक्त आला कत्ल (एक अदद हंसिया) की बरामदगी की गई। अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष चमन कुमार शर्मा, म0उ0नि0 राखी, है0का0 861 अशोक कुन्तल, है0का0 791 मनोज गौतम, का0 चालक श्यामवीर सिंह, है0का0 335 शिवकुमार थाना मक्खनपुर जनपद फिरोजाबाद एवं का0 275 भूपेन्द्र चौधरी सर्विलांस सेल जनपद फिरोजाबाद सम्मिलित रहे।

कार्यालय नगर निगम, शाहजहाँपुर

पत्राँकः- 645/पी0आर0ओ0/ज0क0वि0/न0नि0-शाह0/2025-26 दिनांक : 04-02-2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

राज्य वित्त आयोग अन्तर्गत प्राप्त स्वीकृति के अनुपालन में नगर निगम, शाहजहाँपुर के जलकल विभाग में वार्ड सं0-60 मो0 गढ़ी गाड़ीपुरा में 130 मीटर पाइप लाइन विस्तार कार्य हेतु अनुभवी एवं पंजीकृत/अपंजीकृत फर्मो/ठेकेदारों से द्वितीयबार दिनांक-18.02.26 को 3:00 बजे तक अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं, जो तद्‌दिनांक 04:00 बजे खोली जायेंगी। ई-निविदा प्रणाली की समस्त कार्यवाही वेवसाइट www.etender.up.nic.in पर की जायेगी। कार्यो का निविदा शुल्क नगर निगम, शाहजहाँपुर के बैंक खाता सं0-50200017927485, IFSC कोड-HDFC0000869 एच0डी0एफ0सी0 बैंक, शाहजहाँपुर में तथा कार्य की ज़मानत धनराशि नगर निगम के बैंक खाता सं0-50265293184 IFSC कोड-IDIB000C632 इंडियन बैंक, गोविन्दगंज, शाहजहाँपुर में जमा कराने उपरान्त मूल प्रति ई-निविदा के साथ अपलोड करनी होगी। 01 अथवा समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा।

नगर आयुक्त

एस.एम.जी.आई. के बी.सी.ए. में मोहिनी और अंशिका बनी कॉलेज टॉपर

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। सर मदनलाल ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स के अन्तर्गत संचालित विवेकानन्द इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलॉजी (सम्बद्ध सी.एस.जे.एम.यू.कानपुर) में अध्ययनरत् बी.सी.ए.के प्रथम, तृतीय, पंचम् सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने एक बार फिर अपने शानदार परीक्षा परिणाम से अपनी श्रेष्ठता साबित की है। संस्था के डायरेक्टर डा. उमा शंकर शर्मा एवं प्राचार्य ने बताया कि हर वर्ष की तरह ही सी.एस.जे.एम.यू. कानपुर द्वारा घोषित बी.सी.ए.के प्रथम, तृतीय, पंचम् सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम इस बार भी शतप्रतिशत रहा है। बी.सी.ए.प्रथम सेमेस्टर में आलोक कुमार ने 78.83 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम, तनिष्का टन्डन ने 78.16 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय, छाया ने 75.33 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

बी.सी.ए.तृतीय सेमेस्टर में मोहिनी ने 78 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम, भूमि पाल ने 77.66 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय, धैर्य अग्रवाल ने 73.66 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया है। बी.सी.ए.पंचम् सेमेस्टर में अंषिका राजावत् ने 76.16 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम, मोहसिन खान ने 75 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय, दिव्या शर्मा, गुनगुन जैन, रवीन्द्र बाबू, तान्या यादव ने 74 प्रतिशत अंकों के साथ सामूहिक रुप से तृतीय स्थान प्राप्त किया है। सर मदनलाल ग्रुप के चेयरमैन डा.विवेक यादव ने संस्थान के छात्रों के इस शानदार परीक्षा परिणाम के लिए संस्था के डायरेक्टर डा. उमाशंकर शर्मा एवं इन्स्टीट्यूट के प्राचार्य, विभागाध्यक्षा श्रीमती नीतू सक्सेना सहित समस्त स्टाफ को बधाई देते हुए सभी छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की जिला एवं शहर महिला इकाई का हुआ विस्तार

इटावा। एसडी फील्ड स्थिति उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल जिला एवं शहर महिला इकाई का विस्तार नवनियुक्त महिला जिला अध्यक्ष शकीला बेगम एवं शहर महिला अध्यक्ष पूर्वी सक्सेना ने किया जिसमें सर्वसम्मति प्रीति जिला महिला महामंत्री प्रेमलता जिला उपाध्यक्ष रोशनी वर्मा जिला उपाध्यक्ष, अंजू यादव जिला कोषाध्यक्ष, सुमन यादव को महिला जिला सचिव का दायित्व दिया गया तथा रानी बघेल शहर अध्यक्ष जसवंत नगर नियुक्त किया गया। वहीं शहर महिला इकाई में मीरा राजपूत शहर महिला महामंत्री, याशमीन को शहर महिला उपाध्यक्ष, रितु यादव शहर महिला संगठन मंत्री की जिम्मेदारी दी गई। जिला महिला अध्यक्ष शकीला बेगम एवं शहर महिला अध्यक्ष पूर्वी सक्सेना ने बताया कि शेष पूर्व कमेटी यथावत रहेगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष सर्वेश सिंह चौहान ने कहा कि व्यापारियों के मान सम्मान सुरक्षा के लिए व्यापार मंडल दिन प्रतिदिन अपना कुनबा बड़ा रहा है, सरकारी तंत्र सबसे ज्यादा उत्पीड़न हम व्यापारियों का ही करता है।

एसपी सोनभद्र ने जनता दर्शन में सुनी समस्याएं

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। बुधवार को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्माद्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं धैर्यपूर्वक सुना गया। जनता दर्शन में उपस्थित फरियादियों द्वारा भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, धोखाधड़ी सहित अन्य पुलिस संबंधी समस्याओं से पुलिस अधीक्षक सोनभद्र को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा प्रत्येक फरियादी की समस्या को व्यक्तिगत रूप से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं कानून के दायरे में किया जाए तथा किसी भी फरियादी को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए कि जिन प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही अपेक्षित है, उनमें तत्काल प्रभाव से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जनता दर्शन कार्यक्रम के माध्यम से आमजन की समस्याओं को सीधे सुनकर समाधान करने का उद्देश्य पुलिसङ्क्जन संवाद को सशक्त बनाना तथा आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास को और अधिक मजबूत करना है।

जफरपुर मढिया के पास गड्ढे में फिसलकर गिरी बाइक, महिला गंभीर रूप से घायल

बिलग्राम (हरदोई)/अवधनामा संवाददाता। थाना क्षेत्र के जफरपुर मढिया गांव के निकट सड़क पर बने गड्ढे में बाइक फिसल जाने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा उस समय हुआ जब बाइक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़ी। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों की भीड़ इकट्ठा हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल महिला की पहचान राम कुमारी पत्नी कृपा सिंह (उम्र करीब 45 वर्ष), निवासी ग्राम चंद सोरा, थाना सांडी के रूप में हुई है। वह अपने पुत्र के साथ बाइक पर सवार होकर अपने मायके जा रही थीं। जैसे ही उनकी बाइक छिबरामऊ के मढिया जफरपुर के पास पहुंची, सड़क पर बने गहरे गड्ढे में पहिया फंस गया, जिससे बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। इस दौरान राम कुमारी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल महिला को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। स्थानीय लोगों ने सड़क पर गड्ढों को लेकर नाराजगी जताई और प्रशासन से शीघ्र मरम्मत की मांग की, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके।

शबे-बरात पर बिलग्राम में रौशनी और लंगर की भव्य व्यवस्था, अकीदत के साथ हुई इबादत

बिलग्राम (हरदोई)/अवधनामा संवाददाता। नगर में शबे-बरात का मुबारक पर्व पूरी श्रद्धा, शांति और धार्मिक माहौल के बीच मनाया गया। इस अवसर पर दरगाह हज़रत इमामुद्दीन चिश्ती रहमतुल्ला की मजार सहित नगर के सभी कब्रिस्तानों में विशेष रौशनी की गई, जिससे पूरा क्षेत्र जगमगा उठा। बड़ी संख्या में मुसलमानों ने कब्रिस्तानों में पहुंचकर फातिहा पढ़ी और अपने मरहूमीन की मगफिरत के लिए दुआएं कीं। शबे-बरात की पाक रात मस्जिदों में नमाज़ और इबादत का विशेष आयोजन हुआ। लोगों ने नफ्ल नमाज़ अदा कर अल्लाह से रहमत और बरकत की दुआ मांगी। वहीं महिलाओं ने घरों में नमाज़ अदा की और कुरआन शरीफ की तिलावत की। पूरी रात इबादत, तस्बीह और दुआओं का सिलसिला चलता रहा। इस मौके पर मोहल्लों में समाजसेवी साथियों की ओर से चाय, कॉफी, बिस्कुट और लंगर खाने का इंतज़ाम किया गया, जिससे इबादत के लिए आने वाले लोगों को सुविधा मिल सके। लंगर व्यवस्था में मुमताज़, राजू, शकील दिल्ली, नासिर मलिक, सरताज, जिशान, खुर्शीद, अदनान और रुआब का विशेष योगदान रहा। नगर में शबे-बरात का पर्व आपसी भाईचारे और धार्मिक सौहार्द के साथ शांतिपूर्ण ढंग से मनाया गया।

राज्य आयुक्त दिव्यांगजन की अध्यक्षता मे हुआ मोबाइल कोर्ट का आयोजन

हरदोई/अवधनामा संवाददाता। आईटीआई परिसर में राज्य आयुक्त दिव्यांगजन प्रो0 हिमांशु शेखर झा द्वारा दिव्यांग जनों हेतु मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया गया। आयुक्त द्वारा कार्यक्रम में 98 शिकायतों को सुना गया तथा मौके पर ही निस्तारित करने का आदेश संबंधित अधिकारियों को दिया गया। इस मौके पर 30 दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल, हियरिंग एड, बैसाखी, लेप्रोसी किट, आदि का वितरण भी माननीय आयुक्त महोदय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आयुष्मान कार्ड, दिव्यांग प्रमाण पत्र, राशन कार्ड आदि के कैम्प लगाए गए। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, जिला विकास अधिकारी, उपजिलाधिकारी पूनम भास्कर, डिप्टी सीएमओ मनोज कुमार, लीड बैंक मैनेजर, सहायक श्रम आयुक्त, तथा संजय कुमार निगम जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी आदि विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने जन सुनवाई मे सुनी 59 शिकायतें

हरदोई/अवधनामा संवाददाता। कलेक्ट्रेट में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई मे आज कुल 59 शिकायते प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण पूर्ण हो। जन सुनवाई मे प्राप्त कुछ शिकायतों का जिलाधिकारी ने मौके पर ही समाधान किया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी न्यायिक गरिमा सिंह व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।

डीएम, एस एस पी से मिले शिवपाल सिंह

इटावा/ अवधनामा ब्यूरो। जिलाधिकारी व एस एस पी से बुधवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने मुलाक़ात की। उन्होंने अवगत कराया कि सत्ता पक्ष के लोगों द्वारा शासन के BLO से मारपीट और धमकी जैसी घटना को अंजाम दिया गया और फॉर्म-7 के द्वारा बीजेपी के लोगों द्वारा अल्पसंख्यक समाज और PDA समाज के वोट कटवाये जा रहें हैं। इस अवसर पर सपा जिला अध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू, वरिष्ठ नेता उदयभान सिंह यादव, सदस्य जिला पंचायत पंकज यादव पिंटू, सत्यभान यादव, डॉ.अरविंद यादव, सपा प्रवक्ता विक्की गुप्ता, राजेश यादव टिल्लू आदि साथ रहे।

बंधी कब्जाधारकों को न्यायालय का नोटिस, हड़कंप

सुमेरपुर (हमीरपुर)/अवधनामा संवाददाता। एसडीएम सदर न्यायालय से सिंचाई विभाग महोबा की बंधी पर कब्जा करने वाले लोगों को नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में कब्जाधारकों को पांच फरवरी को अभिलेखों के साथ न्यायालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। बताया गया है कि बस स्टैंड से लेकर रेलवे स्टेशन तक करीब एक सैकड़ा लोगों ने सिंचाई विभाग की बंधी पर कब्जा कर लिया है। हाईकोर्ट द्वारा वर्ष 2021 में अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया गया था, लेकिन अब तक उस पर अमल नहीं हो सका। हाल ही में हुई घटना के बाद अवैध निर्माण को लेकर कार्रवाई तेज हुई है। नोटिस मिलने के बाद कब्जाधारकों में हड़कंप मच गया है और लोग जरूरी दस्तावेज जुटाने में लगे हुए हैं।

एनजीटी टीम ने गायत्री गंगा के अतिक्रमण व प्रदूषण का किया निरीक्षण

सुमेरपुर (हमीरपुर)/अवधनामा संवाददाता। बुधवार को एनजीटी की दो सदस्यीय टीम ने कस्बे से गुजर रही गायत्री गंगा नदी का निरीक्षण किया। टीम ने नदी में अतिक्रमण और प्रदूषण की स्थिति का जायजा लिया। एनजीटी सदस्य हरीश कुमार महावर एवं डॉ. कीर्ति वर्मा ने मौके पर निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि गायत्री गंगा प्रदूषण व अतिक्रमण की शिकार है और जल्द रिपोर्ट ट्रिब्यूनल में दाखिल की जाएगी। इस दौरान नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी दिनेश चंद्र आर्य, बीडीओ आशीष कटियार व वन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। इसके बाद टीम चंद्रावल नदी के निरीक्षण के लिए मौदहा रवाना हो गई। याचिकाकर्ता राजेश शिवहरे ने बताया कि उन्हें मौके पर नहीं बुलाया गया, जिससे वह अपना पक्ष नहीं रख सके। अगली सुनवाई नौ मार्च को होगी।

हाईवे पर लगने वाली फल मंडी बन रही हादसों का कारण

सुमेरपुर (हमीरपुर)/अवधनामा संवाददाता। कस्बे में प्रतिदिन लगने वाली थोक फल मंडी हाईवे पर लगने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। फल लाने वाली गाड़ियां सड़क पर खड़ी होकर माल उतारती हैं और खरीदार भी अपने वाहन वहीं खड़े कर देते हैं। स्थानीय निवासी सोनू गुप्ता व शिवम गुप्ता ने बताया कि कई बार शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी दिनेश चंद्र आर्य ने बताया कि हाईवे राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधीन है। मंडी हटाने की कार्रवाई एनएचआई द्वारा ही की जा सकती है।

हिन्द एंजिल्स पब्लिक स्कूल बना जनपद का पहला एआई सर्टिफाइड स्कूल

राठ (हमीरपुर)/अवधनामा संवाददाता। हिन्द एंजिल्स पब्लिक स्कूल में 15 दिवसीय एआई ट्रेनिंग का सफल समापन हुआ। विद्यालय जनपद का पहला एआई सर्टिफाइड स्कूल बना। ट्रेनिंग में शिक्षकों को गूगल जेमिनाई ऐप, एआई से प्रश्नपत्र निर्माण, फोटो निर्माण एवं एक्सेल शीट आदि का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण जीओ एआई फाउंडेशन टीम द्वारा दिया गया। विद्यालय के डायरेक्टर स्वदेश राजपूत व प्रधानाचार्य अली उल्ला खान ने कहा कि इससे छात्रों को नई तकनीक सीखने का अवसर मिलेगा।

विश्व कैंसर दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

राठ (हमीरपुर)/अवधनामा संवाददाता। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गोष्ठी का आयोजन किया गया। अधीक्षक डॉ. अरविंद कुमार यादव ने कैंसर से बचाव के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि तंबाकू, शराब से दूरी, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और समय-समय पर जांच से कैंसर से बचाव संभव है। उन्होंने कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों जैसे गांठ, लगातार खांसी, वजन कम होना, घाव न भरना आदि पर तुरंत चिकित्सक से परामर्श लेने की सलाह दी।

कस्बे में सक्रिय भूमाफिया, कृषि भूमि पर अवैध प्लाटिंग

मौदहा (हमीरपुर)/अवधनामा संवाददाता। कस्बे सहित क्षेत्र में भूमाफिया कृषि भूमि को बिना अकृषि घोषित कराए प्लाटिंग कर रहे हैं। इससे सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। बताया जाता है कि राजस्व विभाग के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत से यह कार्य वर्षो से चल रहा है। भूमाफिया खुलेआम लेखपाल कार्यालयों के आसपास देखे जाते हैं। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस पर कार्रवाई करता है या मौन बना रहता है।

मुशायरे के साथ शुरू हुआ हजरत ताजुद्दीन बाबा का सालाना उर्स

मौदहा (हमीरपुर)/अवधनामा संवाददाता। हजरत ताजुद्दीन बाबा रह. का तीन दिवसीय सालाना उर्स मुशायरे के साथ शुरू हुआ। नातिया मुशायरे में कई प्रसिद्ध शायरों ने अपने कलाम पेश किए। आज सुबह कुरान ख्वानी, दिन में लंगर, बाद असर चादरपोशी व रात में कव्वाली का आयोजन होगा। कल कुल की फातिहा के साथ उर्स का समापन होगा। कमेटी सदस्यों ने अधिक से अधिक लोगों से कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है।

आकांक्षी जिला ब्लॉक कार्यक्रम के तहत सोनभद्र में शुरू हुआ सम्पूर्णता अभियान 2.0

मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को दिलाई प्रतिज्ञा, 31 मार्च तक जियो-टैग्ड प्रमाण के साथ संतृप्ति के निर्देश

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। सदर विधायक भूपेश चैबे एवं जिला पंचायत अध्यक्ष राधिका पटेल द्वारा सम्पूर्णता अभियान 2.0 का शुभारम्भ विकास भवन सभागार में किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने समस्त जनपद एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को प्रतिज्ञा दिलाई। सभी को सूचकों की जानकारी उपलब्ध कराते हुए उस क्षेत्र के गैप से अवगत कराया गया और निर्देशित किया गया कि सभी विभाग भौतिक संरचनाओं से संबंधित सूचकों को जियो-टैग्ड फोटो के साथ प्रमाणित करें तथा 31 मार्च 2026 तक कार्ययोजना का अनुपालन करते हुए संतृप्त करें। सम्पूर्णता अभियान 2.0 के तहत जनपद स्तर पर 5 सूचक तथा ब्लॉक स्तर पर 6 सूचकों को संतृप्त करने का लक्ष्य दिया गया है। नीति आयोग द्वारा संचालित 'आकांक्षी जिला कार्यक्रम' एवं 'आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम' के अंतर्गत सम्पूर्णता अभियान 2.0 का संचालन 28 जनवरी से 14 अप्रैल 2026 तक किया जायेगा । इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में चयनित संकेतकों पर मिशन-मोड में कार्य करते हुए अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकारी सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करना है। आकांक्षी जिला कार्यक्रम अंतर्गत संतृप्त किए जाने वाले सूचकों में जन्म के समय शिशुओं का वजन दर्ज किए जाने का अनुपात, टीबी केस नोटिफिकेशन दर (सरकारी एवं निजी संस्थान), पिछले एक माह में कम से कम एक ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस (वीएचएसएनडी) आयोजित करने वाले आंगनवाड़ी केन्द्रध्अर्बन प्राथमिक स्वस्थ्य केंद्र का प्रतिशत, टीकाकरण किए गए पशुओं का प्रतिशत तथा सक्रिय बालिका शौचालय वाले विद्यालयों का प्रतिशत शामिल है। वहीं आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (चतरा) अंतर्गत 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों का वह प्रतिशत जो आईसीडीएस कार्यक्रम के अंतर्गत नियमित रूप से अनुपूरक पोषण ले रहे हैं, रिपोर्टिंग माह में आंगनवाड़ी केन्द्रों में नामांकित बच्चों का मापन दक्षता प्रतिशत (लंबाईध्वजन), सक्रिय शौचालय युक्त परिचालित आंगनवाड़ी केन्द्रों का प्रतिशत, पेयजल सुविधा वाले परिचालित आंगनवाड़ी केन्द्रों का प्रतिशत, कुल विद्यालयों के सापेक्ष पर्याप्त संख्या में बालिका शौचालय सुविधा वाले विद्यालयों का प्रतिशत तथा एफएमडी के अंतर्गत टीकाकरण किए गए गोवंशध्पशुओं का प्रतिशत लक्षित सूचक के रूप में निर्धारित किए गए हैं।

एनटीपीसी सिंगरौली में 'आदाब अर्ज़ है' की यादगार प्रस्तुति, दर्शक हुए भावविभोर

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/शक्तिनगर। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ के सौजन्य से आयोजित संभागीय नाट्य समारोह के अंतर्गत कर्मचारी विकास केंद्र, एनटीपीसी सिंगरौली में प्रस्तुत नाट्य कृति 'आदाब अर्ज़ है' ने दर्शकों को गहरे भावनात्मक स्तर पर प्रभावित किया। समर्पित साहित्यिक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था, प्रयागराज द्वारा प्रस्तुत इस नाटक का प्रभावशाली रूपांतरण सलीम आरिफ द्वारा किया गया, जबकि निर्देशन संजू साह के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित संदीप नायक, परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक, एनटीपीसी सिंगरौली ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि यह नाट्य प्रस्तुति प्रेम, संवेदना और सामाजिक यथार्थ की सशक्त अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहते, बल्कि समाज को आत्मचिंतन और मानवीय मूल्यों की ओर उन्मुख करते हैं।

रेनूपावर प्राथमिक पाठशाला रेनूसागर का वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

अनपरा/सोनभद्र। रेनूपावर प्राथमिक पाठशाला रेनूसागर के विद्यालय के अध्यक्ष हिंडालको रेनुसागर के यूनिट हेड आर पी के मार्गदर्शन में आदित्य बिड़ला इण्टरमीडिएट कॉलेज रेनुसागर के प्रांगण में रेनूपावर प्राथमिक पाठशाला रेनूसागर द्वारा आयोजित का वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। खेलकूद का उद्घाटन मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंधक आशीष पांडे जी एवं प्रधानाध्यापिका श्रीमती सीमा दुबे ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्साह पूर्वक उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस खेल दिवस का मुख्य आकर्षण का केंद्र मेंढक दौड़ ,पेंगुइन दौड़, रस्सा-कस्सी बच्चों द्वारा संवेदनशील, समावेशी और प्रेरणादायी पहल बच्चों का खेल रहा। खेलकूद प्रतियोगिता में कुल 16 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें एल. के जी. हाप रेस में शिवांगी प्रथम, आश्वी शर्मा द्वितीय , आकांक्षा नेतृतीय स्थान प्राप्त किया।

महिला उत्पीड़न की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

साइबर अपराध से बचाव की दी गई जानकारी

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की माननीय सदस्य गीता विश्वकर्मा ने सर्किट हाउस सभागार में महिला उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों की जनसुनवाई की। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं ने अपनी समस्याएं एवं शिकायतें महिला आयोग की सदस्य के समक्ष प्रस्तुत कीं। माननीय सदस्य ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों का प्रभावी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं न्याय प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जनसुनवाई में घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, मानसिक प्रताड़ना, साइबर उत्पीड़न सहित विभिन्न मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर माननीय सदस्य ने महिलाओं को साइबर अपराध से बचाव के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया, मोबाइल फोन एवं इंटरनेट के माध्यम से होने वाले अपराधों से सतर्क रहना अत्यंत आवश्यक है तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस विभाग को दें। माननीय सदस्य ने कहा कि महिला उत्पीड़न अथवा किसी भी प्रकार की सहायता के लिए महिलाएं महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, आपातकालीन सेवा 112 एवं साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930, कानूनी सलाह हेतु 15100, महिलाओं के स्वास्थ्य सम्बन्धित समस्या के लिए एम्बुलेंस 102, आपात कालीन सेवा के लिए 108 पर संपर्क कर सकती हैं। उन्होंने महिलाओं से निर्भीक होकर आगे आने और अपनी शिकायत दर्ज कराने का आह्वान किया। जनसुनवाई के दौरान पुलिस क्षेत्राधिकारी अजीत कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी विद्या देवी, प्रोबेशन अधिकारी इन्द्रावती यादव, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय, सहित सम्बन्धित अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

आंगनबाड़ी केन्द्रों से दिया जा रहा अनुपूरक पुष्टाहार

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। कुपोषण को दूर करने के उद्देश्य से प्रदेश में आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा किशोरी बालिकाओं को अनुपूरक पुष्टाहार एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा पोषण, स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, पोषण शिक्षा और पूर्व प्राथमिक शिक्षा की सुविधाएं एक ही स्थान पर प्रदान की जा रही हैं।

प्रदेश के आंगनबाड़ी केन्द्रों पर लाभार्थियों को अनुपूरक पुष्टाहार वितरण, गृह भ्रमण, पोषण परामर्श तथा बच्चों की वृद्धि की निगरानी की जा रही है। इससे महिलाओं एवं बच्चों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास में सुधार हो रहा है। **अनुपूरक पुष्टाहार वितरण व्यवस्था-** सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 योजना के अंतर्गत 6 माह से 3 वर्ष तथा 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों, गर्भवती व धात्री महिलाओं तथा कुपोषित बच्चों को टेक होम राशन के रूप में अनुपूरक पुष्टाहार प्रदान किया जा रहा है। प्रदेश में लगभग 166 लाख लाभार्थियों को प्रतिमाह इसका लाभ मिल रहा है।

प्रदेश के 43 जनपदों में स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित 204 टीएचआर उत्पादन इकाइयों के माध्यम से 311 बाल विकास परियोजनाओं में रेसिपी आधारित पोषाहार की आपूर्ति की जा रही है। इनमें आटा-बेसन प्रीमिक्स, दलिया मूंग दाल खिचड़ी, आटा-बेसन हलवा तथा एनर्जी डेंस हलवा शामिल हैं। वैकल्पिक व्यवस्था के तहत नैफेड के माध्यम से फोर्टिफाइड गेहूं दलिया, चना दाल, फोर्टिफाइड तेल तथा खाद्य एवं रसद विभाग से फोर्टिफाइड चावल वितरित किया जा रहा है।

फेस रिकग्निशन सिस्टम से वितरण

अनुपूरक पुष्टाहार व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए फेस रिकग्निशन सिस्टम (स्नत्र्स्) के माध्यम से लाभार्थियों का पंजीकरण और वितरण किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप पोषण स्तर में सुधार दर्ज किया गया है। एनएफएचएस-4 की तुलना में एनएफएचएस-5 में बच्चों में नाटापन 6.6 प्रतिशत कम हुआ है। दुबलापन और अल्पवजन की स्थिति में भी सुधार हुआ है। अनुपूरक पुष्टाहार वितरण की पहुंच 30 प्रतिशत से बढ़कर 62 प्रतिशत हो गई है।

किशोरी बालिकाओं के लिए विशेष योजना

प्रदेश के आठ आकांक्षात्मक जनपदों में 14 से 18 वर्ष की किशोरी बालिकाओं को पोषण एवं गैर-पोषण सेवाएं दी जा रही हैं। पोषण घटक के तहत अनुपूरक पुष्टाहार का वितरण किया जा रहा है। गैर-पोषण सेवाओं में आयरन-फोलिक एसिड टैबलेट, स्वास्थ्य जांच, पोषण शिक्षा, मासिक धर्म स्वच्छता तथा कौशल प्रशिक्षण शामिल है। नव्या परियोजना के अंतर्गत फतेहपुर एवं सोनभद्र में किशोरियों को कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

हॉट कुक्ड मील योजना

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को हॉट कुक्ड मील उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे बच्चों की उपस्थिति, नामांकन और पोषण स्तर में सुधार हुआ है। वर्तमान में प्रदेश में 35.46 लाख बच्चों को हॉट कुक्ड मील का लाभ मिल रहा है।

ईसीसीई के तहत शिक्षा व्यवस्था

अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन (ECCE) के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों को प्री-स्कूल किट एवं शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 3 से 6 वर्ष के बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत किया जा रहा है। इन योजनाओं के माध्यम से प्रदेश में बच्चों और महिलाओं के पोषण स्तर में लगातार सुधार किया जा रहा है और कुपोषण को समाप्त करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

इमाम मेंहदी के 1192 वें जमन्दिन पर हुई महफ़िल

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। बारहवें इमाम मेंहदी अलैहिस्सलाम का 1192 वें जमन्दिन के खुशहनुमा मौके पर हाजी अरशद मरगूब की ओर से इमाम बारगाह घटिया अज़मत अली पर महफ़िल का आयोजन किया गया। महफिल में लोगों ने जश्ने इमाम मेंहदी मनाया। मौलाना अनवारुल हसन ज़ैदी इमामे जुमा ने महफ़िल की अध्यक्षता करते हुए कहा इमाम मेंहदी की पैदायश सामरा बगदाद में 15 शाबान 255 हिजरी हुई। इमाम मेंहदी जब आएंगे तब उनके पास तमाम अम्बिया के मोजजात होंगे। इमाम मेंहदी मजलूमों को हक़ दिलाएंगे। इमाम का ज़हूर काबे में होगा। बारहवें इमाम कर्बला के शहीदों का बदला लेंगे और जुल्म को मिटायेंगे। 260 हिजरी में इमाम हसन असकरी की शहादत के बाद इमाम पर्दे ग़ैब में चले गए। इमाम मेंहदी पर्दे में रहकर भी अपने चाहने वालों की रहनुमाई कर रहे हैं। मौलाना ज़मन हैदर जैदपुर ने कहा सारी दुनिया का मसीहा है अली का बेटा, ग़ैब में आज भी बैठा है अली का बेटा। मौलाना मोनिस हुसैन आब्दी पटना बिहार ने कहा मेरे हयात का दारोमदार पर्दे में, है दिल भी पर्दे में दिल का करार पर्दे में। मौलाना फरहान पिहानवी ने कहा रुतबा नमाजों का अपना है और हुसैन का अपना मकाम, अफजल कौन है ये बताएगा सजदा कमली वाले का। मौलाना मो.हैदर करबलाई ने कहा पूछते हो क्यों हमारा रहनुमा पर्दे में है, अक्ल के अंधों से पूछो क्यों खुदा पर्दे में है। तनवीर हसन ने कहा जैसा मौला हमे मिला है ऐसा मौला किसका है, सारे जहां में मेरे अलावा रहबर जिंदा किसका है।

योगी सरकार की पहल से युवा होंगे ग्लोबल स्किल्स के लिए तैयार

इंडिया स्किल्स कॉम्पीटिशन को मिला नया आयाम

अवधनामा ब्यूरो

- राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता 2025-26 के 40 विजेताओं का सम्मान, सपनों को मिली उड़ान
- कौशल, प्रतिस्पर्धा और आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम, बूट कैंप से होगी अंतरराष्ट्रीय तैयारी
- उ.प्र. बना देश में सर्वाधिक पंजीकरण वाला राज्य, कौशल विकास में रचा नया कीर्तिमान
- नॉर्थ रीजनल, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यूपी के युवा बढ़ाएंगे प्रदेश का गौरव

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर, रोजगारोन्मुख और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बनाने की दिशा में निरंतर प्रभावी कदम उठा रही है। इसी क्रम में प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा इंडिया स्किल्स कॉम्पीटिशन-2025-26 के अंतर्गत राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान समारोह बुधवार को कौशल विकास मिशन मुख्यालय, लखनऊ में भव्य रूप से आयोजित किया गया।

इस अवसर पर व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम एवं मिशन निदेशक पुलकित खरे ने 20 विभिन्न स्किल ट्रेड्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुल 40 विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। प्रत्येक स्किल ट्रेड से दो विजेताओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने कौशल, समर्पण और परिश्रम से प्रदेश का नाम रोशन किया। समारोह को संबोधित करते हुए प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने विजेता प्रतिभागियों से संवाद कर उनके प्रशिक्षण अनुभव, प्रतियोगिता यात्रा और भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली तथा उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को आधुनिक, रोजगारोन्मुख एवं वैश्विक मानकों के अनुरूप कौशल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे आयोजनों से युवाओं में प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित होती है और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुँचने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर मिशन निदेशक पुलकित खरे ने कहा कि राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता युवाओं की प्रतिभा को पहचान दिलाने का सशक्त मंच है, जो उन्हें आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने बताया कि चयनित सभी विजेता प्रतिभागी 4 एवं 5 फरवरी 2026 को लखनऊ में आयोजित विशेष बूट कैंप में भाग लेंगे, जहाँ उन्हें विशेषज्ञों द्वारा नॉर्थ रीजनल स्किल कॉम्पीटिशन की तैयारी कराई जाएगी। अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह ने कहा कि कौशल विकास युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रभावी माध्यम है और मिशन गुणवत्तायुक्त प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उल्लेखनीय है कि वर्ल्ड स्किल्स प्रतियोगिता प्रत्येक दो वर्षों में आयोजित होती है। वर्ष 2024 में जहां कुल 7,472 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया था, वहीं वर्ष 2026 के लिए यह संख्या बढ़कर 1,09,249 हो गई है, जिससे उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक पंजीकरण वाला राज्य बन गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर मिजोरम के राज्यपाल जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ0 विजय कुमार सिंह ने शिष्टाचार भेंट की

वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी की राह में यूपी पर्यटन बनेगा ग्रोथ इंजन : जयवीर सिंह

अवधनामा ब्यूरो

- पर्यटन के दम पर बड़ी छलांग, वर्ष 2047 तक 100 करोड़ से अधिक पर्यटकों का आगमन और 16 प्रतिशत जीवीए (ग्रॉस वैल्यू एडेड) हिस्सेदारी का लक्ष्य

लखनऊ। प्रदेश के पर्यटन रोडमैप के तहत समयबद्ध लक्ष्यों के माध्यम से वर्ष 2047 तक पर्यटन का राज्य की जीवीए (ग्रॉस वैल्यू एडेड) में योगदान 5 प्रतिशत तक बढ़ाने, देश के पर्यटन जीवीए में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत करने, पर्यटक आगमन को 100 करोड़ से अधिक पहुंचाने और प्रदेश को देश के शीर्ष तीन पर्यटन राज्यों में शामिल करने की दिशा में काम किया जा रहा है। यह बात पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के अनुरूप पर्यटन भवन, लखनऊ में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कही, बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी भी मौजूद रहे। इस बैठक में प्रदेश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन की भूमिका को सशक्त करने और भविष्य की रणनीति पर चर्चा हुई, वहीं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि 2027-28 तक 1 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लक्ष्य को हासिल करने में पर्यटन एक मजबूत ग्रोथ इंजन साबित होगा और इसके लिए बुनियादी ढांचे के विस्तार, निजी निवेश बढ़ाने और पर्यटन सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। बैठक में उत्तर प्रदेश पर्यटन के लिए तय किए गए अल्पकालिक, मध्यकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्रस्तुत किया गया। रोडमैप के अनुसार राज्य की जीवीए (ग्रॉस वैल्यू एडेड) में पर्यटन का योगदान मौजूदा 1.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 2047 तक 5 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं, देश के कुल पर्यटन जीवीए में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 9.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 16 प्रतिशत करने की योजना है। पर्यटन आगमन के मोर्चे पर भी बड़े लक्ष्य तय किए गए हैं। प्रदेश में कुल आगमन पर्यटकों की संख्या को 2047 तक 100 करोड़ से अधिक करने, विदेशी पर्यटकों की संख्या 45 लाख से अधिक तक पहुंचाने और उत्तर प्रदेश को भारत के शीर्ष तीन पर्यटन राज्यों में शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है।

चित्रकला प्रतियोगिता में सी.एम.एस. छात्रा विजेता

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज द्वितीय कैम्पस की कक्षा-2 की प्रतिभाशाली छात्रा रेजल खान ने अन्तर-विद्यालयी चित्रकला प्रतियोगिता 'चैलेन्ज हब ऑनलाइन कान्टेस्ट' में विजेता का खिताब अर्जित कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। यह प्रतियोगिता भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त चाइल्ड ड्रीम बूस्टर हब के संयोजकत्व में आयोजित हुई, जिसमें कई प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह जानकारी सी.एम.एस. के हेड, कम्युनिकेशन्स, श्री ऋषि खन्ना ने दी है। श्री खन्ना ने बताया कि प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के छात्रों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी.एम.एस. अलीगंज द्वितीय कैम्पस की इस प्रतिभाशाली छात्रा ने अपनी कलात्मक क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के साथ ही रचनात्मक सोच का प्रभावशाली उदाहरण प्रस्तुत किया। आयोजकों ने विद्यालय की इस प्रतिभाशाली छात्रा की बहुमुखी प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए ट्राफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सी.एम.एस. संस्थापिका-निदेशिका डा. भारती गाँधी ने इस प्रतिभाशाली छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

विधिक माप विज्ञान नियमों में प्रस्तावित संशोधन पर हितधारकों से संवाद

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। केन्द्र सरकार द्वारा व्यापार एवं वाणिज्य को विनियमित करने के उद्देश्य से अधिनियमित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 दिनांक 01 अप्रैल 2011 से प्रभावी है। ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस की अवधारणा को सुदृढ़ करने तथा निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण निर्मित करने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार द्वारा जनविश्वास (उपबंधों का संशोधन) अधिनियम, 2023 पारित किया गया है, जिसके अंतर्गत विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 के कतिपय लघु अपराधों को डिक्रिमिनलाइज़ किया गया है। इसके परिणामस्वरूप सजा के प्रावधान समाप्त कर अर्थदंड की राशि में वृद्धि की गई है, जिससे एक ओर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित हो सके और दूसरी ओर सामान्य जनहित भी सुरक्षित रहे।

जनविश्वास अधिनियम-2023 के क्रम में उत्तर प्रदेश विधिक माप विज्ञान (प्रवर्तन) नियमावली, 2011 की अनुसूचीदृग्प् में संशोधन प्रस्तावित है। इसी के संबंध में प्रदेश के हितधारकों से सुझाव एवं आपत्तियाँ प्राप्त करने हेतु नियंत्रक, विधिक माप विज्ञान, उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में दिनांक 03 फरवरी 2026 को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में प्रदेश के प्रमुख व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों के समक्ष पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तावित संशोधनों की प्रत्येक धारा पर विस्तार से प्रस्तुतीकरण किया गया तथा उन पर गहन विचार-विमर्श करते हुए व्यापारिक संगठनों से उनके सुझाव एवं आपत्तियाँ आमंत्रित की गईं। बैठक का उद्देश्य नियमों को अधिक व्यवहारिक, पारदर्शी एवं व्यापार-अनुकूल बनाना रहा।

इस अवसर पर फिक्की लखनऊ, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), पीएचडी चौम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, एसोसिएटेड चौम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, इंडियन इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन, उद्योग व्यापार मंडल, पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन, फ्लोर मिल एसोसिएशन सहित प्रदेश के अनेक प्रमुख व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके साथ ही इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, नायरा एनर्जी लिमिटेड, एचपीसीएल सहित विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भी बैठक में सहभागिता की। विधिक माप विज्ञान विभाग की ओर से उपनियंत्रक, लखनऊ ज़ोन, उपनियंत्रक, कानपुर ज़ोन तथा सहायक नियंत्रक, लखनऊ मण्डल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मदरसा बोर्ड को समाप्त करना संविधान के खिलाफ

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तराखण्ड की धामी सरकार के मदरसा बोर्ड को समाप्त किये जाने पर उलमा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के चेयरमैन और इमाम ईदगाह मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि उत्तराखण्ड सरकरा ने मदरसा बोर्ड समाप्त करने की जो घोषणा की है वह बहुत अफसोसनाक है और देश के संविधान और कानून के खिलाफ है।

मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि संविधान के आर्टिकल 30 में अल्पसंख्यकों को अपने संस्थान स्थापित करने और संचालित करने की आजादी दी है। इस संबंध में उच्चतम न्यायालय के भी निर्णय मौजूद हैं। जनवरी में ही इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक आदेश में कहा कि गैर मान्यता प्राप्त मदरसे संचालित हो सकते हैं, संविधान इसकी अनुमति प्रदान करता है। मौलाना ने कहा कि उत्तराखण्ड सरकार का यह फैसला देश के कानून के खिलाफ है। उत्तराखण्ड सरकार को यह फैसला वापस लेना चाहिए। वहीं आल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव प्रवक्ता मौलाना यासूब अब्बास ने उत्तराखण्ड में मदरसा बोर्ड को समाप्त करने की कड़ी निंदा की है। मौलाना ने कहा कि मदरसों को पूरी तरह निशाना बनाया जा रहा है। एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी कह रहे हैं कि एक हाथ में कुरान और एक में कंप्यूटर हो, सबके साथ-सबके विकास की बात कर रहे हैं वहीं दूसरी तरफ उत्तराखण्ड सरकार जिस तरह मदरसा बोर्ड पर कार्रवाई करते हुए समाप्त किया है यह उचित नहीं है।

उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद की परीक्षाएं 9 फरवरी से

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद की मुंशी-मौलवी (सेकेण्ड्री) और आलिम (सीनियर सेकेण्ड्री) की परीक्षाएं 9 से 14 फरवरी के बीच होंगी। मदरसा परीक्षा के लिए प्रदेश में 277 परीक्षा केन्द्र तय किये गये हैं। परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य होगा। मुंशी-मौलवी और आलिम परीक्षाओं के लिए प्रदेश भर से 80 हजार 933 परीक्षार्थी शामिल होंगे, जिसमें 32 हजार 389 छात्र और 29 हजार 843 छात्राएं शामिल हैं। परीक्षाएं दो पालियों में सुबह 8 से 11 बजे और दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी। मदरसा बोर्ड की रजिस्ट्रार अंजना सिरोही के अनुसार फर्नीचर की व्यवस्था वाले मदरसों और इण्टर कॉलेजों को ही परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। परीक्षा केन्द्रों की निगरानी के लिए कंट्रोल रूम बनाया जा रहा है और जनपद स्तर पर सेक्टर मजिस्ट्रेट और सचल दलों के गठन का निर्देश दिया गया है।

एलडीए का ध्वस्तीकरण मुहिम जारी

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने विभूतिखण्ड में रोहताश प्रेसिडेंशियल अपार्टमेण्ट की पार्किंग में अवैध रूप से बने रेस्टोरेण्ट को ध्वस्त कराया। इसके अलावा चिनहट के उत्तरधौना में स्प्रिंग गार्डेन फेज-2 में स्वीकृत मानचित्र के अनुसार निर्माण न कराने में बाधक अवैध निर्माण/अतिक्रमण को ध्वस्त किया। प्रवर्तन जोन-1 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि विभूतिखण्ड में भूखण्ड संख्या 4/4 में बने रोहताश प्रेसिडेंशियल अपार्टमेण्ट के सेटबैक और ओपन पार्किंग की जगह पर अवैध रूप से पंजाबी ढाबा व लिटिल शेफ रेस्टोरेण्ट बनाया गया था। स्वीकृत मानचित्र के उलट किये दोनों निर्माण कार्यो को अभियान चला कर पूरी तरह ध्वस्त किया गया। इसके अलावा चिनहट के उत्तरधौना में स्प्रिंग गार्डेन फेज-2 के लिए प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत किया गया है। स्वीकृत मानचित्र के अनुसार स्थल पर निर्माण कार्य कराने में आ रही बाधा को दूर करते हुए नियोजित विकास कार्य में सहयोग किया गया।

मोहनलालगंज में 2 अवैध प्लाटिंग ध्वस्त प्रवर्तन जोन-2 के जोनल अधिकारी रविनंदन सिंह ने बताया कि मोहनलालगंज के खुजौली गांव में अभियान चला कर मुकेश व सतीश की ओर से लगभग 30 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही 2 अवैध प्लाटिंग ध्वस्त करायी गयी। अभियान के दौरान अवैध तरीके से विकसित की गयी सड़कें, नालियां और बाउण्ड्रीवॉल को ध्वस्त कराया गया। अवैध मैरिज लॉन, हॉस्पिटल और 25 रो-हाउस सील प्रवर्तन जोन-3 की जोनल अधिकारी संगीता राघव ने बताया कि सरोजनीनगर के गांव अनौरा में अशोक कुमार की ओर से 1000 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड पर बनाए आर.डी. पैलेस मैरिज लॉन और सील किया गया। इसी तरह मोहान रोड पर 150 वर्गमीटर के भूखण्ड पर बनाये गये एस.डी. हॉस्पिटल और आयुष चौहान के पारा के चुन्नूखेड़ा में लगभग 2500 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बनाये गये 25 रो-हाउस भवनों को सील किया गया। इसके अलावा काकोरी और पारा में 3 अवैध व्यावसायिक निर्माण सील किये गये।

घुमंतू समाज को मिलेगा स्थायी आवास और पहचान से जुड़े दस्तावेज

- राज्यमंत्री असीम अरुण ने दिया भरोसा, प्रतिनिधियों ने मुलाकात कर उठाई मांग

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। समाज के सबसे वंचित वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से बुधवार को घुमंतू समाज के प्रतिनिधियों ने गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधियों ने अपने समाज से जुड़ी प्रमुख समस्याओं को उनके सामने रखा।

प्रतिनिधियों ने बताया कि घुमंतू समाज के अधिकांश लोग आज भी स्थायी निवास के बिना जीवन यापन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे अपने बच्चों को पढ़ाना चाहते हैं, लेकिन पहचान से जुड़े दस्तावेज न होने के कारण उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। घुमंतू समाज के लोगों ने जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र और आधार कार्ड उपलब्ध कराने की मांग की। इस पर राज्यमंत्री श्री असीम अरुण ने आश्वासन दिया कि घुमंतू समाज के लोगों को प्राथमिकता के आधार पर सभी आवश्यक प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार घुमंतू समाज के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। इस मौके पर घुमंतू समाज के प्रतिनिधि रवेंद्र कुमार, गौतम कुमार समेत कई लोग उपस्थित रहे।

काकोरी सीएचसी के फार्मासिस्ट सर्वेश के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह का आयोजन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। शहीदों की ऐतिहासिक धरती काकोरी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पर तैनात फार्मासिस्ट सर्वेश कुमार पटेल ने उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य विभाग में सफल सेवाकाल के बाद सेवानिवृत्ति ग्रहण कर ली। अपने जीवन के साठ बसंत पूरे करने पर उनकी सेवाओं के सम्मान में सीएचसी परिसर में भावभीना विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में सीएचसी अधीक्षक डॉ. केडी मिश्रा एवं समस्त चिकित्सक व स्टाफ की उपस्थिति में सर्वेश कुमार पटेल को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपर जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमिताभ श्रीवास्तव ने कहा कि सर्वेश कुमार पटेल की निष्ठा, समर्पण और उत्कृष्ट कार्यशैली ने न केवल सीएचसी काकोरी बल्कि पूरे क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की एक सकारात्मक छवि स्थापित की है। अस्पताल आने वाले मरीजों को बेहतर इलाज दिलाने और जनविश्वास बनाए रखने में उनका योगदान अविस्मरणीय रहा है।

उन्होंने कहा कि विदाई का यह क्षण भावुक जरूर है, लेकिन उनके द्वारा दिया गया मार्गदर्शन और प्रेरणा हमेशा विभाग के लिए पथप्रदर्शक बनी रहेगी। सभी ने उनके स्वस्थ, सुखद और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

समारोह में प्रमुख रूप से डॉ. केडी मिश्रा, डॉ. पवन सिंह, डॉ. अरविंद, डॉ. अंशुल, डॉ. स्मिता निगम, डॉ. किरण रावत, डॉ. सोमा जैन, राजेश कुमार सिंह, रवि कुमार, एएनएम स्टाफ सहित सलोन से भाजपा विधायक की पत्नी ममता, गुलेजेहरा, विजय मौर्य, करना, प्रमिला, प्रियंका पटेल, ग्रामीण पत्रकार कल्याण समिति उत्तर प्रदेश के चेयरमैन एवं सहकारी संघ के सभापति केशरी राव धारा सिंह यादव सहित बड़ी संख्या में सीएचसी स्टाफ और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। गौरतलब है कि फार्मासिस्ट सर्वेश कुमार पटेल ने लगभग 22 वर्षों तक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र काकोरी में अपनी सेवाएं दीं और मरीजों के बीच एक संवेदनशील एवं कर्मठ स्वास्थ्यकर्मी के रूप में पहचान बनाई।

राजनैतिक दलों में मुस्लिम नेताओं को साइड लाइन करने का आरोप

लखनऊ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार गुट के अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद नासिर ने राजनैतिक दलों में मुस्लिम नेताओं को साइड लाइन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में कद्दावर नेता शकील अहमद, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद जैसे नेताओं को किनारे कर दिया गया तो कुछ मुस्लिम नेता नजरअंदाजी के चलते पार्टी से इस्तीफा दे कर चले गये। इसी तरह भाजपा में भी मुख्तार अब्बास नकवी और शाहनवाज हुसैन जैसे नेताओं को साइड लाइन कर दिया गया है। मोहम्मद नासिर ने कहा कि आखिर इन दलों ने अपने मुस्लिम नेताओं को साइड लाइन क्यों कर दिया। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर लोकप्रिय मुस्लिम नेताओं को साइड लाइन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान में मुसलमानों को हर राजनैतिक दल तेज पत्ते की तरह इस्तेमाल करता है। जिस तरह बिरयानी में तेज पत्ता खूशबू के लिए इस्तेमाल होता है और खुशबू निकलने के बाद बाहर कर दिया जाता है, यही हाल हिन्दुस्तान में मुस्लिम नेताओं का है, जिन्हें राजनीतिक दल अपना स्वार्थ निकलने के बाद साइड लाइन कर देते हैं।

पलकें बिछाये बैठे हैं मेहदी की राह में

- हजरत इमाम मेहदी की विलादत पर सजीं महफिलें, हुआ नज्रों का आयोजन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। पलकें बिछाये बैठे हैं मेहदी की राह में,अहले अजा को नाज है इस इंतजार पर शियों के बारवें इमाम हजरत मेहदी अलैहिस्सलाम की यौमे विलादत पर बुधवार को जगह-जगह महफिलों व नज्रों का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के तमाम उलमा और शायरों ने हजरत इमाम मेहदी (अ.स.) की शान में अपने कलाम पेश किये। इस मौके पर लोगों ने आतिशबाजी करके अपनी खुशी मनायी। विलादत के मौके पर कर्बला मलका आफाक मदेयगंज में हुसैनाबाद ट्रस्ट ने जश्ने मसर्रत का आयोजन किया। महफिल को कई मौलानाओ ने खिताब किया। इसके बाद शायरों ने इमाम मेहदी (अ.स.) की शान में कसीदे पढ़े। कर्बला पहुंच कर लोगों ने जियारत और नज्र की। सुबह से ही लोगों अपने घरों में नज्रों का आयोजन किया और अपने अजीजों व रिश्तेदारों के घरों में नज्र में शिरकत करके इमामे जमाना की विलादत की मुबारकबाद दी और गले मिले। नज्रों में जाने-आने का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। सफीरा-ए-खैरूल मोमेनीन द्वारा घंटाघर तलाब पर महफिल व नज्र का आयोजन किया गया। महफिल के बाद नज्र का सिलसिला शुरू हुआ जो सुबह तक जारी रहा।

डाले अरीजेः शिया समुदाय ने अरीजे (अर्जी) में अपनी मन्नतें लिखकर उसे आटे में लपेटकर दुआ पढ़ी और हजरत इमामे जमाना (अ.स.) की खिदमत में गोमती नदी में डाले। इनका मानना है कि यह दुआ हजरत इमामे जमाना तक पहुंचती है और उनकी मुरादें पूरी होती हैं।

जश्ने नूर ए असर मनाया

इमामबाड़ा उम्मूल बनीं मंसूर नगर में जश्ने नूर ए असर का आयोजन किया गया। इस जश्न को मौलाना सैयद हैदर अब्बास रिजवी ने खिताब किया। इसके बाद तमाम शायर मौलाना ज़मा रिज़्वी,मौलाना सैयद सफ़दर बिलाल,मौलाना सैयद गुलाम अली आबिदी, मौलाना समर महदी जैदपुरी, सैफ हुसैन,मौलाना यासूब अब्बास,मौलाना सैयद रज़ा मूसवी,मौलाना सैयद मुहम्मद हसनैन हुसैनी ने इमाम मेहंदी की शान में अपने कलाम पेश किये। जश्न का आगाज एजाज हुसैन कश्मीरी तिलावते कुरान ए पाक व संचालन राहिब हसन ने किया।

जश्ने मुंतजिर मनाया

अब्बासिया मस्जिद हसन पुरिया में जश्ने मुंतजिर मनाया गया। जश्ने महफ़िल को मौलाना जमन हैदर जैदपुरी और मौलाना फिरोज़ अब्बास ने खिताब किया। जश्न का आगाज कारी हबीब आलम रिजवी ने तिलावते क़ुरआन पाक से किया।इसके बाद शायर इमाम की शान में अपना नज़राना पेश किया। इसी तरह कर्बला नसीरुद्दीन हैदर डालीगंज में महफ़िल ए कायम का आयोजन किया गया। महफ़िल को मौलाना एजाज अतहर ने खिताब किया। इस मौके पर कर्बला में नज़र का सिलसिला चलता रहा।

जश्ने इमामे अस्र मनाया

मस्जिद बुतूली बेगम वा इमामबाड़ा जनाबे औन व मुहम्मद (अस) वज़ीरबाग में जश्ने इमामे अस्र (अस) का आयोजन किया गया। महफ़िल को मौलाना फिरोज़ अब्बास नक़वी ने खिताब किया जिसके बाद शोरा ए कराम ने बारगाहे मौला में नज़राना ए अकीदत पेश किया। जश्न का आग़ाज़ तिलावते कलाम-ए-पाक से क़ारी हसन आबिद ने किया।